THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-28 अंक : 123 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) श्रावण शु.4 2080 शुक्रवार, 21 जुलाई 2023

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

मन क्रोध से भरा : मोदी

> 140 करोड़ भारतीयों को शर्मसार होना पड़ा > किसी गुनहगार को बख्शेंगे नहीं

नई दिल्ली, 20 जुलाई (एजेंसियां)। संसद का मानसून सत्र आज सुबह 11 बजे से शुरू हो गया। कार्यवाही शुरू होते ही विपक्षी सांसदों ने मणिपुर मुद्दे पर हंगामा शुरू कर दिया। इसके चलते दोनों सदनों की कार्यवाही कल दोपहर तक के लिए स्थगित कर दी गई है। इससे पहले पीएम मोदी ने मणिपुर में दो महिलाओं को निर्वस्त्र सड़क पर घुमाने के मामले पर कहा, मेरा हृदय आज पीड़ा से भरा है, क्रोध से भरा है। मणिपुर की घटना किसी भी सभ्य समाज के लिए शर्मसार करने वाली घटना है। पाप करने वाले कितने हैं और कौन हैं ये अपनी जगह है। उन्होंने कहा, ये बेइज्जती पूरे देश की हो रही है। 140 करोड़ भारतीयों को शर्मसार होना पड़ा है। सभी मुख्यमंत्रियों से कहता हूं कि कानून-व्यवस्था को मजबूत करें। माताओं-बहनों की रक्षा के लिए सख्त कदम उठाएं।

पीएम ने कहा कि इस देश में हिंदुस्तान के किसी भी कोने या किसी भी राज्य सरकार में राजनीतिक वाद-विवाद से ऊपर उठकर कानून-व्यवस्था और बहनों का सम्मान प्राथमिकता है। किसी भी गुनहगार को बख्शा नहीं जाएगा। मणिपुर की बेटियों के साथ जो हुआ, उसे कभी माफ नहीं किया जा सकता।

दरअसल, मणिपुर में भीड़ ने कुकी समुदाय की दो महिलाओं को निर्वस्त्र कर सड़क पर घुमाने की घटना सामने आई है। यह मामला 4 मई का है। राजधानी इंफाल से लगभग 35 किलोमीटर दूर कांगपोकपी जिले में हुई। इसका वीडियो बुधवार को सोशल मीडिया पर वायरल हुआ। राज्य में ढाई महीने से ज्यादा समय से हिंसा जारी है।

मणिपुर हिंसा पर राज्यसभा में हंगामा

नई दिल्ली, 20 जुलाई (एजेंसियां)। मणिपुर मुद्दे पर हंगामे के बाद राज्यसभा में सदन की कार्यवाही राज्यसभा की कार्यवाही कल तक के लिए स्थगित हुई। कांग्रेस समेत अधिकांश विपक्षी दल मणिपुर में जारी हिंसा के मुद्दे पर राज्यसभा में चर्चा की मांग कर रहे थे।

प्रधानमंत्री पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री चुप हैं और उन्होंने फ्रांस, मिस्र और अन्य देशों सहित कई देशों का दौरा किया है। वह मणिपुर पर चुप हैं, वह मणिपुर पर एक बैठक बुला सकते थे, लेकिन ऐसा लगता है कि वह भूल गए हैं। राज्य के लोगों की दुर्दशा पर प्रकाश डालते हुए कांग्रेस नेता ने कहा कि लोगों को लूटा जा रहा है, महिलाओं के साथ सामूहिक बलात्कार किया जा रहा है लेकिन मोदीजी को मणिपुर याद नहीं आ रहा है। उन्होंने कहा, उनके पास 38 दलों की बैठक बुलाने के लिए समय है।

महिलाओं के साथ हुई घटना पर भड़के चीफ जस्टिस

नई दिल्ली, 20 जुलाई (एजेंसियां)। मणिपुर में दो महिलाओं को नग्न कर घुमाने के मामले का सुप्रीम कोर्ट ने भी संज्ञान लिया है। चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा है कि मणिपुर में महिलाओं के साथ जो हुआ वह पूरा तरह अस्वीकार्य है। सरकार इस पर तुरंत कार्रवाई करे। कोर्ट ने कहा कि अगर सरकार इस पर कार्रवाई नहीं करती है तो हम करेंगे।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि सांप्रदायिक टकराव के क्षेत्र में महिलाओं को किसी चीज की तरह इस्तेमाल करना संविधान का उल्लंघन है। उन्होंने कहा कि घटना का जो वीडियो वायरल हो रहा है, वह काफी परेशान करने वाला है। सीजेआई चंद्रचूड़, जस्टिस पीएस नरसिम्हा और जस्टिस मनोज मिश्रा की बेंच ने कहा कि हम सरकार को थोड़ा समय दे रहे हैं। अगर आगे जमीन पर कुछ नहीं होता है तो हम खुद कार्रवाई करेंगे।

इस घटना के जिम्मेदारों के खिलाफ जो भी कार्रवाई हो, उसके बारे में कोर्ट को पूरी जानकारी दी जाए। मीडिया में जो भी इस घटना के बारे में दिखाया गया और इस हिंसा के बीच महिलाओं का इस्तेमाल संवैधानिक लोकतंत्र की भावनाओं के खिलाफ है। केंद्र सरकार और राज्य सरकार इस बारे में सभी कदमों की जानकारी दे। सीजेआई ने इस मामले की सुनवाई अगले शुक्रवार तक टाल दी।

चार मई की घटना :

दरअसल, मणिपुर इन दिनों जातीय हिंसा की चपेट में है, लेकिन अब एक वीडियो को लेकर मणिपुर के पहाड़ी इलाकों में तनाव फैल गया है, जिसमें दो महिलाओं को नग्न करके घुमाया जा रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक, यह वीडियो चार मई का है और दोनों महिलाएं कुकी समुदाय से हैं, वहीं जो लोग महिलाओं को निर्वस्त्र कर घुमा रहे हैं वो सभी मैतई समुदाय से हैं। आदिवासी संगठन इंडिजिनस ट्राइबल लीडर्स फोरम ने दोषियों के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की है।

पहली गिरफ्तारी, दोषियों को दे सकते हैं मृत्युदंड

इंफाल, 20 जुलाई (एजेंसियां)। मणिपुर में दो महिलाओं को नग्न करके घुमाने की घटना पर मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने कड़ा रुख अपना लिया है। उन्होंने सभी अपराधियों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई करने की बात कही है। सीएम ने बताया कि मामले में पहली गिरफ्तारी आज सुबह की गई है। वहीं, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने घटना को लेकर सीएम से बात की। मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने गुरुवार को कहा कि वीडियो सामने आने के तुरंत बाद राज्य सरकार ने वीडियो का स्वत: संज्ञान लिया और जांच के आदेश दिए। उन्होंने कहा कि मणिपुर पुलिस ने कार्रवाई कर आज सुबह पहली गिरफ्तारी की है। फिलहाल मामले में गहन जांच चल रही है। हम यह सुनिश्चित करेंगे कि सभी अपराधियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए, जिसमें मृत्युदंड की संभावना पर भी विचार किया जाए।

शाह का आदेश :

अमित शाह ने गुरुवार को मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह से बात की। माना जा रहा है कि गृह मंत्री ने मुख्यमंत्री को 4 मई को हुई इस घटना में शामिल लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने का निर्देश दिया है। सूत्रों ने बताया कि शाह ने सिंह से घटना में शामिल सभी लोगों को पकड़ने के लिए संभावित कदम उठाने और कानून के अनुसार उचित कार्रवाई करने को कहा है।

यह है मामला :

मणिपुर इन दिनों जातीय हिंसा की चपेट में है, लेकिन अब एक वीडियो को लेकर मणिपुर के पहाड़ी इलाकों में तनाव फैल गया है जिसमें दो महिलाओं को नग्न करके घुमाया जा रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक, यह वीडियो चार मई का है और दोनों महिलाएं कुकी समुदाय से हैं, वहीं जो लोग महिलाओं को निर्वस्त्र कर घुमा रहे हैं वो सभी मैतई समुदाय से हैं। आदिवासी संगठन इंडिजिनस ट्राइबल लीडर्स फोरम ने दोषियों के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की है।

सदन में जब पीएम से मिलीं सोनिया गांधी

रखी मणिपुर पर चर्चा की मांग, मोदी ने दिया ये जवाब

नई दिल्ली, 20 जुलाई (एजेंसियां)। संसद का मानसून सत्र गुरुवार से शुरू हो गया है। सत्र के पहले दिन लोकसभा में पीएम नरेंद्र मोदी और कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी की मुलाकात हुई। इस दौरान दोनों नेताओं के बीच चर्चा हुई। चर्चा के दौरान सोनिया ने पीएम मोदी से मणिपुर की घटना पर चर्चा की बात भी रखी। पीएम मोदी ने सोनिया की बात सुनने के बाद कहा कि ठीक है, हम इसे देखेंगे।

दरअसल, लोकसभा की कार्यवाही शुरू होने से पहले पीएम मोदी सत्ता पक्ष और विपक्षी सदस्यों की बेंच पर पहुंचकर वहां मौजूद नेताओं से अभिवादन कर रहे थे। जैसे ही पीएम विपक्षी सदस्यों की बेंच के पास पहुंचे, तो उनकी मुलाकात कांग्रेस सांसद सोनिया गांधी से हुई। पीएम के अभिवादन के जवाब में सोनिया भी उनका अभिवादन किया। तभी पीएम ने सोनिया से उनके स्वास्थ्य का हालचाल जाना। इस पर सोनिया ने कहा कि फिलहाल उनकी सेहत अच्छी है। तभी सोनिया गांधी ने पीएम से कहा कि सदन के अंदर हम मणिपुर के मुद्दे पर चर्चा चाहते हैं। आप जल्द इस पर चर्चा कराएं। सोनिया की बात सुनने के बाद पीएम ने कहा कि ठीक है, हम इसे देखेंगे।

कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी ने बताया कि लोकसभा की कार्यवाही शुरू होने से पहले दोनों नेताओं की मुलाकात हुई। तभी पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने मणिपुर पर चर्चा की मांग की। इस पर पीएम मोदी ने कहा कि वह इसे देखेंगे।

राज्यसभा उपाध्यक्षों के नए पैनल का हुआ पुनर्गठन

50 प्रतिशत महिलाएं शामिल

नई दिल्ली, 20 जुलाई (एजेंसियां)। राज्यसभा सभापति और उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने गुरुवार को राज्यसभा उपाध्यक्षों के नए पैनल का पुनर्गठन कर दिया। पुनर्गठित किए गए पैनल में पचास प्रतिशत महिलाएं शामिल हैं। उपराष्ट्रपति ने सदन को जानकारी देते हुए बताया कि पैनल का पुनर्गठन 17 जुलाई 2023 को कर दिया गया था। राज्यसभा उपाध्यक्ष बनाए गए सांसदों में पीटी ऊषा, एस फांगनोन कोन्याक, फौजिया खान, सुलाता देव, वी विजयसाई रेड्डी, घनश्याम तिवारी, एल हनुमथैया और सुखेंदु शेखर रे का नाम शामिल है।

क्यों होता है पैनल का गठन :

उपराष्ट्रपति ने नए पैनल का

एलान करते हुए कहा कि सदस्यों को यह जानकर खुशी होगी कि पैनल में पचास प्रतिशत सदस्य महिला सांसद हैं। बता दें कि राज्यसभा के नियमों के मुताबिक राज्यसभा सभापति समय-समय पर सदन के सदस्यों में से कुछ को उपाध्यक्ष पैनल में नामित करते हैं। इन उपाध्यक्षों में से कोई एक, सभापति और उपसभापति की गैरमौजूदगी या फिर उनके निवेदन पर सदन की कार्यवाही का संचालन कर सकता है। इस पैनल में एक बार में छह से ज्यादा सदस्यों को नामित नहीं किया जा सकता।

उपराष्ट्रपति ने सदन को दी जानकारी :

गुरुवार को राज्यसभा की कार्यवाही के दौरान सदन के सदस्यों राजमणि पटेल, लक्ष्मीकांत वाजपेयी और संगीता यादव को उनके जन्मदिन की बधाई दी गई। उपराष्ट्रपति ने सदन को यह भी बताया कि 11 अप्रैल 2023 को उन्हें पश्चिम बंगाल से राज्यसभा के सदस्य लुइजिन्हो फालेरियो का इस्तीफा मिला था, जिसे उन्होंने स्वीकार कर लिया है।

150 किलो विस्फोटक 1200 जिलेटिन छड़ें 300 डेटोनेटर पकड़े गए

पणजी, 20 जुलाई (एजेंसियां)। गोवा में एक बड़ी आतंकी साजिश नाकाम हुई है। यहां पुलिस ने दो लोगों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से 150 किलो अवैध विस्फोटक सामग्री और 300 डेटोनेटर बरामद हुए हैं। बताया गया है कि इन लोगों को दक्षिण गोवा से पकड़ा गया है।

पुलिस ने बताया कि बरामद हुई जिलेटिन की छड़ें आमतौर पर खनन और निर्माण से जुड़े उद्योगों में इस्तेमाल की जाती हैं। जिन लोगों को गिरफ्तार किया गया है उनकी पहचान भुजंग खात्वकर (32) और तलक बैप्टिस्ट (35) के तौर पर हुई है। इन्हें सैनवोरडेम के गुड्डमोल इलाके से कस्टडी में लिया गया। बताया गया है कि यह लोग छह बॉक्स में 1200 जिलेटिन की छड़ें लिए थे। इनका कुल वजह 150 किलो था और छह बंडल में 300 डेटोनेटर भी इकट्ठा थे।

रायगढ़ में भूस्खलन से 13 की मौत

100 के करीब लोग दबे, गृह मंत्री रख रहे घटना पर नजर

मुंबई, 20 जुलाई (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के रायगढ़ में एक बड़ा हादसा हुआ है। दरअसल रायगढ़ में हुए भूस्खलन में 30 से ज्यादा परिवारों के फंसे होने की आशंका है। बता दें कि रायगढ़ की खालापुर तहसील के इरशालवाड़ी गांव में यह हादसा हुआ, जिसमें करीब 100 लोग फंसे हुए हैं। जिस जगह हादसा हुआ, वह मोरबी बांध से छह किलोमीटर दूर है। हादसे में कई लोगों को मारे जाने की आशंका है।

अभी तक 13 लोगों की मौत की खबर है। इनके शव बरामद कर लिए गए हैं। वहीं, तीन लोग घायल हैं, जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे भी घटनास्थल पहुंचे हैं। वहीं, केंद्रीय गृह मंत्री शाह ने घटना पर सीएम से बात की और इस घटना पर निगरानी रख रहे हैं। रायगढ़ के

जिलाधिकारी योगेश महासे ने बताया कि घटना मध्य रात्रि की है। एक टीम, जिसमें सब डिविजनल ऑफिसर और तहसीलदार शामिल हैं, घटनास्थल पर पहुंच चुकी है। जिलाधिकारी ने बताया कि भूस्खलन जिस जगह हुआ, वहां पहुंचने के लिए दो घंटे की चढ़ाई करनी पड़ती है, जिसकी वजह से राहत और बचाव कार्य चुनौतीपूर्ण है। घटना की सूचना मिलते ही मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने भी अधिकारियों को फोन कर घटना की जानकारी ली और गुरुवार सुबह वह घटनास्थल पहुंच गए। वहीं पनवेल और नवी मुंबई के सभी अस्पतालों को सूचित कर दिया गया है और उन्हें प्रभावितों को सभी जरूरी चिकित्सा सेवाएं मुहैया कराने के निर्देश दिए गए हैं।

भारी बारिश का रेड अलर्ट

वहीं मौसम विभाग ने गुरुवार को रायगढ़ में भारी बारिश का रेड अलर्ट जारी किया है। जिला प्रशासन ने एनजीओ से अपील की है कि वह एनडीआरएफ की मदद के लिए आगे आएं ताकि जल्द से जल्द बचाव कार्य को पूरा किया जा सके।

एनडीआरएफ की दो टीमें मौके पर पहुंच चुकी हैं। साथ ही चार एंबुलेंस भी मौके पर मौजूद हैं। हादसा जिस जगह हुआ, वहां आदिवासी लोग रहते हैं। हादसे में घटनास्थल पर पांच-छह मकान और एक स्कूल सुरक्षित बच गए। बारिश के चलते 10-12 लोग स्कूल में रुके हुए थे, जिसकी वजह से उनकी जान बच गई। वहीं पांच लोग मछली पकड़ने मोरबी बांध गए हुए थे, उनकी भी जान बच गई है।

एयरहोस्टेस गीतिका सुसाइड केस में 25 जुलाई को सुनाया जाएगा फैसला

हरियाणा के पूर्व मंत्री गोपाल कांडा पर रेप का आरोप, विवाद से छोड़नी पड़ी थी कुर्सी

हिसार, 20 जुलाई (एजेंसियां)। हरियाणा के बहुचर्चित एयर होस्टेस गीतिका सुसाइड केस में आज फैसला टल गया। हरियाणा के पूर्व गृह राज्यमंत्री और इस वक्त सिरसा से हरियाणा लोकहित पार्टी (हलोपा) विधायक गोपाल कांडा के खिलाफ रेप केस में आज राउज एवेन्यू कोर्ट फैसला सुनाएगी। गोपाल कांडा कोर्ट पहुंच गए है। कोर्ट ने फैसला 25 जुलाई को सुनाने का निर्णय लिया।

इस केस में सिरसा के गोपाल कांडा मुख्य आरोपी हैं, जबकि एमडीएलआर कंपनी में सीनियर मैनेजर रही अरुणा चड्ढा भी आरोपी हैं। कांडा इस मामले में 18 महीने जेल में रह चुके हैं। वहीं कोर्ट का फैसला विधायक गोपाल कांडा का राजनीतिक भविष्य तय करेगा, यदि उन्हें दोषी ठहराया जाता है तो उनका विधायक का पद जा सकता है।

जूतों की दुकान से नेता बने गोपाल कांडा :

गोपाल कांडा की सिरसा में रेडियो रिपेयर की छोटी सी दुकान थी। कांडा ने इसे बढ़ाकर जूते-चप्पल की दुकान खोली। दुकान चल पड़ी तो जूता फैक्ट्री खोल ली। इसके बाद राजनीति में पहचान बनानी शुरू कर दी। कांडा ने रियल एस्टेट का कारोबार करना भी शुरू कर दिया। गोपाल कांडा ने फिर 2008 में पिता मुरलीधर लेखा राम के नाम पर गुड़गांव से एमडीएलआर एयरलाइंस की शुरूआत की। हालांकि बाद में कुछ विवाद होने पर इसे बंद कर दिया। इस दौरान कांडा की करीब 40 दूसरी कंपनियां चलती रहीं। इन्हीं कंपनियों में गोपाल कांडा ने लड़कियों को भर्ती करना शुरू कर दिया। छोटी उम्र की लड़कियों को बड़े पद देने शुरू कर दिए।

8 चीतों की मौत पर सुप्रीम कोर्ट ने पूछा

दूसरी जगह शिफ्ट क्यों नहीं कर देते, केंद्र का जवाब-इसकी आशंका पहले से थी

नई दिल्ली, 20 जुलाई (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के कूनो में चीतों की मौत पर केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में गुरुवार को जवाब दिया। केंद्र सरकार ने कहा कि इस बात की आशंका पहले से थी। सुप्रीम कोर्ट ने सरकार से पूछा था कि क्या ऐसा होना सही है।

इस पर केंद्र की ओर से एडिशनल सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्य भाटी ने कहा, हमें इस बात की आशंका थी। दूसरी जगह से शिफ्ट किए जाने पर पहले साल में 50 प्रतिशत मौतें होना खतरे की घंटी नहीं है। हमारी रिपोर्ट में सारी डिटेल है। कूनो में 7 जुलाई को सूरज, जबकि 11 जुलाई को तेजस नाम के चीते की मौत हो गई थी। एक हफ्ते में दो चीतों की मौत को नेशनल टाइगर कंजर्वेशन अथॉरिटी (एनटीसीए) ने नेचुरल बताया था। यहां पिछले चार महीने में 8 चीतों की मौत हो चुकी है।

चीतों पर सुप्रीम कोर्ट में सवाल-जवाब....

नेशनल टाइगर कंजर्वेशन को निर्देश और दिशा देने के लिए एक एक्सपर्ट कमेटी बनाई गई है। इस कमेटी ने ही चीतों की मौत का मामला सुप्रीम कोर्ट में उठाया है। कमेटी की एप्लीकेशन पर जस्टिस बीआर गवई, जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस प्रशांत कुमार मिश्रा की बेंच सुनवाई कर रही है। सुनवाई के दौरान बेंच ने सवाल पूछे।

सुप्रीम कोर्ट : 40 प्रतिशत चीते मर गए, यह अच्छा नहीं है। आप इन्हें किसी दूसरी जगह

शिफ्ट क्यों नहीं कर देते? अब तक कितने चीतों की मौत हुई है?

एक्सपर्ट कमेटी : 8 मौतें हुईं।

सुप्रीम कोर्ट : कितनी मौतें?

केंद्र सरकार : 20 चीते अफ्रीका से लाए गए थे और 4 का जन्म यहीं हुआ था।

सुप्रीम कोर्ट : शावक कितने थे और कितने बचे?

केंद्र सरकार : 4 शावक थे और 3 की मौत हो गई। इनके सर्वाइवल के लिए जरूरी कदम उठाए जा रहे हैं। यह हमारे लिए एक प्रतिष्ठा वाला प्रोजेक्ट है और हम पूरी कोशिश कर रहे हैं।

सुप्रीम कोर्ट : भले ही यह प्रतिष्ठा वाला प्रोजेक्ट हो, लेकिन एक साल के भीतर 40 प्रतिशत की मौत हो जाना क्या अच्छी बात है?

केंद्र सरकार : जैसा कि हमें बताया गया है, इस बात की आशंका हमें पहले ही थी। किसी दूसरी जगह से शिफ्ट किए जाने के एक साल के भीतर 50 प्रतिशत की मौत होना चौंकाने वाला नहीं है। स्टेटस रिपोर्ट में सारी डिटेल है। कुछ सुझाव भी दिए गए हैं।

सुप्रीम कोर्ट : सभी चीतों को एक जगह रखने की बजाय आप इन्हें अलग-अलग जगहों पर क्यों नहीं भेज देते हैं?

केंद्र सरकार : एक्सपर्ट्स ने इस पहलू पर भी विचार किया है। इस संबंध में उठाए गए कदमों और आगे के एक्शन के बारे में भी हम आपको बताएंगे। यह दुर्भाग्यपूर्ण घटना है। हम क्या कर रहे हैं, यह स्टेटस रिपोर्ट में है। कुछ और विकल्पों पर भी विचार किया जा रहा है।

सुप्रीम कोर्ट : समस्या क्या है। अभी तो यही लग रहा है कि हमारा वातावरण चीतों के लिए अनुकूल नहीं है?

केंद्र सरकार : बहुत सारी समस्याएं हैं। हर मौत की जांच की गई है और स्टेटस रिपोर्ट में इसका जिक्र है। आप इसे देख लें और निर्देश दें कि आगे क्या किया जाए।

पीएम मोदी ने पिछले साल अपने जन्मदिन पर छोड़े थे चीते :

17 सितंबर 2022 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने जन्मदिन पर नामीबिया से लाए गए 8 चीतों को कूनो नेशनल पार्क में रिलीज किया था। इस साल 18 फरवरी को साउथ अफ्रीका से 12 और चीतों को कूनो में छोड़ा गया था। यानी कुल 20 चीते लाए गए हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने संवैधानिक पीठ को भेजा दिल्ली अध्यादेश मामला

पांच जजों की बेंच करेगी सुनवाई

नई दिल्ली, 20 जुलाई (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली अध्यादेश का मामला संवैधानिक पीठ को भेज दिया है। पांच जजों वाली संवैधानिक पीठ इस मामले पर सुनवाई करेगी। बता दें कि अध्यादेश के खिलाफ दिल्ली सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की थी। मंगलवार को इस याचिका पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने संकेत दिए थे कि वह इस मामले को संवैधानिक पीठ के पास भेज सकते हैं। गुरुवार को फिर से दिल्ली सरकार की याचिका पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने मामले को पांच जजों की संवैधानिक पीठ के पास भेजने का आदेश दिया।

दिल्ली अध्यादेश 2023 के तहत राजधानी दिल्ली में प्रशासनिक अधिकारियों के तबादले और नियुक्ति का अधिकार उपराज्यपाल को दिया गया है। इस अध्यादेश के तहत केंद्र सरकार ने राष्ट्रीय राजधानी सिविल सर्विसेज अथॉरिटी का गठन किया है। इस अथॉरिटी में दिल्ली के मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में मुख्य सचिव और प्रधान गृह सचिव को सदस्य बनाया गया है। यह अथॉरिटी ही दिल्ली में अधिकारियों की नियुक्ति और तबादले का फैसला करेगी। हालांकि इस अथॉरिटी में मतभेद होने पर अंतिम फैसले का अधिकार उपराज्यपाल को दिया गया है।

दिल्ली में प्रशासन को लेकर केंद्र और दिल्ली सरकार के बीच रस्साकशी चल रही है। इसके चलते यह विवाद सुप्रीम कोर्ट गया, जहां 11 मई को दिए अहम फैसले में सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली में प्रशासनिक अधिकारियों के तबादले और नियुक्ति का अधिकार चुनी हुई सरकार को दिया है। वहीं दिल्ली पुलिस, जमीन और सार्वजनिक व्यवस्था से जुड़े अधिकार केंद्र को दिए गए। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद केंद्र सरकार 19 मई को एक अध्यादेश लेकर आई, जिसे राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली (संशोधन) अध्यादेश, 2023 का नाम दिया गया।

मणिपुर वीडियो को लेकर पीएम मोदी पर बरसे सिब्बल, कहा- 'शर्म से सिर झुका लेना चाहिए'

नई दिल्ली, 20 जुलाई (एजेंसियां)। मणिपुर में दो महिलाओं को निर्वस्त्र घुमाने के वायरल वीडियो को लेकर राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर बरसे। उन्होंने घटना को 'दुर्भाग्यपूर्ण' बताया है। सिब्बल ने गुरुवार को कहा कि इस घटना के सामने आने के बाद हमें अपना सिर शर्म से झुका लेना चाहिए। उन्होंने पत्रकारों से बात करते हुए कहा, हमें शर्म से अपना सिर झुका लेना चाहिए कि हमारे देश में ऐसा हो रहा है।

पीएम मोदी पर बरसे सिब्बल

मणिपुर की महिलाओं का वायरल वीडियो को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बयान पर कपिल सिब्बल ने कहा, प्रधानमंत्री ने इस घटना के बाद चुप्पी तोड़ी है। उनका यह बयान तब आया, जब भारत के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ द्वारा सरकार को कार्रवाई करने के लिए कहने और मामले को शुक्रवार के लिए सूचीबद्ध करने के बाद आया। आज सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी के बाद पीएम ने बयान दिया। लेकिन अब भी गृह मंत्री का बयान नहीं आया है। उन्होंने सवाल किया, इस मुद्दे पर गृह मंत्री चुप क्यों हैं? 'बेटी पढ़ाओ बेटी बचाओ' का क्या हुआ? क्या आप ऐसे बचाएंगे बेटियों को? एससी ने लिया स्वतः संज्ञान : इससे पहले सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि मणिपुर की दो आदिवासी महिलाओं को नग्न परेड कराने और उनसे छेड़छाड़ की घटना 'बेहद परेशान' करने वाली है। केंद्र और राज्य इन अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई करें।

भारत के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति पीएस नरसिम्हा और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने कहा कि यह बिल्कुल अस्वीकार्य है और महिलाओं को हिंसा में एक साधन के रूप में इस्तेमाल करना भी स्वीकार्य नहीं है। बुधवार को सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो पर स्वतः संज्ञान लेते हुए पीठ ने केंद्र और राज्य से इस मुद्दे पर उठाए गए कदम की जानकारी देने को कहा।

जम्मू कश्मीरः रामबन में सैन्य वाहन पर अचनाक गिरा पेड़, सेना के दो जवान घायल

जम्मू, 20 जुलाई (एजेंसियां)। रामबन में गुरुवार को एक हादसा हो गया। जिले में जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर सैन्य वाहन पर अचानक एक पेड़ अपनी जड़ों से टूट कर गिर गया। इससे दो सेना के जवान घायल हो गए। उपचार के लिए दोनों सेना के जवानों को अस्पताल ले जाया गया है। एक अधिकारी ने बताया कि ट्रक सेना के काफिले का

हिस्सा था और दोनों घायलों का इलाज अस्पताल में जारी है।

क्या कांग्रेस नेता कमलनाथ ने की थी देश से गद्दारी

परमाणु परीक्षण की जानकारी अमेरिका को लीक करने का आरोप

भोपाल, 20 जुलाई (एजेंसियां)। कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी और राहुल गांधी के करीबी माने जाने वाले मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष और पूर्व सीएम कमलनाथ पर एक बड़ा सनसनीखेज आरोप लगा है। दरअसल, मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस नेता कमलनाथ पर परमाणु परीक्षण की जानकारी अमेरिका को लीक करने का इल्जाम लगाया गया है। दरअसल, सोशल मीडिया पर विकीलीक्स की रिपोर्ट के हवाले से कमलनाथ पर 1976 में अमेरिका को न्यूक्लियर डील की गोपनीय जानकारी देने का इल्जाम लगाया है। विकीलीक्स के पब्लिक लाइब्रेरी ऑफ यूएस डिप्लोमेसी के डाक्यूमेंट्स को लेकर देश की सियासत में भूचाल सा आ गया है। बता दें कि, विकीलीक्स ने अपनी एक रिपोर्ट में दावा किया था कि परमाणु परीक्षण के बारे में कमलनाथ ने अमेरिकी दूतावास को जानकारी दी थी। इस खुलासे से चुनावी राज्य मध्य प्रदेश की राजनीति में भी हड़कंप मचा हुआ है। भाजपा का आरोप है कि पूर्व पीएम राजीव गांधी के करीबी कमलनाथ ने देश को धोखा दिया है। भाजपा ने कहा है कि चाहे 1984 के सिख विरोधी दंगे हों या यह खतरनाक खुलासा, कमलनाथ ने देश की सुरक्षा के साथ समझौता किया है। इसको लेकर भाजपा नेताओं के साथ सोशल मीडिया पर यूजर्स भी कांग्रेस के वरिष्ठ नेता कमलनाथ पर निशाना साध रहे हैं।

कोविड सेंटर घोटाले में संजय राउत के 2 करीबी गिरफ्तार, ईडी ने की कार्रवाई

मुंबई, 20 जुलाई (एजेंसियां)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मुंबई नगर निगम में कोरोना के दौरान कथित कोविड घोटाला मामले में शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) पार्टी के नेता संजय राऊत के करीबी सुजीत पाटकर और किशोर बिसुरे को गिरफ्तार किया है। जानकारी के अनुसार भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेश उपाध्यक्ष किरीट सोमैया ने कोरोना के दौरान मुंबई नगर निगम में कोविड सेंटर का काम दिए जाने में 100 करोड़ रुपये का घोटाला किए जाने का आरोप लगाया था । इस मामले की शिकायत किरीट सोमैया ने ईडी के समक्ष की थी। इसके बाद ईडी की टीम ने लाइफलाइन हास्पिटल मैनेजमेंट के सजीत पाटकर, दहिसर कोविड फील्ड हास्पिटल के डॉ। किशोर बिसुरे, मुंबई नगर निगम के अधिकारी संजीव जायसवाल, सुरेश चव्हाण से पूछताछ की थी। इसी पूछताछ के आधार पर ईडी की टीम ने गुरुवार सुबह संजय राऊत के करीबी सुजीत पाटकर और किशोर बिसुरे को गिरफ्तार किया है। इस मामले की गहन छानबीन जारी है।

दिल्ली में रहस्यमय परिस्थितियों में मृत पाया गया व्यक्ति

नई दिल्ली, 20 जुलाई (एजेंसियां)। दिल्ली के करावल नगर में गुरुवार को एक घर की दूसरी मंजिल की छत पर 30 वर्षीय एक अज्ञात व्यक्ति रहस्यमय परिस्थितियों में मृत पाया गया। एक पुलिस अधिकारी ने यह जानकारी दी। सुबह करीब 9।20 बजे पुलिस को शिव विहार के फेज-1 स्थित घर में एक मृत व्यक्ति की सूचना मिली। पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर शव का निरीक्षण किया तो शरीर पर चोट के कोई निशान नहीं मिले। प्रारंभिक जांच के दौरान, यह पता चला कि वह इलाके में एक मजदूर के रूप में काम कर रहा था और अन्य मजदूरों के साथ एक कमरा साझा कर रहा था,

जम्मू से 6,523 श्रद्धालु 262 वाहनों में सवार होकर अमरनाथ गुफा के लिए रवाना

जम्मू, 20 जुलाई (एजेंसियां)। बम बम भोले का जाप करते हुए जम्मू के भगवती नगर आधार शिविर से 6,523 श्रद्धालुओं का एक और जत्था 262 वाहनों में सवार होकर अमरनाथ की पवित्र गुफा के लिए गुरुवार सुबह रवाना हुआ। अधिकारियों के अनुसार कुल 6,523 श्रद्धालुओं में से 3746 श्रद्धालु 167 वाहनों के काफिले में पहलगाम के लिए रवाना हुए, जिसमें 2,995 पुरुष, 665 महिलाएं, दो बच्चे, 75 साधु और नौ साध्वियां हैं। इसी तरह बालटाल के लिए 2777 श्रद्धालु 97 वाहनों के काफिले में रवाना हुए हैं, जिनमें 1,750 पुरुष, 1020 महिलाएं, एक बच्चा और छह साधु हैं।

पुलिस ने गिरफ्तार किया टैब चोर, 2 साथियों से रिकवर हुए 15 गैजेट्स

नई दिल्ली, 20 जुलाई (एजेंसियां)। द्वारका जिला के एंटी बर्गलरी सेल की टीम ने टैब चोर को गिरफ्तार किया है। आरोपी का फोकस मंहगे गेजेट्स खासकर टैब चोरी करने का रहता है। इसके अलावा चोरी का टैब खरीदने वाले रिसीवर को भी पुलिस ने पकड़ा है। इन दोनों के पास से 15 चोरी के टैब्स बरामद किए गए है। आरोपी मटियाला इलाके का रहने वाला है। इसके साथी आसू उर्फ चीकू को पुलिस ने द्वारका सेक्टर 2 से गिरफ्तार किया है। द्वारका के डीसीपी एम हर्षवर्धन ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी राजकुमार पहले से आधा दर्जन मामलों का आरोपी है। इसके ऊपर सेंधमारी, चोरी और आर्म्स एक्ट के मामले चल रहे हैं।

मणिपुर वीडियो की टाइमिंग पर नवनीत राणा ने उठाए सवाल

इस मुद्दे पर महिला नेताओं ने क्या कहा

इंफाल, 20 जुलाई (एजेंसियां)। मणिपुर से ढाई महीने बाद सामने आए एक वीडियो पर देश में उबाल है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी वीडियो पर अपना गुस्सा जाहिर किया। विपक्ष उनसे लगातार खामोशी तोड़ने की अपील कर रहा था। आज संसद सत्र से पहले मीडिया से बातचीत में पीएम ने कहा कि उनका 'दिल पीड़ा से भरा है। गुनगहारों को बख्शा नहीं जाएगा।' अब अमरावती से निर्दलीय सांसद नवनीत राणा ने वीडियो की टाइमिंग पर सवाल खड़े किए। उन्होंने कहा कि 'आखिर संसद सत्र से ठीक एक दिन पहले वीडियो बाहर कैसे आया?' नवनीत राणा कहती हैं कि वह इतना एक्टिव रहती हैं, बावजूद इसके उन्होंने मई से वीडियो नहीं देखा। महिलाओं को निर्वस्त्र कर उन्हें प्रताड़ित करने, शोषण करने की घटना की वीडियो के लिए उन्होंने विपक्ष को जिम्मेदार ठहराया। कहा कि इस वीडियो को जानबूझकर संसद सत्र के पहले रात में वायरल किया गया। उन्होंने बताया कि घटना मई की है। सांसद आगे कहती हैं कि 'विपक्ष कोई भी मुद्दा बना सकती है।

डेरा बाबा नानक कॉरिडोर पर बाढ़ का खतरा, बॉर्डर पर ही रोके गए श्रद्धालु, 2 दिन बंद रहेगी यात्रा

करतारपुर, 20 जुलाई (एजेंसियां)। भारत पाकिस्तान सीमा पर डेरा बाबा नानक के पास बने कॉरिडोर पर बाढ़ का खतरा बढ़ने लगा है। इसके चलते गुरुवार को श्रद्धालुओं को जाने नहीं दिया गया। करतारपुर साहिब कॉरिडोर में बाढ़ का पानी आने की वजह से आज किसी भी यात्री को कॉरिडोर के जरिए पाकिस्तान स्थित करतारपुर साहिब गुरुद्वारा में माथा टेकने के लिए जाने से रोक दिया गया। यही नहीं गुरदासपुर जिला प्रशासन ने प्रस्ताव दिया है कि यात्रा को दो दिन के लिए रोक दिया जाए। इस पर अंतिम निर्णय के लिए बीएसएफ और पाकिस्तान रेंजर्स के बीच फ्लैग मीटिंग चल रही है। गुरदासपुर डीसी हिमांशु जैन ने कहा कि जीरो लाइन के पास रावी नदी का पानी आने से आज जो 20 यात्री दर्शन करने के लिए आए थे उन्हें कॉरिडोर के जरिए पाकिस्तान की तरफ नहीं जाने दिया गया।

पहली बार रानी लक्ष्मीबाई की समाधि पर जाएगा गांधी परिवार, रानी को नमन कर सिंधिया को घेरेंगी प्रियंका

ग्वालियर, 20 जुलाई (एजेंसियां)। मध्यप्रदेश में होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर इस समय राजनीति का केंद्र बिंदु ग्वालियर है। यही कारण है कि 21 जुलाई को प्रियंका गांधी चुनावी अभियान की शुरुआत करने आ रही हैं। सिंधिया के गढ़ ग्वालियर में प्रियंका गांधी सबसे पहले वीरांगना रानी लक्ष्मीबाई की समाधि स्थल पर पहुंचकर पुष्पांजलि अर्पित करेंगी। उसके बाद चुनावी अभियान की शुरुआत करेंगी। ये पहला मौका है जब गांधी परिवार का कोई सदस्य वीरांगना रानी लक्ष्मीबाई की समाधि स्थल पर बार पहुंच रहा है। इसको लेकर राजनीतिक गलियारों में काफी हलचल है। सिंधिया के गढ़ ग्वालियर में प्रियंका गांधी के दौरे को लेकर मध्यप्रदेश से लेकर दिल्ली तक के बड़े नेता डेरा डाले हुए हैं क्योंकि 21 जुलाई को पहली बार सिंधिया के गढ़ ग्वालियर में हुंकार भरने के लिए प्रियंका गांधी आ रही हैं। इस दौरे को लेकर कांग्रेस पार्टी की तरफ से भव्य तैयारियां चल रही हैं। तमाम बड़े नेता हैं, जो दिन भर कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए बैठकें आयोजित कर रहे हैं। इसके साथ ही मध्यप्रदेश के कई बड़े नेताओं को अलग-अलग जिम्मेदारी दी गई हैं कि प्रियंका गांधी के दौरे को एक ऐतिहासिक दौरा बनाया जाए। इसको लेकर जिले के बड़े नेताओं को जिम्मेदारी दी गई है कि ज्यादा से ज्यादा संख्या में वह अपने साथ लोगों को लेकर आयें, ताकि प्रियंका गांधी के द्वारा मध्यप्रदेश की भ्रष्ट सरकार और घोटालेबाज सरकार का चेहरा उजागर हो। प्रियंका गांधी 21 जुलाई को ग्वालियर आएंगी। इस दौरान शहर के मेला ग्राउंड में स्थित एक बड़ी रैली को संबोधित करेंगी।

बताया जा रहा है कि एक लाख से अधिक की संख्या में भीड़ इकट्ठी होने वाली है। प्रियंका गांधी सुबह 10:00 बजे नई दिल्ली से प्रस्थान करेंगी और सुबह 11:00 बजे ग्वालियर एयरपोर्ट पर उनका आगमन होगा, जहां पर कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेता उनकी अगवानी करेंगे।उसके बाद प्रियंका गांधी 11:30 पर वीरांगना रानी लक्ष्मी बाई समाधि स्थल पर पहुंचेंगी। जहां पर वह समाधि पर माथा टेकेगी और उसके बाद पुष्पांजलि अर्पित करेंगी। प्रियंका गांधी समाधि स्थल से सीधे मेला ग्राउंड स्थित सभा स्थल पर पहुंचेगी, जहां पर एक विशाल आम जनसभा को संबोधित करेंगी। प्रियंका गांधी के दौरे में वीरांगना रानी लक्ष्मीबाई की समाधि स्थल पर पहुंचना सबसे ज्यादा सुर्खियों में है।

इसका सबसे बड़ा कारण है कि ऐसा पहली बार देखने में आ रहा है कि गांधी परिवार का कोई सदस्य लक्ष्मी बाई की समाधि स्थल पर पहुंच रहा है। इसको लेकर कांग्रेस का कहना है कि प्रियंका गांधी समाधि स्थल पर पहुंचकर लक्ष्मीबाई का आशीर्वाद लेने और पुष्पांजलि अर्पित कर ज्योतिरादित्य सिंधिया को उनका इतिहास याद दिलाएंगी। उनका कहना है कि कुछ परिवार ऐसे हैं जिनका वीरांगना से ताल्लुक नहीं है बल्कि अंग्रेजों से रहा है। इस इतिहास को मध्यप्रदेश की जनता को बताने के लिए प्रियंका गांधी आ रही हैं। कांग्रेस के प्रदेश मीडिया प्रभारी केके मिश्रा का कहना है कि प्रियंका गांधी सबसे पहले वीरांगना रानी लक्ष्मी बाई की समाधि स्थल पर पहुंचेंगे और उनका आशीर्वाद लेने के बाद चुनावी अभियान की शुरुआत करेंगी। रानी लक्ष्मीबाई एक ऐसी वीरांगना हैं, जिनको नमन करने के लिए हर कोई पहुंचता है लेकिन कुछ परिवार ऐसे हैं जिनका वीरांगना से ताल्लुक नहीं रहा बल्कि अंग्रेजों से रहा है।

वहीं प्रियंका गांधी के दौरे को लेकर बीजेपी के सांसद विवेक नारायण शेजवलकर का कहना है कि चुनाव आते ही राहुल और प्रियंका मंदिर मस्जिद घूम रहे हैं, लेकिन फिर भी यह सही है कि देर आए दुरुस्त आए। चुनाव के बहाने कम से कम वह वीरांगना रानी लक्ष्मीबाई के समाधि स्थल पर पहुंचकर उनका आशीर्वाद लेने के लिए जा रहे है।

ओडिशा में 15 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी के मामले में एक और बिल्डर गिरफ्तार

भुवनेश्वर, 20 जुलाई (एजेंसियां)। ओडिशा आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) ने गुरुवार को 15 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी के मामले में कथित संलिप्तता के लिए एक रियल एस्टेट फर्म के एडिशनल डायरेक्टर को गिरफ्तार किया। आरोपी रियल एस्टेट कंपनी मिश्रा क्रिएशन्स प्राइवेट लिमिटेड के एडिशनल डायरेक्टर संतोष कुमार रथ हैं, जिसने निवेशकों को भुवनेश्वर के बाहरी इलाके चंदका में अपने प्रोजेक्ट 'यूटोपिया' में फ्लैट उपलब्ध कराने के लिए धोखा दिया। इससे पहले, उसी रियल एस्टेट कंपनी के प्रबंध निदेशक ज्योति रंजन मिश्रा को स्वदेश रे चौधरी की शिकायत के आधार पर दर्ज मामले में गिरफ्तार किया गया था। ईओडब्ल्यू के अधिकारियों ने कहा कि दोनों ने 'यूटोपिया' परियोजना में फ्लैट देने के नाम पर स्वदेश के साथ-साथ अन्य निवेशकों को धोखा दिया।

भोग समारोह में पार्टनर्स पर फायरिंग, एक की मौत, दूसरा गंभीर, अमलोह के गांव में हुई वारदात

अमलोह/मंडी गोबिंदगढ़, 20 जुलाई (एजेंसियां)। फतेहगढ़ साहिब की सब डिवीजन अमलोह के गांव सलाणा दुल्ला सिंह वाला के गुरुद्वारे में भोग समारोह के बाद एक व्यक्ति ने दो लोगों पर अंधाधुंध फायरिंग कर दी। फायरिंग में एक व्यक्ति की मौके पर मौत हो गई जबकि दूसरा व्यक्ति गंभीर है। फायरिंग करने के बाद आरोपी वहां से भागा नहीं और पुलिस को अपनी गिरफ्तारी दे दी। मृतक की पहचान करनैल सिंह पुत्र चंद्र सिंह निवासी गांव रामगढ़ के तौर पर हुई है। जबकि करतार सिंह पुत्र गुरमेल सिंह निवासी मंडी गोबिंदगढ़ को गोलियां लगी हैं जिसे खन्ना के आईवीवाई अस्पताल में प्राथमिक उपचार देने के बाद चंडीगढ़ रेफर किया गया है। आरोपी की पहचान कुलदीप सिंह पुत्र गुरचरण सिंह निवासी गांव रामगढ़ थाना अमलोह के तौर पर हुई है। जानकारी के अनुसार, गांव सलाणा के गुरुद्वारा साहिब में एक ठेकेदार सुरिंदर सिंह का भोग समारोह था। आयोजन में काफी लोग आए हुए थे। भोग खत्म होने के बाद सभी लोग चाय पी रहे थे। इसी दौरान भीड़ से निकलकर आए आरोपी कुलदीप सिंह ने फायरिंग कर दी। फायरिंग में करनैल सिंह (59) की मौत हो गई। करतार सिंह घायल हो गए, जिन्हें आईवीवाई खन्ना में अस्पताल में भर्ती कराया गया। पता चला कि आरोपी, मृतक और घायल 2008 से मंडी गोबिंदगढ़ के गांव बदीनपुर में जेएस हैमर में भागीदार थे। पीड़ितों का आरोपी के साथ कुछ लेनदेन का मामला था। यह भी बताया जा रहा है कि पीड़ितों ने आरोपी कुलदीप सिंह को पार्टनरशिप से हटा दिया था जिसके रोष में उसने मौका देखते हुए इस वारदात को अंजाम दे दिया। अमलोह पुलिस मामले की गहन जांच में जुटी है।

बंगाल सरकार से पार्लियामेंट्री कमेटी नाराज, अधिकारियों की बात सुने बिना भेजा वापस

कोलकाता, 20 जुलाई (एजेंसियां)। संसद की गृह मंत्रालय संबंधी स्टैंडिंग कमेटी की बैठक में आज बंगाल सरकार की भारी किरकिरी हुई। बंगाल सरकार के रवैए से नाराज पार्लियामेंट्री कमेटी ने बंगाल के अधिकारियों को बिना उनका पक्ष सुने ही वापस बैरंग लौटा दिया। नाराज संसदीय समिति ने कहा कि बंगाल के मुख्यसचिव के आने पर ही राज्य का पक्ष सुनेंगे। दरअसल आज संसद की गृह मंत्रालय मामलों पर बनाई गई स्टैंडिंग कमेटी ने कैदियों की स्थिति पर रिपोर्ट जानने के लिए तीन राज्यों, असम, पश्चिम बंगाल और ओडिशा के मुख्य सचिवों को बैठक के सामने बुलाया था। जिसमें असम और ओडिशा ने अपने अपने राज्यों के मुख्य सचिवों को बैठक में भेजा था, लेकिन पश्चिम बंगाल के मुख्यसचिव की जगह विभाग के सचिव और उनके अधीन अधिकारी बैठक में आए थे। इस बात पर आज की मीटिंग में समिति के सदस्यों ने आपत्ति जताई की बैठक में पेश होने के लिए जब मुख्यसचिव को बुलाया गया था और इसके लिए उन्हें एडवांस में सूचना भी दी गई थी फिर वो कमेटी के सामने क्यों नहीं आए और संबंधित विभाग सचिव के सचिव क्यों भेज दिया। इसलिए सभी सांसदों ने समिति के अध्यक्ष से आग्रह किया की पश्चिम बंगाल का पक्ष तब तक न सुना जाए जब तक की स्वयं मुख्य सचिव बैठक में न आएं। कमेटी के सदस्यों की मांग पर मुहर लगाते हुए गृह विभाग की स्टैंडिंग कमेटी के अध्यक्ष ने भी माना और बंगाल के अधिकारियों को बिना रिपोर्ट लिए वापस लौटा दिया। आज की बैठक में केवल असम और ओडिशा के मुख्य सचिवों ने ही अपनी रिपोर्ट रखी। कमिटी के चेयरमैन बृजलाल ने इसके लिए पश्चिम बंगाल के मुख्य सचिव को समिति की बैठक में उपस्थित रहने के निर्देश दिए।

बिप्लब कुमार देब ने उठाए सवाल

सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक आज की बैठक में केंद्रीय गृह मंत्रालय के 4 आला अधिकारी, असम के मुख्य सचिव समेत 4 आला अधिकारी, ओडिशा के मुख्य सचिव समेत 3 अधिकारी शामिल हुए थे जबकि बंगाल की ओर से विभागीय सचिव समेत 2 अधिकारियों ने बैठक में शिरकत की। बैठक में मौजूद सूत्र बताते हैं कि त्रिपुरा के पूर्व मुख्यमंत्री एवं राज्यसभा सांसद बिप्लब कुमार देब ने पश्चिम बंगाल सरकार के रवैए के खिलाफ मुखर होकर आवाज उठाया। उसके बाद समिति के कई सदस्यों ने भी उनका साथ दिया। बताया जाता है की स्टैंडिंग

पश्चिम बंगाल चीफ सेक्रेटरी क्या इस कारण से नहीं पहुंचे

मामले के जानकारों का कहना है कि आज पश्चिम बंगाल चीफ सेक्रेटरी के संसदीय समिति की बैठक में नहीं पहुंचने की एक सियासी वजह यह भी हो सकती है। वजह ये कि समिति के सदस्य उनसे हाल में हुए राज्य में पंचायत चुनाव के दौरान हिंसा और विभिन्न पार्टियों के राजनैतिक कार्यकर्ताओं की हत्या के मामले पर उनसे जवाब तलब ना कर लें। हालांकि समिति की बैठक में कैदियों की दशा पर राज्यों से रिपोर्ट मांगी गई थी और उसपर चर्चा होनी थी। मिली जानकारी के मुताबिक इस 31 सदस्यीय संसदीय समिति की बैठक में चेयरमैन समेत 15 से ज्यादा सदस्यों ने हिस्सा लिया। इस समिति में 10 राज्यसभा सांसद हैं जबकि 20 लोकसभा सांसद हैं।

नौकरी का लालच देकर असम की 22 वर्षीय महिला को बेच डाला, फिर जिंद में करा दी जबरन शादी

चंडीगढ़, 20 जुलाई (एजेंसियां)। हरियाणा पुलिस ने बुधवार (19 जुलाई) को बताया कि असम के डिब्रूगढ़ की एक 22 वर्षीय महिला को धोखा देने और शहर में नौकरी का लालच देकर उसे शादी के लिए मजबूर करने के आरोप में यहां तीन लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। पुलिस को दी गई अपनी शिकायत में महिला ने आरोप लगाया कि वह डिब्रूगढ़ जिले की लक्ष्मी नामक एक अन्य महिला से परिचित थी, जिसकी शादी जींद निवासी बलजीत से हुई थी।

शिकायतकर्ता के मुताबिक, लक्ष्मी उसे नौकरी दिलाने के बहाने जींद ले आई और बाद में उसे शिवालिक कॉलोनी के हरिनिवास की पत्नी कविता को 25,000 रुपये में बेच दिया। 3 जून को कविता ने कथित तौर पर पीड़िता को संदीप उर्फ काला नामक व्यक्ति से शादी करने के लिए मजबूर किया। हालाँकि, वह किसी तरह भागने में सफल रही और पुलिस से संपर्क किया।

रेवती तुम पर मुझे गर्व है

इस खास वजह से सुप्रिया सुले ने बेटी के लिए लिखा इमोशनल मैसेज

मुंबई, 20 जुलाई (एजेंसियां)। महाराष्ट्र की राजनीति में पिछले एक महीने से उथल-पुथल मची हुई है। खासतौर पर एनसीपी में फूट के बाद पवार परिवार राज्य की राजनीति का केंद्र बिंदू बना हुआ है। एनसीपी में दो फाड़ के बाद शरद पवार और अजित पवार गुट बन गए है। पार्टी में चल रहे घमासान के बीच शरद पवार की बेटी सुप्रिया सुले की एक पोस्ट ने सबका ध्यान अपनी तरह खींचा है। एनसीपी सांसद ने यह पोस्ट अपनी बेटी रेवती के लिए लिखी है। सुप्रिया सुले ने बेटी रेवती का फोटो शेयर करते हुए सभी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर एक बेहद भावुक मैसेज लिखा, 'हम दोनों को आपके माता-पिता होने पर गर्व है। हमारी बेटी रेवती ने लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स से मास्टर्स (एमपीए) की डिग्री हासिल की है। ग्रेजुएशन सेरेमनी मिस करने पर बहुत बुरा लग रहा है, लेकिन यही जिंदगी है।' सुप्रिया और सदानंद सुले के दो बच्चें हैं। बेटी का नाम रेवती और बेटे का नाम विजय है।

शरद पवार और सुप्रिया सुले के रिश्ते की तरह सुप्रिया और उनकी बेटी रेवती के बीच भी बहुत अच्छी बॉन्डिंग नजर आती है। सुप्रिया समय-समय पर सोशल मीडिया पर बेटी रेवती की प्रशंसा करती रहती हैं। अजित पवार की बगावत के बाद सुप्रिया सुले ने जो भाषण दिया था, उसमें उन्होंने 'पिता के लिए बेटी मतलब नारियल पानी' कविता भी पढ़ी थी। उन्होंने शरद पवार को लेकर जो भाषण दिया था उसकी काफी चर्चा भी खूब हुई थी।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

सु वि चा र

क्रूरता का उत्तर क्रूरता से देने का अर्थ अपने नैतिक व बौद्धिक पतन को स्वीकार करना है।

तेलंगाना में अल्पसंख्यक परिवारों को जल्द ही 1 लाख रुपये की सहायता : हरीश राव

हैदराबाद, 20 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री के.चंद्रशेखर राव के पास जल्द ही राज्य में अल्पसंख्यक समुदायों के साथ साझा करने के लिए अच्छी खबर होगी। वित्त मंत्री टी. हरीश राव ने गुरुवार को यहां कहा कि अल्पसंख्यक समुदायों के प्रत्येक योग्य परिवारों को 1 लाख रुपये की सहायता देने के लिए कदम उठाए जा रहे हैं। विभिन्न निगमों के अध्यक्ष के रूप में नियुक्त अल्पसंख्यक समुदायों के बीआरएस नेताओं को बधाई देते हुए उन्होंने कहा कि यह योजना मुख्यमंत्री के सक्रिय विचाराधीन है। उन्होंने कहा कि अल्पसंख्यक समुदायों के विकास के उद्देश्य से यह पहल जल्द ही राज्य प्रायोजित योजना के रूप में लागू होगी। मुस्लिम समुदाय के लोग अभी भी देश में गरीबी की स्थिति में हैं और अतीत में कांग्रेस शासन के दौरान उनकी उपेक्षा के कारण पूरे देश में समुदाय में पिछड़ापन देखा जा सकता था।

राज्य सरकार ने इस वर्ष 2,200 करोड़ रुपये का बजटीय आवंटन किया था। यह समुदाय के विकास के लिए आवंटित अब तक का सबसे अधिक बजट था। अल्पसंख्यक आवासीय विद्यालयों में अंग्रेजी के साथ-साथ उर्दू माध्यम भी उपलब्ध कराया गया। उन्होंने कहा कि हम राज्य में आवासीय विद्यालय और कॉलेज स्थापित करके अच्छी शिक्षा प्रदान कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि बड़ी संख्या में अल्पसंख्यक छात्र राज्य सरकार द्वारा दी गई सहायता से व्यावसायिक पाठ्यक्रम पूरा करके डॉक्टर और इंजीनियर बन सकते हैं। जैसे ही मुख्यमंत्री ने चाहा कि अधिकारी सलवा फातिमा को पायलट बनने के लिए मदद दें, उन्हें सहायता दी गई और अब लड़की प्रति माह 5 लाख रुपये तक कमा रही है। तेलंगाना देश का एकमात्र राज्य है, जहां अल्पसंख्यक लड़कियां अच्छी पढ़ाई कर रही हैं। हम लड़कियों के लिए आवासीय विद्यालय स्थापित करके अच्छी शिक्षा प्रदान कर रहे हैं। हमारे मुख्यमंत्री देश के एकमात्र नेता हैं, जिन्होंने नीट लोक सेवा आयोग की परीक्षा उर्दू में आयोजित करने के लिए केंद्र पर दबाव डाला। उन्होंने कहा कि रमजान उपहारों की सुविधा के अलावा, अजमेर दरगाह में 5 करोड़ रुपये आवंटित करके समुदाय के लिए एक इमारत का निर्माण किया जा रहा है। गृह मंत्री मोहम्मद महमूद अली और अन्य उपस्थित थे।

बीआरएस के खिलाफ युद्ध शुरू, केसीआर शासन को खत्म करेंगे : किशन रेड्डी

प्रेदश भाजपा अध्यक्ष को हिरासत में लिया गया

हैदराबाद, 20 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय मंत्री और तेलंगाना भाजपा प्रदेश अध्यक्ष जी. किशन रेड्डी ने आज कहा कि उन्होंने सत्तारूढ़ बीआरएस पार्टी के खिलाफ युद्ध शुरू कर दिया है। किशन रेड्डी, जो दो बेडरूम वाले घरों का निरीक्षण करने के लिए शमशाबाद से बटसिंगाराम जा रहे थे, पुलिस ने रोक दिया। इसके बाद उन्हें हिरासत में ले लिया गया और पुलिस शहर के विभिन्न हिस्सों में भी ले गई। बाद में पुलिस ने उन्हें नामपल्ली स्थित राज्य भाजपा कार्यालय में छोड़ दिया। बाद में किशन रेड्डी ने मीडिया से बात की। इस अवसर पर बोलते हुए, उन्होंने आश्चर्य व्यक्त किया कि एक केंद्रीय मंत्री के रूप में, क्या उन्हें दो-बेडरूम वाले घरों में जाने का भी अधिकार नहीं है? उन्होंने आरोप लगाया कि पुलिस ने उनके साथ वैसा ही व्यवहार किया जैसा किसी अपराधी और आतंकवादी के साथ किया जाता है। उन्होंने मुख्यमंत्री के.चंद्रशेखर राव से पूछा कि क्या वह अपने कैंप कार्यालय में बैठकर असहमति की आवाज दबा देंगे?

तेलंगाना में गरीब लोगों के साथ न्याय नहीं किया जा रहा है। उन्हें दो-बेडरूम वाले घर नहीं दिए जा रहे हैं। हम बटसिंगाराम में छोड़े गए डबल-बेडरूम वाले घरों को देखने के लिए निकले। मुझे शमशाबाद हवाई अड्डे पर रोक दिया गया।

कई पार्टी नेताओं को भी गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि आज यह कोई धरना या आंदोलन नहीं है। पुलिस ने हमारे प्रति तानाशाही तरीके से काम किया। उन्होंने आरोप लगाया कि पुलिस आयुक्त और डीसीपी ने उनके साथ अमानवीय व्यवहार किया। आज, बीआरएस पार्टी के साथ युद्ध शुरू हो गया है। तेलंगाना के बुद्धिजीवियों, कवियों और कलाकारों को आज के घटनाक्रम के बारे में सोचना चाहिए।

केंद्रीय मंत्री ने सीएम केसीआर को राज्य में 50 लाख घर बनाने की चुनौती दी और वह 50 लाख घरों के निर्माण के लिए केंद्र सरकार का हिस्सा लाने की जिम्मेदारी लेंगे। उन्होंने मजाक उड़ाया कि केसीआर के पास महंगे घर बनाने और हवाई जहाज खरीदने के लिए पैसे हैं, लेकिन गरीबों के लिए घर बनाने के लिए उनके पास पैसे नहीं हैं। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि पिछले नौ वर्षों से जो मकान बनाये गये थे, वे भी किसी को नहीं दिये गये और नौ वर्षों के बाद भी एक भी राशन कार्ड नहीं दे पाये।

साइबराबाद पुलिस ने फर्जी एसीबी अधिकारी को पकड़ा

हैदराबाद, 20 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। अभिनेता सूर्या अभिनीत टॉलीवुड फिल्म 'गैंग' से प्रेरित होकर और अंततः नकली एसीबी अधिकारी बन गए पुलिस की नौकरी के इच्छुक एक अभ्यर्थी को साइबराबाद पुलिस ने गुरुवार को गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस ने आठ मोबाइल फोन, सिम कार्ड, एटीएम कार्ड, 85,000 नकद रुपये जब्त किए और 2.24 लाख. रुपये जमा वाले एक बैंक खाते को फ्रीज कर दिया गया। बेंगलुरु का रहने वाला और अनंतपुर का मूल निवासी एन. जयकृष्ण (28) कथित तौर पर सिद्दीपेट और शमशाबाद पुलिस स्टेशनों में दर्ज जबरन वसूली और धोखाधड़ी के तीन मामलों में शामिल है।

पुलिस के अनुसार जयकृष्ण ने अपने सहयोगियों के साथ दो तेलुगु राज्यों में सरकारी अधिकारियों से फोन पर संपर्क किया और खुद को भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के अधिकारी के रूप में पेश किया। जयकृष्ण अधिकारी को बताएंगे कि एसीबी को उनके खिलाफ भ्रष्टाचार संबंधी शिकायत मिली है और उसकी जांच की जा रही है। डीसीपी (शमशाबाद) के नारायण रेड्डी ने कहा कि इस मुद्दे को निपटाने के बहाने जयकृष्ण ने अधिकारियों से पैसे वसूले। जयकृष्ण पहले दो तेलुगु राज्यों में दर्ज 34 मामलों में शामिल थे। पुलिस ने कहा कि अब तक जयकृष्ण ने अपने पीड़ितों से पैसे प्राप्त करने के लिए 200 सिम कार्ड, 100 फोन और नौ बैंक खातों का इस्तेमाल किया था। अधिकारियों ने कहा कि जयकृष्ण ने सब इंस्पेक्टर भर्ती परीक्षा की तैयारी के दौरान 'गैंग' फिल्म देखी और उसके बाद से लोगों से पैसे ऐंठने का फैसला किया।

पित्ती ट्रस्ट द्वारा 112 वां निशुल्क चिकित्सा शिविर 23 को

हैदराबाद, 20 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। बदरीविशाल पन्नालाल पित्ती ट्रस्ट एवं अग्रवाल सेवा दल द्वारा तेलंगाना पीस एंड वेलफेयर कमेटी के सहयोग से 112वां निशुल्क मेगा मेडिकल कैंप रविवार 23 जुलाई को सुबह 10 से दोपहर 2 बजे तक याकूतपुरा रोड ऐतेबार चौक स्थित संजारी कन्वेंशन (डोर.न. 22-3-184/जी/ एच) में धर्मवंत कॉलेज के सामने आयोजित किया जायेगा।

आज यहां सेवा दल के प्रचार संयोजक अजीत गुप्ता द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, मेगा मेडिकल शिविर में बेगमपेट स्थित मेडिकवर अस्पताल द्वारा सामान्य परीक्षण, स्त्री रोग, अस्थि रोग, हृदय रोग विशेषज्ञों द्वारा जांच की जायेगी। अवसर पर ईसीजी, 2डी इको-बीएमडी, आरबीएस-रक्तचाप जांच आदि की सेवा दी जायेगी। साथ ही ईएनटी की जांच ईएनटी सर्जन डॉ.अविनाश द्वारा, नेत्र रोग की जांच एलसीएस डंडू नेत्र संस्थान वेस्ट मारेडपल्ली द्वारा की जायेगी। साथ ही जांच के पश्चात योग्य के लिए चश्मे तथा मोतियाबिंद के ऑपरेशन की निशुल्क व्यवस्था की जाएगी। अवसर पर दांतों की जांच इवोक डेंटल केयर के डॉ. मनीता सेठ द्वारा की जायेगी। शिविर में नाम का पंजीकरण आवश्यक है जिसके लिए कार्यक्रम स्थल पर सुबह 10 से दोपहर 12 के बीच नाम पंजीकरण करवा सकते हैं। कार्यक्रम की अधिक जानकारी के लिए प्रदीप अग्रवाल, सुधीर गुप्ता, शशिकांत अग्रवाल, खाजा अब्दुल मोईज, संपत तोष्णीवाल से संपर्क किया जा सकता है। सभी से शिविर का अधिक से अधिक लाभ लेने का आग्रह किया है।

रेवंत के नोट फॉर वोट मामले में एससी में सुनवाई

नई दिल्ली, 20 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। सुप्रीम कोर्ट ने आज टीपीसीसी अध्यक्ष और सांसद रेवंत रेड्डी से जुड़े सनसनीखेज "वोट के बदले नोट" मामले में सुनवाई कोर्ट ने सुनवाई 28 अगस्त तक के लिए स्थगित कर दी। रेवंत रेड्डी की ओर से वकीलों ने कुछ अपरिहार्य कारणों से मामले की सुनवाई स्थगित करने के लिए सुप्रीम कोर्ट को पत्र लिखा है। हालाँकि, तेलंगाना राज्य सरकार के वकीलों ने इस पर आपत्ति जताई। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट से कहा कि मामले की जांच तुरंत की जानी चाहिए क्योंकि उन्हें पत्र भेजे जाने के बारे में कोई पूर्व सूचना नहीं थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए सरकारी वकीलों ने अनुरोध किया कि मामले की सुनवाई को स्थगित न किया जाए। हालाँकि, न्यायमूर्ति संजीव खन्ना, न्यायमूर्ति बेला और न्यायमूर्ति एम त्रिवेदी की पीठ राज्य सरकार के वकीलों की दलीलों से असहमत थी। पीठ ने रेवंत रेड्डी के वकीलों को सलाह दी कि वे एक बार फिर स्थगन की मांग न करें। इसमें कहा गया कि मामले की सुनवाई स्थगित करने से पहले 28 अगस्त को होगी।

तलसानी ने डबल बेडरूम घरों का राजनीतिकरण करने के लिए किशन रेड्डी की आलोचना की

हैदराबाद, 20 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। पशुपालन मंत्री तलसानी श्रीनिवास यादव ने डबल बेडरूम घरों का राजनीतिकरण करने के लिए केंद्रीय मंत्री और तेलंगाना भाजपा राज्य इकाई के अध्यक्ष किशन रेड्डी की आलोचना की है। केंद्रीय मंत्री किशन रेड्डी को विधायक रघुनंदन राव समेत भाजपा नेताओं के साथ गुरुवार को हैदराबाद के बाहरी इलाके बटासिंगाराम में डबल बेडरूम घरों का निरीक्षण करने के दौरान पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया।

बीजेपी नेताओं के आंदोलन पर प्रतिक्रिया देते हुए मंत्री तलसानी श्रीनिवास यादव ने डबल बेडरूम घरों के नाम पर नाटक करने के लिए किशन रेड्डी को दोषी ठहराया और कहा कि उनका आंदोलन राजनीति से प्रेरित है।

तलसानी ने कहा कि केंद्रीय मंत्री के रूप में किशन रेड्डी आधिकारिक तौर पर डबल बेडरूम घरों का दौरा कर सकते हैं, लेकिन, वह राजनीतिक नाटक क्यों कर रहे हैं। यदि वह वास्तव में डबल बेडरूम घरों का निरीक्षण करना चाहते हैं, तो मैं उन्हें कोह्लूर ले जाऊंगा और राज्य सरकार द्वारा निर्मित घरों को दिखाऊंगा। जहां तक केंद्र सरकार का सवाल है, डबल बेडरूम घरों के निर्माण में बहुत कम योगदान है। केंद्र प्रति परिवार केवल 1.50 लाख रुपये दे रहा है और राशि का एक बड़ा हिस्सा राज्य सरकार द्वारा वहन किया जाता है। भाजपा नेता हमारे द्वारा बनाए गए डबल बेडरूम घरों पर नाटक क्यों कर रहे हैं। तलसानी ने सवाल किया कि क्या भाजपा सरकारों ने अपने सत्तारूढ़ राज्यों में कहीं भी डबल बेडरूम घर बनाए हैं।

नरेंद्र आनंदराव पाटिल ने विजयवाड़ा डीआरएम का कार्यभार संभाला

हैदराबाद, 20 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। नरेंद्र आनंदराव पाटिल ने दक्षिण मध्य रेलवे के विजयवाड़ा मंडल के मंडल रेल प्रबंधक के रूप में आज कार्यभार ग्रहण किया है। वह भारतीय रेलवे यातायात सेवा (आईआरटीएस) के 1995 बैच से हैं। नई नियुक्ति से पहले, वह पश्चिम रेलवे में मुख्य माल परिवहन प्रबंधक के रूप में कार्यरत थे। उन्होंने पश्चिम रेलवे की अब तक की सबसे अधिक माल ढुलाई का लक्ष्य हासिल करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। श्री पाटिल, आईआरटीएस ने पुणे विश्वविद्यालय से सिविल इंजीनियरिंग में स्नातक की डिग्री प्राप्त की है। उन्होंने 25 वर्षों तक विभिन्न पदों पर भारतीय रेलवे की सेवा की है। वह नॉर्थ फ्रंटियर रेलवे के लुमडिंग डिवीजन में सहायक परिचालन प्रबंधक के रूप में भारतीय रेलवे में शामिल हुए।

उन्होंने डिवीजनों, जोनल मुख्यालयों और रेलवे बोर्ड में काम किया और सीपीआरओ, मध्य रेलवे, कार्यकारी निदेशक लोक शिकायत (एमआर), रेलवे बोर्ड, मध्य रेलवे में सीटीपीएम, सीनियर डीसीएम और सीनियर डीओएम की भी जिम्मेदारी निभाई। अपने शानदार करियर के दौरान, नरेंद्र आनंदराव पाटिल को 2014 में राष्ट्रीय रेलवे (एमआर) पुरस्कार और 2007, 2010 और 2013 में महाप्रबंधक पुरस्कार से सम्मानित किया गया था।

महाप्रबंधक ने यादाद्री रेलवे स्टेशन का निरीक्षण किया

एमएमटीएस चरण-II विस्तार परियोजना की समीक्षा की

हैदराबाद, 20 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक अरुण कुमार जैन ने गुरूवार को यदाद्री रेलवे स्टेशन का निरीक्षण किया और यदाद्री तक प्रस्तावित एमएमटीएस चरण-II विस्तार परियोजना की समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान उनके साथ मुन्ना कुमार रेल विकास निगम लिमिटेड (आरवीएनएल) के मुख्य परियोजना प्रबंधक, ए. के. गुप्ता, मंडल रेल प्रबंधक, सिकंदराबाद मंडल और अन्य वरिष्ठ रेलवे अधिकारी भी थे। घटकेसर से यदाद्री तक एमएमटीएस चरण- II विस्तार को वर्ष 2016-17 में 33द करोड़ रुपये की अनुमानित लागत के साथ मंजूरी दी गई थी। इस परियोजना में घटकेसर से यादाद्री (रायगीर) के बीच मौजूदा दो लाइनों के अलावा 33 किलोमीटर की दूरी तक अतिरिक्त लाइन बिछाना शामिल था। इस परियोजना में घटकेसर, बीबीनगर, भोंनगिर और यदाद्री जैसे स्टेशनों और यार्डों पर अतिरिक्त ढांचागत सुविधाओं का प्रावधान भी शामिल है। यह परियोजना आरवीएनएल द्वारा क्रियान्वित की जा रही है और मूल रूप से रेलवे और सरकार के बीच एक संयुक्त उद्यम के रूप में योजना बनाई गई थी। परियोजना के लिए संशोधित अनुमान लगभग 44द करोड़ रुपए की लागत पर स्वीकृत किया गया था। हालाँकि, रेलवे बोर्ड ने अब इस परियोजना को 100 प्रतिशत रेलवे फंडिंग के साथ निष्पादित करने का निर्णय लिया है। श्री जैन ने यदाद्री रेलवे स्टेशन का भी विस्तृत निरीक्षण किया और यात्री सुविधाओं और सुविधाओं की समीक्षा की। स्टेशन के महत्व को ध्यान में रखते हुए, रेलवे ने स्टेशन के प्रमुख उन्नयन का निर्णय लिया है। जबकि, एमएमटीएस एक्सटेंशन के हिस्से के रूप में पूर्वी तरफ एक नया स्टेशन भवन बनाया जाएगा, पश्चिमी तरफ मौजूदा स्टेशन को भी "अमृत भारत" स्टेशन योजना के हिस्से के रूप में उन्नयन के लिए लिया जा रहा है। अमृत भारत स्टेशन योजना के हिस्से के रूप में स्टेशन पुनर्विकास परियोजना के लिए निविदाएं पहले ही प्रदान की जा चुकी हैं। स्टेशन उन्नयन के हिस्से के रूप में किए जाने वाले कार्यों में कवर ओवर प्लेटफॉर्म (सीओपी), मुखौटा विकास और स्टेशन भवन सुधार का निर्माण शामिल है। दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक अरुण कुमार जैन ने कहा है कि एमएमटीएस के विस्तार के साथ-साथ यदाद्री स्टेशन का विकास रेलवे द्वारा शुरू की गई महत्वपूर्ण परियोजना है। दोनों कार्यों के पूरा होने से रेल यात्रियों को बेहतर यात्री सेवाएं और उच्च ट्रेन कनेक्टिविटी प्रदान करके इस महत्वपूर्ण मंदिर शहर स्टेशन को एक बड़ा प्रोत्साहन मिलेगा।

महाराष्ट्र के दीनागांव और जालना में विद्युतीकरण का कार्य पूरा

हैदराबाद, 20 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय रेलवे के विद्युतीकरण मिशन को आगे बढ़ाते हुए, दक्षिण मध्य रेलवे ने अब नांदेड़ डिवीजन के दीनागांव-जालना के बीच 7.2 मार्ग का विद्युतीकरण पूरा कर लिया है। इस खंड का विद्युतीकरण मनमाड-मुदखेड-धोन विद्युतीकरण परियोजना के हिस्से के रूप में पूरा हो गया है। इसके साथ ही मनमाड-जालना के बीच 174 किलोमीटर की दूरी तक निरंतर विद्युतीकृत खंड उपलब्ध है। मनमाड-मुदखेड-दोन विद्युतीकरण परियोजना को वर्ष 2015-16 में 783 किलोमीटर की दूरी के लिए 865 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत पर मंजूरी दी गई थी। इस परियोजना में महाराष्ट्र, तेलंगाना और आंध्र प्रदेश शामिल हैं और इसे विभिन्न चरणों में क्रियान्वित किया जा रहा है। महाराष्ट्र में परियोजना की लंबाई मनमाड-धर्माबाद के बीच लगभग 420 किलोमीटर है। अंकाई (मनमाड)-औरंगाबाद के बीच 111 किलोमीटर का खंड मार्च, 2022 में पूरा हो गया है, जबकि औरंगाबाद - दीनागांव के बीच 56 किलोमीटर का खंड मार्च, 2023 में पूरा हो गया है। अब, दीनागांव - जालना के बीच 7 किलोमीटर के विद्युतीकरण के पूरा होने के साथ, खंड में कुल 174 किलोमीटर विद्युतीकरण पूरा हो गया है। 2023 के अंत तक विद्युतीकरण पूरा करने के लक्ष्य के साथ जालना-परभणी-मुदखेड-धर्माबाद के बीच 246 किलोमीटर के शेष खंडों में काम तेजी से प्रगति पर है। रेल लाइनों के विद्युतीकरण से कर्षण शक्ति में परिवर्तन से बचने और कोचिंग और मालगाड़ियों दोनों की मार्ग में रुकावट को कम करके ट्रेनों की निर्बाध आवाजाही प्रदान करने में मदद मिलती है। यह ट्रेनों की औसत गति में सुधार करने में मदद करता है और इसलिए अनुभागीय क्षमता में वृद्धि के कारण इन खंडों में अधिक ट्रेनें शुरू की जा सकती हैं। यह ट्रेनों को शून्य कार्बन उत्सर्जन के साथ ऊर्जा प्रदान करने का एक पर्यावरण-अनुकूल साधन भी प्रदान करता है, साथ ही ईंधन की लागत भी बचाता है। दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक अरुण कुमार जैन ने कहा कि 2023 के अंत तक बीजी लाइनों के 100 प्रचिशत विद्युतीकरण को प्राप्त करने के लक्ष्य के साथ पूरे एससीआर नेटवर्क में रेलवे लाइनों के विद्युतीकरण को प्राथमिकता के आधार पर क्रियान्वित किया जा रहा है। उन्होंने कर्मचारियों को निर्देश दिया और अधिकारी विद्युतीकरण कार्य को लक्ष्य प्राप्त होने तक इसी गति से जारी रखें।

अनुमतियाँ निर्धारित समय सीमा के भीतर प्रदान करें : कलेक्टर

कुमरम भीम आसिफाबाद, 20 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। जिला कलेक्टर बोरकड़े हेमन्त सहदेव राव ने कहा कि जिले में इच्छुक उद्योगपतियों को प्रोत्साहित करने तथा विभिन्न विभागों से दिये जाने वाले परमिट नियमानुसार निर्धारित समय सीमा में प्रदान करने के लिये कदम उठाये जायें।

वे गुरुवार को जिला केंद्र स्थित एकीकृत समाहरणालय भवन सभाकक्ष में उद्योग विभाग के तत्वावधान में आयोजित जिला प्रोत्साहन समिति की बैठक में शामिल हुए। उन्होंने कहा कि उद्योग विभाग द्वारा निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए अधिकारी आपसी समन्वय से कार्य करें तथा जिले में उद्योगों को विभिन्न विभागों द्वारा दिए जाने वाले परमिट निर्धारित समय सीमा के भीतर जारी करने की दिशा में कदम उठाएं। उन्होंने कहा कि विभाग में 4 लाख 8 हजार रुपये स्वीकृत किये गये हैं और साई इनोवेटिव इंडस्ट्री को 350 टन कोयला के लिए आवेदन संबंधित आयुक्त कार्यालय को भेजने पर सहमति बनी है। इस कार्यक्रम में जिला उद्योग महाप्रबंधक रघु, संबंधित विभागों के पदाधिकारी एवं अन्य पदाधिकारी शामिल हुए।

टैंक में डूब गया मछुआरा

मेडक, 20 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। चिन्ना शंकरमपेट मंडल के चंदमपेट गांव में मछली पकड़ने के दौरान मछली पकड़ने के जाल में पैर फंसने से एक 30 वर्षीय व्यक्ति डूब गया। स्वामी (30) बारिश के बाद मछली पकड़ने गया था, लेकिन गलती से उसका पैर जाल में फंस गया और उसकी जान चली गई। उसके दोनों पैर जाल में फंसे होने के कारण उसे तैरना नहीं आता था। बाद में शव को पानी से निकाला गया। मामला दर्ज किया गया।

तेजस्वी अपना बर्थडे प्राइवेट प्लेन में मनाते हैं, पैसे कहां से आते हैं? प्रशांत किशोर ने डिप्टी सीएम से पूछे कड़े सवाल

समस्तीपुर, 20 जुलाई (एजेंसियां)। जन सुराज के सूत्रधार और चुनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर इन दिनों समस्तीपुर में पदयात्रा कर रहे हैं। इस दौरान वह लगातार लोगों को संबोधित कर रहे हैं। उन्होंने जेडीयू और आरजेडी पर तीखा हमला किया। उन्होंने कहा कि किसी भी बिहार के नेता जैसे कि आरजेडी, जेडीयू या किसी लोकल पार्टी के नेताओं से हिम्मत जुटाकर सवाल पूछा जाना चाहिए कि पार्टी कैसे चलती है? तेजस्वी यादव अपना बर्थडे प्राइवेट प्लेन में मनाते हैं, उसका पैसा कहां से आता है? नीतीश कुमार, तेज प्रताप और तेजस्वी यादव जनता को जवाब दें कि भईया तुम्हारे दल को चलाने के लिए पैसा आता कहां से आता है?

नीतीश कुमार की कैबिनेट में इन्हें मिल सकती है जगह बिहार में कब होने वाला है मंत्रिमंडल विस्तार

पटना, 20 जुलाई (एजेंसियां)। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जल्द ही अपनी कैबिनेट का विस्तार करने वाले हैं। ऐसे में मंत्रिमंडल विस्तार को लेकर बिहार की राजनीति गलियारे में चर्चाओं का बाजार भी तेज हो गया है। दरअसल नीतीश कुमार कैबिनेट विस्तार में किन चेहरों को मौका देंगे इसको लेकर तरह-तरह के कयास भी लगाए जा रहे हैं। दरअसल मुख्यमंत्री नीतीश कुमार राजगीर से पटना लौटने के बाद अचानक से लालू यादव और तेजस्वी यादव से मिलने उनके आवास दस सर्कुलर रोड पहुंच गए और लगभग आधे घंटे तक बंद कमरे में तीनों नेताओं में मुलाकात हुई। इस मुलाक़ात में क्या बात हुई ये तो सामने नहीं आई लेकिन सूत्रों के हवाले से जो खबर आ रही है उसके मुताबिक 22 जुलाई के पहले नीतीश मंत्रिमंडल का विस्तार हो सकता है। वहीं मंत्रिमंडल विस्तार को लेकर सूत्रों के हवाले से जो खबर आ रही है उसके मुताबिक आरजेडी कोटा से दो मंत्री बन सकते हैं। वहीं कांग्रेस कोटा से भी दो लोगों को मंत्री बनाने की खबर आ रही है।

आरजेडी से इनके नाम की चर्चा तेज

नई कैबिनेट को लेकर जिन नामों की चर्चा तेज है उसके मुताबिक आरजेडी के भूमिहार कोटा से कार्तिक मास्टर फिर से रिपीट हो सकते हैं जिन्होंने तब मंत्रिमंडल से इस्तीफ़ा दे दिया था जब एक कानूनी मामले में फंस गए थे। जब कोर्ट से उनको राहत मिली तो फिर से मंत्रिमंडल में शामिल होने की चर्चा तेज है। पूर्व कृषि मंत्री सुधाकर सिंह की जगह दो राजपूत कोटा से नाम की चर्चा तेज है। इनमें पहला नाम डब्लू सिंह और दूसरा चेतन आनंद का है वहीं शिक्षा मंत्री के विभाग को लेकर भी चर्चा का बाजार गर्म है।

कांग्रेस से बनाए जा सकते हैं 2 मंत्री

मंत्रिमंडल विस्तार में कांग्रेस कोटा से भी दो मंत्री बनाए जा सकते हैं। जिन नामों की चर्चा है उसके मुताबिक़ ब्राह्मण और राजपूत कोटा से एक-एक लोग नीतीश सरकार में मंत्री बन सकते हैं। राजपूत कोटा से आनंद और ब्राह्मण कोटा से विजय शंकर दुबे का नाम सामने आ रहा है। बता दें, मंत्रिमंडल विस्तार की चर्चा तब तेज हुई थी जब पटना में बीजेपी विरोधी राजनीतिक पार्टियों की जो बैठक हुई थी बैठक खत्म होने के बाद जब तमाम नेता हॉल से बाहर निकल रहे थे। तभी राहुल गांधी ने नीतीश कुमार से पूछा था कि मंत्रिमंडल विस्तार कब कर रहे हैं। तब नीतीश कुमार ने कहा था कितना बनाना है और तभी से ये कयास तेज हो गए थे। जब बेंगलुरु की बैठक खत्म हुई है तो नीतीश मंत्रिमंडल विस्तार की चर्चा तेज हो गई है।

महागठबंधन के लिए महत्वपूर्ण हो सकता कैबिनेट विस्तार

बता दें, लोकसभा चुनाव के पहले नीतीश मंत्रिमंडल विस्तार महागठबंधन के लिए महत्वपूर्ण हो सकता है। कई विधायक मंत्रिमंडल विस्तार पर नज़र टिकाए हुए है। ऐसे में मंत्रिमंडल में जगह नहीं मिलने से उनकी नाराज़गी भी बढ़ सकती है जिसको संभलना आसान नहीं होगा। सबसे ज़्यादा समस्या आरजेडी और कांग्रेस को हो सकती है। इस समस्या को हल करना महागठबंधन के लिए मुश्किल होगा क्योंकि पहले ही जदयू और कांग्रेस विधायकों को लेकर चर्चा का बाजर गर्म है क्योंकि बीजेपी और उसके सहयोगियों ने दावा कर रखा है की कांग्रेस और जदयू के कई विधायक संपर्क में है।

चित्रकूट में पहले 4 साल के बच्चे ने छू लिया बर्तन, दबंगों ने पहले उसे फिर उसके परिवार को पीटा

चित्रकूट, 20 जुलाई (एजेंसियां)। जहां चार वर्षीय आदिवासी नौनिहाल के एक ब्राह्मण समाज की महिला के पानी से भरे बर्तन को छू लेने पर उसकी पिटाई कर दी है। जिसका विरोध करने पर दबंगों ने पीड़ित नौनिहाल के परिवार के साथ लाठी-डंडों से जमकर मारपीट कर दी है। जिससे उनको कई गंभीर चोटे आई है। जिसके बाद पीड़ित परिवार न्याय के लिए मानिकपुर थाने में शिकायती पत्र देकर कार्यवाही करने की मांग की है। मामला मानिकपुर थाना क्षेत्र के रामपुर कल्याणगढ़ गांव का है। जहां दलित आदिवासी कोल महिला छोटी पत्नी लल्लू अपनी चार वर्षीय नौनिहाल बच्ची को लेकर गांव में लगे सरकारी नलकूप पर पानी भरने के लिए गई हुई थी।

मणिपुर हिंसा पर मायावती का सख्त बयान, क्या अब भी वहां के सीएम को संरक्षण देगी भाजपा

लखनऊ, 20 जुलाई (एजेंसियां)। बसपा सुप्रीमो मायावती ने मणिपुर में जारी हिंसा और महिलाओं से अभद्रता के विचलित करने वाले वीडियो के सोशल मीडिया पर वायरल होने पर भाजपा सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने ट्वीट कर केंद्र सरकार से पूछा है कि क्या भाजपा अब भी ऐसे मुख्यमंत्री को संरक्षण देती रहेगी। उन्होंने ट्वीट कर कहा कि मणिपुर में अनवरत जारी हिंसा व तनाव से पूरा देश चिंतित है और महिला के साथ अभद्रता की ताजा घटना खासकर भाजपा व उनकी सरकार को शर्मसार करने वाली है। उन्होंने कहा कि वैसे तो राज्य में कानून-व्यवस्था काफी पहले से चरमराई हुई है किन्तु क्या भाजपा अभी भी ऐसे मुख्यमंत्री को संरक्षण देती रहेगी? बता दें कि मणिपुर में करीब ढ़ाई महीने से हिंसा का दौर जारी है। अभी हाल ही में सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे महिलाओं से अभद्रता के विचलित कर देने वाले वीडियो ने पूरे देश को हिला कर रख दिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मणिपुर हिंसा पर अब तक चुप्पी साधने के बाद गुरुवार को संसद सत्र के पहले बयान देकर घटना को पूरे देश को शर्मसार करने वाला करार दिया है। विपक्षी दलों ने केंद्र सरकार से मामले पर कठोर निर्णय लेने का आह्वान किया है।

सपा सांसद की मांग, मणिपुर में राष्ट्रपति शासन लगाए केंद्र

हालात बेकाबू, जनता का सीएम पर भरोसा नहीं

लखनऊ, 20 जुलाई (एजेंसियां)। मणिपुर में करीब ढ़ाई महीने से जारी हिंसा और महिलाओं के विचलित करने वाले वीडियो के सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को संसद सत्र के पहले दिन बयान दिया है। इसके बाद विपक्षी दलों ने भी सरकार से इस पर सख्त कार्रवाई करने की मांग की है। सपा सांसद रामगोपाल यादव ने कहा है कि मणिपुर के हालात बेकाबू हो गए हैं। केंद्र सरकार को वहां राष्ट्रपति शासन लगाना चाहिए। जनता के एक वर्ग का मुख्यमंत्री पर भरोसा नहीं रह गया है। जब जनता का प्रशासन पर भरोसा नहीं रह जाता है तो कभी शांति बहाल नहीं हो सकती है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार को ठोस कार्रवाई करनी चाहिए। मणिपुर के मुख्यमंत्री राज्य के हालात संभालने में नाकाम साबित हुए हैं। राष्ट्रपति शासन लगाकर हालात को संभाला जा सकता है। सपा सांसद ने मणिपुर हिंसा पर पीएम मोदी की अब तक जारी रही चुप्पी पर भी सवाल उठाए और कहा कि वो देश-दुनिया में भाषण देते रहते हैं पर मणिपुर हिंसा में अब तक नहीं बोले।

पुलिस से मुठभेड़ में शराब तस्कर घायल

2 नदी में कूदकर फरार, थाना प्रभारी बाल-बाल बचे

गोपालगंज, 20 जुलाई (एजेंसियां)। बिहार में शराब तस्करों के खिलाफ पुलिस लगातार दबाव बना रही है, लेकिन उनके हौसले पस्त नहीं हो रहे हैं। हालात किस कदर बिगड़े हुए हैं इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि शराब तस्करों या उनके समर्थकों द्वारा लगातार पुलिस पर हमले की खबरें आती रहती हैं। इसी कड़ी में देर रात गोपालगंज जिले के जादोपुर थाना क्षेत्र में शराब तस्करों और पुलिस के मुठभेड़ में एक शराब तस्कर घायल हो गया, जबकि 2 तस्कर गंडक नदी में छलांग लगाकर फरार हो गए। पुलिस के मुताबिक, गुप्त सूचना मिली थी कि उत्तर प्रदेश से गंडक नदी के रास्ते नाव पर शराब लादकर लाई जा रही है। सूचना मिलते ही जादोपुर थाना प्रभारी सुनील कुमार के नेतृत्व में पुलिस मंगलपुर पुल के पास पहुंची। तब तक नाव से शराब की पेटी उतारकर क्रेटा कार पर रखा जा रहा था। बताया जाता है कि पुलिस को देखते ही शराब माफियाओं ने अंधाधुंध फायरिंग शुरू कर दी। पुलिस ने भी जवाबी कार्रवाई में फायरिंग की। इस मुठभेड़ में एक शराब तस्कर गोली लगने से घायल हो गया, जबकि दो शराब तस्कर गंडक नदी में छलांग लगाकर मौके से फरार हो गए। बदमाशों के साथ हुई इस मुठभेड़ में थाना प्रभारी बाल-बाल बच गए। जख्मी शराब माफिया की पहचान अजीत कुमार के रूप में की गई है, जो सोनपुर का रहने वाला है। अजीत को इलाज के लिए पुलिस में सदर अस्पताल में भर्ती करा दिया है। पुलिस ने घटनास्थल से शराब माफियाओं की क्रेटा कार, शराब से भरी नाव, एक देसी पिस्टल और कारतूस बरामद किए हैं। घटना की जानकारी मिलने पर गोपालगंज के पुलिस अधीक्षक स्वर्ण प्रभात भी घटनास्थल पहुंचे और पुलिस अधिकारियों से पूरी जानकारी ली। पुलिस अधीक्षक स्वर्ण प्रभात ने फरार शराब माफियाओं की गिरफ्तारी के लिए सदर एसडीपीओ प्रांजल के नेतृत्व में SIT का गठन किया है। प्रभात ने गुरुवार को बताया कि घटना के बाद गंडक नदी में निगरानी बढ़ा दी गई है और सशस्त्र बलों को शराब माफियाओं की तलाश में छापेमारी के लिए लगाया गया है।

मिड-डे-मील खाकर बच्चों की बिगड़ी तबीयत, परिजनों ने लगाया खाने में छिपकली होने का आरोप

बांका, 20 जुलाई (एजेंसियां)। बिहार के बांका जिले के रजौन प्रखण्ड के प्रोन्नत मध्य विद्यालय आनंदपुर में मध्याह्न भोजन में छिपकली होने की आशंका को लेकर छात्रों और परिजनों में हड़कंप मच गया। स्कूल से घर पहुंचने पर कुछ बच्चों द्वारा चक्कर आने किशिकायत की गई। जिसके बाद किसी अनहोनी की आशंका को लेकर स्थानीय प्रशासन के सहयोग से करीब एक सौ स्कूली बच्चों को रजौन सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में इलाज के लिए भर्ती कराया गया। सभी बच्चों का इलाज जारी है।

लालू बोले- मणिपुर में लोकलाज-मानवता का कत्ल हुआ, मगर भाजपा वाले कंबल ओढ़कर घी पी रहे

पटना, 20 जुलाई (एजेंसियां)। मणिपुर में दो महिलाओं को नग्न करके घुमाने के मामले में सियायत तेज हो गई। पूरा विपक्ष भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार और पीएम नरेंद्र मोदी पर निशाना साध रहा है। विपक्ष के कई नेता तो इस्तीफा की मांग तक कर चुके हैं। इस मामले की निंदा की है। वहीं बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री और राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव ने भी इस मामले में केंद्र सरकार पर जमकर हमला बोला है। लालू ने सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर करते हुए लिखा कि मणिपुर में लोकतंत्र, लोकलाज, विश्वास, संस्कृति, सौहार्द, संवाद और मानवता का सरेआम कत्ल हो रहा है। नफ़रत

और हिंसा फैलाने वाली पार्टी के लोग कंबल ओढ़ कर घी पी रहे है। इन लोगों को प्रेम, सौहार्द, इंसानियत, सामाजिक एकता एवं भारतीय सभ्यता से कोई लेना-देना नहीं है। मणिपुर में जो हो रहा है वह शर्मनाक है।

ललन सिंह बोले- पीएम मोदी को जवाब देना चाहिए

वहीं जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष ललन सिंह ने कहा कि मणिपुर की घटना मानवता को शर्मसार करने वाली है। विदेश में अपने नाम का जयकारा लगवाने वाले प्रधानमंत्री जी को मानवता के प्रति संवेदना है या नहीं? पीएम मोदी विदेश में अपना जय-जयकार करवा रहे हैं और देश में महिलाएं-बेटियों के साथ इस तरह की घटना हो रही है। इस मामले पर प्रधानमंत्री मोदी को जवाब देना चाहिए। इस तरह की अमानवीय घटना से पूरा देश का सिर शर्म से झुक गया है। प्रधानमंत्री को मौन व्रत तोड़ देना चाहिए।

महिलाओं के साथ सामूहिक दुष्कर्म करने के भी आरोप हैं

मणिपुर में जारी हिंसा के बीच मानवता को शर्मसार करने वाला वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा। वीडियो में दिख रहा है कि लोगों की भीड़ दो महिलाओं को निर्वस्त्र कर परेड करा रही है। इस दौरान कथित तौर पर महिलाओं के साथ सामूहिक दुष्कर्म करने के भी आरोप हैं। वीडियो सामने आने के बाद से ही विपक्ष इस मुद्दे पर सरकार पर हमलावर हो गया है। मानसून सत्र के दौरान भी इस मुद्दे पर हंगामा होने के आसार हैं। सरकार भी संसद में मणिपुर हिंसा पर चर्चा के लिए तैयार हो गई है।

भाई की साली से होटल में मिलने पहुंचा था प्रेमी लड़की के घरवालों ने पकड़कर करवा दी शादी

जमुई, 20 जुलाई (एजेंसियां)। बिहार के जमुई में भाई की साली से छुपकर होटल में मिलने पहुंचे प्रेमी को लड़की के घरवालों ने पकड़ लिया और उसकी शादी करवा दी। युवक का अपने बड़े भाई की साली से करीब एक साल से प्रेम प्रसंग चल रहा था। दोनों अक्सर छुप-छुपकर मिलते थे। इसी कड़ी में दोनों शहर के एक होटल में मिलने पहुंचे थे।

यूपी की उस महिला की कहानी

जिसके शौहर ने 12 साल में 3 बार दिया ट्रिपल तलाक, करवाया 'निकाह हलाला'

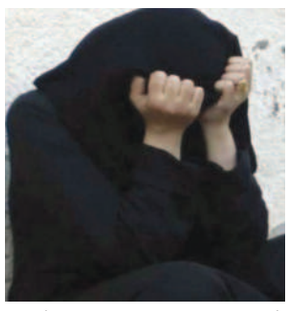

लखीमपुर, 20 जुलाई (एजेंसियां)। खीरीउत्तर प्रदेश के लखीमपुर खीरी में एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है। यहां एक महिला का 'हलाला' के नाम पर शारीरिक शोषण करने के आरोप में उसके शौहर समेत चार लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने बताया कि यहां एक महिला ने शिकायत की है कि 12 साल की शादी में उसे तीन बार तीन तलाक दिया गया और उसके पति के बहनोई के साथ 'निकाह हलाला' किया गया। महिला ने अपनी शिकायत में आरोप लगाया कि उसके पति ने एक लाख रुपये दहेज की मांग करने पर शादी के दो साल बाद उसे तीन तलाक दे दिया। उसने उसे अपने बहनोई के साथ निकाह हलाला करने के लिए मजबूर किया और फिर उससे दोबारा शादी कर ली। उसने दावा किया कि वह 2020 में भी इसी सदमे से गुजरी थी और इस साल 4 जुलाई को उसे फिर से तीन तलाक दे दिया गया। जब उसके माता-पिता ने हस्तक्षेप किया, तो उसके पति ने निकाह हलाला की अपनी मांग दोहराई और उन्हें गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी दी। अपर पुलिस अधीक्षक (एएसपी) नेपाल सिंह के मुताबिक, महिला की शिकायत पर बुधवार रात उसके पति शाहिद और सास सहित चार लोगों के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 376डी (बलात्कार), 498ए (गैरकानूनी मांग पूरी करने के लिए महिला को परेशान करना), 323 (जानबूझकर चोट पहुंचाना), 504 (जानबूझकर अपमान करना), धारा 506 (आपराधिक धमकी) और मुस्लिम महिला अधिनियम 2019 की धारा 3 और 4 (विवाह पर अधिकारों की सुरक्षा) के तहत मामला दर्ज किया गया है। मौजदा मुस्लिम पर्सनल लॉ के प्रावधानों के मुताबिक अगर किसी मुस्लिम महिला का तलाक हो चुका है और वह उसी पति से दोबारा निकाह करना चाहती है, तो उसे पहले किसी और शख्स से शादी कर एक रात गुजारनी होती है। इसे निकाह हलाला कहते हैं। इसके बाद उस दूसरे शख्स से तलाक लेना होता है। ऐसा होने के बाद ही वो अपने पहले पति के साथ दोबारा शादी करके रह सकती है। निकाह हलाला की विवादित प्रक्रिया का फायदा उठाकर रिश्तेदार या मौलवी मुस्लिम महिलाओं की मजबूरी का फायदा उठाते हुए उनके साथ एक रात गुजारते हैं।

हाजीपुर में पुरोहित हत्याकांड को लेकर नीतीश सरकार पर बिफरे विजय सिन्हा

कानून व्यवस्था पर उठाया सवाल

हाजीपुर, 20 जुलाई (एजेंसियां)। बिहार के हाजीपुर में मंदिर के पुरोहित की पीट-पीटकर हत्या मामले में सियासत गरमा गई है। बिहार के नेता प्रतिपक्ष विजय सिन्हा पीड़ित परिवार से मिलने हाजीपुर पहुंचे। इस दौरान उन्होंने नीतीश सरकार पर जमकर बरसे। उन्होंने कहा कि संत और पुजारियों की हत्या किसी भी समाज का पतन का कारण बनता है। बिहार के उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव का यह धरती है जहां पर कई दलित लड़की के साथ दुष्कर्म और अब मठ मंदिर के पुजारियों की हत्या की घटना हो रही है। बिहार में कानून व्यवस्था पूरी तरीके से खत्म हो चुकी है। इस घटना को लेकर विजय सिन्हा ने स्थानीय थानाध्यक्ष पर गंभीर आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि पहले से पुलिस ने माइंडसेट कर ली है कि यह मौत हार्ट अटैक से हुई है।

इस मामले में पुलिस अधिकारी हार्ट अटैक बता रहे हैं। पुलिस हत्यारा को बचाना चाहती है। हालांकि इस घटना को लेकर नेता प्रतिपक्ष ने साफ तौर पर कहा कि इस मामले को आगे तक लेकर जाऊंगा और गंभीरता से जांच कर पीड़ित परिवार को पुलिस प्रशासन को न्याय देना पड़ेगा। बता दें कि सावन की दूसरी सोमवार की रात मंदिर में डीजे बजाने को लेकर विवाद हुआ, जिसमें कुछ मनचले बदमाश मंदिर में पहुंचकर हंगामा किया। पुजारी के समर्थकों के बीच मारपीट हुई। बीच-बचाव कर रहे बुजुर्ग पुरोहित को दबंगों ने बेरहमी से पिटाई कर दी, जिसके कारण बुजुर्ग पुरोहित शिव नारायण गिरी की मौत हो गई,

महाकुंभ 2025: प्रयागराज में महाकुंभ से पहले रसूलाबाद से नागवासुकी तक बनेगा रिवरफ्रंट, सेना से मिली एनओसी

प्रयागराज, 20 जुलाई (एजेंसियां)। प्रयागराज में महाकुंभ 2025 को लेकर तैयारियां बड़ी तेजी से की जा रही हैं। महाकुंभ से पहले प्रयागराज में 13.25 किलोमीटर का रिवरफ्रंट बनाया जाएगा। इस रिवर फ्रंट का निर्माण रसूलाबाद से लेकर नागवासुकी तक होगा। इसके अलावा सरस्वती घाट से नेहरू घाट की ओर 30 मीटर घाट निर्माण किया जाएगा। इन दोनों परियोजनाओं के लिए सेना की ओर से भी एनओसी दे दी गई है। जानकारी के मुताबिक प्रयागराज में रिवरफ्रंट रोड के लिए अमिताभ बच्चन पुलिया के पास 5400 वर्ग मीटर जमीन सेना से ली जाएगी, इसके लिए प्रयागराज मेला प्राधिकरण सेना को 12.37 करोड रुपए का मुआवजा देगा। इसके अलावा सरस्वती घाट के पास 1650 वर्ग मीटर जमीन सेना प्राधिकरण को देगी। इस जमीन की कीमत करीब 4.40 करोड रुपए है। सेना की बी फोर टाइप की इस जमीन के बदले मेला प्राधिकरण सेना को जमीन देगा। दोनों योजनाओं को सेना की ओर से मंजूरी मिलने के बाद इसी महीने इस रिवर फ्रंट को लेकर काम शुरू हो सकता है। प्रयागराज में 2025 में होने वाले महाकुंभ को लेकर बड़े स्तर पर तैयारी की जा रही है। एक तरफ जहां सभी घटकों के साथ बैठक कर महाकुंभ को सफल बनाने की रणनीति बनाई जा रही है वहीं दूसरी तरफ रेलवे भी इस दौरान 1200 स्पेशल ट्रेनों का संचालन करेगा। ताकि लोगों को महाकुंभ तक आने-जाने में कोई परेशानी न हो। महाकुंभ के लिए जो स्पेशल ट्रेनें चलाई जाएंगी उनकी खास बात ये होगी इस बार ज्यादा से ज्यादा मेमो ट्रेन स्पेशल के रूप में चलेंगी। इसमें आठ की जगह 16 कोच रहेंगे। आपको बता दें कि इस बार महाकुंभ 2025 का महास्नान 13 जनवरी को पौष पूर्णिमा के साथ शुरू होगा। पहला शाही स्नान 14-15 जनवरी को मकर संक्रांति पर होगा। 29 जनवरी को मौनी अमावस्या पर दूसरा शाही स्नान होगा। 3 फरवरी को बसंत पंचमी पर तीसरा और आखिरी शाही स्नान होगा। 12 फरवरी को माघ पूर्णिमा पर स्नान पर्व के साथ कल्पवास का समापन होगा। 26 फरवरी को महाशिवरात्रि पर स्नान पर्व के साथ कुंभ मेले का समापन हो जाएगा। महाकुंभ में 7 प्रमुख स्नान पर्व होंगे।

कल से 29 जिलों में फिर शुरू होगा भयंकर बारिश का दौर, आईएमडी का अलर्ट जारी

लखनऊ, 20 जुलाई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में लगभग एक महीना मानसून की झमाझम बारिश के बाद अब गर्मी ने फिर अपनी तपिश बढ़ानी शुरू कर दी है। अब मौसम विभाग ने पश्चिमी उत्तर प्रदेश में पश्चिमी विक्षोभ की सक्रियता और मानसून की ट्रफ लाइन के पश्चिमी छोर की तरफ केन्द्रित होने की वजह से मौसम में यह बदलाव के संकेत दिए हैं। मौसम विभाग के अनुसार आगामी रविवार 22 जुलाई से पश्चिमी उत्तर प्रदेश में एक बार फिर मानसून सक्रिय होगा और झमाझम बारिश होगी। आंचलिक मैसम विज्ञान केन्द्र के मौसम विज्ञानी अतुल कुमार सिंह के अनुसार पश्चिमी उत्तर प्रदेश में पश्चिमी विक्षोभ की सक्रियता और मानसून की ट्रफ लाइन के पश्चिमी छोर की तरह केन्द्रित होने की वजह से मौसम में यह बदलाव आने के आसार हैं।

उड़ीसा तट पर बने कम हवा के दबाव क्षेत्र के प्रभाव से कमजोर पड़ा मानसून

उन्होंने बताया कि उड़ीसा तट पर बने कम हवा के दबाव क्षेत्र के प्रभाव की वजह से मानसून की ट्रफ लाइन अपनी सामान्य स्थिति से दक्षिण की ओर खिसकते हुए कमजोर पड़ रही है। इसके बाद उत्तरी आंध्र प्रदेश और दक्षिणी उड़ीसा तट के पास बंगाल की खाड़ी पर बने मध्य क्षोभ मण्डल तक विस्तार ले चुके चक्रवातीय दबाव

की वजह से मानसून की ट्रफ लाइन दक्षिण में बनी रहेगी। इस वजह से अगले एक सप्ताह तक पूर्वी उत्तर प्रदेश में मानसूनी गतिविधि कमजोर रहेगी। कहीं-कहीं गरज चमक के साथ बौछारें पड़ सकती हैं।

छिटपुट बारिश और उमस करेगी बेहाल

मौजूदा समय मानसून सक्रिय तो है लेकिन इसकी मुख्यधारा खिसकने की वजह से कहीं-कहीं पर छिटपुट बारिश या बूंदाबांदी ही होगी। लखनऊ समेत पूरे प्रदेश में बारिश की तीव्रता में भी कमी आएगी और तापमान बढ़ेगा। हवा में नमी ज्यादा रहने की वजह से उमस रहेगी। मौसम वैज्ञानिक के अनुसार तीन से चार दिन बाद स्थितियां बदलेंगी और मानसून अपने मूल रास्ते पर आ जाएगा। इसके बाद फिर बारिश की उम्मीद है। इस दौरान मेरठ, बुलंदशहर, गौतम बुद्ध नगर, गाजियाबाद, हापुड़, बागपत, सहारनपुर, मुजफ्फरनगर, शामली, मुरादाबाद, बिजनौर, रामपुर, अमरोहा, संभल, बरेली, बदायूं, पीलीभीत, शाहजहांपुर, आगरा, फिरोजाबाद, मैनपुरी, मथुरा, अलीगढ़, एटा, हाथरस, कासगंज, इटावा, औरैया और फर्रुखाबाद में कहीं झमाझम तो कहीं छिटपुट बारिश हो सकती है।

आनंद पर्वत इलाके में प्रॉपर्टी डीलर के घर के बाहर फायरिंग, चार खाली कारतूस बरामद

नई दिल्ली, 20 जुलाई (एजेंसियां)। दिल्ली के आनंद पर्वत में फायरिंग की घटना सामने आई है। घटना के बाद इलाके में हुई अचानक फायरिंग से दहशत का माहौल बन गया है। पुलिस टीम को घटनास्थल से चार खाली कारतूस बरामद हुए हैं। मिली जानकारी के मुताबिक, प्रॉपर्टी डीलर से अवैध वसूली के लिए घर के बाहर फायरिंग की गई। अवैध वसूली के मामले को देखते हुए स्थानीय पुलिस और क्राइम ब्रांच ने जांच शुरू कर दी है।

एडीआर की रिपोर्ट में देश के सबसे अमीर विधायक का खुलासा, 1400 करोड़ से अधिक की है 'घोषित' संपत्ति

बैंगलोर, 20 जुलाई (एजेंसियां)। एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) और नेशनल इलेक्शन वॉच (एनईडब्ल्यू) की स्टडी के अनुसार, कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस कमेटी (केपीसीसी) के अध्यक्ष और राज्य के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार 1,413 करोड़ रुपये की संपत्ति के साथ देश के सबसे अमीर विधायक हैं। शिवकुमार ने चुनाव आयोग को सौंपे अपने 2023 के हलफनामे में दावा किया कि उनके पास कुल 273 करोड़ रुपये की अचल संपत्ति और 1,140 करोड़ रुपये की चल संपत्ति है। इसके साथ ही उन्होंने अपनी देनदारियां कुल 265 करोड़ रुपए की बताई हैं। बता दें कि, यह वो संपत्ति है, जो डीके शिवकुमार ने अपने हलफनामे में खुद घोषित की है। एडीआर विश्लेषण के मुताबिक, कर्नाटक के 14% विधायक अरबपति हैं, जो देश में सबसे अधिक फीसद (100 करोड़ रुपये और इससे अधिक की संपत्ति के मामले में) है, और राज्य के विधायकों की औसत संपत्ति 64.3 करोड़ रुपये है। सूची में शीर्ष तीन स्थानों पर कर्नाटक के विधायक हैं। एक स्वतंत्र विधायक और व्यवसायी केएच पुट्टस्वामी गौड़ा दूसरे सबसे अमीर व्यक्ति हैं, जिनकी संपत्ति 1,267 करोड़ रुपये और देनदारियां 5 करोड़ रुपये से कुछ कम हैं। गौड़ा के पास 990 करोड़ रुपये की रियल एस्टेट और 276 करोड़ रुपये की निजी संपत्ति है। तीसरे सबसे अमीर प्रियकृष्ण हैं, जो कर्नाटक विधानसभा में सबसे कम उम्र के कांग्रेस एमएलए हैं। 39 वर्षीय के पास 1,156 करोड़ रुपए की संपत्ति है। यह भी दिलचस्प है कि देशभर के तमाम विधायकों में से प्रियकृष्ण पर सबसे बड़ी देनदारी है, उन्होंने कुल मिलाकर 881 करोड़ रुपये की देनदारी दर्शा रखी है। कर्नाटक के शीर्ष अरबपतियों की सूची में 18वां स्थान उनके पिता एम। कृष्णप्पा का था। वहीं, भाजपा के भागीरथी मुरुलिया, जिन्होंने 28 लाख रुपये की संपत्ति और 2 लाख रुपये की देनदारी का खुलासा किया है, कर्नाटक विधानसभा के लिए चुने गए सबसे गरीब विधायक हैं।

स्मृति ईरानी ने सीएम से बात की: मणिपुर के भयानक वीडियो पर कहा अमानवीय

नई दिल्ली, 20 जुलाई (एजेंसियां)। मणिपुर की दो आदिवासी महिलाओं को नग्न कर घुमाने का चौंकाने वाला वीडियो, जो व्यापक रूप से वायरल हुआ, ने सोशल मीडिया पर आक्रोश फैला दिया। हमले की निंदा करने वालों में बीजेपी की एक अकेली नेता केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी हैं, जो आमतौर पर महिलाओं के मुद्दों पर मुखर रहती हैं। केंद्रीय मंत्री ने ट्वीट कर कहा, मणिपुर से आया दो महिलाओं के यौन उत्पीड़न का भयावह वीडियो निंदनीय और पूरी तरह से अमानवीय है। मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह से बात की, जिन्होंने मुझे सूचित किया है कि जांच अभी चल रही है और आश्वासन दिया है कि अपराधियों को किसी भी परिस्थिति में बख्शा नहीं जाएगा। मणिपुर के मुख्यमंत्री बीरेन सिंह ने एनडीटीवी से पुष्टि की है कि ईरानी ने बलात्कार की भयावह घटना पर उनसे और मुख्य सचिव से बात की है। उन्होंने कहा कि उन्हें अपराधियों के खिलाफ जल्द कार्रवाई का आश्वासन दिया गया है। इंडिजिनस ट्राइबल लीडर्स फोरम (आईटीएलएफ) ने कहा कि अत्याचार 4 मई को राज्य की राजधानी इंफाल से लगभग 35 किमी दूर कांगपोकपी जिले में हुआ था।

संगठन के एक बयान में कहा गया है, कांगपोकपी जिले में 4 मई को हुई घटना के वायरल वीडियो में, पुरुष असहाय महिलाओं के साथ लगातार छेड़छाड़ करते हुए दिखाते हैं। वहीं, महिलाएं रोती हैं और अपने बंधकों से गुहार लगाती हैं। इन निर्दोष महिलाओं द्वारा झेली गई भयावह पीड़ा अपराधियों के वीडियो को शेयर करने के फैसले से बढ़ जाती है, जो पीड़ितों की पहचान सोशल मीडिया पर सार्वजनिक कर देती है। मणिपुर पुलिस ने कहा कि अज्ञात हथियारबंद बदमाशों ने महिलाओं को नग्न कर घुमाया। पूरे मामले में जांच शुरू कर दी गई है

पीडब्ल्यूडी मंत्री गोपाल भार्गव का बयान

गुरु का आदेश अभी तीन चुनाव और लड़ना जनता का भला करते रहना है

सागर, 20 जुलाई (एजेंसियां)। मध्यप्रदेश में होने वाले विधानसभा चुनाव के पहले दोनों ही दलों ने अपनी तैयारियां शुरू कर दी। हाल ही में प्रदेश के पीडब्ल्यूडी मंत्री गोपाल भार्गव अपनी विधानसभा रहली के ग्राम पाटई में सड़क के भूमि पूजन कार्यक्रम में शामिल होने पहुंचे थे, जहां उन्होंने मंच से संबोधित करते हुए कहा कि गुरु का आदेश है, गोपाल तुम्हें तीन चुनाव और लड़ना हैं और आगे बढ़ना, तुम चुनाव लड़ते रहना जनता का भला करते रहना, न किसी की बुराई करना और न किसी की निंदा करना, तुम्हारी कोई कितनी भी बुराई करे, निंदा करे, लेकिन तुम्हें किसी की निंदा नहीं करना है। प्रदेश के पीडब्ल्यूडी मंत्री गोपाल भार्गव रहली विधानसभा क्षेत्र से आठ बार से विधायक हैं। वह अपनी विधानसभा क्षेत्र में लगातार सक्रिय रहते हैं। मंत्री भार्गव ने रहली विधानसभा को विकास मॉडल के रूप में विकसित किया है, पिछले दिनों से कयास लगाए जा रहे थे कि इस बार प्रदेश के पीडब्ल्यूडी मंत्री गोपाल भार्गव की जगह उनके बेटे अभिषेक भार्गव चुनाव लड़ सकते हैं, लेकिन मंत्री गोपाल भार्गव के मंच से दिए गए बयान के बाद अटकलों पर विराम लगता हुआ दिखाई दे रहा है।

जलगांव मस्जिद में मुसलमानों की एंट्री बैन करने के आदेश पर लगी रोक, 1 अगस्त को होगी सुनवाई

मुंबई, 20 जुलाई (एजेंसियां)। महाराष्ट्र की जलगांव मस्जिद में नमाज अदा करने और मुसलमानों की एंट्री बैन करने के आदेश पर बॉम्बे हाई कोर्ट की औरंगाबाद बेंच ने अगली सुनवाई तक के लिए रोक लगा दी है। अगली सुनवाई 1 अगस्त को होगी। हिंदू पक्ष की शिकायत पर जलगांव के डिस्ट्रिक्ट कलेक्टर ने मस्जिद में नमाज अदा करने पर रोक लगा दी थी। हिंदू पक्ष का दावा है कि स्मारक की बनावट मंदिर जैसी दिखती है। 11 जुलाई को हिंदू पक्ष पांडव संघर्ष समिति की शिकायत पर डिस्ट्रिक्ट कलेक्टर ने यह आदेश दिया था। इसके खिलाफ, मुस्लिम पक्ष जुमा मस्जिद ट्रस्ट की तरफ से इसके अध्यक्ष अलताफ खान ने याचिका दाखिल की और आरोप लगाया कि यह

आदेश पक्षपातपूर्ण है इसलिए इस पर रोक लगा दी जाए।

कलेक्टर के आदेश के खिलाफ दाखिल की गई याचिका

याचिका में मुस्लिम पक्ष का तर्क है कि यह इमारत साल 1861 से है और इसे ऐतिहासित स्मारक के तौर पर जाना जाता है। उन्होंने कहा कि कभी राज्य सरकार या आर्कियोलॉजिकल विभाग की तरफ से भी कोई आपत्ति नहीं जताई गई। याचिका में यह भी कहा गया कि कलेक्टर के सामने सुनवाई के दौरान ट्रस्ट को अपना पक्ष रखने का मौका ही नहीं दिया गया। ट्रस्ट ने कलेक्टर के आदेश को पक्षपातपूर्ण और गैरकानूनी बताया है। याचिकाकर्ता ने इस आदेश को चुनौती देते हुए इसे खारिज करने की मांग की है। कोर्ट में ट्रस्ट की तरफ से एसएस काजी ने पक्ष रखा और कलेक्टर की ओर से सरकारी वकील डीआर काले पैरवी कर रहे हैं। डीआर काले ने याचिका का विरोध करते हुए कहा कि यह फाइनल फैसला नहीं, अंतरिम है। फाइनल फैसले से पहले एक विस्तृत सुनवाई होनी है। जस्टिस आरएम जोशी की एकल बेंच ने कलेक्टर के आदेश पर रोक लगाते हुए नोटिस जारी किया।

हिंदू पक्ष का क्या है दावा?

याचिका में कहा गया कि एरनाडोल तालुका में पांडव संघर्ष समिति ने मई में इस संबंध में कलेक्टर के पास शिकायत दर्ज कराते हुए दावा किया कि स्मारक की बनावट मंदिर जैसी प्रतीत होती है इसलिए इससे मुस्लिम समुदाय का कब्जा खाली कराया जाना चाहिए। समिति ने स्मारक के ढांचे को गैरकानूनी बताया था और इसे गिराने एवं यहां चलाए जा रहे मदरसे को बंद करने की मांग की थी।

गर्भवती पत्नी को छोड़ बस्ती में घुस रहे पानी को रोकने दौड़ा था नौजवान, पुलिस ने साहस को किया सलाम

सरहिंद, 20 जुलाई (एजेंसियां)। स्थानीय सरहिंद ड्रेन में जब अचानक जलस्तर बढ़ गया तो रविदास टिब्बी के नौजवान योगी राम ने अद्भुत साहस का परिचय दिया। योगी राम अपनी गर्भवती पत्नी गिंदो की परवाह नहीं करते ड्रेन से बस्ती में घुस रहे पानी को बंद करने में जुटा रहा। इसी दौरान योगी राम के घर में पानी आ गया और पानी के बीच ही उनकी पत्नी ने बेटे को जन्म दिया। एसएचओ दीपइंदर सिंह जेजी समेत पूरी पुलिस टीम ने इस पूरे घटनाक्रम को खुद देखा। इसके बाद योगी राम का हौसला बढ़ाने और परिवार की मदद करने के लिए पुलिस टीम योगी राम के घर पहुंची।

भाजपा प्रदेश पदाधिकारी घोषित, नौ उपाध्यक्ष बनाए, वंदना को महिला मोर्चा अध्यक्ष की कमान

शिमला, 20 जुलाई (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश भाजपा अध्यक्ष डॉ। राजीव बिंदल ने प्रदेश पदाधिकारियों एवं युवा मोर्चा तथा महिला मोर्चा प्रदेश अध्यक्षों की नियुक्ति की है। नौ उपाध्यक्ष, तीन महामंत्री, सात सचिव, 10 प्रवक्ता, एक मीडिया प्रभारी और सात सह मीडिया प्रभारी कार्यरत किए हैं। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू के विधानसभा क्षेत्र नादौन की वंदना योगी को महिला मोर्चा अध्यक्ष और भरमौर पांगी के तिलक राज को युवा मोर्चा अध्यक्ष की कमान सौंपी गई है। नौ उपाध्यक्ष बनाए गए हैं। पूर्व मंत्री वीरेंद्र कंवर, कांगड़ा से भाजपा विधायक पवन काजल, चुराह से भाजपा विधायक हंसराज, पूर्व मंत्री डॉ। राजीव सैजल, पूर्व मंत्री गोविंद ठाकुर, हिमाचल महिला मोर्चा पूर्व अध्यक्ष रश्मिधर सूद, पायल वैद्य, संजीव कटवाल और डॉ। राजीव भारद्वाज को प्रदेश भाजपा उपाध्यक्ष बनाया गया है। राज्यसभा सांसद डॉ। सिंकदर कुमार, त्रिलोक कूपर, और बिहारी लाल शर्मा को प्रदेश महामंत्री बनाया गया है। विधायक विनोद कुमार, विशाल चौहान, डॉ। संजय ठाकुर, नरेंद्र अत्री, सुमित शर्मा, डेजी ठाकुर और मुनीष चौहान को प्रदेश सचिव बनाया गया है। कमलजीत सूद को प्रदेश कोषाध्यक्ष की कमान सौंपी गई है। प्रदेश प्रवक्ता के रूप में राकेश शर्मा, महेंद्र धर्माणी, उमेश शर्मा, बलदेव तोमर, अजय राणा, बलबीर वर्मा, संदीपनी भारद्वाज, विवेक शर्मा, चेतन बरागटा और विनोद ठाकुर कार्य संभालेंगे।

जम्मू कश्मीर: घाटी में पांच जगहों पर राष्ट्रीय जांच एजेंसी का छापा, आतंकी साजिश मामले में एक्शन

जम्मू, 20 जुलाई (एजेंसियां)। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने गुरुवार को कश्मीर घाटी में पांच अलग-अलग स्थानों पर छापेमारी की है। बताया जा रहा है कि आतंकी साजिश के मामले में ये कार्रवाई की है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, जम्मू कश्मीर में सक्रिय पाकिस्तान समर्थित प्रतिबंधित आतंकवादी संगठनों की नई शाखाओं के खिलाफ छापेमारी अभी भी जारी है। प्रतिबंधित कश्मीरी आतंकवादी संगठनों की नवगठित शाखाओं और सहयोगियों से जुड़े हाइब्रिड आतंकवादियों और ओजीडब्ल्यू के आवासीय परिसर में जांच की गई है। इन संगठनों से सहानुभूति रखने वालों और कार्यकर्ताओं के परिसरों पर भी छापे मारे गए हैं। इन सभी कैडरों और कार्यकर्ताओं की जम्मू-कश्मीर में आतंक, हिंसा और तोड़फोड़ से संबंधित गतिविधियों के लिए जांच की जा रही है। इस मामले में 15 दिनों के भीतर एनआईए की यह दूसरी छापेमारी है। एजेंसी ने 11 जुलाई को दक्षिण कश्मीर में पांच स्थानों पर छापेमारी की थी। एनआईए ने पहले जिन स्थानों की तलाशी ली, उनमें कश्मीर घाटी के तीन जिले अनंतनाग, शोपियां और पुलवामा शामिल हैं। इसके कारण बड़े पैमाने पर आपत्तिजनक डेटा वाले कई डिजिटल उपकरणों को जब्त कर लिया गया। जम्मू-कश्मीर आतंकी साजिश का मामला पिछले साल 21 जून को एनआईए द्वारा स्वतः संज्ञान लेते हुए दर्ज किया गया था।

ट्रेडमिल पर मौत: दिल्ली में बीटेक इंजीनियर को लगा करंट, हाथ-पैर रगड़ते रहे दोस्त; जिम मालिक पर केस दर्ज

नई दिल्ली, 20 जुलाई (एजेंसियां)। रोहिणी जिले के केएन काटजू मार्ग इलाके में जिम में कसरत करने के दौरान ट्रेड मिल से करंट लगने से बीटेक इंजीनियर युवक की मौत हो गई। मृतक की शिनाख्त सक्षम कुमार (24) के रूप में हुई है। हादसे के समय वह ट्रेड मिल पर दौड़ लगाने के दौरान उससे नीचे उतरकर दो ट्रेडमिल के बीच बैठ गया था। इसी दौरान उसे जोरदार करंट लग गया। फौरन उसे नजदीकी अस्पताल ले जाया गया, जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया।

19 वर्षीय युवक ने किया 6 साल के लड़के से दुष्कर्म

फिर हत्या कर शव को पानी की टंकी में फेंका

चेन्नई, 20 जुलाई (एजेंसियां)। तमिलनाडु पुलिस ने 16 जुलाई को धर्मपुरी जिले के कृष्णापुरम के पास एक गांव में छह वर्षीय लड़के के साथ बलात्कार करने और उसकी हत्या करने के आरोप में 19 वर्षीय एक युवक को बुधवार को गिरफ्तार किया। लड़के के माता-पिता द्वारा उसके लापता होने की शिकायत दर्ज कराने के बाद, पुलिस ने तलाश शुरू की और उसी गांव के एम प्रकाश को संदिग्ध पाया। पुलिस ने कहा कि, उन्होंने प्रकाश को उठाया और पूछताछ के दौरान वह टूट गया और अपना गुनाह कबूल कर लिया। प्रकाश उन्हें गांव में एक अप्रयुक्त ओवरहेड पानी की टंकी के पास ले गया, जहां उसने लड़के के शव को छिपा दिया था। रिपोर्ट के अनुसार, जिला पुलिस अधीक्षक स्टीफन जेसुबाथम ने कहा कि प्रकाश ने लड़के से दोस्ती कर ली थी और अक्सर उसके लिए चॉकलेट और आइसक्रीम खरीदता था। 16 जुलाई को प्रकाश लड़के को पानी की टंकी पर ले गया और उसके साथ अप्राकृतिक बलात्कार किया। जेसुबाथम ने कहा कि, जब लड़का मदद के लिए चिल्लाने लगा, तो प्रकाश घबरा गया और उसने उसका गला घोंट दिया। जेसुबाथम ने कहा कि, हत्या के बाद आरोपी ने लड़के के हाथ और पैर बांध दिए और शव को टैंक में फेंक दिया। जैसे ही खबर फैली, लड़के के परिवार के दोस्तों और रिश्तेदारों ने हत्यारे के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग करते हुए कस्बे में सड़क जाम कर दी। जेसुबाथम के इस वादे के बाद कि कोई नरमी नहीं बरती जाएगी, भीड़ शांत हुई। पुलिस ने प्रकाश के खिलाफ मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया। स्थानीय अदालत ने प्रकाश को न्यायिक हिरासत में भेज दिया और उसे सलेम केंद्रीय जेल में भेज दिया गया।

दिल्ली में फैशन डिजाइनर ने किया सुसाइड, सफदरजंग एनक्लेव में रहती थी 26 साल की दीपिका

नई दिल्ली, 20 जुलाई (एजेंसियां)। दिल्ली के साउथ वेस्ट डिस्ट्रिक्ट स्थित सफदरजंग एनक्लेव में एक लेडी फैशन डिजाइनर ने आत्महत्या कर ली। मृतका की पहचान 26 वर्षीय दीपिका के रूप में हुई। पुलिस का कहना है कि परिवार वालों से पूछताछ की जा रही है, जिसके बाद पूरे मामले का खुलासा हो पाएगा कि दीपिका ने ऐसा कदम क्यों उठाया? कोई सुसाइड नोट मिला है या नहीं, इसकी भी अभी पुष्टि नहीं हो पाई है। दरअसल, आज सुबह पुलिस को सूचना मिली कि सफदरजंग एनक्लेव के एक फ्लैट में युवती का शव फंदे से लटक रहा है। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच-पड़ताल शुरू की।

एक्सीडेंट देखने जुटी थी भीड़, तभी 160 की रफ्तार में आई जगुआर 22 को कुचला, नौ लोगों की मौत,13 घायल

अहमदाबाद, 20 जुलाई (एजेंसियां)। गुजरात के अहमदाबाद में आज तड़के एक दर्दनाक हादसा हो गया, जिसके बाद मौत के तांडव से पूरा इलाका दहल उठा। अहमदाबाद में एक फ्लाईओवर पर तेज रफ्तार से आ रही जगुआर कार ने भीड़ को रौंद दिया, जिसमें 9 लोगों की मौत हो गई और 13 से अधिक लोग घायल हो गए। दरअसल, यह घटना तब हुई, जब एक कार एक्सीडेंट देखने के लिए दुर्घटनास्थल पर लोगों की भीड़ मौजूद थी, तभी पीछे से आई तेज रफ्तार जगुआर भीड़ में घुस गई और सबको रौंद दिया। इस हादसे में 9 लोगों की मौत हो गई और 13 अन्य लोग घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस अधिकारी के मुताबिक,

सरखेज-गांधीनगर राजमार्ग के इस्कॉन पुल पर दो वाहनों के बीच टक्कर के बाद लोगों की भीड़ एकत्र थी, तभी तेज गति से आ रही एक लग्जरी कार यानी जगुआर भीड़ में घुस गई, जिससे नौ लोगों की मौत हो गई और 13 अन्य लोग घायल हो गए। ऐसा बताया जा रहा है कि कार 160 किलोमीटर प्रति घंटे से अधिक की रफ्तार से चल रही थी। स्थानीय मीडिया ने बताया कि मृतकों में बोटाद और सुरेंद्रनगर के लोग शामिल हैं। दरअसल, जगुआर हादसे पहले एक और हादसे उसी इस्कॉन ब्रिज पर हुआ था। गुरुवार तड़के एक अन्य हादसे में ट्रक ने एक थार एसयूवी को टक्कर मार दी थी। इस हादसे के बाद ड्राइवर फरार हो गया। हालांकि, एक्सीडेंट देखने के लिए मौके पर भीड़ जुट गई थी। भीड़ जब सड़क पर दुर्घटनास्थल पर मौजूद थी, तभी एक तेज रफ्तार जगुआर कार पुल पर मौजूद लोगों को रौंदती हुई निकल गई। इसके बाद चीख-पुकार मच गई और हादसे के बाद इस्कॉन मंदिर के पास फ्लाईओवर को पुलिस ने अस्थायी रूप से बंद कर दिया गया।

जगुआर कौन चला रहा था?

अहमदाबाद ट्रैफिक पुलिस के एसीपी एसजे मोदी के मुताबिक, जगुआर से हुए हादसे 6 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि अन्य को इलाज के लिए सोला सिविल अस्पताल ले जाया गया, जहां पर तीन अन्य लोगों ने दम तोड़ दिया, जिससे मरने वालों की संख्या बढ़कर 9 हो गई। पुलिस के मुताबिक, तथ्य पटेल नाम का युवक जगुआर कार चला रहा था। तथ्य के पिता गैंगरेप मामले में आरोपी है और फिलहाल जमानत पर बाहर है।

खालिस्तान समर्थक अमृतपाल की पत्नी को ब्रिटेन जाने से फिर रोका

एजेंसियों को भारत के खिलाफ नफरत फैलाने का अंदेशा

चंडीगढ़, 20 जुलाई (एजेंसियां)। असम की डिब्रूगढ़ जेल में बंद "वारिस पंजाब दे" प्रमुख अमृतपाल सिंह की पत्नी किरनदीप कौर को कन्फर्म टिकट होने के बावजूद तीसरी बार भारत छोड़ कर ब्रिटेन जाने से रोक दिया गया है। उन्हें पहली बार 20 अप्रैल को अमृतसर के श्री गुरु रामदास जी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे, फिर 14 जुलाई और अब 19 जुलाई को दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर रोका गया। सूत्रों का कहना है कि किरनदीप ब्रिटेन पहुंचकर भारत विरोधी गतिविधियों में शामिल हो सकती हैं और भारत के खिलाफ नफरत फैला सकती हैं। राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (एनएसए) के तहत अन्य लोगों के साथ असम की डिब्रूगढ़ जेल में बंद वारिस पंजाब दे (डब्ल्यूपीडी) के प्रमुख अमृतपाल सिंह की पत्नी किरनदीप कौर ने जेल में अपने पति के साथ नियमित मुलाकात के दौरान कथित उत्पीड़न पर आश्चर्य और गुस्सा व्यक्त किया था। सूत्रों ने कहा कि किरनदीप की यात्रा योजनाएं कथित तौर पर खालिस्तानी सिख नेता अवतार सिंह खांडा के सम्मान में एक आगामी समारोह से जुड़ी थीं, जिनकी हाल ही में ब्रिटेन के एक अस्पताल में रहस्यमय परिस्थितियों में मृत्यु हो गई थी। माना जाता है कि खांडा खालिस्तान समर्थक नेता अमृतपाल सिंह का करीबी सहयोगी था। रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से कहा गया है कि पुलिस और एजेंसियों को आशंका है कि किरनदीप ब्रिटेन में भड़काऊ भाषण दे सकती हैं, जिससे संभावित रूप से भारत के खिलाफ नफरत फैल सकती है। जब किरनदीप से संपर्क किया गया तो पहले तो उन्होंने इस मुद्दे पर बात करने से इनकार कर दिया। हालांकि लगातार कोशिश करने के बाद उन्होंने कहा कि मुझे यूके जाने से तीसरी बार रोका गया है, जबकि कानून के मुताबिक मुझे 180 दिन पहले एंट्री करनी है। अप्रैल माह के दौरान कुछ मीडिया प्लेटफार्मों और व्यक्तियों ने सोचा कि मैं वापस ब्रिटेन भाग रही हूं, लेकिन क्या कोई भी आसानी से अपने घर नहीं जा सकता है।

'वासना के इरादे के बिना हाथ पकड़ना और धमकाना, महिला की गरिमा को ठेस नहीं पहुंचाता', हाई कोर्ट

तिरुवनन्तपुरम, 20 जुलाई (एजेंसियां)। केरल की कोर्ट ने एक मामले में फैसला सुनाते हुए कहा कि बिना वासना के हाथ पकड़ना या धमकाने जैसी चीजें महिला की गरिमा को ठेस पहुंचाने के दायरे में नहीं आती हैं। कोर्ट ने कहा कि इससे यह साबित होना चाहिए कि उसने महिला की गरिमा को ठेस पहुंचाने के इरादे से ऐसा किया है। केरल के एर्नाकुलम में अल्वा में फर्स्ट-क्लास मजिस्ट्रेट आईआई कोर्ट ने 13 जुलाई को एक मामले की सुनवाई करते हुए यह टिप्पणी की

है। एक मंदिर में महिला का हाथ पकड़ने और उसे जान से मारने की धमकी देने के मामले में सुनवाई के दौरान यह टिप्पणी की गई। मजिस्ट्रेट टी के संतोष ने कहा कि अगर कोई शख्स बिना वासना के किसी महिला का हाथ पकड़ता है और उसे जान से मारने की धमकी देता है, तो यह नहीं कहा जा सकता है कि इससे महिला की गरिमा को ठेस पहुंची है। कोर्ट ने आरोपी के खिलाफ आईपीसी की धारा 354 के तहत आरोपी के खिलाफ दर्ज केस रद्द कर दिया है। हालांकि, महिला को धमकी देने के मामले में जुर्माने के साथ उसे जेल की दो साल की सजा सुनाई गई है।

क्या है मामला?

कोर्ट जिस मामले पर सुनवाई कर रहा था उसमें एक महिला ने आरोप लगाया कि मंदिर में एक शख्स ने उसका हाथ पकड़कर उसको जान से मारने की धमकी दी। महिला का आरोप है कि आरोपी ने उसकी गरिमा को ठेस पहुंचाने के मकसद से ऐसा किया है। इस घटना में आरोपी के खिलाफ इंडियन पीनल कोड के सेक्शन 354 और 506 के तहत केस दर्ज किया गया था। धारा 354 के तहत दर्ज केस को कोर्ट ने रद्द कर दिया है। इस धारा के तहत तब मामला दर्ज किया जाता है, जब कोई शख्स ऐसा कृत्य करता है, जिससे महिला की गरिमा को ठेस पहुंचती है। कोर्ट ने माना कि पीड़ित पक्ष यह साबित करने में सफल रहा कि आरोपी ने महिला का हाथ पकड़कर उसको जान से मारने की धमकी दी है। हालांकि, वह यह साबित नहीं कर सका कि महिला की गरिमा को ठेस पहुंचाने के इरादे से ऐसा किया गया। कोर्ट ने आरोपी को इस मामले में 2 साल की जेल की सजा सुनाई है और 50,000 रुपये का जुर्माना भी लगाया।

जालसाज ने बैंक अधिकारी बनकर केवायसी के नाम पर रिटायर्ड बैंक अधिकारी को ठगा

भोपाल, 20 जुलाई (एजेंसियां)। राजधानी भोपाल के कोलार थाना क्षेत्र में रहने वाले बैंक के एक रिटायर्ड अधिकारी को एक जालसाज ने बैंक का अधिकारी बनकर ही ठग लिया। चूंकि फरियादी बैंक के अधिकारी रहे हैं, उन्होंने भरोसा कर लिया। जालसाज ने केवायसी के नाम पर ओटीपी (वन टाइम पासवर्ड) पूछा और 25 हजार रुपये उनके खाते से निकाल लिए।

स्वतंत्र वार्ता

2024 के लोकसभा व विधानसभा चुनाओं में हाथी अकेला चलेगा !

अशोक भाटिया

उत्तरप्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने बुधवार को दिल्ली में प्रेस कॉफ्रेंस की। इसमें उन्होंने अकेले चुनाव लड़ने का ऐलान किया। मायावती ने कहा, एनडीए और आईएनडीआईए दोनों के साथ हम नहीं हैं। राजस्थान, छत्तीसगढ़ और मध्यप्रदेश में होने वाले विधानसभा चुनाव में भी पार्टी अकेले चुनाव लड़ेगी। मायावती ने कांग्रेस और भाजपा दोनों पर निशाना साधा और कहा कि गठबंधन की राजनीति कांग्रेस करती है। उनका जातिवादी दलों के साथ गठबंधन है। वहीं, बीजेपी की बातें-दावे खोखले हैं। कांग्रेस सत्ता में आने के लिए गठबंधन कर रही है। हम ऐसा नहीं कर सकते। मायावती का कहना था कि लोकसभा चुनाव बेहद नजदीक हैं। एनडीए और विपक्षी पार्टियों के गठबंधन की बैठकों का दौर चल रहा है। एक तरफ एनडीए अपनी पूर्ण बहुमत की सरकार बनने की दलीलें दे रहा है। दूसरी तरफ, विपक्ष गठबंधन सत्ताधारी को मात देने की प्लानिंग कर रहे हैं। इसमें बसपा भी पीछे नहीं है।कांग्रेस पार्टी, अपने जैसी जातिवादी और पूंजीवादी सोच रखने वाली पार्टियों के साथ गठबंधन करके फिर से सत्ता में आने की सोच रही है। सभी विपक्षी दलों की सोच एक जैसी है, यही कारण है कि बसपा ने इनसे दूरी बनाई है। देखा जाय तो बसपा सुप्रीमो मायावती ने भाजपा के खिलाफ विपक्षी एकता की कोशिशों को तभी तगड़ा झटका दिया था जब 15 जनवरी अपने जन्मदिन के अवसर पर मायावती ने 2024 को लेकर बसपा की रणनीति का खुलासा किया था । उन्होंने साफ किया था कि बहुजन समाज पार्टी लोकसभा चुनाव अकेले अपने दम पर लड़ेगी। किसी के साथ कोई भी गठबंधन नहीं होगा। यही नहीं, 2023 में जिन राज्यों में विधानसभा चुनाव होने हैं वहां भी कोई गठबंधन नहीं किया जाएगा।बसपा सुप्रीमो मायावती अपने 67वें जन्मदिन के मौके पर अलग अंदाज में नजर आईं थी । उन्होंने प्रेस कॉन्फ्रेंस में मीडिया के हर एक सवाल का जवाब दिया था फिर चाहे वो बसपा को चुनाव में मिल रही हार पर सवाल हो या भाजपा के पसमांदा प्रेम पर। मायावती ने हर सवाल का खुलकर जवाब दिया। मायावाती ने कहा कि 2023 में राजस्थान , मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और 2024 के लोकसभा के चुनाव बसपा अकेले लड़ेगी। किसी के साथ कोई गठबंधन नहीं करेगी क्योंकि कांग्रेस ने कुछ दिनों से ये भ्रम फैला रखा था कि वो बसपा से गठबंधन करेंगे लेकिन बसपा ये नहीं करेगी। बसपा प्रमुख मायावती ने कहा कि कांग्रेस और कुछ अन्य दल हमारी पार्टी से गठबंधन करने की कोशिश कर रहे हैं लेकिन हमारी विचारधारा अन्य पार्टियों से एकदम अलग है। बसपा लोकसभा चुनाव और विधानसभा चुनावों में किसी भी पार्टी से कोई गठबंधन नहीं करेगी। देखा जाय तो उत्तर प्रदेश की राजनीति में बहुजन समाज पार्टी करीब 25 फीसदी वोट बैंक की राजनीति करती रही है लेकिन, लोकसभा चुनाव 2014 के बाद से पार्टी की स्थिति लगातार खराब होती गई। वर्ष 2007 में उत्तरप्रदेश विधानसभा चुनाव के समय मायावती ने पार्टी के बहुजन को सर्वजन में बदलकर प्रदेश में अकेले दम पर सरकार बनाने लायक बहुमत दिला दिया था। इस चुनाव में बसपा के कोर वोट बैंक दलित, मुस्लिम और ओबीसी के साथ ब्राह्मण वोट को जोड़ा गया हालांकि, यह दांव मायावती पर भारी पड़ गया। इस चुनाव के बाद पार्टी लगातार प्रदेश के चुनावी मैदान में पिछड़ती चली गई। करीब 2 साल बाद ही हुए लोकसभा चुनाव 2009 में पार्टी को आशातीत सफलता नहीं मिली। वर्ष 2009 के लोकसभा चुनाव में बसपा ने 20 सीटों पर जीत दर्ज की थी। सत्ता में रहने के बावजूद प्रदेश में पार्टी तीसरे स्थान पर रही। बसपा के आगे समाजवादी पार्टी और कांग्रेस थी। सपा को 23 और कांग्रेस को 21 सीटों पर जीत मिली थी। 2007 के उत्तरप्रदेश चुनाव में बसपा के साथ गया ब्राह्मण वोट बैंक कांग्रेस से जुड़ा और पूरा खेल पलट गया। मायावती ने अपने शासनकाल में विकास और कानून व्यवस्था की स्थिति का जिक्र अब तक करती हैं लेकिन इसे अपने वोट बैंक तक पहुंचाने में वे कामयाब नहीं रहीं। 2007 से 2012 तक उत्तर प्रदेश की सत्ता में रहने और प्रभावी कानून व्यवस्था के बावजूद मायावती प्रदेश की राजनीति में वह छाप नहीं छोड़ पाई जिससे उनकी वापसी संभव हो सके। ऐसे में उन्होंने आगामी राजस्थान, कर्नाटक, मध्य प्रदेश जैसे राज्यों में होने वाले विधानसभा चुनाव और वर्ष 2024 के आम चुनाव से पहले गठबंधन न करने की घोषणा कर बड़ा संदेश अपने वोट बैंक को देने का प्रयास किया । लोकसभा चुनाव 2014 के बाद से हुए चुनाव परिणाम इसकी गवाही देते हैं। बसपा ने इस दरम्यान कई राजनीतिक दलों के साथ गठबंधन किया लेकिन उसका परिणाम पार्टी के पक्ष में उस स्तर पर निकल कर नहीं आया। बसपा के संस्थापक कांशीराम ने पंजाब से आकर उत्तर प्रदेश की राजनीति को खासा प्रभावित किया था लेकिन पंजाब चुनाव 2022 में बसपा ने अकाली दल से गठबंधन किया और पार्टी को कोई बड़ी सफलता नहीं मिली। अन्य राज्यों में भी पार्टी को गठबंधन का लाभ नहीं मिल पाया है। समान विचारधारा वाली पार्टियों से गठबंधन के बाद भी मायावती अपने वोट बैंक को अपने पक्ष में मोड़ पाने में कामयाब नहीं हो पाई। वोट ट्रांसफर कराने में कामयाबी नहीं मिली तो अब उन्होंने वोट बैंक के बीच खुद को स्थापित करने का निर्णय ले लिया है। कांशीराम ने बहुजन समाज को उचित राजनीतिक प्रतिनिधित्व की बात करते हुए बसपा की स्थापना की थी। वे अपने उस लक्ष्य को लेकर चलते रहे लेकिन वर्ष 2007 में मायावती ने जिस मनुवाद की खिलाफत को लेकर पार्टी का गठन किया गया, उस ब्राह्मण समाज को साथ ले लिया। इसके बाद दलितों का एक प्रकार से इस पार्टी से मोहभंग हुआ। वर्ष 2014 में उत्तर प्रदेश की राजनीति में प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी की दखल ने गैर यादव ओबीसी वर्ग को अपनी तरफ लाने में बड़ी कामयाबी हासिल की। यह बसपा के लिए पहला झटका था। इसके बाद से लगातार मायावती को झटके लगे हैं। वर्ष 2014 के लोकसभा चुनाव से स्थिति में बदलाव होता दिखा। उत्तर प्रदेश की राजनीति पलटी। सवर्ण और ओबीसी एक पाले में आए तो तमाम गठबंधन धराशायी हो गए। भाजपा ने इसके बाद मायावती की दलित पॉलिटिक्स में सेंधमारी की। वर्ष 2022 के विधानसभा चुनाव परिणाम इसकी गवाही देते हैं। वर्ष 2014 के लोकसभा चुनाव में बसपा को 19.60 फीसदी वोट मिले, लेकिन पार्टी का एक भी सांसद नहीं चुना जा सका। समाजवादी पार्टी के साथ गठबंधन मायावती के लिए भारी पड़ा। जिस प्रकार वर्ष 2007 में छोटे लक्ष्य के लिए ब्राह्मणों को साधने का जो दांव मायावती ने खेला था, कुछ उसी प्रकार की स्थिति फिर दिखी। मायावती का वोट बैंक समाजवादी पार्टी की खिलाफत करता रहा था। लखनऊ का गठबंधन गांवों में उतर नहीं पाया। इस कारण वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव में 19.3 फीसदी वोट हासिल करने के बाद भी बसपा भाजपा को 49 .6 फीसदी यानी करीब 50 फीसदी वोट हासिल करने से रोक नहीं पाई। गठबंधन से नाराज वोट बैंक ने भाजपा का रुख कर लिया। उत्तर प्रदेश चुनाव 2022 में कुछ यही स्थिति दिखी। गैर जाटव दलित वोट भाजपा और सपा में बंटता दिखा। मायावती अब इसी वोट बैंक को साधने की कोशिश करती दिख रही हैं। अपने आधार वोट बैंक दलित और मुस्लिम को साधने की कोशिश मायावती ने शुरू की है। पश्चिमी उत्तर प्रदेश में इमरान मसूद जैसे नेताओं के जरिए पार्टी का जनाधार बढ़ाने का प्रयास है। चलो गांव की ओर कार्यक्रम के जरिए पार्टी अपने वोटरों को मनाने की कोशिश करेगी। उन्हें समझाया जाएगा कि पार्टी अब अपने पुराने स्वरूप में लौट आई है।

हादसों का सिलसिला

भारी बारिश के चलते महाराष्ट्र के रायगढ़ में बुधवार रात चट्टान खिसकने से 48 घर तबाह हो गए। इसमें 10 लोगों की मौत हुई है, जबकि 75 लोगों का रेस्क्यू किया गया। 120 से ज्यादा लोगों के मलबे में दबे होने की आशंका है। रायगढ़ जिले के इर्शालवाड़ी गांव में रेस्क्यू करने के लिए एनडीआरएफ की टीमें तैनात है। इस तरह की दुखद घटना से साबित होता है कि वर्षाकाल में दुर्घटनाओं का सिलसिला निरंतर जारी है। अफसोसजनक है कि इसके बाद भी व्यवस्थागत उदासीनता कायम है। उत्तराखंड के चमोली में अलकनंदा नदी के नमामि गंगे परियोजना के तहत जल-मल शोधन संयंत्र में करंट लगने से हुई 16 लोगों की मौतों में लापरवाही का अंदाजा इससे ही लग जाता है कि मंगलवार की रात को उसी जगह बिजली के चपेट में आने से एक व्यक्ति की मौत हो चुकी थी। फिर भी किसी ने उसे गंभीरता से नहीं लिया। नतीजतन अगले दिन बुधवार सुबह करीब साढ़े ग्यारह बजे जब मृतक का पंचनामा चल रहा था, तभी फिर से वहां लोहे के घेरे में करंट दौड़ गया। उसकी चपेट में मौके पर पुलिसकर्मियों और मृतक के कुछ रिश्तेदारों समेत सोलह लोगों की भी जान चली गई। कई बुरी तरह घायल हैं। निश्चित रूप से यह किसी तकनीकी खराबी और उस पर नजर रखने, समय से उसकी मरम्मत करने में व्यापक कोताही की वजह से हुआ होगा। सवाल है कि जब रात में करंट की वजह से ही एक व्यक्ति की जान जा चुकी थी, तब उसके कई घंटे के बाद भी वहां अन्य जगह पर बिजली कैसे प्रवाहित हो गई! जबकि यह बुनियादी तकाजा तो यही है कि पहली घटना का पता चलते ही सबसे पहले वहां बिजली के संपर्क को पूरी तरह काट दिया जाना चाहिए था। यह तो सामान्य सी बात है कि अगर बिजली आपूर्ति बाधित होने की मामूली समस्या को दूर करना होता है तो पहले वहां बिजली का संपर्क काटा जाता है, ताकि किसी हादसे की गुंजाइश ही न रहे। लेकिन यहां तो एक व्यक्ति की जान चले जाने के बावजूद ऐसी लापरवाही बरती गई है। अब सरकार की ओर से जांच और मुआवजे की घोषणा की गई है, इन घटनाओं जिन लोगों का जीवन चला गया, उसकी भरपाई शायद नहीं हो पाएगी। होना तो यह चाहिए था कि हादसे के बाद ऐसे पुख्ता इंतजाम किए जाते ताकि वैसी घटना दोबारा न हो। किसी परियोजना स्थल या अन्य निर्माण कार्यों के दौरान हादसों में सुरक्षा इंतजामों की गड़बड़ी के बाद उसका तात्कालिक हल तो निकाल लिया जाता है, लेकिन उक्त खामी को दुरुस्त करने के कोई ठोस उपाय नहीं किए जाते। जिसका खमियाजा और गंभीर रूप में भुगतना पडता है। सुरक्षा इंतजामों में मामूली लापरवाही की भी कीमत किस रूप में सामने आती है, इसके त्रासद उदाहरण आए दिन देखने को मिलते हैं। ऐसे में घटनास्थल पर हुई लापरवाही के लिए वहां तैनात किसी कर्मचारी को जिम्मेदार मान लिया जा सकता है, लेकिन उसके ऊपर के तंत्र में निरीक्षण, जांच आदि करने से जुड़े समूचे तंत्र की क्या ड्यूटी होती है, इसकी भी पडताल की जानी चाहिए! किसी हादसे के बाद की औपचारिक कार्रवाई से हादसों पर लगाम लगाना संभव नहीं है। उसके लिए ऐसे ठोस इंतजाम करने होंगे, ताकि दोबारा वैसा त्रासदायी हादसा न हो सके।

स्वयं की विरासत को नुकसान पहुंचाता पाकिस्तान

सुनील कुमार महला

यह बहुत ही दुखद, विडंबनापूर्ण और शर्मनाक है कि सीमा हैदर, जो कि ग्रेटर नोएडा में पाकिस्तान से आई थी तथा जो पाकिस्तान के सिंध प्रांत की राजधानी कराची की रहने वाली है, को लौटाने की धमकी देने वाले पाकिस्तानी डकैतों ने अब हिंदू मंदिरों पर हमले करने शुरू कर दिए हैं। जानकारी देना चाहूंगा कि हाल ही में पाकिस्तान में डकैतों ने एक हिंदू मंदिर पर रॉकेट लॉन्चर से हमला किया है। पाकिस्तान के प्रमुख अखबार डॉन की एक रिपोर्ट में यह बताया गया है कि डकैतों के एक गिरोह ने सिंध के काशमोर में हिंदू समुदाय के सदस्यों के एक पूजा स्थल पर रॉकेट लॉन्चर से हमला किया। हमलावरों ने गौसपुर पुलिस स्टेशन के अंतर्गत आने वाले एक मंदिर और आसपास के हिंदुओं के घरों पर भी हमला किया। उन्होंने अंधाधुंध गोलीबारी कर हिंदू समुदाय में दहशत फैलाने की कोशिश की। यह सामने आया है कि काश्मोर-कंधकोट के एसएसपी के नेतृत्व में एक पुलिस टीम को घटनास्थल पर पहुंचना पड़ा।इसके अलावा एक 150 साल पुराने हिंदू मंदिर को भी गिरा दिया गया है। कितनी बड़ी बात है कि एक तरफ तो पाकिस्तान सरकार भारत से सीमा हैदर की सही सलामती को लेकर जानकारी मांग रही है, साथ ही काउंसलर एक्सेस मुहैया करवाने का भी अनुरोध किया गया है, वहीं दूसरी ओर सीमा हैदर को लेकर पाकिस्तान में हिंदू मंदिरों को नुकसान पहुंचाया जा रहा है। यहां पाठकों को यह जानकारी देना चाहूंगा कि सीमा और सचिन सर्वप्रथम वर्ष 2019 में ऑनलाइन वीडियो गेम पबजी के माध्यम से एक-दूसरे के संपर्क में आए थे और इसी साल मार्च में सचिन और सीमा नेपाल की राजधानी काठमांडू में मिले थे, जहां वे सात दिनों तक एक साथ रहे और गुपचुप तरीके से शादी भी कर ली। इसके बाद सीमा वापस पाकिस्तान चली गई थी और सचिन भारत लौट आया। मीडिया के हवाले से पता चला है कि सीमा ने कराची में प्लाट बेचने के बाद खुद समेत अपने बच्चों के लिए नेपाल के लिए वीजा और फ्लाइट के टिकट का इंतजाम किया। यहां यह भी जानकारी देना चाहूंगा कि सीमा हैदर ने पाकिस्तान से पहले संयुक्त अरब अमीरात और बाद में नेपाल के रास्ते भारत में घुसपैठ की थी। वह अपने चार बच्चों समेत ग्रेटर नोएडा में डेढ़ महीने से अधिक समय रही। बाद में 4 जुलाई को हरियाणा के बल्लभगढ़ में सचिन और सीमा को गिरफ्तार करके लुक्सर जेल भेज दिया गया। हालांकि, 7 जुलाई को जेवर की एक अदालत ने सचिन और सीमा को जमानत दे दी थी।अदालत ने आदेश दिया कि जब तक मामले की सुनवाई चल रही है, तब तक सीमा अपना घर नहीं बदलेगी और सचिन के साथ ही रहेगी। अब माना जा रहा है कि आगे माननीय अदालत जो आदेश देगी, उसके अनुसार भारत सरकार विदेशी महिला को लेकर फैसला लेगी। अब सीमा हैदर व सचिन के मामले में यह बहुत ही संवेदनशील और महत्वपूर्ण है कि पाकिस्तान में सिर्फ़ हिंदू मंदिरों को ही नुकसान नहीं पहुंचाया जा रहा है अपितु सिंध में करीब 30 हिंदुओं को बंधक भी बनाया गया है। पाठकों को यहां यह जानना जरूरी है कि सीमा हैदर के भारत आने के बाद पाकिस्तानी हिंदुओं को कट्टरपंथियों ने अंजाम भुगतने की धमकी दी थी। कट्टरपंथियों ने यह बात कही थी कि अगर सीमा हैदर को भारत सरकार ने वापस नहीं किया तो पाकिस्तान में हिंदू मंदिरों पर हमले किए जाएंगे। यहां पाठकों को यह भी बता दूं कि पाकिस्तान के कराची के सोल्जर बाजार इलाके में मौजूद मरी माता मंदिर को गिराने की घटना का कनेक्शन भी सीमा हैदर की भारत में घुसपैठ से जोड़ा जा रहा है। बहरहाल, यह पहली बार नहीं है जब पाकिस्तान में हिंदू मंदिरों पर हमले, तोड़फोड़, हिंदुओं पर अन्याय, अत्याचार व हिंसा(डराना धमकाना , मारपीट)की जा रही हो, इससे पहले भी पाकिस्तान में ऐसी घटनाएं होती रहीं हैं। जानकारी देना चाहूंगा कि पिछले साल जून 2022 में भी मारी माता मंदिर में देवी-देवताओं की मूर्तियों को तोड़ा गया था। पाकिस्तान ऐसा देश है जहां हिन्दू लड़कियों के अगवा होने और जबरन धर्म परिवर्तन कराने के कई मामले समय समय पर पहले भी सामने आ चुके हैं। इसी वर्ष कुछ समय पहले पाकिस्तान के सिंध में एक 20 वर्षीय हिन्दू लड़की को अगवा कर लिया गया था और इसके बाद उसपर धर्म परिवर्तन करने के लिए दवाब बनाया गया। आज से दस ग्यारह साल पहले भी पाकिस्तान के पीओके, खैबर, पख्तून, बलूच, पेशावर आदि इलाके से हिन्दुओं को भगाया गया था, सिंध और पंजाब में अत्याचार की घटनाओं में भी इजाफा हुआ है। सबसे बड़ी बात तो यह है कि ऐसे मामलों में वहां की सरकार और मानवाधिकार के लोग चुप्पी साधे हुए बैठे रहते हैं। एक एजेंसी की एक खबर के अनुसार पाक में ईशनिंदा कानून हिंदुओं पर अत्याचार का हथियार बना और सिर्फ वर्ष 2021 में ही 585 गिरफ्तारियां हुई। दिसंबर 2022 में ही मीडिया के हवाले से यह खबरें आईं थीं कि पाकिस्तान के अलग-अलग प्रांतों में बने हिंदुओं के मंदिरों, देवी-देवताओं की मूर्तियों को तहस-नहस करके बर्बाद कर दिया गया। हिंदुओं के परिवारों की बेटियों के साथ घर की गलियों के बाहर, चौराहों पर जो बेहूदगी और नीच व्यवहार, शर्मनाक कृत्य किया गया है,उसे शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता है। यहां यह भी जानकारी देना चाहूंगा कि भारत यूएन में भी अल्पसंख्यकों पर हुए हमलों को लेकर पाकिस्तान को लताड़ लगा चुका है, लेकिन बावजूद इसके हिंदुओं पर अत्याचार थमने का नाम नहीं ले रहे हैं। पाकिस्तान में समय समय पर हिंदू परिवारों के खौफ और डर में जीने की खबरें रह-रहकर आती रही हैं, और यह तथ्य किसी से छिपा हुआ नहीं है। यह विडंबना ही है कि पाकिस्तान में कभी भी, कहीं भी जब जी में चाहें तब छात्रों, डॉक्टरों, इंजीनियरों, शिक्षकों और समुदाय के नेताओं को अक्सर अगवा कर लिया जाता है। हिंदू ही नहीं ईसाई समुदाय व अन्य के साथ भी उतना ही बुरा बर्ताव किया जाता है। सच तो यह है कि ईशनिंदा कानूनों के माध्यम से अन्य समुदायों और धर्म के लोगों को पाकिस्तान में अक्सर टारगेट किया जाता है। वर्ष 2022 में ही पाकिस्तान के दक्षिणी बंदरगाह शहर कराची में एक हिंदू मंदिर में तोड़फोड़ की गई। जानकारी देना चाहूंगा कि पाकिस्तान में कट्टरपंथियों के आतंक के कारण अल्पसंख्यक लगातार वहाँ से भारत आ रहे हैं या अन्य कहीं पर शरण लेने को मजबूर हो रहे हैं। इस संबंध में एक रिपोर्ट बताती है कि वर्ष 1971 से करीबन 7 लाख पाकिस्तानी विस्थापित होकर राजस्थान आए हैं। बहरहाल, पाकिस्तान में हिंदू मंदिरों पर हमलों को किसी भी हाल व परिस्थितियों में ठीक नहीं ठहराया जा सकता है।

मंदिर किसी भी देश की ही नहीं यदि मानें तो इस संपूर्ण विश्व की धरोहर होते हैं। प्राचीन मंदिर तो हमें अतीत में वापस ले जाते हैं, इन्हें तोड़ना सांस्कृतिक, धार्मिक व प्राचीनतम धरोहर को नुकसान पहुंचाना है। मंदिरों को तोड़ने से, उन्हें नुकसान पहुंचाने से पाकिस्तान को कुछ भी हासिल होने वाला नहीं है।

इतनी देर से क्यों जागा डीजीसीए ?

रजनीश कपूर

जब भी कभी कोई विमान हादसा होता है या होते-होते टल जाता है तो भारत का नागर विमानन महानिदेशालय यानी डीजीसीए ऐसी घटना की जाँच करता है। ऐसे मामलों में जाँच पूरी होने तक डीजीसीए उस विमान के पायलट व क्रू को 'ग्राउंड' कर देता है यानी उड़ान भरने पर रोक लगा देता है। सवाल है कि क्या डीजीसीए का सिर्फ़ इतना ही फ़र्ज़ है? सवाल ये भी है कि क्या ऐसी दुर्घटनाओं के बाद की जाने वाली ऐसी जाँच में केवल एयरलाइन के स्टाफ़ की ही गलती क्यों सामने आती है? क्या डीजीसीए के अधिकारियों को हवाई जहाज़ की नियमित जाँच और रख-रखाव की पड़ताल नहीं करनी चाहिए, जो उनका फ़र्ज़ है? यदि डीजीसीए द्वारा ऐसे निरीक्षण समय- समय पर होते रहें तो ऐसे हादसे टाले जा सकते हैं। आज हम देश की एक नामी एयरलाइन इंडिगो के बारे में बात करेंगे। निजी क्षेत्र की यह एयरलाइन पिछले महीने काफ़ी सुर्ख़ियों में रही। कारण था इसके विमानों में लैंडिंग के समय होने वाली टेलस्ट्राइक। जब भी कभी विमान का पिछला हिस्सा जमीन से टकरा जाता है उसे टेलस्ट्राइक कहते हैं। अक्सर एयरलाइन कंपनियाँ ऐसी घटनाओं को रिपोर्ट नहीं करतीं। ग़ौरतलब है कि टेलस्ट्राइक की घटना जानलेवा होने के साथ-साथ विमान में हवा का दबाव को स्थिर रखने वाले ढाँचे को भी नुक़सान पहुँचा सकती है। टेलस्ट्राइक विमान के टेकऑफ़ या लैंडिंग के समय होती है। जब भी कभी किसी भी विमान के साथ ऐसा हादसा होता है तो उसे मरम्मत करने के लिए ग्राउंड कर दिया जाता है। भारत के नागरिक उड्डयन इतिहास में टेलस्ट्राइक की घटनाएँ काफ़ी कम हैं। इंडिगो के विमानों ने बीते एक साल में केवल चार घटनाओं को ही रिपोर्ट किया। जबकि सूत्रों के अनुसार यह संख्या इससे दोगुनी है। जैसे ही इंडिगो द्वारा चार घटनाओं की पुष्टि हुई तो डीजीसीए हरकत में आया। यहाँ सवाल उठता है कि क्या डीजीसीए द्वारा की जाने वाली इस अनदेखी के लिये केवल इंडिगो ही ज़िम्मेदार है? क्या डीजीसीए ने इंडिगो के विमानों का नियमित ऑडिट किया था?

ऐसी घटनाओं के बाद ही डीजीसीए को क्यों ऑडिट करने की सूझी? यदि डीजीसीए के अधिकारी एयरलाइन की न सुनकर, क़ानून के हिसाब से हर एयरलाइन का नियमित व विस्तृत ऑडिट करते रहें तो डीजीसीए पर उँगलियाँ नहीं उठेंगी। पर पता नहीं किस लालच या दबाव में ये जाँच नहीं होती। अब प्रश्न ये है कि टेलस्ट्राइक की घटनाएँ क्यों होती हैं? विमान को लैंड करते समय, यात्रियों को ज़ोर का झटका न लगे इसलिए अक्सर पायलट विमान को नीचे उतारते समय विमान के पिछले हिस्से को थोड़ा झुका लेते हैं और अगले हिस्से को उठा लेते हैं। ऐसे में विमान की 'सॉफ्ट लैंडिंग' होती है। यदि विमान लैंड होते समय ज़ोर से झटका लगाता है तो उसे 'हार्ड लैंडिंग' कहा जाता है। विमान में लगे यंत्रों में तयशुदा मापदंडों से अधिक लगने वाले झटके से 'हार्ड लैंडिंग' की रिपोर्ट स्वतः ही विमान के सिस्टम में दर्ज हो जाती है। जिसका ख़ामियाजा पायलट को भुगतना पड़ता है। इसलिए एयरलाइन अपने पायलटों को 'हार्ड लैंडिंग' से हमेशा बचने की हिदायत देतीं हैं। जबकि 2010 के मैंगलोर हादसे के बाद से ही डीजीसीए ने इस बात पर ज़ोर दिया था कि एयरलाइन कंपनियाँ पायलटों को 'सॉफ्ट लैंडिंग' करने के लिए दबाव न डालें। यदि ज़रूरी हो तो 'हार्ड लैंडिंग' की इजाज़त भी दें।

एविएशन के जानकारों के अनुसार टेलस्ट्राइक हो या विमान के इंजन में होने वाली कोई ख़राबी, इसका कारण नियमित रख-रखाव का न होना, विमान के स्पेयर पार्ट की गुणवत्ता और पायलट की उचित ट्रेनिंग का न होना है। इसके साथ ही डीजीसीए के अधिकारियों द्वारा ऐसी कमियों को अनदेखा करना भी एक प्रमुख कारण है। यदि डीजीसीए के अधिकारी एयरलाइन के दबाव या अन्य लालच के चलते इस बात पर ज़ोर न दें कि यात्रियों की सुरक्षा के साथ कोई समझौता नहीं किया जाएगा और शायद ऐसी घटनाएँ न हों। कोविड महामारी के बाद नागरिक उड्डयन क्षेत्र धीरे-धीरे अपने पैरों पर फिर से खड़ा होने का प्रयास कर रहा है। एयरलाइन कंपनियों का मुनाफ़ा भी अब धीरे-धीरे ऊँचाई छूने का प्रयास कर रहा है।

ऐसे में एयरलाइन कंपनियों को विमानों के रख-रखाव में और पायलटों के प्रशिक्षण में किसी भी तरह का समझौता नहीं करना चाहिए। विमान के इंजीनियर हों, पायलट हों या अन्य कर्मचारी, उनसे क्षमता से अधिक काम न लिया जाए कि वो थकी अवस्था में भी काम करने को मजबूर न हों। पैसा बचाने व ज्यादा मुनाफ़ा कमाने की मंशा से एयरलाइन को यात्रियों की सुरक्षा के साथ खिलवाड़ नहीं करना चाहिए।

धार्मिक उग्रवाद के विरोध में धर्मनिरपेक्षता

संजीव ठाकुर

धर्मनिरपेक्षता लोकतंत्र को सशक्त करने हेतु एक महत्वपूर्ण संवेदनशील एवं शाश्वत सिद्धांत है। धर्मनिरपेक्षता भारतीय राजनीति का मूल आधार तत्व है। जिसमें राजनीतिक दलों को भारतीय संविधान की महत्वपूर्ण भूमिका अंतर्निहित है। धर्मनिरपेक्षता धार्मिक उग्रवाद का बड़ा विरोधी भाव है। इसमें धर्म के प्रति विद्वेष का भाव नहीं होता है, बल्कि सभी धर्मों का समान आदर किया जाता है।इस आधुनिक काल में धर्मनिरपेक्षता सामाजिक और राजनीतिक सिद्धांत में प्रस्तुत सर्वाधिक जटिल शब्दों में एक है। धर्मनिरपेक्षता का अर्थ पाश्चात्य तथा भारतीय संदर्भ में अलग-अलग है। भारतीय धर्मनिरपेक्षता का तात्पर्य समाज में विभिन्न धार्मिक मतों का अस्तित्व मूल्यों को बनाए रखने सभी मतों का विकास और समृद्धि करने की स्वतंत्रता का तथा साथ ही साथ सभी धर्मों के प्रति एक समान आदर तथा सहिष्णुता विकसित करना भी है। पश्चिमी संदर्भ में धर्मनिरपेक्षता का तात्पर्य ऐसी व्यवस्था से है जहां धर्म और राज्यों का एक दूसरे के मामले में हस्तक्षेप न करना तथा व्यक्तियों और उसके अधिकारों को केंद्रीय महत्व दिया जाना शामिल है। यद्यपि भारतीय धर्मनिरपेक्षता मैं पश्चिमी भाव तो शामिल हैं साथ-साथ कुछ अन्य भाव भी शामिल किए गए हैं। धर्मनिरपेक्ष व्यक्ति समाज या राष्ट्र अभाव होता है, जो किसी विशेष धर्म या अन्य धर्मों की तुलना में पक्षपात नहीं करता है। भारतीय संदर्भ धर्मनिरपेक्षता की आजादी के बाद बड़ी स्वच्छ एवं स्वस्थ सार्वभौमिक परंपरा रही है।इसमें किसी व्यक्ति से धर्म और संप्रदाय के नाम पर किसी प्रकार का भेदभाव नहीं किया जाता है। प्रत्येक नागरिक को इसके अंतर्गत स्वतंत्रता प्राप्त होती है कि वह अपनी इच्छा अनुसार किसी भी धर्म को अपनाएं एवं किसी भी व्यक्ति के धार्मिक मामलों में हस्तक्षेप न करें, भारत में धर्म और राजनीति को एक दूसरे से अलग तथा पृथक रखने की हमेशा कोशिश की गई है। भारत में राज्य का अपना कोई धर्म नहीं है, यहां राज्य की नजर में सब एक समान है। भारत में धर्मनिरपेक्षता में सभी धर्मों को समानता का दर्जा प्रदान किया गया है। सभी धर्मों के नागरिकों से यह अपेक्षा की जाती है कि वह सभी धर्मों के नागरिकों को समान आदर व इज्जत से व्यवहार करें। भारतीय धर्मनिरपेक्षता राज्य के सभी धर्मों को विकास का समान अवसर देती है, इस प्रकार यह माना जा सकता है कि धर्मनिरपेक्षता सर्वधर्म समभाव पर विशेष महत्व देकर उस पर केंद्रित करती है। धर्मनिरपेक्षता के अंतर्गत तर्क और विवेक की प्रधानता होती है, सभी व्यक्ति को सब कुछ कहने और विचार करने की स्वतंत्रता होने के साथ-साथ वैज्ञानिक आविष्कारों को भी पूर्ण अधिकार के साथ प्रोत्साहित भी किया जाता है। भारतीय संदर्भ में धर्मनिरपेक्षता से विविधता में एकता को बल मिलता है। हालांकि कुछ राजनीतिक दलों ने समय-समय पर भारतीय धर्मनिरपेक्षता को सत्ता प्राप्त करने हेतु कमजोर करने की कोशिश की है, यह हमारी जिम्मेदारी तो है ही साथ ही आम जनता, राजनीतिक दलों,मीडिया एवं सभी प्रमुख राजनीतिक दलों की महती जिम्मेदारी है कि भारतीय संविधान के अनुरूप धर्मनिरपेक्षता का राजनीतिक, सामाजिक जीवन में पालन करें, जिससे हमारे देश का लोकतंत्र और अधिक सुदृढ़ होकर विश्व के लिए एक आदर्श प्रतिमान प्रस्तुत करें। आजादी के पूर्व तथा आजादी के पश्चात महात्मा गांधी, मौलाना अबुल कलाम आजाद, जवाहरलाल नेहरू, सरदार वल्लभभाई पटेल, लाल बहादुर शास्त्री आदि नेताओं का धर्मनिरपेक्षता के सिद्धांत के प्रति अटूट श्रद्धा एवं विश्वास था। स्वतंत्रता के पूर्व राष्ट्रीय आंदोलन से पहले ही सामाजिक धार्मिक सुधार आंदोलन ने धर्मनिरपेक्षता का मार्ग प्रशस्त कर दिया था,और स्वतंत्रता के बाद भारत में धर्मनिरपेक्षता की लोकतांत्रिक शासन प्रणाली अपनाई गई है।

बाढ़ की आड़ में

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा

चिल्लाऊराम न्यूज चैनल का माइक कांख में ऐसे दबाए है, जैसे सुग्रीव ने रावण को दबाया हो। सिर पर किसी का माँगा हुआ पॉलिथिन कवर लगाए बाढ़ में माँग-माँगकर खाने वालों की डाक्युमेंटरी फिल्म बनाने निकला है। साथ में है कैमरामैन गप्पूभैया। वह बाढ़ में एकदम भीग चुका है। बाढ़ के पानी से नहीं, पसीने के पानी से। बाढ़ में कहीं कैमरा न खराब हो जाए इसी चिंता में उसके बदन से धाराप्रवाह के साथ पसीना छूट रहा है। दोनों ने पैंट तो ऐसे फोल्ड कर रखा है, जैसे बाढ़ की त्रासदी इन दोनों पर ही टूटी हो। किसी के घर की छत पर बैठकर चिल्लाऊराम ने बाढ़ में धड़ तक डूबे रामसहाय से पूछा– आपको कैसा लग रहा है? रामसहाय ने बनावटी हँसी हँसते हुए और दाँत निपोरते हुए कहा– साहब! यहाँ बड़ा मजा आ रहा है। जब भगवान ने गरीबों के लिए इतना बड़ा स्विमिंगपुल बनाया है तब मजा लेने का कोई अवसर कैसे गंवा सकते हैं? एकदम स्वर्ग-सा एहसास हो रहा है। इस पर चिल्लाऊराम ने रामसहाय को आँखें दिखाते हुए कहा- यहाँ लोग बाढ़ से परेशान हैं और तुम्हें मजाक सूझ रहा है। दिमाग-विमाग ठिकाने तो है? रामसहाय ने मुँह पर तमाचा जड़ने वाला उत्तर देते हुए कहा- लगता है साहब आपका आपका दिमाग-विमाग खराब हो गया है। अब तुम्हीं बताओ भला किसी को बाढ़ में धड़ तक डूबे रहने में मजा आएगा? सवाल पूछने का भी अपना एक तरीका होता है। ऊपर-नीचे, दाएँ-बाएँ का माहौल देखिए। महसूस कीजिए। फिर सवाल पूछिए। ऐसे थोड़े न होता है कि माइक उठाया और जो मुँह को आया सवाल पूछने लगे। रामसहाय का उत्तर सुन चिल्लाऊराम इतना सा मुँह लेकर रह गया। उसने टाइमपास टकले को डाँटते हुए वीडियो क्लिप डिलीट करने के लिए कहा। डॉक्युमेंटरी फिल्म की प्रभावोत्पादकता को बढ़ाने के लक्ष्य से दोनों गिद्ध की तरह लाशों की खोज में लगे हैं। बाढ़ग्रस्त क्षेत्र में हृदयविदारक दृश्य देखने के लिए भगवान से प्रार्थना कर रहे हैं। तभी उनकी नजर बच्चों की हथेलियों से भात खाने के लिए टूट पड़े चूहों पर पड़ी। वे ऐसे ही किसी दृश्य का बाहें खोले इंतजार कर रहे थे। मानो भगवान ने उनकी मुराद पूरी कर दी। टकले ने कैमरे को कुछ इस तरह पकड़ा जिसमें बच्चे की हथेली पर चूहे और भिनभिनाती मक्खियाँ कवर हो रहे थे। बच्चे की माता टकले और चिल्लाऊराम को सहायता करने के लिए हाथ-पैर जोड़ रही है और कह रही है- बह गइले बाढ़वा में अन, धन, घरवा। ये दोनों महाशय हैं कि बहती गंगा में हाथ धोने का कोई अवसर गंवाना नहीं चाहते हैं। यहाँ इनकी गंगा बाढ़ के रूप में वरदान के रूप में प्रकट हुई है। किसी की खटिया बह गई तो किसी का खान-पान का पूरा सामान, किसी के जरूरी कागजात सड़-गल गए, तो किसी के बचे-खुचे रुपए भीग-भागकर ऐसे बन गए जिसमें गांधी जी को इतिहासकार भी पहचानने से इंकार कर देते।

अधिमास की विनायक चतुर्थी कल

19 साल बाद बना है खास संयोग

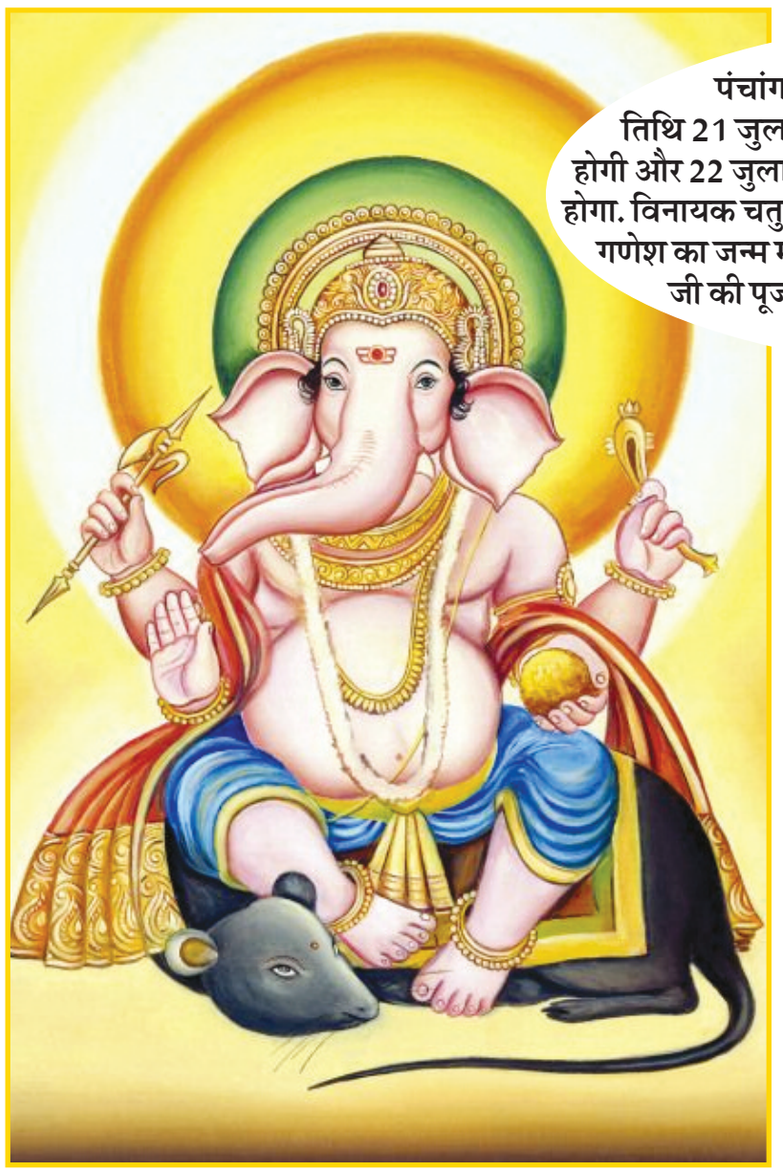

पंचांग के अनुसार अधिकमास की विनायक चतुर्थी तिथि 21 जुलाई 2023 को सुबह 06 बजकर 58 मिनट पर शुरू होगी और 22 जुलाई 2023 को सुबह 09 बजकर 26 मिनट पर इसका समापन होगा. विनायक चतुर्थी तिथि गणपति की जन्म तिथि है, विद्वानों के अनुसार श्री गणेश का जन्म मध्यकाल में हुआ था, इसलिए विनायक चतुर्थी पर गणेश जी की पूजा दिन में की जाती है. गणेश पूजा मुहूर्त - सुबह 11.05 - दोपहर 01.50

श्रीहरि का
प्रिय महीना अधिकमास 18 जुलाई 2023 से शुरू हो रहा है। हिंदू कैलेंडर के अनुसार हर महीने में अमावस्या के बाद आने वाली शुक्ल पक्ष की चतुर्थी को विनायक चतुर्थी कहते हैं। सावन में अधिकमास की चतुर्थी 19 साल बाद आई है। यही वजह है कि इस साल अधिकमास की विनायक चतुर्थी बहुत महत्वपूर्ण मानी जा रही है।
चतुर्थी तिथि के स्वामी गणपति जी है, वहीं अधिकमास विष्णु जी को समर्पित है, सावन शिव का प्रिय महीना है। ऐसे में सावन अधिकमास की चतुर्थी तिथि का व्रत करने वालों को इन तीनों देवताओं के आशीर्वाद असंभव कार्य भी संभव हो जाते हैं। आइए जानते हैं अधिकमास विनायक चतुर्थी की डेट, मुहूर्त और महत्व।
सावन अधिकमास की विनायक चतुर्थी 21 जुलाई 2023 शुक्रवार को है। इस दिन गणपति की पूजा करने से बच्चों को करियर में उन्नति मिलती है, नौकरीपेशा और व्यापारियों के तरक्की के रास्ते खुल जाते हैं। बिना किसी विघ्न के हर कार्य में सफलता मिलती है। अधिकमास विनायक चतुर्थी महत्व
अधिकमास हर 3 साल बाद आता है। यही वजह है कि इस माह के हर व्रत-त्योहार का विशेष महत्व है। ऐसा माना जाता है कि अधिकमास में किए गए धार्मिक कार्यों का किसी भी अन्य माह में किए गए पूजा-पाठ से 10 गुना अधिक फल मिलता है। पुराणों के अनुसार अधिकमास की विनायक चतुर्थी पर गणपति जी की पूजा करने वालों को कभी धन की कमी नहीं रहती। संतान प्राप्ति के लिए ये व्रत उत्तम फलदायी माना गया है। विनायक चतुर्थी व्रत के प्रभाव से हर संकट और बाधा का नाश होता है।
अधिकमास विनायक चतुर्थी पूजा विधि
अधिकमास विनायक चतुर्थी पर दोपहर में पूर्व दिशा की ओर मुख करके भगवान गणपति की पूजा अर्चना 108 दूर्वा की पत्तियों से करें। गाय के घी का दीपक जलाकर वक्रतुंडाय हुं मंत्र का 108 बार जाप करें। जाप के बाद पूजा के स्थान में रखे हुए जल का छिड़काव इन्हीं दूर्वा की पत्तियों से सारे घर में करें। मान्यता है इससे नकारात्मक ऊर्जा का नाश होता है और घर में खुशहाली आती है।

भगवान विष्णु के दिव्य अवतार

हिंदू धर्म में प्रमुख देवताओं में से एक भगवान विष्णु को ब्रह्मांड का संरक्षक और रक्षक माना जाता है। माना जाता है कि जब भी खतरा होता है तो संतुलन और धार्मिकता को बहाल करने के लिए वह विभिन्न रूपों या अवतारों में पृथ्वी पर उतरे थे। इन अवतारों में विभिन्न गुण होते हैं और अद्वितीय विशेषताएं होती हैं जो विशिष्ट दिव्य उद्देश्यों को पूरा करती हैं। इस लेख में, हम भगवान विष्णु के बारह अवतारों का पता लगाएंगे, उनके महत्व, कहानियों और उनके द्वारा प्रदान की जाने वाली गहन शिक्षाओं का पता लगाएंगे।
मत्स्य अवतार - मछली अवतार:
भगवान विष्णु का पहला अवतार मत्स्य है, मछली। इस रूप में विष्णु ने मानव जाति के पूर्वज मनु का उद्धार कर मानवता और वेदों को महाप्रलय से बचाया था। यह अवतार संरक्षण और संरक्षण के महत्व का प्रतीक है।
कूर्म अवतार - कछुआ अवतार:
कछुए कूर्म के रूप में भगवान विष्णु ने अमरत्व का अमृत प्राप्त करने के लिए ब्रह्मांडीय सागर मंथन के दौरान मंदरा पर्वत का साथ दिया था। यह अवतार चुनौतियों का सामना करने में स्थिरता और धैर्य की आवश्यकता को दर्शाता है।
वराह अवतार - सूअर अवतार:
तीसरे अवतार, वराह, भगवान विष्णु को सूअर के रूप में दर्शाता है। विष्णु ने पृथ्वी देवी, भूदेवी को राक्षस हिरण्याक्ष के चंगुल से बचाने के लिए यह रूप धारण किया। यह अवतार धार्मिकता की रक्षा और बुरी शक्तियों के उन्मूलन पर जोर देता है।
नरसिंह अवतार - शेर-आदमी अवतार:
नरसिंह, आधा आदमी और आधा शेर रूप, राक्षस राजा हिरण्यकश्यप को हराने के लिए उभरा, जिसने अजेयता का वरदान प्राप्त किया था। यह अवतार अहंकार के विनाश और बुराई पर अच्छाई की जीत का उदाहरण है।
वामन अवतार - बौना अवतार:
भगवान विष्णु के बौने रूप वामन ने संतुलन बहाल करने के लिए अवतार लिया जब राक्षस राजा बलि एक अनियंत्रित शासक बन गया। विष्णु ने बौने का वेश धारण कर तीन पग भूमि मांगी, जिससे संपूर्ण ब्रह्मांड ढक गया। यह अवतार विनम्रता और धर्मी शासन के महत्व को सिखाता है।
परशुराम अवतार - योद्धा ऋषि अवतार:
परशुराम, योद्धा ऋषि अवतार, पृथ्वी से भ्रष्ट और दमनकारी क्षत्रिय राजाओं को खत्म करने के लिए उठे। उन्होंने न्याय को बनाए रखने और कमजोरों की रक्षा करने के महत्व पर जोर देते हुए एक दुर्जेय कुल्हाड़ी लहराई और व्यवस्था को बहाल किया।
भगवान राम - आदर्श राजा अवतार:
सबसे श्रद्धेय अवतारों में से एक माना जाता है, भगवान राम धार्मिकता, भक्ति और धर्म का प्रतीक हैं। महाकाव्य रामायण में वर्णित उनकी कहानी, अपने कर्तव्यों को पूरा करने, नैतिक मूल्यों को बनाए रखने और बुराई पर अच्छाई की जीत के महत्व पर जोर देती है।
भगवान कृष्ण - दिव्य शिक्षक अवतार:
भगवान कृष्ण, करामाती और करिश्माई अवतार, दिव्य प्रेम, ज्ञान और ज्ञान का उदाहरण देते हैं। भगवद गीता में उनकी शिक्षाएं कर्तव्य, भक्ति और मोक्ष के अंतिम मार्ग की अवधारणाओं का पता लगाती हैं, जो मानवता पर एक अमिट प्रभाव छोड़ती हैं।
बुद्ध अवतार - प्रबुद्ध ऋषि अवतार:
बुद्ध अवतार, भगवान विष्णु की एक अनूठी अभिव्यक्ति, अहिंसा, करुणा और ज्ञान की शिक्षाओं का प्रसार किया। यह अवतार आत्म-साक्षात्कार और जन्म और मृत्यु के चक्र से मुक्ति के महत्व पर जोर देता है।
कल्कि अवतार - उद्धारकर्ता अवतार:
वर्तमान ब्रह्मांडीय चक्र में अंतिम अवतार, कल्कि अभी तक दिखाई नहीं दिया है। भगवान विष्णु कलियुग के अंत में कल्कि के रूप में उतरेंगे, अंधेरे के युग, धार्मिकता को बहाल करने और शांति और सद्भाव के एक नए युग में प्रवेश करने के लिए।
समाप्ति: भगवान विष्णु के बारह अवतार दिव्य उद्देश्य, धार्मिकता और अच्छे और बुरे के बीच शाश्वत लड़ाई की गहरी समझ को प्रकट करते हैं। प्रत्येक अवतार एक अद्वितीय संदेश देता है और मूल्यवान सबक प्रदान करता है जो मानवता को आध्यात्मिक विकास और नैतिक जीवन की ओर मार्गदर्शन करता है। इन अवतारों का अध्ययन और चिंतन करके, हम धैर्य, विनम्रता, धार्मिकता और भक्ति जैसे गुणों को विकसित कर सकते हैं, जो परमात्मा के साथ गहरा संबंध बनाते हैं। अंत में, भगवान विष्णु के अवतार केवल पौराणिक कथाएं नहीं हैं, बल्कि मानवता के लिए कालातीत ज्ञान और मार्गदर्शन रखते हैं। इन अवतारों द्वारा प्रदान किए जाने वाले गुणों और सबक को गले लगाकर, व्यक्ति व्यक्तिगत विकास, धर्मी जीवन और आध्यात्मिक ज्ञान की दिशा में प्रयास कर सकते हैं।

संयम में श्रद्धा नहीं ,फिर क्यों धारे वेश

श्री ज्ञानमुनिजी म.सा

पढे लिखे वक्ता बने, काव्यों के कर्तार।
संयम धर्म में श्रद्धा न जो, तो सब कुछ है बेकार।।
संयम में श्रद्धा नहीं, फिर क्यों धारे वेश।
दीप जले ना तैल बिन, क्यों लोचे तूं केश।।
सम्यक् श्रद्धा (दर्शन) के बिना, मिले न सम्यक ज्ञान।
आये नहीं समकित धन, तो सब कुछ धूल समान।।
समझा समझा एक है, अन समझा सब एक।
समझा तब ही जानिये, निर्मल श्रद्धा विवेक।।
कूद पड दरिया में क्या तूफां का डर किश्ती का फक्रि
है अगर तुमको यकीं, फज्ले खुदा हो जाएगा।।
पढ्या न पिंगल फारसी, नहीं पढ्या स्वर छंद।
महामंत्र नवकार ही सदा करे आनंद।।
स्वच्छंद मत आग्रह तजी, वर्ते सद्गुरु लक्ष।
समकित तेने भाखियु, कारण गणी प्रत्यक्ष।
दुआ करो कि मुझे ताबे दीद हो जाये।
मैं बेवशर हूं, नजारों की बात करता हूं।।
एक गुल पर हो फिदा, बुल बुल तूं हरजाई न बन।
खुद तमाशा बन मगर, दुनिया तमाशाई न बन।।
होइ विवेक मोह भ्रम भागा।
तब रघुनाथ चरण अनुरागा।।
सम्यग् दृष्टि जीवडा, करे कुटुम्ब प्रतिपाल।
अंतर से न्यारा रहे, ज्यूं धाय खिलावे बाल।।
मिथ्या दृष्टि जीवडा, करे कुटुम्ब प्रतिपाल।
भीतर से लागा रहे, ज्यों माय खिलावे बाल।।
समकित रा सुविशेष, जतन जापता जो करै।
किंचित रहे न क्लेश, सरसै जीवन श्रावक।।
सालै नान्हीं शूल, खिण-खिण में खटको रहै।
शंक है प्रतिकूल सुध समकित में श्रावकां।।
श्रद्धा विनय समेत, धारो आगम धारणा।
रल नहीं ज्यावै रेत, सरस सुधा में श्रावकां।।।

अधिक मास में दान-पुण्य करने की है परंपरा

मेष राशि के लोग घी, वृषभ राशि के लोग चावल और कुंभ राशि के लोग तेल का दान करें, जानिए 12 राशियों के लिए दान

अधिक मास में विवाह तय करना, सगाई करना, कोई जमीन, मकान, भूमि खरीदने के अनुबंध किए जा सकते हैं। इस महीने में किसी धार्मिक यात्रा पर जा सकते हैं, पूजा-पाठ के साथ ही दान-पुण्य भी करना चाहिए। दान राशि अनुसार करेंगे तो कुंडली के ग्रह दोषों का असर भी कम हो सकता है। दान किसी मंदिर में या जरूरतमंद लोगों को करना चाहिए। जानिए राशि अनुसार किन चीजों का दान कर सकते हैं...

मेष- मालपुए, घी, घोड़ा, चांदी, लाल वस्त्र, केले, अनार, सोना, तांबा, भूमि, मूंगा, गेंहू।
वृषभ- सफेद कपड़े, चांदी, मालपुए, मावा, शकर, चावल, केले, गाय, मोती, वाहन।
मिथुन- पन्ना, मूंग की दाल, सोना, तेल, सेवफल, मालपुए, गाय।
कर्क- मोती, चांदी, जल, तेल, सफेद कपड़े, भूमि, मालपुए, मावा, दूध, शकर, चावल।
सिंह- लाल कपड़े, तांबा, पीतल, सोना, चांदी, गेंहू, मसूर, धार्मिक पुस्तकें, अनार, सेवफल, मालपुए।
कन्या- पन्ना, मूंग की दाल, केले, सेवफल, मालपुए, महिलाओं के सौंदर्य की चीजें।
तुला- सफेद कपड़े, चांदी, मालपुए, मावा, चीनी, चावल, केले, बैल, गाय, हीरा, मोती, वाहन।
वृश्चिक- मालपुए, घी, घोड़ा, चांदी, लाल वस्त्र, केले, अनार, स्वर्ण, तांबा, भूमि, मेढ़ा, मूंगा, गेंहू।
धनु- पीला वस्त्र, चने की दाल, घोड़ा, लकड़ी का सामान, घी, तिल, अनाज, दूध, पढ़ाई से जुड़ी चीजें।
मकर- तेल, नीले कपड़े, केले, मालपुए, औजार, लोहे से बनी घर के लिए जरूरी चीजें।
कुंभ- दवाईया, गाय, नीले कपड़े, चांदी, केले, मालपुए, मौसमी फल।
मीन- पीले कपड़े, चने की दाल, घोड़ा, काष्ठ का सामान, घी, तिल, अनाज, दूध।

शुभ माना जाता है घर में हाथी के जोड़े की मूर्ति को रखना

आजकल घर की आन्तरिक सुन्दरता पर बहुत ज्यादा ध्यान दिया जाता है। घर के अन्दर पेंटिंग्स, फेनसुई की वस्तुएँ, छोटे-छोटे सुन्दर पौधों को लगाने का बहुत चलन है।
वास्तु शास्त्र के अनुसार, घर में हाथी का जोड़ा रखना बहुत ही शुभ माना जाता है। हाथी के जोड़े के बारे में यह कहा जाता है कि इससे दांपत्य जीवन में खुशी और प्यार बढ़ता है। इससे आपसी रिश्ते और मजबूत होते हैं।
सुख समृद्धि का प्रतीक माना जाता है कई पूर्वी संस्कृतियों में तो हाथी को पूजा भी जाता है। इंद्र देव की सवारी हाथी है। देवी लक्ष्मी के वाहन में से एक सफेद हाथी भी है, यानी कि हाथी की मूर्ति को घर में रखना बहुत अच्छा होता है। यह सुख-समृद्धि का प्रतीक है। साथ ही शक्ति, बुद्धि और ज्ञान का भी प्रतीक है। वास्तु के मुताबिक, घर या ऑफिस के मुख्य द्वार पर सूंड ऊपर उठाए हुए हाथी के जोड़े की प्रतिमा लगानी चाहिए। इससे परिवार में सुख-सौभाग्य बना रहता है और रिश्तों में मजबूती आती है। परिवार के सब सदस्यों के बीच सामंजस्य की स्थिति बनी रहती है और घर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है।

चिलचिलाती गर्मी में रहता है यह मंदिर ठंडा

टिटलागढ़ ओडिशा का सबसे गर्म क्षेत्र है
टिटलागढ़, जिसे ओडिशा का सबसे गर्म क्षेत्र कहा जाता है, कुम्हड़ा पर्वत पर स्थित एक उल्लेखनीय शिव-पार्वती मंदिर का घर है। चट्टानी इलाके के कारण होने वाली भीषण गर्मी के बावजूद, मंदिर गर्मी के मौसम से अप्रभावित रहता है।
शिव मंदिर में एसी से भी ज्यादा ठंडक है
टिटलागढ़ के शिव-पार्वती मंदिर में इतनी ठंड है कि आश्चर्य होता है। भीषण गर्मी के कारण भक्तों के लिए मंदिर के बाहर 5 मिनट भी खड़ा रहना **चुनौतीपूर्ण है। हालांकि, मंदिर के अंदर** - प्रवेश करते ही पसीने से तरबतर व्यक्ति को ठंड लगने लगती है। अंदर की ठंडी हवाएं एयर कंडीशनिंग से

भी अधिक ध्यान देने योग्य हैं। दुर्भाग्य से, यह शांत वातावरण केवल मंदिर परिसर के भीतर ही रहता है। बाहर कदम रखते ही चिलचिलाती गर्मी परेशान करने लगती है।
यह रहस्य अज्ञात है
मंदिर के बाहर भयंकर गर्मी है और अंदर एसी से भी ज्यादा ठंड है। इस पहेली को सुलझाने की कई कोशिशें की गईं, लेकिन कोई हल नहीं निकल पाया। यह विषय आज तक रहस्य बना हुआ है। हालांकि, पुजारियों का मानना है कि मंदिर के भीतर भगवान भोलेनाथ और माता पार्वती की मूर्तियों से ठंडी हवा निकलती है, जो पूरे मंदिर परिसर को ठंडा रखती है। पुजारियों का दावा है कि गर्मियों के दौरान मंदिर के अंदर का तापमान इतना गिर जाता है कि गर्म रहने के लिए कंबल की जरूरत पड़ती है।

बच्चों को रितेश जैसे बनाना चाहती हैं जेनेलिया

बोलीं - उन्होंने कमबैक के लिए मोटिवेट किया, वो महिला की तरक्की से परेशान नहीं होते

एक्टर रितेश देशमुख और जेनेलिया की शादी को 21 साल से ज्यादा का समय बीत चुका है। साउथ फिल्म इंडस्ट्री की मशहूर एक्ट्रेस रहीं जेनेलिया ने शादी के बाद एक्टिंग छोड़ दी। हालांकि जब उनके बच्चे रियान और राहिल बड़े होने लगे, तो रितेश ने उन्हें फिल्मों में वापसी करने के लिए मोटिवेट किया। जिसके बाद एक्ट्रेस ने फिल्मों में वापसी की।

रितेश के कहने पर जेनेलिया ने की फिल्मों में वापसी

जूम एंटरटेनमेंट से हालिया बातचीत में, जेनेलिया ने कहा- मैं घर पर रहने और काम न करने के कारण अपने कंफर्ट जोन में आ गई थी। शुरुआत में मैंने बच्चों के लिए फिल्मों से ब्रेक ले रखा था। लेकिन बाद में उन्होंने आलस के कारण काम नहीं किया। मुझे धीरे-धीरे घर पर रहकर आराम मिलने लगा।

तब रितेश ने मुझसे कहा- 'तुम क्या कर रही हो?' उन्होंने मुझे याद दिलाया कि मुझे एक्टिंग करना पसंद है। मुझे ऐसा लगता है कि रितेश के बिना मैं बहुत सी चीजें नहीं कर पाती।'

जब मैं काम करती हूं, रितेश हाउस मैन बन जाते हैं- जेनेलिया

जेनेलिया ने अपन पति को बेहतरीन और सिक्योर इंसान बताया। उन्होंने कहा- 'एक पुरुष की वैल्यू तब देखी जाती है, जब वह बेहद सिक्योर होता है। जब एक महिला की सफलता उसे परेशान नहीं करती है। मैं वाकई रितेश को पाकर खुद को लकी मानती हूं। जेनेलिया ने बताया कि जब वह काम करती हैं, तब रितेश हाउस मैन बन जाते हैं और इसे लेकर उन्होंने कभी भी कोई हंगामा नहीं किया।

उनके लाइफ में साथ होने से बहुत बैलेंस रहता है- जेनेलिया

जेनेलिया ने कहा कि वो चाहती हैं कि उनके बच्चे बिल्कुल अपने पिता जैसे बनें। वो बहुत कॉन्फिडेंट हैं। वो बहुत सी चीजें करते हैं। वो सिर्फ एक अच्छे एक्टर ही नहीं, बल्कि अच्छे आर्किटेक्ट, अच्छे प्रोड्यूसर और एक अच्छे इंटरप्रेन्योर।'

उन्होंने कहा- 'उनके पास ढेरों जिम्मेदारियां हैं, इसके बावजूद वो एक बेहतरीन पिता हैं। वो बच्चों के साथ वक्त बिताते हैं। वो ऐसे पिता नहीं हैं, जो बच्चों के सोने के बाद घर आएं। जिंदगी में उनके जैसा इंसान होने से लाइफ में बहुत बैलेंस रहता है।'

शादी से पहले 9 साल तक रिलेशनशिप में रहे थे रितेश-जेनेलिया

रितेश-जेनेलिया 3 फरवरी, 2012 को शादी के बंधन में बधें। इससे पहले दोनों ने 9 साल तक एक-दूसरे को डेट किया। मस्ती और तुझे मेरी कसम जैसी फिल्मों में साथ काम करने के बाद, उन्होंने हाल ही में रितेश के डायरेक्शन में बनी पहली फिल्म में वेद में एक बार फिर साथ काम किया। इस फिल्म में दोनों की ऑनस्क्रीन केमिस्ट्री को खूब पसंद किया गया। वहीं यह फिल्म ब्लॉकबस्टर भी रही।

मीना कुमारी के बेटे ने इंडस्ट्री वालों को कहा चोर

कृति सेनन और मनीष मल्होत्रा पर लीगल एक्शन लेंगे ताजदार अमरोही

इंडस्ट्री में चर्चा है कि कृति सेनन बॉलीवुड की आईकॉनिक एक्ट्रेस मीना कुमारी की बायोपिक करने जा रही हैं। इस फिल्म से फैशन डिजाइनर मनीष मल्होत्रा डायरेक्टर के तौर पर डेब्यू करेंगे। अब सुनने में आया है कि यह फिल्म कानूनी पचड़े में फंस सकती है। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो कमाल अमरोही और मीना कुमारी के बेटे ताजदार अमरोही, कृति और मनीष पर लीगल एक्शन लेने की तैयारी कर रहे हैं।

उन्हें मेरे डोमेन में घुसने का अधिकार नहीं

मीडिया से बात करते हुए नाराज ताजदार ने कहा, 'कुछ इंडस्ट्री वाले बिल्कुल दिवालिया और चोर हैं। उन्हें मेरे डोमेन में घुसने का कोई अधिकार नहीं है। वे सिर्फ चोर ही नहीं बल्कि डाकू भी हैं।'

बिना मेरे कंसेंट के फिल्म अनाउंस कर दी

ताजदार ने आगे कहा, 'निर्माताओं ने मेरे कंसेंट के बिना फिल्म अनाउंस कर दी है। अब मैं इस प्रोजेक्ट को रोकने के लिए कोर्ट जाऊंगा। मैं वही मानूंगा जो मेरा वकील मुझे बताएगा। उन्होंने अभी हमें इंतजार करने को कहा है। मैं और मेरी बहन दोनों मुकदमा दायर करेंगे।' हालांकि, अब तक इस फिल्म को लेकर कोई ऑफिशियल अनाउंसमेंट नहीं की गई है। फिलहाल यह स्क्रिप्टिंग स्टेज में है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक इसे भूषण कुमार प्रोड्यूस करेंगे।

कौन थीं मीना कुमारी

ट्रेजेडी क्वीन के नाम से मशहूर मीना कुमारी को बॉलीवुड की टाइमलेस एक्ट्रेस माना जाता है। उन्होंने बतौर चाइल्ड आर्टिस्ट अपने करियर की शुरुआत की थी। उनके जैसा स्टारडम किसी और एक्ट्रेस ने नहीं देखा।

33 साल के करियर में 90 फिल्में

33 साल के करियर में मीना ने 90 से ज्यादा फिल्मों में काम किया था। जिसमें से साहेब बीवी और गुलाम, काजल, परिणीता और पाकीजा जैसी सुपरहिट रहीं। मात्र 38 साल की उम्र में अल्कोहल ओवरकंज्पशन से उनका निधन हो गया था।

प्रोड्यूसर बन गई हैं कृति

बात करें कृति की तो उनकी पिछली फिल्म 'आदिपुरुष' फ्लॉप रही। हाल ही में वो प्रोड्यूसर बनी हैं। कुछ दिन पहले ही उन्होंने अपने बैनर ब्लू बटरफ्लाई फिल्म्स की अनाउंसमेंट की है। उनके बैनर की पहली फिल्म दो पत्ती है, जिसमें काजोल लीड रोल प्ले करेंगी।

'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' में 6 साल बाद लौटेंगी दया बेन

लेटेस्ट एपिसोड में हुई अनाउंसमेंट के बाद फैंस हुए एक्साइटेड, बोले- 'दिशा को ही वापस लाना'

पॉपुलर टेलीविजन शो 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' के मेकर्स ने लेटेस्ट एपिसोड में दयाबेन के लौटने की हिंट दी है। शो में दयाबेन के भाई सुंदर इन दिनों सबको यह खबर दे रहे हैं कि दयाबेन इस साल नवरात्रि और दिवाली पर वापस मुंबई लौट रही हैं। इस अनाउंसमेंट के बाद से ही फैंस बेहद एक्साइटेड हैं। अब यह देखना दिलचस्प होगा कि दयाबेन का रोल करने के लिए एक्ट्रेस दिशा वकानी ही शो में वापस आती हैं? या फिर मेकर्स इस रोल में किसी नई एक्ट्रेस को इंट्रोड्यूस करेंगे।

शो के लेटेस्ट एपिसोड में जेठालाल ने दया के छोटे भाई सुंदर से पूछा कि वो अहमदाबाद से घर (गोकुलधाम सोसायटी) कब लौट रही हैं। इस पर सुंदर ने सबको बताया कि दयाबेन इस साल नवरात्रि या दिवाली पर लौटेंगी।

इस अनाउंसमेंट के बाद शो के फैंस सोशल मीडिया पर काफी एक्साइटेड नजर आए। फैंस की मांग है कि मेकर्स शो में दयाबेन के रोल में एक्ट्रेस दिशा वकानी को ही लेकर आएं। वहीं कुछ फैंस का कहना है कि अगर दयाबेन के किरदार में किसी नई एक्ट्रेस को इंट्रोड्यूस किया जाएगा तो वो यह शो देखना छोड़ देंगे। दिशा वकानी इस शो में शुरुआत से ही दयाबेन का किरदार निभा रही थीं। 2017 में वो मैटरनिटी ब्रेक पर गई और फिर कभी वापस नहीं आईं। फैंस और शो के मेकर्स पिछले 6 साल से उनके कमबैक के इंतजार में हैं।

मेकर्स कर रहे नई एक्ट्रेस की तलाश

इससे पहले एक इंटरव्यू में शो के प्रोड्यूसर असित मोदी ने कहा था कि वो दिशा के शो पर लौटने का का कई साल से इंतजार कर रहे हैं। अब उन्होंने दयाबेन के किरदार के लिए नई एक्ट्रेस को खोजना शुरू कर दिया है। उनकी जगह किसी नई एक्ट्रेस को कास्ट करना आसान नहीं होगा पर मैं कोशिश कर रहा हूं।' टीवी के सबसे पसंदीदा और लंबे चलने वाले शोज में से एक यह शो इन दिनों गलत कारणों से सुर्खियों में है। कई पुराने कलाकारों के शो छोड़ने के बाद से दर्शकों का इसमें इंट्रेस्ट कम हो गया है। शो के प्रोड्यूसर असित कुमार मोदी पर कई एक्टर्स ने सेक्सुअल और मेंटल हैरेसमेंट के आरोप भी लगाए हैं।

जमानत को चुनौती न देने के एनसीबी के फैसले पर रिया ने दी प्रतिक्रिया, सोशल मीडिया पर लिखी यह बात

नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) ने हाल ही में सुप्रीम कोर्ट को बताया कि वह रिया चक्रवर्ती को उसके खिलाफ नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सब्सटेंस (एनडीपीएस) अधिनियम के तहत दर्ज मामलों में दी गई जमानत को चुनौती नहीं देगी। एनसीबी के इस फैसले के बाद अब सोशल मीडिया पर एक्ट्रेस ने एक फोटो साझा किया है, जिसे एनसीबी के फैसले से जोड़कर देखा जा रहा है।

उन्होंने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर अपनी एक तस्वीर साझा किया जिसमें फोटो में उन्होंने हाथ जोड़ने वाले इमोजी और कैप्शन में आभार लिखा है। जैसे ही अभिनेत्री ने फोटो शेयर की यह इंटरनेट पर वायरल हो गई। इसे देखकर नेटिजन्स कयास लगा रहे हैं कि एक्ट्रेस ने एनसीबी के फैसले पर आभार जताया है।

नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि वह दिवंगत अभिनेता की मौत से जुड़े ड्रग्स मामले में रिया चक्रवर्ती को दी गई जमानत को चुनौती नहीं दे रहा है। बता दें कि एनसीबी ने रिया पर नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सब्सटेंस (एनडीपीएस) अधिनियम की धारा 27-ए के तहत आरोप लगाया था जो ₹अवैध नशीली दवाओं की तस्करी के वित्तपोषण और उसे शरण देने₹ से संबंधित है। हालांकि, बाद में उन्हें जमानत पर रिहा कर दिया गया था।

अपने आदेश में बॉम्बे हाई कोर्ट ने कहा था कि ड्रग्स खरीदने के लिए पैसे मुहैया कराने का मतलब यह नहीं है कि रिया चक्रवर्ती किसी अवैध तस्करी में शामिल थीं। अदालत ने यह भी कहा कि किसी को नशीली दवाओं के सेवन के लिए पैसे देने का मतलब यह नहीं है कि उन्होंने उन्हें ऐसा करने के लिए प्रोत्साहित किया। वर्कफ्रंट की बात करें तो रिया ने टेलीविजन पर वापसी कर ली है। वह फिलहाल सोनू सूद, गौतम गुलाटी और प्रिंस नरूला के साथ 'रोडीजः कर्म या कांड' में नजर आ रही हैं।

विजय देवरकोंडा को देख स्टेज पर दौड़ पड़ा क्रेजी फैन, डर कर भागे अभिनेता

साउथ और बॉलीवुड एक्टर विजय देवरकोंडा ने हाल ही में एक्ट्रेस मृणाल ठाकुर संग अपनी नई साउथ फिल्म 'हे नना' की घोषणा की थी। पहली बार पर्दे पर दोनों की जोड़ी दर्शकों को देखने को मिलेगी। इसी बीच अब विजय का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जो काफी हैरान करने वाला है। जिसमें वो डर के मारे स्टेज से ही भागते नजर आ रहे हैं। ये माजरा है क्या चलिए बताते हैं विस्तार से।

विजय देवराकोंडा हाल ही में फिल्म बेबी की सक्सेस के एक इवेंट में पहुंचे थे। इस फिल्म में एक्टर के भाई आनंद देवरकोंडा लीड रोल में थे। फिल्म के बारे में बात करते समय विजय का एक क्रेजी फैन स्टेज पर उनकी तरफ तेजी से दौड़ पड़ा. उसे अपनी तरफ आता देख एक्टर भी घबरा गए और पीछे की तरफ हो गए। उस शख्स की इस हरकत से वहां मौजूद सिक्योरिटी गार्ड भी उसके पीछे दौड़कर उसे पकड़ लेते हैं और यह सारा मंजर कैमरे में कैद हो गया।

ये वीडियो देखते ही देखते सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल होने लगा। हालांकि वीडियो में देखा जा सकता है कि एक्टर का फैन सिर्फ उनके पैर छूने के लिए आगे बढ़ा था। उसका मकसद एक्टर को नुकसान पहुंचाना नहीं था पर एक्टर का हैरान होना भी लाजमी था। साफ देखा गया कि एक्टर इस हरकत के लिए तैयार नहीं थे और वो इससे घबरा गए हैं।

फिल्म की बात करें तो विजय देवरकोंडा फिल्म कुशी में नजर आने वाले हैं। ये फिल्म 1 सितंबर को रिलीज होने वाली है। एक्टर ने फिल्म से जुड़ी कुछ झलक अपने सोशल मीडिया पर शेयर की थी। फैंस को उनकी और सामंथा की जोड़ी काफी पसंद आ रही है।

जीनत अमान ने रेखा के साथ साझा की 'राम बलराम' के सेट की अनदेखी तस्वीर, अभिनेत्री के लिए लिखा प्यारा नोट

जीनत अमान अपने जमाने की दिग्गज अदाकाराओं में शुमार रही हैं। अपने अभिनय और बोल्डनेस से उन्होंने दर्शकों का खूब दिल जीता। यादों की बारात, रोटी कपड़ा और मकान, सत्यम शिवम सुंदरम, डॉन और दोस्ताना जैसी कई शानदार फिल्मों में नजर आईं जीनत अमान ने हाल ही में, रेखा के साथ अपनी एक पुरानी तस्वीर साझा की हैं और अभिनेत्री के लिए एक प्यारा नोट भी लिखा है।

जीनत अमान ने शेयर की रेखा के साथ तस्वीर

हाल ही में, जीनत अमान ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर अपनी और रेखा की एक बेहद प्यारी सी ब्लैक एंड व्हाइट तस्वीर शेयर की है। इस तस्वीर में दोनों अभिनेत्रियां को एक-दूसरे से बाहें मिलाते हुए देखा जा सकता है। तस्वीर में रेखा अपनी सिग्नेचर साड़ी और सिल्क बन में बेहद खूबसूरत लग रही थीं। वहीं, जीनत अमान ने ब्लैक बेल्ट के साथ एक खूबसूरत ड्रेस पहनी थी। तस्वीर में दोनों दिग्गज सितारों ने बेहद खास पल शेयर किया है।

रेखा के लिए लिखा यह प्यारा नोट

जीनत अमान ने तस्वीर शेयर करते हुए रेखा के लिए लिखा,'हमारे बीच एक भी शब्द कहे बिना कई साल बीत जाएंगे, फिर हम फ्लाइट में या नर्सरी में एक-दूसरे से टकराएंगे और कुछ घंटे बिना किसी हिचकिचाहट के जीवन के अपडेट साझा करने में बिताएंगे। क्या किसी और के पास ऐसा कोई दोस्त है?' जीनत का रेखा के लिए यह प्यार देखकर फैंस भी कमेंट सेक्शन में बेहद प्यारे कमेंट्स कर रहे हैं।

फैंस लुटा रहे हैं प्यार

जीनत की इस पोस्ट पर फैंस भी अपना प्यार बरसा रहे हैं। एक यूजर ने कमेंट करते हुए लिखा, 'यह तस्वीर स्पष्ट रूप से उनकी 1980 की फिल्म ₹राम बलराम₹ के मुहूर्त पर ली गई थी।' दूसरे यूजर ने लिखा, 'दोनों अभिनेत्री एक साथ बेहद खूबसूरत लग रहे हैं।' एक और यूजर ने लिखा, 'दोनों की मित्रता साफ झलक रही है।

भगवान ऐसी दोस्ती सभी को दे।' वर्क फ्रंट की बात करें जीनत अमान को आखिरी बार 2019 में आशुतोष गोवारिकर की फिल्म पानीपत में देखा गया था। अब वह वेब सीरीज शोस्टॉपर में अपने ओटीटी डेब्यू के लिए तैयारी कर रही हैं।

अब एक्टर बनने जा रहे हैं राज कुंद्रा, पोर्नोग्राफी केस पर बन रही फिल्म में निभाएंगे मुख्य किरदार

बॉलीवुड की मशहूर अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी के पति राज कुंद्रा न केवल अपनी पत्नी की वजह से चर्चा में रहते हैं, बल्कि वह उनके ऊपर लगे आरोपों के कारण भी सुर्खियां बटोरते हैं। राज कुंद्रा का नाम पोर्नोग्राफी केस में फंस चुका है, जिसके तहत उन पर बहुत सी अभिनेत्रियों ने तरह-तरह के आरोप लगाए थे। इस केस में उन्हें दो महीने तक जेल में रहना पड़ा था। हालांकि, बाद में उन्हें जमानत मिल गई थी। राज कुंद्रा से जुड़े इस हाई प्रोफाइल मामले ने खूब सुर्खियां बटोरी थीं, जिसकी वजह से उनकी काफी बदनामी भी हुई थी। लेकिन अब खबर आ रही है कि यह पूरा मामला सिनेमा के रंगीन पर्दे पर दिखाया जाएगा, जिसमें मुख्य भूमिका खुद राज कुंद्रा निभाएंगे।

अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी के पति और बिजनेसमैन राज कुंद्रा ने पोर्नोग्राफी केस में सजा के तौर काटी 63 दिनों की जेल 2021 में खूब लाइमलाइट में रही थी। जेल से बाहर आने के बाद भी राज कुंद्रा लोगों के सामने आने से परहेज करते थे, लेकिन अब कुछ ऐसी रिपोर्ट्स सामने आ रही हैं जिनमें दावा किया जा रहा है कि साल 2021 में हुए इस पूरे प्रकरण पर फिल्म बनाने की तैयारी की जा रही है। जी हां, रिपोर्ट्स की मानें तो राज कुंद्रा की इस जेल यात्रा पर जल्द ही एक फिल्म बनेगी। कई मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, निर्माता राज के जीवन के आसपास की घटनाओं के साथ-साथ विवादों को सामने रखने के लिए एक फिल्म बनाने की तैयारी की जा रही है।

एक रिपोर्ट में दावा किया जा रहा है कि आगामी फिल्म आर्थर रोड जेल में राज कुंद्रा द्वारा काटी गई सजा के दौरान उनके अनुभव को दर्शकों के सामने पेश करेगी। दरअसल, रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि राज खुद फिल्म में अभिनय करेंगे और प्रोडक्शन से लेकर स्क्रिप्टिंग तक में अपना योगदान देंगे। जहां इस खबर में बिजनेसमैन के अभिनेता बनने की बात की जा रही है, वहीं अभी फिल्म के निर्देशन की कमान किसके हाथ में दी जाएगी इसका खुलासा नहीं किया गया है। कथित तौर पर, फिल्म पर फिलहाल पोस्ट प्रोडक्शन में है और जल्द ही इसकी शूटिंग शुरू की जाएगी।

बता दें, राज कुंद्रा को जुलाई 2021 में कथित तौर पर अश्लील वीडियो बनाने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था और सितंबर में जमानत दे दी गई थी। उन पर भारतीय दंड संहिता, महिलाओं का अश्लील प्रतिनिधित्व (रोकथाम) अधिनियम और सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया था। इतना ही नहीं शर्लिन चोपड़ा से लेकर फ्लोरा सैनी जैसी कई अभिनेत्रियों ने राज कुंद्रा पर आरोप भी लगाए थे। जुलाई 2021 में गिरफ्तार होने के बाद उन्होंने अपने सोशल मीडिया अकाउंट डिलीट कर दिए थे। बाद में उन्हें जमानत दे दी गई थी।

अपनी गिरफ्तारी के बाद से जब भी राज सार्वजनिक रूप से बाहर निकलते हैं तो उन्हें अक्सर फेस मास्क और हुडी से अपना चेहरा ढंकते हुए देखा जाता है। शिल्पा ने भी इस मामले पर कमेंट करने से परहेज किया है। दोनों ही पैपराजी के सामने इस मामले पर चुप्पी साधे रहते हैं। शिल्पा कभी-कभी अपने इंस्टाग्राम पर उनकी तस्वीरें और वीडियो पोस्ट करती हैं।

इंडियन सुपरस्टार प्रभास और दीपिका पादुकोण स्टारर फिल्म 'प्रोजेक्ट के' का ग्रैंड लॉन्च इवेंट अमेरिका में होने वाला है। जहां 20-21 जुलाई के दिन अमेरिका के कॉमिक.कॉन में प्रभास की फिल्म प्रोजेक्ट के मूवी के ट्रेलर लॉन्च और टाइटल का खुलासा होने वाला है। इस फिल्म के इस ग्रैंड इवेंट के लिए सुपरस्टार प्रभास और राणा दग्गुबाती जैसे सितारे वहां पहुंच चुके हैं। हालांकि अभी खबर ये है कि इस ग्रैंड इवेंट में अदाकारा दीपिका पादुकोण संभवत हिस्सा नहीं लेने वाली हैं। खबर के मुताबिक अदाकार इस दौरान अपनी फिल्म के इवेंट से दूर ही रहेंगी।

आखिर 'प्रोजेक्ट के' के इवेंट में क्यों हिस्सा नहीं लेंगी दीपिका पादुकोण?

दरअसल, प्रोजेक्ट के का ग्रैंड ट्रेलर लॉन्च इवेंट और टाइटल एनाउंसमेंट इवेंट अमेरिका में होने वाला है। मगर इस वक्त अमेरिका में इधर, खबर है कि अदाकारा दीपिका पादुकोण सैग-एफट्रा यानी स्क्रीन एक्टर्स गिल्ड-अमेरिकन फेडरेशन ऑफ टेलीविजन एंड रेडियो आर्टिस्ट ने राइटर्स गिल्ड ऑफ अमेरिका के प्रदर्शन को ज्वाइन कर लिया है। अमेरिका की राइटर्स गिल्ड लेबर लॉ का विरोध कर रही हैं। दीपिका पादुकोण भी इस सैग एफट्रा का हिस्सा हैं। ऐसे में वो अमेरिका में होने वाले अपनी मूवी 'प्रोजेक्ट के' के लिए आयोजित हो रहे ग्रैंड इवेंट का हिस्सा नहीं बनेंगी।

एक रिपोर्ट के मुताबिक सैग एफ्ट्रा के सभी सदस्य और अभिनेता जो इस समिति का हिस्सा हैं, वो अपनी फिल्मों या किसी भी पब्लिसिटी का सपोर्ट करने के लिए बाध्य हैं। ऐसे में दीपिका पादुकोण भी अपनी फिल्म का प्रमोशन नहीं कर सकेंगी।

प्रभास के साथ पहली बार बनेगी दीपिका पादुकोण को जोड़ी

अदाकारा दीपिका पादुकोण और प्रभास निर्देशक नाग अश्विन की मूवी प्रोजेक्ट के में पहली बार साथ नजर आएंगे। इस फिल्म से निर्माताओं ने हाल ही में अदाकारा दीपिका पादुकोण का फर्स्ट लुक पोस्टर जारी किया। जिसे दर्शकों से मिक्स रिस्पॉन्स मिला है। जबकि, मेकर्स अब सुपरस्टार प्रभास का पहला लुक कुछ ही देर में जारी करने वाले हैं। फिल्म में प्रभास और दीपिका पादुकोण के अलावा अमिताभ बच्चन और कमल हासन भी अहम रोल में नजर आने वाले हैं। तो क्या आप इस फिल्म को लेकर एक्साइटेड हैं। अपनी राय हमें कमेंट कर बताएं।

'स्टूडेंट ऑफ द ईयर 3' से ओटीटी डेब्यू करने जा रहीं शनाया कपूर?

संजय कपूर और महीप कपूर की बेटी शनाया कपूर बॉलीवुड में डेब्यू से पहले ही काफी चर्चाओं में रहती हैं. शनाया की बिना किसी फिल्म और ओटीटी सीरीज के ही अच्छी खासी फैन फॉलोइंग है. उनके फैंस अब बेसब्री से स्टारकिड के बॉलीवुड डेब्यू का इंतजार कर रहे हैं. इसी बीच अब शनाया के ओटीटी डेब्यू की खबर आई है. दरअसल खबरें हैं कि शनाया जल्द ही करण जौहर की मोस्ट अवेटेड सीरीज 'स्टूडेंट ऑफ द ईयर 3' से ओ टी टी प र डेब्यू करने की तैयारी कर रही हैं. ये करण जौहर की फ्रेंचाइजी 'स्टूडेंट ऑफ द ईयर' का तीसरा पार्ट होगा. एक खबर के अनुसार, करण जौहर डिज्नी+हॉटस्टार के साथ स्टूडेंट ऑफ द ईयर फिल्म फ्रेंचाइजी को अब एक वेब सीरीज में बदलने की प्लानिंग कर रहे हैं. रिपोर्ट की मानें तो इस प्रोजेक्ट पर अभी राइटिंग का काम चल रहा है. इसमें शनाया कपूर को फाइनल किया गया है वहीं इसके साथ ही मेकर्स और नए चेहरों की तलाश भी कर रहे हैं.

शनाया मोहनलाल की पैन इंडिया फिल्म 'वृषभ' से एंटरटेन इंडस्ट्री में कदम रखने जा रही हैं. ये फिल्म लंबे समय से सुर्खियों में बनी हुई थी, हालांकि अब इसकी लीड एक्ट्रेस के रूप में शनाया को चुन लिया गया है. इस फिल्म में शनाया के अपोजिट एक्टर रोशन मेका नजर आएंगे. वृषभा में शनाया को एक्टर रोशन मेका के अपोजिट कास्ट किया गया है. इस भव्य एक्शन एंटरटेनर फिल्म में शनाया का किरदार कुछ ऐसा है कि वो भूतकाल और वर्तमान काल की एक अहम कड़ी के रूप में सामने आती हैं. शनाया के अलावा इस फ़िल्म के ज़रिए गुज़रे ज़माने की एक्ट्रेस सलमा आगा की बेटी और एक पॉप गायिका के तौर पर अपनी पहचान रखने वाली जाहरा एस. ख़ान भी एक पैन इंडिया कलाकार के तौर पर इंडस्ट्री में एंट्री लेंगी. जाहरा फिल्म में एक योद्धा के रूप में कई एक्शन सीन्स भी करती दिखाई देंगी.

'सस्ता आयरन मैन...' प्रोजेक्ट के से प्रभास का लुक देखकर भड़के लोग, ट्रोल हो रहे हैं एक्टर

पैन इंडिया स्टार प्रभास की फिल्में बैक टू बैक फ्लॉप हो रही हैं. लोगों को उनकी एक्टिंग कुछ खास पसंद नहीं आ रही है. प्रभास इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म प्रोजेक्ट के को लेकर सुर्खियों में बने हुए हैं. हाल ही में इस फिल्म की स्टारकास्ट की अनाउंसमेंट हुई है और बुधवार को प्रभास का प्रोजेक्ट के से लुक सामने आ गया है. प्रभास का लुक लोगों को पसंद नहीं आ रहा है जिसके बाद वह सोशल मीडिया पर ट्रोल हो रहे हैं. उनके लुक की तुलना आयरनमैन से की जा रही है.

प्रोजेक्ट के में प्रभास के साथ दीपिका पादुकोण, अमिताभ बच्चन और कमल हासन नजर आने वाले हैं. कुछ दिन पहले दीपिका पादुकोण का लुक सामने आया था और अब प्रभास का आ गया है. जहां प्रभास के फैंस उनके लुक की खूब तारीफ कर रहे हैं वहीं उन्हें कुछ लोग ट्रोल कर रहे हैं.

प्रभास हुए ट्रोल

ट्विटर पर प्रभास के प्रोजेक्ट के लुक का खूब मजाक उड़ा रहे हैं. एक यूजर ने लिखा- राइट में प्रोजेक्ट के से रेबल स्टार प्रभास हैं और लेफ्ट में आयरनमैन से रॉबर्ट डाउनी जूनियर हैं. वहीं दूसरे ने लिखा- इन दोनों तस्वीरों में क्या अंतर है. हम कुछ ऐसा देखना चाहते हैं जो पहले नहीं देखा हो. प्रभास सस्ता आयरनमैन है. प्रभास ने सोशल मीडिया पर प्रोजेक्ट के का पोस्टर शेयर किया था. उन्होंने लिखा था-हीरो उठता है. अब से, खेल बदल जाता है. ये प्रोजेक्ट के से रेबल स्टार प्रभास है. पहली झलक भारत में 21 जुलाई को दिखाई जाएगी.

बता दें प्रभास और दीपिका कमल हासन के साथ यूएस में हैं. वह ऑफिशियली फिल्म का टाटइल, ट्रेलर और रिलीज डेट की जानकारी देंगे. रिपोर्ट्स की माने तो ये पहली बार होगा कि कोई इंडियन फिल्म कॉमिक कॉन में डेब्यू करेगी.

सनी लियोनी ने बताई अपने नाम के पीछे की कहानी बोलीं- 'सनी मेरे भाई का निक नेम है, मेरी मां को नफरत थी...'

एक्ट्रेस सनी लियोनी का रियल नेम करनजीत कौर वोहरा है. हाल ही में उन्होंने बताया कि आखिर उन्होंने अपना नाम क्यों बदला. उनका फर्स्ट नेम सनी, उनके भाई संदीप सिंह को बिलॉन्ग करता है, जिनका निक नेम सनी है. उनके लास्ट नेम लियोनी के पीछे भी एक कहानी है.

बता दें कि सनी का जन्म कनाडा में इंडियन सिख फैमिली में हुआ था. कुछ साल पहले ही उन्होंने इंडिया मूव किया. हिंदुस्तान टाइम्स की खबर के मुताबिक, अब हाल ही में दिए एक इंटरव्यू में सनी लियोनी ने बताया कि कैसे उन्होंने ये नाम चूज किया.

सनी ने कहा, 'मैं यूएस में थी और मैग्जीन के लिए इंटरव्यू दे रही थी. और उन्होंने कहा कि आप अपना नाम क्या रखा चाहती हैं? उस वक्त मैं कुछ और सोच ही नहीं पाई थी. मैं एक टैक्स एंड रिटायरमेंट फर्म में काम कर रही थी. मैंने HR डिपार्टमेंट, अकाउंट्स और एजेंट के लिए भी काम किया. मैं एक रिसेप्शनिस्ट भी थी. और मैं उस जगह इंटरव्यू दे रही थी और मुझे पता था कि मुझे जल्द ही काम पर वापस जाना होगा. क्योंकि मैं पकड़ी जा सकती थी. तो मैंने उन्हें कह दिया कि फर्स्ट नेम आप सनी ले लें और लास्ट नेम आप खुद से चूज कर सकते हैं.'

आगे उन्होंने कहा, 'सनी मेरे भाई का निक नेम है. उनका नाम संदीप सिंह है. हम उन्हें सनी बुलाते हैं. मेरी मां को इस बात से नफरत थी कि मैंने अपना नाम सनी रखा. उन्होंने कहा, 'सभी नामों में से ये तुमने चुना है?' मैंने कहा हां, यही मेरे दिमाग में आया था. फिर मैग्जीन ने लास्ट नेम चुना और मैंने इसे वैसे ही रखा.'

मणिपुर में महिलाओं को निर्वस्त्र घुमाने पर फूटा बॉलीवुड सेलेब्स का गुस्सा

बोले- 'इसकी कीमत मनुष्य को चुकानी पड़ेगी...

मणिपुर में महिलाओं के साथ हुई इस हरकत ने आशुतोष राणा को काफी ठेस पहुंचाई है. जिसका गुस्सा उन्होंने ट्वीट कर जाहिर किया. इस ट्वीट में उन्होंने लिखा, ₹इतिहास साक्षी है जब भी किसी आतातायी ने स्त्री का हरण किया है या चीरहरण किया है उसकी कीमत संपूर्ण मनुष्य ज़ाति को चुकानी पड़ी है. जैसे सत्य, तप, पवित्रता और दान 'धर्म' के चार चरण होते हैं वैसे ही 'लोकतंत्र' के भी विधायिका, कार्यपालिका, न्यायपालिका व पत्रकारिता रूपी चार चरण होते हैं. लोकतंत्र के इन चारों स्तंभों को एक दूसरे के साथ लय से लय मिलाकर चलना होगा तभी वो लोक को अमानुषिक कृत्यों के प्रलय के ताप से मुक्त कर पाएंगे.अब समय आ गया है जब सभी राजनीतिक दलों और राजनेताओं को, मीडिया हाउसेस व मीडिया कर्मियों को अपने मत-मतान्तरों, एक दूसरे पर आरोप प्रत्यारोपों को भूलकर राष्ट्र कल्याण, लोक कल्याण के लिए सामूहिक रूप से उद्यम करना होगा क्योंकि ये राष्ट्र सभी का है, सभी दल और दलपति देश और देशवासियों के रक्षण, पोषण, संवर्धन के लिए वचनबद्ध हैं. हमें स्मरण रखना चाहिए स्त्री का शोषण, उसके ऊपर किया गया अत्याचार, उसका दमन, उसका अपमान.. आधी मानवता पर नहीं बल्कि पूरी मानवता पर एक कलंक की भांति है.

मणिपुर में महिलाओं के साथ हुए इस अत्याचार ने एक्टर सोनू सूद को काफी आहत किया है. इसपर ट्वीट करते हुए उन्होंने लिखा, 'मणिपुर वीडियो ने सभी की आत्मा को झकझोर दिया है. वो परेड महिलाओं नहीं बल्की इंसानियत की थी.'

सोनू सूद

बॉलीवुड के खिलाड़ी कुमार यानी अक्षय कुमार ने मणिपुर में दो महिलाओं के साथ हुई दरिंदगी पर दुख जाहिर करते हुए और पीड़ितों के लिए न्याय की मांग करते हुए ट्वीट किया, "मणिपुर में महिलाओं के खिलाफ हिंसा का वीडियो देखकर हिल गया, निराश हूं. मैं उम्मीद करता हूं कि दोषियों को इतनी कड़ी सजा मिलेगी कि कोई भी दोबारा ऐसी भयावह हरकत करने के बारे में न सोचें.'

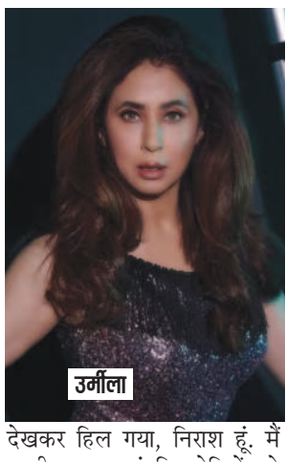

उर्मीला

इस हिंसा पर रिएक्ट करते हुए कियारा आडवाणी ने लिखा, ' 'मणिपुर में महिलाओं के खिलाफ

संजय दत्त

हुआ अत्याचार काफी डरावना था. इसने मुझे अंदर तक हिला कर रख दिया. मैं प्रार्थना करती हूं उन महिलाओं को जल्द से जल्द न्याय मिले और जो दोषी हैं उन्हें कड़ी से कड़ी सजा मिले जो वो डिजर्व करते हैं.''

उर्मिला मातोंडकर ने मणिपुर की घटना का कड़ा विरोध करते हुए

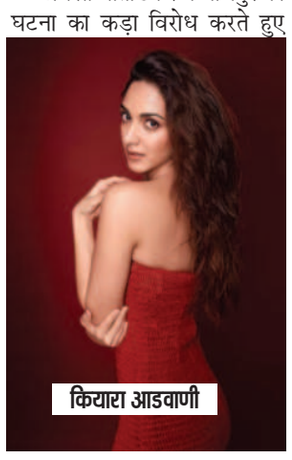

कियारा आडवाणी

लिखा, "मणिपुर वीडियो और इस फैक्ट से शॉक्ड और डरी हुई हूं. इस पर कोई कार्रवाई नहीं हुई. शर्म आनी चाहिए उन लोगों को जो सत्ता के नशे में चूर ऊंचाईयों पर बैठे हैं. मीडिया के जोकर उन्हें चाट रहे हैं, मशहूर हस्तियां जो चुप हैं. प्यारे देशवासियों हम ऐसे कब बन गए?"

इस घटना से संजय दत्त भी काफी शॉक्ड हैं. उन्होंने ट्वीट किया, मणिपुर में महिलाओं के खिलाफ हिंसा को दिखाने वाला वीडियो चौंकाने वाला और दर्दनाक है. मैं उम्मीद करता हूं कि दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा दी जाए और ये साफ संदेश दिया जाए कि ऐसी हरकतें किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं की जाएंगी.

रेणुक सहाणे ने इस मुद्दे पर प्रतिक्रिया देते हुए ट्वीट किया, ₹जब रक्षक ही भक्षक बन जाते हैं तो न्याय मिलना असंभव है. जिनकी देख-रेख में 4 मई को यह जघन्य अपराध किया गया, वो ही अब अचानक जग गए और उन हजारों पापियों में से किसी एक को गिरफ्तार किया, ताकी लोग किसी तरह इस शर्मसार करनेवाले कुकर्म को भूल जाए. इनका जमीर मर चुका है. बेशर्मी जिंदाबाद. त मनुष्य को चुकानी पड़ेगी...'

द कश्मीर फाइल्स के डायरेक्टर विवेक अग्निहोत्री ने इस हिंसा पर रिएक्ट करते हुए ट्वीट किया, ₹जब एक निश्चित जनजाति मंत्री और आईजी पुलिस के घरों, दुकानों, कारों और घरों को जला रही थी... तो कांग्रेस चुप रही. कांग्रेस के उस भयावह मंसूबे को भी उजागर किया जाना चाहिए और उनकी निंदा की जानी चाहिए. अमेरिका के बुरे पक्ष को भी उजागर किया जाना चाहिए जो एक निश्चित जनजाति को पैसे दे रहा है और उन्हें दूसरी जनजाति के खिलाफ हिंसा करने के लिए उकसा रहा है. जो कोई भी एक जनजाति को दूसरे के खिलाफ इस्तेमाल कर रहा है वो समान रूप से दोषी है.

'बेहतर होने की कोशिश कर रही हूं', शुरुआती असफलताओं पर बोलीं 'विंक गर्ल' प्रिया प्रकाश

'विंक गर्ल' के नाम से जानी जाने वाली प्रिया प्रकाश वारियर का स्टारडम तेजी से फीका पड़ गया है, जिसकी वजह से उन्हें इंडस्ट्री में बने रहने के लिए कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा। इस साल मलयालम फिल्मों, लाइव और कोल्ला में अपने बेहतरीन प्रदर्शन के बाद प्रिया वरियर अब अपने करियर की सबसे बड़ी फिल्म, ब्रो, तेलुगु फंतासी कॉमेडी, जिसमें पवन कल्याण और साई धर्म तेज मुख्य भूमिका में हैं। उसके लिए तैयार हैं।

एक रिपोर्ट के अनुसार, तमिल मूल विनोदया सीथम के लिए अपनी प्रशंसा व्यक्त करते हुए प्रिया ने इस बात पर जोर दिया कि इतने बड़े सितारों के साथ सहयोग करने का अवसर वास्तव में उनके लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर था। समुथिरकानी के निर्देशन में बनी फिल्म 'विनोदया सिथम', ब्रो की रीमेक 28 जुलाई को रिलीज होगी।

एक मीडिया संस्थान की रिपोर्ट के अनुसार, 'विंक गर्ल' टैग के अपने जीवन और करियर पर पड़ने वाले प्रभाव के बारे में विस्तार से बताते हुए प्रिया ने कहा, ₹मेरे लिए, यह एक आशीर्वाद है। मैं आभारी हूं कि ऐसा हुआ। दो साल और सिर्फ दो फिल्में ही हुई हैं, लेकिन तेलुगु लोग मुझे 'विंक गर्ल' टैग के कारण जानते हैं। उससे मुझे पहचान मिली।"

उन्होंने आगे कहा, "मैं ऐसे परिवार से आता हूं जिसका कोई फिल्मी बैकग्राउंड नहीं है। शुरुआत में, मेरा मार्गदर्शन करने वाला कोई नहीं था। मेरा विंक वायरल होने के बाद मेरे आस-पास के कई लोगों ने बहुत सी बातें कहना शुरू कर दिया। मुझे नहीं पता था कि क्या करना है या किसकी बात सुननी है। मेरा मार्गदर्शन करने वाला कोई नहीं था। हां, मैंने कुछ गलतियां और गलत चुनाव किये हैं, लेकिन अब, मैं सही चुनाव कर रही हूं और खुद को बेहतर बना रही हूं।" पवन कल्याण के साथ अभिनय करने के मौके को एक आशीर्वाद बताते हुए, प्रिया ने तेलुगु मीडिया के साथ बातचीत के दौरान कहा कि उनके चारों ओर एक ऐसी आभा थी, जिसे वह शब्दों में बयां नहीं कर सकतीं।

उन्होंने कहा, "जब वह सेट पर थे, तो उन्हें देखकर मजा आया। फिल्म के दोनों स्टार्स पवन कल्याण और साईं धर्म तेज के साथ मेरे कई सीन हैं। मैं एक साधारण, घरेलू लड़की वीणा का किरदार निभा रहा हूं और उसका लुक अनोखा होगा।" अपनी शुरुआती असफलताओं का जिक्र करते हुए प्रिया ने कहा, ₹हो सकता है कि मैंने गलतियां की हों और गलत विकल्प चुने हों लेकिन मैं हर मौके के साथ बेहतर होने की कोशिश कर रही हूं। पवन कल्याण के साथ अभिनय करने के मौके को एक आशीर्वाद बताते हुए, प्रिया ने तेलुगु मीडिया के साथ बातचीत के दौरान कहा कि उनके चारों ओर एक ऐसी आभा थी, जिसे वह शब्दों में बयां नहीं कर सकतीं। उन्होंने कहा, "जब वह सेट पर थे, तो उन्हें देखकर मजा आया। फिल्म के दोनों स्टार्स पवन कल्याण और साईं धर्म तेज के साथ मेरे कई सीन हैं। मैं एक साधारण, घरेलू लड़की वीणा का किरदार निभा रही हूं और उसका लुक अनोखा होगा।"

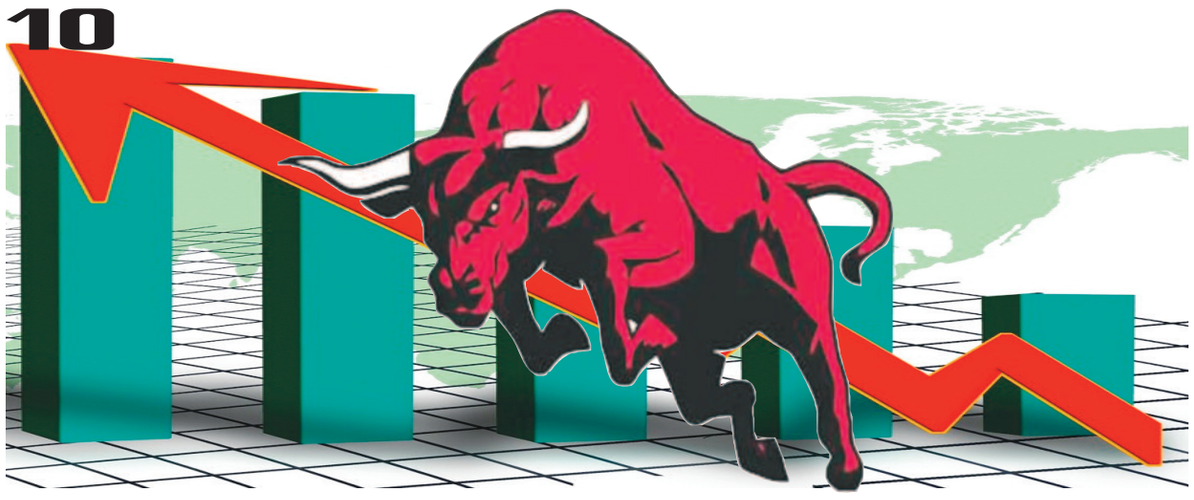

वेदांता से डील तोड़ने के बाद फॉक्सकॉन ने शुरू की नई तैयारी

तमिलनाडु व कर्नाटक के सीएम से मिले सीईओ

नई दिल्ली, 20 जुलाई (एजेंसियां)। कर्नाटक और तमिलनाडु के आर्थिक परिदृश्य के लिए एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम में फॉक्सकॉन के सीईओ ब्रांड चेंग ने सोमवार कर्नाटक मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और मंगलवार को तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन से क्षेत्र में बड़े पैमाने पर निवेश योजना पर चर्चा करने के लिए मुलाकात की। मुलाकात के दौरान फॉक्सकॉन इंडस्ट्रियल इंटरनेट (एफआईआई) की ओर से राज्य की अर्थव्यवस्था में 8,800 करोड़ रुपये के निवेश पर चर्चा की गई स्टालिन के अलावा, तमिलनाडु के उद्योग मंत्री टीआरबी राजा भी राज्य में आईफोन निर्माता की निवेश योजनाओं पर चर्चा करने के लिए बैठक में मौजूद थे। कर्नाटक कर्नाट सीएम के साथ बातचीत में भी फॉक्सकॉन इंडस्ट्रियल इंटरनेट (एफआईआई) की 8,800 करोड़ रुपये की निवेश

योजना पर चर्चा की गई। इस पर्याप्त निवेश से प्रौद्योगिकी क्षेत्र को महत्वपूर्ण बढ़ावा मिलने और स्थानीय कार्यबल के लिए 14,000 से अधिक रोजगार के अवसर पैदा होने की उम्मीद है। राज्य के वाणिज्य और उद्योग मंत्री, एमबी पाटिल ने आगामी निवेश के बारे में अपना उत्साह व्यक्त करने के लिए ट्विटर का सहारा लिया, राज्य के लिए इसके संभावित लाभों पर प्रकाश डाला। पाटिल ने निवेश और रोजगार सृजन के प्रभावशाली आंकड़ों का खुलासा करते हुए ट्वीट किया, कर्नाटक फॉक्सकॉन औद्योगिक इंटरनेट कंपनी के मेगा निवेश, तकनीकी क्षेत्र और नौकरी के अवसरों को बढ़ावा देने का स्वागत करता है फॉक्सकॉनः वेदांता से डील तोड़ने के बाद फॉक्सकॉन ने शुरू की नई तयारी, तमिलनाडु व कर्नाटक के सीएम से मिले सीईओ।

कर्नाटक सीएम से भी मिले फॉक्सकॉन सीईओ

कर्नाटक कर्नाटक सीएम के साथ बातचीत में भी फॉक्सकॉन इंडसट्रियल इंटरनेट (एफआईआई) की 8,800 करोड़ रुपये की निवेश योजना पर चर्चा की गई। इस पर्याप्त निवेश से प्रौद्योगिकी क्षेत्र को महत्वपूर्ण बढ़ावा मिलने और स्थानीय कार्यबल के लिए 14,000 से अधिक रोजगार के अवसर पैदा होने की उम्मीद है। राज्य के वाणिज्य और उद्योग मंत्री, एमबी पाटिल ने आगामी निवेश के बारे में अपना उत्साह व्यक्त करने के लिए ट्विटर का सहारा लिया, राज्य के लिए इसके संभावित लाभों पर प्रकाश डाला। फॉक्सकॉन की विस्तार योजनाओं को सुविधाजनक बनाने के लिए, कर्नाटक सरकार ने विनिर्माण इकाई के लिए उपयुक्त भूमि की पेशकश करके पूर्ण समर्थन का वादा किया है। राज्य ने तुमकुरु के पास जापानी औद्योगिक पार्क में 100 एकड़ जमीन निर्धारित की है, जो कंपनी के महत्वाकांक्षी संचालन के लिए आदर्श स्थान प्रदान करती है।

देश में 70/किलो टमाटर बेच रही सरकार : दिल्ली-राजस्थान

यूपी समेत कई शहरों में बिक्री जारी, तीसरी बार घटाई कीमतें

नई दिल्ली, 20 जुलाई (एजेंसियां)। नेशनल कोऑपरेटिव कंज्यूमर फेडरेशन ऑफ इंडिया और नेशनल एग्रीकल्चरल कोऑपरेटिव मार्केटिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया ने आज (20 जुलाई) से 70 रुपए प्रति किलो टमाटर बेचना शुरू कर दिया है। इसके लिए बुधवार को कंज्यूमर अफेयर्स डिपार्टमेंट ने एनएएफईडी और एनसीसीएफ को निर्देश दिए थे। सरकार ने 14 जुलाई को टमाटर की बढ़ती कीमतों कम करने का प्लान लागू था। इस प्लान के तहत एनसीसीएफ और एनएएफईडी ने 90 रुपए प्रति किलो की दर से टमाटर बेचना शुरू किया था। इसके बाद सरकार ने 16 जुलाई को टमाटर की कीमत 10 रुपए प्रति किलो कम करते हुए 80 रुपए कर दिया था। वहीं, अब एक बार फिर टमाटर की कीमत को कम किया गया है।

10 जुलाई तक एनएएफईडी-एनसीसीएफ ने 391 मीट्रिक टन टमाटर खरीदे

सरकार के आदेश के बाद दोनों एजेंसियों ने 120-130 प्रति किलो के रेट से टमाटर खरीद कर कम कीमत में बिक्री शुरू की थी। 10 जुलाई तक एनएएफईडी और एनसीसीएफ ने टोटल 391 मीट्रिक टन टमाटर खरीदा था। यह टमाटर दिल्ली-एनसीआर, राजस्थान, उत्तर प्रदेश और बिहार के प्रमुख केंद्रों के जरिए बेचे जा रहे हैं। एनसीसीएफ के मैनेजिंग डायरेक्टर एनीस जोसेफ ने बताया था कि इससे होने वाले नुकसान को केंद्र सरकार उठाएगी।टमाटर का उत्पादन लगभग हर राज्य में होता है। वहीं दक्षिणी और पश्चिमी क्षेत्रों का देश के कुल उत्पादन में लगभग 60% योगदान होता है। इन क्षेत्रों में हुए ज्यादा उत्पादन का उपयोग भारत के अन्य हिस्सों में टमाटर की निरंतर सप्लाई को सुनिश्चित करने के लिए किया जाता है। बीते 3 सालों में भी दिखा बारिश में टमाटर के दाम बढ़ने का ट्रेंड बीते तीन सालों में भी बारिश में टमाटर के दामों में बढ़ोतरी का ट्रेंड दिखा है।

आज सोना-चांदी के दामों में तेजी:60 हजार के करीब पहुंचा सोना

चांदी साढ़े 75 हजार रुपए के पार निकली

नई दिल्ली, 20 जुलाई (एजेंसियां)। आज यानी गुरुवार (20 जुलाई) को सर्राफा बाजार में सोने-चांदी की कीमतों में बढ़त देखने को मिली है। इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन की वेबसाइट के मुताबिक, आज सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोने के दाम 152 रुपए चढ़कर 59,908 रुपए प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गए हैं। वहीं 22 कैरेट सोने की कीमत 54,876 रुपए हो गई है।

69 हजार के पार हई चांदी

आईबीजेए की वेबसाइट के अनुसार आज चांदी की कीमत में भी बड़ी बढ़त देखने को मिली है। ये 187 रुपए महंगी होकर 75,686 रुपए प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई है। इससे पहले बुधवार को ये 75,499 रुपए पर थी।

इस महीने सोने में रही तेजी

इस महीने यानी जुलाई में अब तक सोने में बढ़त देखने को मिली है। इस महीने की शुरुआत यानी 3 जुलाई (1 और 2 जुलाई को मार्केट बंद था) को ये 58,139 रुपए प्रति 10 ग्राम पर था, जो अब 59,908 रुपए पर है। यानी इसके दाम में 1,769 रुपए की तेजी आई है।

साल के आखिर तक 62 हजार तक जा सकता है सोना आईआईएफएल सिक्योरिटीज के वाइस प्रेसिडेंट अनुज गुप्ता कहते हैं कि आने वाले दिनों में सोने की कीमत में फिर बढ़त देखने को मिल सकती है। अनुज गुप्ता के अनुसार साल के आखिर तक सोना फिर 62 हजार तक जा सकता है।

सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड ने तोड़े सारे रिकॉर्ड

सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड की जून में जारी साल की पहली सीरीज ने पिछले सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। अब तक की सबसे ऊंची कीमत 5,926 रुपए प्रति ग्राम के बावजूद रिकॉर्ड 77.69 लाख यूनिट (1 यूनिट में 1 ग्राम) गोल्ड बॉन्ड का सब्सक्रिप्शन हुआ। यानी वर्चुअल तरीके से लोगों ने 7.77 टन सोने में निवेश किया। कीमत के लिहाज से इस सीरीज में 4,604 करोड़ रुपए का गोल्ड बॉन्ड बिका। इससे पहले वित्त वर्ष 2020-21 की पांचवीं सीरीज में सबसे ज्यादा 63.5 लाख यूनिट गोल्ड बॉन्ड सब्सक्राइब हुए थे।

31 जुलाई से आगे बढ़ेगी आयकर भरने की आखिरी तारीख!

बाढ़ की समस्या के मद्देनजर वित्त मंत्री से की मांग

नई दिल्ली, 20 जुलाई (एजेंसियां)। वित्त वर्ष 2022-23 और एसेसमेंट ईयर 2023-24 के लिए इनकम टैक्स रिटर्न भरने की आखिरी तारीख 31 जुलाई 2023 है। लेकिन देश के कई राज्यों में बाढ़ और जल जमाव के चलते वित्त मंत्री निर्मला सीतारामन से आयकर रिटर्न भरने की आखिरी तारीख को 31 जुलाई, 2023 से आगे एक्सटेंड करने की मांग की जा रही है। देश में टैक्स प्रोफेशनल्स की सबसे पुरानी और बड़ी संस्था सेल्स टैक्स बार एसोसिएशन ने वित्त मंत्री को पत्र लिखा है। संस्था ने वित्त मंत्री को पत्र में लिखा कि राजधानी दिल्ली में बाढ़ के हालात के चलते आईटीओ पर स्थित इनकम टैक्स का दफ्तर समेत कई ऑफिसेज बंद है। सेल्स टैक्स बार

एसोसिएशन ने पत्र में लिखा कि इनकम टैक्स रिटर्न भरने की आखिरी तारीख अब बेहद करीब है। ऐसे में बड़ी संख्या में टैक्सपेयर्स के लिए आखिरी तारीख के पहले सभी तरह के डॉक्यूमेंट्स को सबमिट करना कठिन है। ऐसे में एसोसिएशन ने वित्त मंत्री ने इनकम टैक्स रिटर्न भरने की आखिरी तारीख को एक महीने 31 अगस्त 2023 तक के लिए एक्सटेंड करने की मांग की है।एसोसिएशन ने इनकम टैक्स रिटर्न भरने की आखिरी तारीख को बढ़ाने की मांग को लेकर अपना रिप्रेजेंटेशन वित्त मंत्री के अलावा सीबीडीटी चेयरमैन को भी सौंपा है। दरअसल बाढ़ की समस्या केवल दिल्ली तक ही सीमित नहीं है। उत्तर भारत के कई राज्य इस प्राकृतिक प्रकोप से प्रभावित हुए हैं। जिसमें हिमाचल प्रदेश से लेकर कई दूसरे राज्य शामिल हैं। हाल ही में रेवेन्यू सेक्रेटरी संजय मलहोत्रा ने कहा था कि जिनके अकाउंट की ऑडिटिंग नहीं होनी है उन्हें जल्द आयकर रिटर्न भर लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि वित्त मंत्रालय आयकर रिटर्न भरने की तारीख को आगे बढ़ाने पर विचार नहीं कर रहा है। लेकिन भारी मानसून, बाढ़ और पहाड़ों पर संकट के मद्देनजर आयकर रिटर्न भरने की तारीख को एक्सटेंड करने की मांग की जा रही है। इनकम टैक्स विभाग ने बताया कि 18 जुलाई 2023 तक 3.06 करोड़ टैक्सपेयर्स ने आईटीआर दाखिल कर दिया है।

एंड्रॉयड से लेकर आईफोन तक मचेगी धूम

इस तैयारी में जुटी है अडानी की कंपनी

नई दिल्ली, 20 जुलाई (एजेंसियां)। भारत के दूसरे सबसे अमीर व्यक्ति गौतम अडानी का अडानी समूह जल्दी ही एक बड़ा धमाका करने जा रहा है। बंदरगाह से लेकर हवाई अड्डा और तेल से लेकर बिजली तक का कारोबार करने वाला अडानी समूह आने वाले दिनों में अपना सुपर ऐप लॉन्च करने की तैयारी में है, जिसकी तैयारी जोरों-शोरों से चल रही है।गौतम अडानी ने फाइनेंशियल टाइम्स के साथ एक हालिया इंटरव्यू में इस बारे में बातें की। उन्होंने कह का कि उनके समूह का सुपर ऐप डिजिटल दुनिया की Ferrari साबित होगा। गौतम अडानी ने साथ ही इस बात की भी उम्मीद जताई कि यह पोर्टल अगले 3 से 6 महीने में शुरू हो जाएगा। अडानी समूह का मोबाइल ऐप समूह के द्वारा संचालित हवाई अड्डों के यात्रियों को समूह की कंपनियों के द्वारा दी जा रही अन्य सेवाओं से कनेक्ट करेगा। अडानी समूह अभी देश के 7 हवाई अड्डों का परिचालन कर रहा है। अडानी की कंपनी मुंबई में नया टर्मिनल व रनवे बना रही है। फाइनेंशियल टाइम्स की खबर के अनुसार,

भारत का करीब 20 फीसदी हवाई ट्रैफिक अडानी के हवाई अड्डों से गुजरता है। इस तरह देखें तो अडानी के पास अपने सुपर ऐप तक बड़ी संख्या में यूजर लाने का शानदार बेस है।

अडानी समूह आने वाले दिनों में कुछ शहरों में टैक्सी फ्लीट सेवाएं देने की भी तैयारी में है। अडानी समूह की योजना उन शहरों में टैक्सी फ्लीट सेवाएं शुरू करने की है, जहां उसके पास हवाई अड्डे का परिचालन अधिकार है। अडानी को अपने सुपर ऐप के लिए यहां से भी ग्राहक जोड़ने में मदद मिल सकती है। हालांकि ब्लूमबर्ग की एक ताजी रिपोर्ट में आशंका जताई गई है कि अडानी ने शायद सुपर ऐप की रेस में शामिल होने में बहुत देर कर दी है।

बंपर-टू-बंपर ट्रैफिक से सामना

ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट में कहा गया है कि अडानी का सुपर ऐप ऐसे समय में आ रहा है, जब टेक कंपनियां संघर्ष कर रही हैं। बाजार में पहले से ही कई सुपर ऐप मौजूद हैं। बकौल ब्लूमबर्ग, अडानी की फरारी को सुपरऐप यानी डिजिटल दुनिया में बंपर-टू-बंपर ट्रैफिक मिलने वाला है।

बैंकिंग-एफएमसीजी स्टॉक्स में खरीदारी से नए हाई पर बाजार बंद

निफ्टी 20,000 के ऐतिहासिक आंकड़े को छूने के कगार पर

नई दिल्ली, 20 जुलाई (एजेंसियां)। गुरुवार 20 जुलाई, 2023 का कारोबारी सत्र भारतीय शेयर बाजार के लिए बेहद ऐतिहासिक साबित हुआ। आज के दिन रिलायंस इंडस्ट्रीज से जियो फाइनेंशियल के डिमर्जर के लिए स्पेशल ट्रेडिंग हुई। लेकिन नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का इंडेक्स निफ्टी 20,000 के रिकॉर्ड आंकड़े को छूते-छूते रह गया। निफ्टी 20,000 के आंकड़े को छूने से 8 अंक दूर रह गया। शुक्रवार को बाजार में सेंटीमेंट बेहतर रहा तो निफ्टी 20,000 के ऐतिहासिक आंकड़े को छू सकता है। आज बाजार बंद होने पर बीएसई सेंसेक्स 474 अंकों के उछाल के साथ 67,571 अंक और निफ्टी 146 अंकों के उछाल के साथ 19,979 अंकों पर क्लोज हुआ है। आज के ट्रेड में बैंकिंग, एफएमसीजी, फार्मा, मेटल्स, ऑटो, एनर्जी, इंफ्रा, हेल्थकेयर, ऑयल एंड गैस सेक्टर के शेयरों में खरीदारी देखी गई। बाजार का स्टार परफॉर्मर एफएमसीजी सेक्टर की दिग्गज आईटीसी का स्टॉक रहा जिसमें आज के ट्रेडिंग में 2.78 फीसदी का उछाल देखा गया। आज के ट्रेड में आईटी और कंज्यूमर ड्यूरेबल्स सेक्टर के स्टॉक में गिरावट देखी गई। आज के कारोबार में सेंसेक्स के 30 शेयरों में 21 शेयर तेजी के साथ 9 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए।

वैश्विक संकट का असर पड़ेगा इंफोसिस के रेवेन्यू पर

कंपनी ने घोषित किए तिमाही नतीजे

नई दिल्ली, 20 जुलाई (एजेंसियां)। देश की दूसरी सबसे बड़ी आईटी कंपनी इंफोसिस ने वित्त वर्ष 2023-24 की पहली तिमाही के लिए नतीजे घोषित कर दिए हैं। पहली तिमाही में इंफोसिस के मुनाफे में 11 फीसदी का उछाल आया है और ये 5945 करोड़ रुपये रहा है जो बीते वर्ष समान तिमाही में 5362 करोड़ रुपये रहा था। जबकि कंपनी का रेवेन्यू 10 फीसदी के इजाफे के साथ 37,933 करोड़ रुपये रहा है तो पिछले वित्त वर्ष के समान तिमाही में 34,470 करोड़ रुपये रहा था। हालांकि कंपनी ने 2023-24 के लिए ऑपरेटिंग मार्जिन गाइडेंस 20 से 22 फीसदी रहने के अनुमान को बरकरार रखा है। इंफोसिस के ये नतीजे वैश्विक आर्थिक संकट के मद्देनजर आईटी सेक्टर के सामने खड़ी चुनौतियों की ओर इशारा कर रहे हैं। इंफोसिस ने मौजूदा वित्त वर्ष के लिए अपने रेवेन्यू गाइडेंस में कटौती कर दी है। इंफोसिस ने अपने रेवेन्यू गाइडेंस को 4-7 फीसदी से घटाकर 1-3.5 फीसदी कर दिया है। इन नतीजों से साफ है कि ग्लोबल स्लोडाउन का इंफोसिस के नतीजों पर असर पड़ा है। इस नतीजे पर इंफोसिस के सीईओ सलिल पारिख ने कहा कि पहली तिमाही में हमने 4.2 फीसदी का ग्रोथ दिखाया है जो शानदार है। जबकि 2.3 बिलियन डॉलर के बड़े डील हासिल करने से भविष्य के ग्रोथ को मजबूत करने में मदद मिली है। उन्होंने बताया कि कंपनी 80 क्लाइंट प्रोजेक्ट्स के साथ आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस में विस्तार कर रही है। उन्होंने बताया कि क्लाइंट्स फाइनेंशियल सर्विसेज, मोर्टगेजेज, हाईटेक, रिटेल और टेलीकॉम सेक्टर में खर्च को बंद या कम कर रहे हैं। डील्स को लेकर हस्ताक्षर में देरी नजर आ रही है। इसी के चलते कंपनी ने रेवेन्यू गाइडेंस को घटाया है। इंफोसिस के एट्रीशन रेट में कमी आई है और 17.2 फीसदी इस तिमाही में रहा है।

और सस्ता हो सकता है वंदे भारत ट्रेनों का किराया, 10 फीसदी तक फेयर कम होने के आसार

नई दिल्ली, 20 जुलाई (एजेंसियां)। वंदे भारत ट्रेनों में सफर आने वाले दिनों में और भी सस्ता हो सकता है। आने वाले दिनों में वंदे भारत ट्रेनों के कुछ रूट्स के किराये में 10 फीसदी तक की कटौती की जा सकती है। इससे पहले भारतीय रेलवे ने पिछले दिनों वंदे भारत ट्रेनों के एसी चेयर कार और एग्जीक्यूटिव क्लास के किराये में 25 फीसदी की कटौती की थी। अलग अलग रूट्स में लगातार नई वंदे भारत ट्रेनें चलाई जा रही हैं। लेकिन रेलवे की चिंता इस बात को लेकर है कि सीटें आधी भी नहीं भर पा रही है। यही वजह है कि वंदे भारत ट्रेनों के किराये में 10 फीसदी की कटौती और किए जाने के आसार हैं। भारतीय रेलवे के अलग अलग जोन किराये में कमी किए जाने की संभावनाओं को टटोल रहा है। रेलवे का मानना है कि खाली सीटें रहने से बेहतर है कि यात्रियों को सस्ते में इन ट्रेनों में सफर करने का अवसर दिया जाए।अगले वर्ष फरवरी 2024 से भारतीय रेलवे वंदे भारत ट्रेनें चलाने की योजना पर कार्य कर रहा है। लेकिन मौजूदा वंदे भारत ट्रेनों की लो-ऑक्यूपेंसी देखी जा रही है। जैसे इंदौर-भोपाल वंदे भारत में जून महीने में 29 फीसदी और रिटर्न रूट में 21 फीसदी ऑक्यूपेंसी रही है। यानि 70 फीसदी से ज्यादा सीटें खाली रही। नागपुर-बिलासपुर में औसत ऑक्यूपेंसी 55 फीसदी और भोपाल-जबलपुर वंदे भारत ट्रेन की ऑक्यूपेंसी केवल 32 फीसदी रही थी। हालांकि कासरगोड़-त्रिवेंद्रम वंदे भारत ट्रेन की ऑक्यूपेंसी 183 फीसदी रही है। जबकि रिटर्न रूट में 176 फीसदी औसत ऑक्यूपेंसी देखी गई। वाराणसी-दिल्ली की 128 फीसदी औसत ऑक्यूपेंसी देखने को मिली है जूकि रिटर्न जर्नी की 124 फीसदी ऑक्यूपेंसी रही है। इन्हीं कारणों से जुलाई महीने में ही वंदे भारत ट्रेनों के किराये में 25 फीसदी तक की कटौती की गई थी। इस कटौती में दूसरे एसी ट्रेनों के अलावा अनुभूति विस्टाडोम कोच वाले ट्रेनें भी शामिल थीं।

प्रगति मैदान, दिल्ली में लगी पेंट और ब्रश प्रदर्शनी में चारमीनार ग्रुप ऑफ इंडस्ट्रीज ने अपना स्टॉल लगाया, जिसके लिए चारमीनार ग्रुप ऑफ इंडस्ट्रीज बेस्ट एग्जिबिशन का अवार्ड मिला । चारमीनार ग्रुप मेकिंग इंडिया के तहत पूरे हिंदुस्तान में पेंट ब्रश, हार्डवेयर, ब्रश फिलामेंट, पेंट रोलर, फ्रोजन फूड्स, अंडा पोल्ट्री का उत्पादन कर रही है। अभी चारमीनार ग्रुप ने पेंट्स में भी अपना उत्पादन शुरू किया है शेरकोट्टी ब्रांड के नाम से और मात्र 60 दिनों में ही पूरे हिंदुस्तान में शेरकोट्टी पेंट ने अच्छी पकड़ बना ली ।

दैनिक पंचांग

श्री पिंगल नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- **2080**
शक संवत् **-1945,** सूर्य - दक्षिणायने ,ऋतु-वर्षा
महावीर निर्वाण संवत् **-2549,** हिजरी सन् **-1444**
कलियुग अवधि-**432000** सूर्योदय- **05-55** सूर्य अस्त- **18-49**
भोग्य कलि वर्ष-**426876**
कलियुग संवत् **-5124** वर्ष,
कल्पारंभ संवत् **-1972949124**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-**1955885124**
दिशाशूल -- पश्चिम - दही खाकर घर से निकले
तिथि- तृतीया - **06 -58** तक उपरान्त चतुर्थी
मास - अ.श्रावण शुक्ल पक्ष , शुक्रवार **July 21**
नक्षत्र - मघा - **13-57** तक उपरान्त पूर्वाफाल्गुनी
योग - व्यतिपात - **12 - 23** - तक उप वरियान
करण- गर - **06 -58** - तक उप- वणिज
विशेष:- गण्ड मूल **-13-57** तक
व्रत -त्योहार -

ग्रह स्थिति			लग्नारंभ समय	
सूर्य-	कर्क	में	मेष--	23-41 बजे
चंद्र-	सिंह	में	वृष--	01-25 बजे
मंगल	सिंह	में	मिथुन..	03-27 बजे
बुध-	कर्क	पें	कर्क...	05-38 बजे
गुरु-	मेष	में	सिंह...	07-51 बजे
शुक्र-	सिंह	में	कन्या..	09-57 बजे
शनि-	कुंभ	में	तुला...	12-02 बजे
राहु-	मेष	में	वृश्चिक.	14-12 बजे
केतु-	तुला	में	धनु.....	16-26 बजे
			मकर..	18-33 बजे
			कुंभ...	20-23 बजे
			मीन ..	22-01 बजे

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 10:45 से 12:22 तक

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र Hyd,Sec

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
चंचल.	05:55 - 07:30 शुभ	रोग	18:49 - 20:15 अशुभ
लाभ.	07:30 - 09:08 शुभ	काल	20:15 - 21:37 अशुभ
अमृत	09:08 - 10:45 शुभ	लाभ	21:37 - 22:59 शुभ
काल.	10:45 - 12:22 अशुभ	उत्पात	22:59 - 00:23 अशुभ
शुभ.	12:22 - 13:59 शुभ	शुभ	00:23 - 01:45 शुभ
रोग	13:59 - 15:37 अशुभ	अमृत.	01:45 - 03:08 शुभ
उत्पात	15:37 - 17:15 अशुभ	चंचल.	03:08 - 04:31 शुभ
चंचल	17:15 - 18:49 शुभ	रोग	04:31 - 05:55 अशुभ

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,)

आज आप अपने संपर्क में आने वाले हर व्यक्ति के साथ प्रेमपूर्ण व्यवहार करेंगे । कोई आपकी उदारता से प्रभावित होकर दिन के अंत तक आपसे अपनी भावना का इजहार कर सकता है हालाँकि अभी भी आपके मन में कडवे अनुभव भरे हुए हैं। लेकिन अब समय आ गया है की आप सारी नकारात्मकता को दूर करके एक नयी शुरुआत करें ।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,)

आप आज आसानी से सब काम करके जीवन के स्कोप को बड़ा कर सकते हैं । अपनी एकाग्रता बनाएं रखें और अपनी सारी ऊर्जा उसमें लगा दें,ऐसा कुछ भी किसी को न कह बैठें,जो आपको भावनात्मक उलझन में फंसा दें । बिजनेस का विस्तार हो सकता है या पहले से खुले आउटलेट्स को नया रूप दे सकते हैं ।

मिथुन (का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,)

आप आज आत्मविश्वास से भरे हैं और यह बात आपकी भाव –भंगिमा और नजरिये से साफ़ झलक रही है । आज हर कहीं आप लोगों के आकर्षण का केंद्र बने रहेंगे और अपनी छाप छोड़ेंगे । महत्वपूर्ण बिज़नेस बैठकों में आपके मुताबिक़ निर्णय होंगे । अगर स्थितियां आपके पक्ष में नही भी दिख रही तब भी आप उन्हें अपने पक्ष में कर लेंगे और अपनी बात मनवाने में कामयाब रहेंगे ।

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,)

आपको समय फिलहाल रेंगता हुआ महसूस हो रहा है ।लेकिन धीरज रखें और अपनी उत्सुकता भी बनाये रखें । हालाँकि आपको अपने किसी वादे या किसी निजी सम्बन्ध की खातिर कुछ समय के लिए अपने लक्ष्यों को एक तरफ करना पड़ सकता है ।अपने साथी के साथ विवादों और गलतफहमियों से बचें । अधिक परेशान न हों,थोडा सा योजना बनाकर चलेंगे तो आसानी से अपने दोनों एजेंडा पूरे कर पायेंगे ।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,)

आज आपका नाम होगा और आपको प्रसिद्धि भी मिलेगी ।आप आज तर्क के स्थान पर अपने दिल की आवाज और प्रवृति के आधार पर फैसले कर सकते हैं,लेकिन वे भी वित्त के मामले में लाभकारी ही साबित होंगे ।आप इन दिनों फैसले लेने में सबसे अधिक महत्ता अपने मन की आवाज को देते हैं ,लेकिन आपको भविष्य की बेहतरी के लिए वर्तमान समय में कुछ आरामों को छोड़ना होगा ।

कन्या (टो, पा, पी, पू ,ष, ण, ठ, पे ,पो,)

इस समय आपको जीवन में दो ही विकल्प मिलेंगे और दोनों में से किसी एक को भी छोड़ना आपके लिए समान दर्दनाक होगा । आपको अब अपने दिल की सुननी चाहिए । अपने खाली समय में अपने लक्ष्यों की सूची बनाएं,लेकिन उनकी प्राथमिकताएं भी तय करें । आपकी महत्वकाक्षाएं बढ़ गई हैं और आप उन्हें जितनी जल्दी हो सके,पूरे कर लेना चाहते हैं ।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,)

आज आपको ईमानदारी से काम लेना है। आज का दिन अपने काम की बारीकियों पर ध्यान देने और उन महत्वपूर्ण कामों को पूरे कर लेने के लिए भी बहुत अच्छा है जिन्हें आप कुछ समय से टाल रहे हो । आप इन नीरस रूटीन कामों को पूरा करने में आलस कर रहे हैं लेकिन एक बार आप इन्हें शुरू कर दें तो बहुत जल्दी पूरा भी कर लेंगे ।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,)

आपको सर्वशक्तिमान के संदेश अपने किसी निकट के व्यक्ति से मिल रहे हैं। उन्हें प्राप्त करने के लिए ग्रहणशील रहे और निर्देशों का पालन करने की कोशिश करे । आपको अपने कार्य योजना में परिवर्तन करना होगा ताकि कोई गलती न हो जिसे आप पूर्ववत नहीं कर सकते है । वित्तीय स्थिति और खर्च में अच्छा संतुलन बना रहेगा , हालाँकि आप खर्चीले साबित हो सकते है ।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे)

दिन शांत रहेगा । छिले सप्ताह के व्यस्त कार्यक्रम से थोड़ी राहत मिलेगी,जो अच्छी लगेगी। आपके वरिष्ठ अधिकारी आप पर नजर रखे हुए हैं ,इसीलिए अधिक मेहनत करें। कुछ अनापेक्षित निजी मुद्दे आपके सामने आ सकते हैं ,उनसे आपको आश्चर्य तो जरुर होगा,लेकिन आप संतोषजनक तरीके से उन्हें सँभालने में कामयाब होंगे ।

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी)

आज आप काल्पनिक से मूड में हैं । अलग अलग भूमिकाएं निभाने और कल्पनाओं में आपको बहुत मजा आता है । आप अपने लिए हर कहीं रोमांस ढूँढ लेते हैं । आपकी सपनों की एक दुनिया है जिसे आपको सच करने का मौका मिल सकता है । आप आज अपनी भावनाओं के वश में होकर संबंधों या करियर में कुछ असंभव सा हासिल करना चाहेंगे।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,)

आज आपको ऐसे लोगों का सामना करना पड़ सकता है जो अपने दृष्टिकोण और मांग में काफी तेज होंगे , लेकिन अपने पेशेवर लाभ और अपनी कंपनी के प्रचार के लिए ये सब आपको झेलना और सहना पड सकता है , हालांकि आपके शांति और धैर्य को देखकर , एक सफल विज्ञापन एजेंसी व्यापार के लिए आपसे संपर्क कर सकती हैं और अगर सब कुछ ठीक रहता है ।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची)

आज आपको यह अनुभव करने की जरुरत है कि अतीत से चिपके रहने से आपको कोई लाभ होने वाला नहीं है । आपको अपने अतीत से सीखना जरुर है ,परन्तु उसे पकड़े रहने से बात नही बनेगी । अगर आप आज यह समझ पाने में कामयाब हो जाते हैं तो पिछले कुछ समय से आपके जीवन में चली आ रही बड़ी समस्याओं को सुलझाने की दिशा में यह एक बड़ा कदम होगा ।

पं. महेशचन्द्र शर्मा 9247132654, 8309517693

'इंडिया' में पीएम पद के 5 दावेदार

पश्चिम बंगाल, यूपी-बिहार में सीट शेयरिंग मुश्किल, कांग्रेस सबसे ज्यादा नुकसान में

नई दिल्ली, 20 जुलाई (एक्सक्लूसिव डेस्क)। बेंगलुरु में 17 और 18 जुलाई को दो दिन चली विपक्ष की मीटिंग में कुछ हासिल हुआ, तो वो है गठबंधन का नया नाम- इंडिया यानी इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस। सबसे बड़ा सवाल बना ही रहा कि 2024 लोकसभा चुनाव में मोदी के सामने कौन होगा?

इंडिया में शामिल 26 पार्टियां अब मुंबई में मिलेंगी। इसी में तय होगा कि विपक्षी गठबंधन का चेहरा कौन होगा। अगली मीटिंग की तारीख भी तय नहीं है। सारी बातें 11 मेंबर की को-ऑर्डिनेशन कमेटी तय करेगी। अलायंस का दिल्ली में अलग ऑफिस भी होगा।

मीटिंग खत्म होने के बाद हुई प्रेस कॉन्फ्रेंस में बिहार के सीएम नीतीश कुमार और लालू-तेजस्वी नहीं थे। हालांकि, नीतीश की पार्टी जदयू के अध्यक्ष ललन सिंह ने नाराजगी की खबरों को गलत बताया। हालांकि, संकेत मिल गए कि अलायंस में एका बनाए रखना बड़ी चुनौती होगी। इससे पहले अलायंस का नाम इंडिया रखने पर भी नीतीश राजी नहीं थे। उन्होंने कहा भी कि ये देश का नाम है। क्या ये नाम किसी पार्टी को दे सकते हैं?

नए गठबंधन को लीडर के अलावा भी कई चीजों पर सहमति बनानी है, जैसे सीट शेयरिंग, कॉमन कैंडिडेट, विधानसभा चुनावों में आपसी तालमेल और रीजनल पार्टियों की महत्वाकांक्षाएं। फिर प्रधानमंत्री पद के दावेदारों की लिस्ट भी लंबी है। शरद पवार, नीतीश कुमार, ममता बनर्जी, राहुल गांधी और अरविंद केजरीवाल इस रेस में हो सकते हैं। हालांकि, राहुल गांधी इंडिया अलायंस को लीड करने से पीछे हट चुके हैं।

अलायंस के केंद्र में कांग्रेस ही है। सबसे बड़ी पार्टी होने की वजह से छोटे दलों को संभाले रखना उसी की जिम्मेदारी है। कांग्रेस ने बेंगलुरु की बैठक में 25 पार्टियों को बुलाया था। इनमें 17 पहले से उसके साथ हैं। 8 पार्टियां पहली बार लोकसभा चुनाव में कांग्रेस के साथ आ रही हैं।

2019 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस 52 सीटें जीतकर दूसरे नंबर पर रही थी। डीएमके 24 और टीएमसी 23 सीटों के साथ तीसरे और चौथे नंबर पर रहीं। शिवसेना के पास 19 और जदयू के 16 सांसद थे। इनमें से डीएमके, टीएमसी, जदयू और शिवसेना का एक धड़ा इंडिया अलायंस का हिस्सा है। यानी इनके लिए कांग्रेस को अपनी सीटें छोड़नी होंगी। सबसे बड़ा खतरा है कि कांग्रेस रीजनल पार्टियों और नेताओं को अपनी बराबरी पर खड़ा कर देगी।

मई में कांग्रेस ने कर्नाटक में 135 सीटें जीतकर बहुमत से सरकार बनाई है। तब पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा था, 'कांग्रेस जहां मजबूत है, वहां लड़े। हम उसका समर्थन करेंगे। इसमें कुछ गलत नहीं है, लेकिन उसे भी दूसरे दलों का समर्थन करना होगा।' कांग्रेस के एक सीनियर लीडर ने बताया कि 2024 के लोकसभा चुनाव में पार्टी 370 सीटों पर ही कैंडिडेट्स उतारेगी। 173 सीटों पर सहयोगी दलों को समर्थन दे सकती है। ऐसा हुआ तो पिछले 5 लोकसभा चुनाव यानी 1999, 2004, 2009, 2014 और 2019 में पहली बार होगा, जब कांग्रेस 400 से कम सीटों पर चुनाव लड़ेगी।

पार्टियों के साथ सीट शेयरिंग मुश्किल

अभी पश्चिम बंगाल में टीएमसी, तमिलनाडु में डीएमके, दिल्ली-पंजाब में आम आदमी पार्टी, झारखंड में जेएमएम और 4 राज्यों में कांग्रेस की सरकार है। बिहार में कांग्रेस-राजद और जदयू का गठबंधन सरकार में है। झारखंड और तमिलनाडु में भी कांग्रेस सरकार का हिस्सा है। रीजनल पार्टियां जिन राज्यों में सरकार चला रही हैं, वहां सीटों का बंटवारा कांग्रेस के लिए मुश्किल होगा। ऐसे में देखना होगा कि कौन एक-दूसरे के लिए किस राज्य में कितनी सीटें छोड़ता है।

यूपी में कांग्रेस और समाजवादी पार्टी ने 2017 का विधानसभा चुनाव साथ लड़ा था। इस गठबंधन को सिर्फ 54 सीटें मिली थीं। कांग्रेस 114 सीटों पर चुनाव लड़ी और सिर्फ 7 जीत पाई। सपा ने 311 सीटों में चुनाव लड़ा और 47 सीटें जीतीं। इस हार के बाद कांग्रेस ने सपा से दूरी बना ली।

2022 के विधानसभा चुनाव में सपा और आरएलडी ने गठबंधन किया। सपा ने आरएलडी को 33 सीटें दी थीं, इनमें उसने 8 सीटें जीती थीं। इसके बाद ये गठबंधन टूटने के खबरें आती रहीं। आरएलडी के प्रदेश अध्यक्ष रामाशीष राय कह चुके हैं कि 'कांग्रेस के बिना यूपी में कोई गठबंधन मुमकिन नहीं होगा, पर समाजवादी पार्टी कांग्रेस के साथ अलायंस के पक्ष में नहीं है।'

अब तीनों पार्टियां इंडिया अलायंस में हैं। सपा के पास पिछले दो चुनावों में गठबंधन की हार के सबक हैं। यूपी में अब सपा-आरएलडी-कांग्रेस और अपना दल (कमेरावादी) का गठबंधन हो सकता है। सूत्र के मुताबिक, कांग्रेस 10-20 सीटों की मांग कर सकती है। बाकी बची सीटें समाजवादी पार्टी और राष्ट्रीय लोक दल के कैंडिडेट्स के लिए छोड़ी जाएंगी।

बिहार: कांग्रेस को ज्यादा सीटें मिल पाना मुश्किल

बिहार में लोकसभा की 40 सीटें हैं। जदयू ने 2019 का चुनाव बीजेपी के साथ लड़ा था। इस गठबंधन ने 39 सीटें जीती थीं। एक सीट कांग्रेस को मिली थी। अब जदयू बिहार में राजद-कांग्रेस और लेफ्ट पार्टियों के साथ महागठबंधन सरकार चला रही है। महागठबंधन की सीटों में जदयू की हिस्सेदारी के बाद कांग्रेस के लिए बिहार में ज्यादा सीटें ले पाना मुश्किल है। बिहार में पिछली बार कांग्रेस ने 9 सीटों पर चुनाव लड़ा था और सिर्फ एक जीत सकी थी। इस बार कांग्रेस अपने हिस्से की 2-3 सीटें राजद और जदयू को दे सकती है। दिल्ली और पंजाब में अभी आम आदमी पार्टी की बहुमत वाली सरकार है। दिल्ली की 7 लोकसभा सीटों के बंटवारे के लिए आम आदमी पार्टी के साथ कांग्रेस को माथापच्ची करनी पड़ सकती है। अभी सातों सीटें बीजेपी के पास हैं।

दिल्ली में 2019 के चुनाव में बीजेपी को करीब 57% वोट मिले थे। कांग्रेस को 22% और आम आदमी पार्टी को 18% वोट मिले थे। पंजाब में भी कांग्रेस आम आदमी पार्टी से आगे है। 2019 के चुनाव में उसने 13 में से 7 सीटें जीती थीं। आम आदमी पार्टी को एक सीट मिली थी। यहां कांग्रेस 13 सीटों में से 6 पर ही अपने कैंडिडेट्स उतारने पर तैयार हो सकती है।

इंडिया के बहाने आम आदमी पार्टी और कांग्रेस पहली बार साथ आए हैं। अलायंस के संयोजक के लिए अरविंद केजरीवाल भी रेस में हैं। वे शुरुआत से कांग्रेस के कट्टर विरोधी रहे हैं। सूत्र बताते हैं कि अलायंस का नाम यूपीए रखने पर अरविंद केजरीवाल सबसे ज्यादा असहमत थे। 2011-12 में उन्होंने सरकारी भ्रष्टाचार के खिलाफ इंडिया अगेंस्ट करप्शन मूवमेंट चलाया था। तब केंद्र में यूपीए और दिल्ली में कांग्रेस की सरकार थी।

विपक्षी गठबंधन के लिए सबसे ज्यादा मुश्किल पश्चिम बंगाल में है। यहां लोकसभा की 42 सीटें हैं। 2019 के चुनाव में टीएमसी ने 22 सीटें जीती थीं। बीजेपी 18 सीटें जीतकर दूसरे नंबर पर रही। कांग्रेस को सिर्फ दो सीटें मिलीं। अभी राज्य में कांग्रेस और लेफ्ट पार्टियों का गठबंधन है। दोनों टीएमसी के खिलाफ चुनाव लड़ती हैं। तीनों पार्टियां नए अलायंस में तो साथ हैं, पर चुनाव में साथ आ पाएंगी कि नहीं, इस पर सवाल है।

हालांकि, मीटिंग में सोनिया गांधी और ममता बनर्जी साथ बैठी थीं। दो साल बाद उनकी मुलाकात हुई थी। दोनों ने आधे घंटे तक बात की। बताया जाता है कि पश्चिम बंगाल के कांग्रेस अध्यक्ष अधीर रंजन चौधरी के बयानों की वजह से ममता नाराज रहती हैं।

चौधरी ने उन्हें तानाशाह और उनके कार्यकर्ताओं को गुंडा कहा था। बीजेपी के खिलाफ मजबूत अलायंस के लिए कांग्रेस को ममता की जरूरत है। वे अपने राज्य में लगातार बीजेपी को बड़े अंतर से हरा रही हैं। नेशनल लेवल की नेता हैं और प्रधानमंत्री पद की दावेदार हैं।

विपक्ष की बैठक के तुरंत बाद दिल्ली में एनडीए की बैठक हुई। इसमें इंडिया से ज्यादा 38 पार्टियां शामिल हुईं। बीजेपी के अलावा एनडीए में शामिल पार्टियों की संसद में मौजूदगी बहुत कम है। इसकी 37 पार्टियों के पास सिर्फ 31 सांसद हैं। विपक्ष को लगता है कि उसने नया अलायंस बनाकर बीजेपी को डिफेंसिव कर दिया है। इसी के हिसाब से आगे की तैयारी की जा रही है। अलायंस की अगली बैठक महाराष्ट्र में होगी। वहां हाल में बीजेपी ने एनसीपी को तोड़ा है। इसलिए वहां विपक्ष की एकता दिखाने के लिए मीटिंग की जाएगी। सूत्र के मुताबिक, दूसरी मीटिंग चेन्नई में होगी। तमिलनाडु दक्षिण का बड़ा राज्य है। सीएम स्टालिन यहां मजबूती से जमे हैं। चर्चा है कि नरेंद्र मोदी 2024 के लोकसभा चुनाव में तमिलनाडु की किसी सीट से खड़े हो सकते हैं। इसलिए बीजेपी को मैसेज देने के लिए इस राज्य को चुना गया है। तीसरी बैठक पश्चिम बंगाल में होगी। ममता बनर्जी ने जिस तरह से बीजेपी को पहले विधानसभा चुनाव और अब पंचायत चुनाव में शिकस्त दी, विपक्ष इसे एक मॉडल की तरह देख रहा है।

किर्गिस्तान की युवती ने रायपुर में किया सुसाइड

बॉयफ्रेंड से झगड़े के बाद लगाई फांसी, भारत आई थी टैटू आर्टिस्ट बनने

रायपुर, 20 जुलाई (एजेंसियां)। रायपुर में एक विदेशी लड़की ने खुदकुशी कर ली। इस युवती ने अपने फ्लैट में फांसी लगाकर जान दी है। पुलिस इस मामले में जांच कर रही है। जिस लड़की ने मौत को ग ले लगाया वो किर्गिस्तान की रहने वाली है। ये विदेशी युवती रायपुर में किराए के मकान में रह रही थी। युवती का नाम नीना बिर्देको है। ये किर्गिस्तान की रहने वाली थी।

पूरा मामला पंडरी थाना इलाके की है। विदेशी लड़की अशोक रतन सोसायटी के फ्लैट में पिछले कुछ महीनों से रह रही थी। वो हाल ही में भारत आई थी। युवती टैटू आर्टिस्ट का काम कर रही थी। अपने प्रोफेशन को आगे बढ़ाने के मकसद से रायपुर में रहकर टैटू बनाने काम कर रही थी। युवती के स्थानीय परिचितों

को बुलाकर पुलिस पूछताछ कर रही है। घटना सुबह साढ़े 4 बजे के आस-पास की बताई जा रही है। घर की बालकनी में कपड़े सुखाने के तार से फांसी लगाकर युवती ने जान दी। पड़ोसियों ने पुलिस को खबर दी। मौके पर फॉरेंसिंक टीम भी पहुंची। युवती रायपुर में कुछ लोगों के साथ काम कर रही थी, उनसे पुलिस ने जानकारी ली है, अब युवती के बॉयफ्रेंड का पता लगाया जा रहा है, पता चला है कि विदेशी लड़की का प्रेमी के साथ विवाद हुआ था।

प्यार के चक्कर में खत्म जिंदगी

पुलिस अधिकारी लखन पटले ने बताया युवती का मोबाइल फोन जांचने पर अहम जानकारी मिली है। 25 साल की नीना बिर्देको ने का पिछले कुछ दिनों से अपने प्रेमी के साथ विवाद चल रहा था। उसने प्रेमी को एक वॉट्सअप मैसेज भेजा है। इसमें विदेशी लड़की ने लिखा है- मैं हर बात के लिए माफी मांगती हूं, मैंने तुम्हारा दिल दुखाया है, दिल तोड़ा है। माय लव मुझे माफ कर दो और तुम आगे बढ़ो, मेरे घर वालों को मेरी मौत की जानकारी दे देना। इसके बाद युवती ने अपना वीडियो बनाने का प्रयास किया मगर 3 सेकेंड के वीडियो में बालकनी का एक हिस्सा दिख रहा है। रायपुर की पुलिस ने विदेशी युवती का पासपोर्ट वीजा अपनी कस्टडी में रखा है। दूतावास के जरिए अब किर्गिस्तान संपर्क करने का प्रयास किया जा रहा है।

चूहों का आतंक पुलिस की हुई मशक्कत

देर रात बजने लगा बैंक का सायरन, दौड़े आए अधिकारी घंटों चली छानबीन

जगदलपुर, 20 जुलाई (एजेंसियां)। बुधवार की देर रात को धरमपुरा स्थित एक बैंक में अचानक से तेज सायरन बजने लगा। जिसकी जानकारी आसपास के लोगों ने बोधघाट पुलिस के साथ ही कोतवाली पुलिस मौके पर आ पहुंची। जांच के दौरान पता चला कि चूहों की करामात ने पुलिस के साथ ही बैंक के अधिकारी कर्मचारियों को छकाया। मामले के बाद पुलिस से लेकर अधिकारियों ने राहत की सास ली।

मामले के बारे में जानकारी देते हुए कोतवाली थाना प्रभारी अमित शुक्ला ने बताया कि धरमपुरा मार्ग पर अनुपमा चौक के नजदीक इंडियन ओवरसीज बैंक की शाखा में अचानक रात 11:30 बजे सायरन बजने लगा। सायरन की आवाज इतनी तेज थी कि पूरे मोहल्ले के लोग जाग गए।

विधानसभा में आई लव यू की गूंज

अजय चंद्राकर ने लखमा के लिए कहे शब्द तो लगे ठहाके, धान घोटाले पर विपक्ष का वॉकआउट

रायपुर, 20 जुलाई (एजेंसियां)। विधानसभा के मानसून सत्र के तीसरे दिन प्रश्नकाल के दौरान खाद्यान्न योजना में गड़बड़ी के आरोप में सदन में विपक्ष ने जमकर हंगामा किया। सत्ता पक्ष के जवाब से असंतुष्ट सदस्यों ने सदन से वॉकआउट कर दिया।विपक्ष के आरोपों के बाद खाद्य मंत्री अमरजीत भगत ने जवाब में कहा 2022-23 में स्टॉक के सत्यापन के बाद अनियमितता पाए जाने पर दोषियों पर कार्रवाई का आश्वासन दिया गया था।

भगत के मुताबिक हाईकोर्ट में 34 याचिकाएं दायर हुईं। हाईकोर्ट के निर्णय के बाद ही स्टॉक वितरण में अनियमितता की सही मात्रा और दोषी व्यक्तियों की अंतिम संख्या का निर्धारण होगा। मंत्री बोले- डॉक्टर रमन सिंह ने केंद्र को दो चिट्ठी लिखी थी। केंद्र की टीम आई थी। केंद्र की टीम ने कही कोई गड़बड़ी नहीं पाई।

रोमांटिक मूड में दिखे अजय चंद्राकर

सदन की कार्यवाही की शुरुआत में भाजपा विधायक अजय चंद्राकर ने आबकारी मंत्री कवासी लखमा को आई लव यू कहा तो सदन में जमकर ठहाके

लगे। विधानसभा अध्यक्ष चरणदास महंत ने कहा कि चंद्राकर ने लखमा को आई लव यू कहा या उनके विभाग को। सीएम भूपेश पहुंचे तो अध्यक्ष ने इसका जिक्र किया। इस पर चंद्राकर ने मुख्यमंत्री को भी आई लव यू कहा, बीच में भाजपा विधायक पुन्नूलाल मोहले ने अध्यक्ष से पूछा मैं यह जानना चाहता हूं आई लव यू किसे कहा जाता है।

मुख्यमंत्री ने खड़े होकर कहा- अजय जी कल मेरे चेहरे की तारीफ कर रहे थे। आज लखमा को आई लव यू बोल रहे हैं। अजय जी क्या बदल गए हैं। इस पर कांग्रेस के विधायक अरुण वोरा ने कहा कि अजय चंद्राकर की आई लव यू बोलने की उम्र नहीं है। अगर वे इस उम्र में आई लव यू बोलेंगे तो हम क्या करेंगे। इस पर अजय चंद्राकर ने कहा कि आपके दिमाग में अश्लीलता भरी है। इस पर अरुण वोरा ने आपत्ति जताई।

इस चर्चा के दौरान विधानसभा अध्यक्ष चरणदास महंत ने अजय चंद्राकर से कहा कि आज आप संतुष्ट नजर आ रहे हैं, लेकिन मुख्यमंत्री के आने पर उत्तेजित हो गए। इस पर चंद्राकर ने कहा आई लव यू हम किसी को भी बोल सकते हैं। इस पर सदन में ठहाके लगे।

राजधानी की स्थिति बेहद ख़राब है। रायपुर गड्ढों का शहर हो गया है। सड़कों की स्थिति जर्जर हो गई है। गड्ढों में लोग बेशरम के पेड़ लगा रहे हैं। रायपुर नगर निगम में मुग़लिया शासन चल रहा है। भ्रष्टाचार हो रहा है। तेलीबांधा से वीआईपी रोड तक सौदर्यीकरण का काम बग़ैर टेंडर करा दिया गया।

जेसीसीजे विधायक रेणु जोगी राज्य में संचालित निजी विश्वविद्यालयों द्वारा चिकित्सा शिक्षा और आयुष विश्वविद्यालय के मापदण्डों का पालन नहीं किये जाने की ओर चिकित्सा शिक्षा मंत्री का ध्यान आकर्षित करेंगी। वहीं बसपा विधायक इंदू बंजारे, सदस्य, जिला जांजगीर-चांपा अंतर्गत तहसील नवागढ़ के ग्राम बरगांव में भू-माफियाओं द्वारा शासकीय भूमि पर अवैध कब्जा कर बिक्री किये जाने की ओर राजस्व मंत्री का ध्यान आकर्षित करेंगी।

माओवादियों ने वनकर्मी को पीट-पीटकर मार डाला

घर की दीवार पर लिखी चेतावनी

रांची, 20 जुलाई (एजेंसियां)। झारखंड के लातेहर जिले में माओवादियों द्वारा एक वनकर्मी की पीट-पीटकर हत्या किए जाने का मामला सामने आया है। माओवादियों को शक था कि वनकर्मी पुलिस का मुखबिर है और इसी शक में उसकी हत्या कर दी गई। माओवादियों ने चार अन्य लोगों पर भी हमला किया, जिससे चारों लोग घायल हो गए हैं। पुलिस घटना की जांच कर रही है। घटना नेतरहाट पुलिस थाना क्षेत्र की दुरुप पंचायत का है। यह जगह झारखंड की राजधानी रांची से करीब 150 किलोमीटर दूर है। खबर के अनुसार, बुधवार रात करीब 15 माओवादियों के एक समूह ने वनकर्मी के घर पर धावा बोल दिया। माओवादियों ने वनकर्मी को लाठी-डंडों से बुरी तरह पीटा, जिससे उसकी मौत हो गई। मृतक की पहचान देव कुमार प्रजापति के रूप में हुई है और वह पलामू टाइगर रिजर्व में दैनिक मजदूरी के आधार पर वन ट्रैकर का काम करता था।

माओवादियों ने लोगों को दी चेतावनी

माओवादियों ने वनकर्मी की

हत्या के बाद उसके घर की दीवार पर लाल स्याही से एक संदेश भी लिखा, जिसमें लोगों को पुलिस के मुखबिर के तौर पर काम ना करने की चेतावनी दी गई है। लातेहर के पुलिस अधीक्षक ने बताया कि घटना की सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लिया। फिलहाल घटना की जांच चल रही है। पुलिस को आशंका है कि वनकर्मी की हत्या करने वाला दल माओवादी नेता छोटू खरवार का है। बता दें कि माओवादियों के इस दल ने बुधवार रात को दो गांवों में धावा बोला। पहले वह पुरनदीह गांव गए और वहां चार गांव वालों को बुरी तरह पीटा। इसके बाद वह दुरुप गांव पहुंचे और वहां रहने वाले देव कुमार प्रजापति को पीट-पीटकर मार डाला। माओवादियों के हमले में घायल हुए लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

संगठित अपराधों के खिलाफ डीजीपी सख्त

कहा- गिरोहों के खिलाफ करें कार्रवाई

रांची, 20 जुलाई (एजेंसियां)। झारखंड डीजीपी ने अपराध में शामिल गिरोहों के खिलाफ सख्ती बरतते हुए कार्रवाई करने का निर्देश जारी किए हैं। डीजीपी ने आसामाजिक तत्वों पर निगरानी रखने के लिए कहा है। झारखंड पुलिस के मुखिया डीजीपी अजय कुमार सिंह ने बुधवार को कहा कि संगठित अपराध में शामिल गिरोहों के खिलाफ कार्रवाई की जाए। संगठित अपराधों के खिलाफ की गई कार्रवाई की समीक्षाएं की जानी चाहिए। डीजीपी ने निर्देश दिए कि संगठित अपराध में शामिल गिरोहों पर शिंकजा कसने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि जेल में बंद अपराधियों के खिलाफ नजर रखी जाए, जिससे वे लोग मोबाइल का इस्तेमाल न कर सकें। जेल में जैमर को मजबूत किए जाएं।

पुलिस मुखिया ने कहा कि आपराधिक गिरोह बेरोजगार युवकों पर काम पर रख रहा है। रंगदारी के लिए धमकी भरे कॉल करा रहे हैं। इस दौरान गृहसचिव अविनाश कुमार ने अधिकारियों से ड्रग तस्करों के खिलाफ भी सख्त से सख्त कार्रवाई करने के लिए कहा।

लोहरदगा से आईएसआईएस का बड़ा आतंकी गिरफ्तार

लोहरदगा, 20 जुलाई (एजेंसियां)। आईएसआईएस के कई आतंकी अब भी एक्टिव हैं और चुपचाप काम कर रहे हैं। लोहरदगा से खुफिया एजेंसी ने ऐसी ही किसी व्यक्ति की गिरफ्तारी की है। सूत्रों की माने तो गिरफ्तार किए गए आतंकी का नाम शाहबाज है। वह बिहार का मूल रूप से रहने वाला है।

बीते 20 वर्षों से वह परिवार के साथ लोहरदगा के न्यू रोड में घर बनाकर रह रहा था। लोहरदगा में रहकर ही वह अपनी गतिविधि चला रहा था। इसी बीच खुफिया एजेंसियों को यह जानकारी मिली की लोहरदगा में आईएसआईएस का आतंकी छिपा हुआ है। इस व्यक्ति के पास से कई आपत्तिजनक वीडियो सहित देश में युवाओं को भड़काने वाली कई सामग्री मिली है, साथ ही कई अन्य सामान भी बरामद किए गये हैं।

स्थानीय पुलिस खामोश अब तक नहीं की गिरफ्तारी की पुष्टि

आईएसआईएस के इस आतंकी की गिरफ्तारी को लेकर अब तक पुलिस विभाग या खुफिया एजेंसी की तरफ से कोई पुष्टि नहीं की गयी है। पुलिस सूत्रों के अनुसार अभी इस संबंध में कई गिरफ्तारी होनी बाकी है और खुफिया टीम लोहरदगा में रहकर ही इसकी जांच कर रही है। गिरफ्तार किए गये आतंकी से पूछताछ की जा रही है ताकि इससे जुड़े दूसरे लोगों की भी तलाश की जा सके।

कई टीम ने एक साथ मिलकर की छापेमारी

इंटेलिजेंस ब्यूरो, नेशनल इंटेलिजेंस एजेंसी और दिल्ली पुलिस की टीम ने संयुक्त रूप से छापेमारी की है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार गिरफ्तार किए गये आतंकी के पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी से भी संपर्क था। आतंकी यहां अपनी एक मजबूत टीम खड़ी करने के फिराक में थे। उसने लोहरदगा के कई युवाओं से संपर्क किया और उन्हें भड़काने का भी प्रयास किया।

बिहार का रहने वाला है आतंकी लोहरदगा में रहकर बना रहा था आतंक की टीम

जिस व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया वह मूल रूप से लोहरदगा का नहीं बल्कि बिहार का रहने वाला था। लोहरदगा में रहकर वह युवाओं को भड़काने में लगा था। खुफिया एजेंसी लंबे समय से इस युवक पर नजर रख रही थी। इस आतंकी क पास से कई भड़काऊ वीडियो, पेन ड्राइव सहित कई आपत्तिजनक सामान मिले हैं। एनआईए, इंटेलिजेंस ब्यूरो और दिल्ली पुलिस की टीम आतंकी को गिरफ्तार कर अपने साथ दिल्ली ले गयी है। खुफिया एजेंसी की एक टीम लोहरदगा में ही इसके दूसरे साथियों की तलाश कर रही है। लोहरदगा में कई युवाओं को भड़का कर आईएसआईएस के साथ काम करने के लिए इसने कई युवाओं को राजी भी कर लिया था।

हैदराबाद में कर रहा था इंजीनियरिंग

गिरफ्तार किए गए आतंकी एजेंट 20 वर्षीय शाहबाज हैदराबाद से इंजीनियरिंग कर रहा था। इसी बीच गेमिंग एप के माध्यम से वाह आईएसआई के संपर्क में आया। यह भी चर्चा रहेगी लगातार उसे हो रहे ट्रांजैक्शन के बाद एजेंसी को इसकी भनक लगी।

मौत होने तक पत्नी को कमरे में रखा बंद

फिर पुलिस को करता रहा गुमराह, ऐसे हुआ खुलासा

कोरबा, 20 जुलाई (एजेंसियां)। लेमरू थाना क्षेत्र के गढ़ उपरोड़ा गांव में एक सनसनीखेज वारदात सामने आई है। यहां एक पति ने पत्नी को डंडे से पीट-पीटकर अधमरा कर दिया और उसे एक सप्ताह तक कमरे में बंद करके रखा। एक सप्ताह बाद पत्नी की मौत हो गई। पत्नी की मौत होने के बाद पति खुद ही थाने पहुंचकर सूचना दी कि उसकी पत्नी पेड़ से गिरकर घायल हो गई थी, जिसकी मौत हो गई है। घटना की सूचना पर लेमरू थाना प्रभारी कृष्णा साहू मौके पर पहुंचे और घटनाक्रम की जानकारी ली। संदेह होने पर पुलिस ने मृतका के पति से पूछताछ की गई तो पहले वह गोलमोल जवाब देने लगा, उसके बाद पुलिस ने कड़ाई से पूछताछ की तो उसने अपना गुनाह कबूल किया।

पूछताछ में आरोपी पूरन सिंह (45) ने बताया कि वह पत्नी विष्णु देवी(35) के चरित्र पर शंका करता था। उसकी पत्नी जब भी जंगल लकड़ी लेने या किसी काम से जाती तो लेट में आने पर उसके पर शंका कर उसके साथ मारपीट और गाली गलौज किया करता था। 1 सप्ताह पहले बुधवार को जंगल गई हुई थी, जहां लेट से घर आने पर उसने डंडे से कमरे के अंदर बेरहमी से उसकी पिटाई कर दी। मारपीट में उसे गंभीर चोटें आईं और उसका इलाज नहीं कराया। कमरे के अंदर ही उसे बंद करके रखा। एक सप्ताह बाद यानी बुधवार सुबह उसकी मौत हो गई। इसके बाद उसने लेमरू थाना पहुंचकर खुद पुलिस को जानकारी दी कि उसकी पत्नी पेड़ से गिरकर घायल हो गई थी, जिसकी मौत हो गई है।

वहीं, इस मामले में लेमरू थाना प्रभारी कृष्णा साहू ने बताया कि सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची थी। उसके पति पर संदेह होने पर पूछताछ की गई तो पता चला कि कुछ दिनों पहले उसकी पिटाई की गई थी, जिसके चलते उसकी मौत हुई। पुलिस आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

मृतका के 4 बच्चे हैं, जो घटना के दौरान घर पर मौजूद थे। लेकिन इतने डरे सहमे थे कि वह किसी को कुछ भी नहीं बता पा रहे थे। बच्चों ने बताया कि उसके पिता अक्सर उसकी मां के साथ मारपीट किया करते थे।

स्वीडन के दूतावास पर हमला

उपद्रवियों ने लगाई आग, कुरान जलाए जाने की घटना से थे नाराज

स्टॉकहोम, 20 जुलाई (एजेंसियां)। इराक के बगदाद में गुरुवार सुबह सैकड़ों की संख्या में इकट्ठा हुए उपद्रवियों ने स्वीडन के दूतावास पर हमला कर दिया। इतना ही नहीं भीड़ ने दूतावास में आग भी लगा दी। न्यूज एजेंसी रॉयटर्स ने सूत्रों के हवाले से इस घटना की जानकारी दी। बताया गया है कि हमले में दूतावास के स्टाफ को नुकसान नहीं पहुंचाया गया, हालांकि इससे आगे की जानकारी नहीं दी गई है।

बताया गया है कि दूतावास पर यह हमला शिया धर्मगुरु मुकतदा सद्र के समर्थकों की ओर से प्रदर्शनों के बाद हुआ। सद्र के समर्थक स्वीडन में मुस्लिमों के पवित्र धर्मग्रंथ कुरान को जलाए जाने का विरोध कर रहे थे। गौरतलब है कि स्वीडन में कुरान जलाए जाने की घटना की पहले ही कई इस्लामिक देश आलोचना कर चुके हैं।

इराक के एक लोकप्रिय टेलीग्राम चैनल 'वन बगदाद' जो कि मुकतदा सद्र का समर्थक माना जाता है, में बुधवार देर रात (करीब 1 बजे) स्वीडन के दूतावास के बाहर जुटी भीड़ के कई वीडियो पोस्ट किए गए। इसमें कुछ उपद्रवियों को दूतावास में घुसते भी देखा गया। वीडियो में कुछ देर बाद दूतावास के परिसर से धुएं का गुबार उठते देखा जा सकता है। हालांकि, इन वीडियो की पुष्टि नहीं की जा सकी है। अभी यह भी साफ नहीं है कि हमले के वक्त दूतावास में कितने लोग मौजूद थे।

दुनिया का सबसे बड़ा ऑफिस बनता देख झुंझलाए पाकिस्तानी

बोले- इंडिया हमसे 30-40 साल आगे निकला

इस्लामाबाद, 20 जुलाई (एजेंसियां)। अमेरिकी रक्षा मंत्रालय पेंटागन को पीछे छोड़ते हुए भारत के गुजरात के सूरत में दुनिया की सबसे बड़ी ऑफिस बिल्डिंग बनने जा रही है। सूरत डायमंड बूर्स की यह इमारत 67,28,604 वर्ग फीट में फैली होगी। पहले चंद्रयान-3 और अब दुनिया की सबसे बड़ी ऑफिस बिल्डिंग, भारत की इस तरक्की से पाकिस्तान चकाचौंध है। पाकिस्तानी यूट्यूबर सोहेब चौधरी ने कराची में लोगों से भारत की तरक्की और पाकिस्तान की वर्तमान हालत पर जब सवाल पूछे तो लोगों ने कहा कि भारत पाकिस्तान से 30-40 साल आगे जा चुका है। इतना ही नहीं लोगों ने कई मामलों पर अपने मुल्क को जीरो नंबर दिए। पाकिस्तानी यूट्यूबर ने पूछा कि क्या कराची की तुलना भारत के किसी शहर से हो सकती है? जवाब में एक पाकिस्तानी छात्र ने कहा, 'भारत के किसी भी शहर से कराची की तुलना नहीं कर सकते। वे इकोनॉमी, इलेक्ट्रॉनिक्स, व्हीकल कंपनियों, आईटी, बहुत सारी चीजों में हमसे बहुत आगे जा चुके हैं। वहां तक पहुंचने में हमें 10-20 नहीं बल्कि 30-40 साल लग जाएंगे।' उन्होंने कहा, 'पाकिस्तान में ऑल्टो गाड़ी भारत से एक जेनेरेशन पीछे है। भारत में एक जेनेरेशन आगे गाड़ी की कीमत साढ़े चार लाख रुपए है और हमारे यहां यह करीब 32 लाख रुपए की है। इसका मतलब है कि नई जेनेरेशन वाली गाड़ी पाकिस्तान में 40-45 लाख की होगी।' सुरक्षा के सवाल पर पाकिस्तानी छात्र ने कहा कि सुरक्षित माहौल न होने के चलते विदेशी कंपनियां यहां आकर काम नहीं करना चाहती। उन्होंने कहा, 'सुरक्षा के लिहाज से कराची की स्थिति बेहद खराब है। हम जब सड़कों पर निकलते हैं तो हमें पता नहीं होता हमारे हाथ में जो मोबाइल है वह वापसी तक रहेगा या नहीं।' यूट्यूबर से बात करते हुए एक दूसरा छात्र कहता है, 'मैंने यूके के लिए अप्लाई किया है और 25 को मेरा अपॉइंटमेंट है। हम जा रहे हैं क्योंकि यहां हम तंग आ चुके हैं।' एक दूसरे पाकिस्तानी ने कहा, 'भारत हमसे 35 से 40 साल आगे जा चुका है, भारत नहीं हम बांग्लादेश को ही देख लें। बिल्कुल छोटा सा देश है, पाकिस्तान से ही टूटकर अलग हुआ है लेकिन आज वह हमसे कितना आगे जा चुका है।' इससे पहले पाकिस्तान के विशेषज्ञ साजिद तरार ने अपने मुल्क को नसीहत देते हुए कहा था, 'हमें भारत की तरक्की से सीख लेनी चाहिए। अगर भारत या मोदी के नाम से शर्म आती है तो बांग्लादेश की ही नकल कर लें।'

चांद पर इंसान के कदम रखने के 54 साल

नासा ने खर्च किए 2 लाख करोड़, अमेरिकी नेवी अफसर ने ही मिशन पर सवाल उठाए

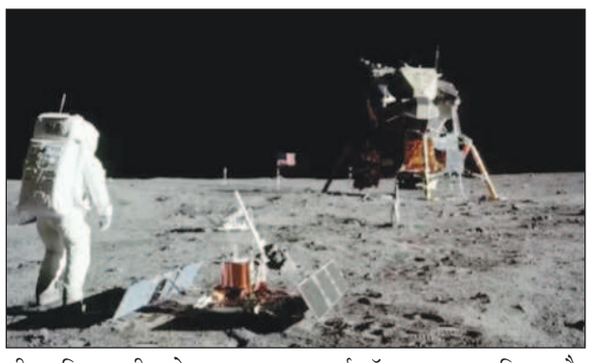

वाशिंगटन, 20 जुलाई (एजेंसियां)। 20 जुलाई 1969, ये वो तारीख है जब अमेरिक की स्पेस एजेंसी नासा ने इतिहास रचा था। अपोलो मून मिशन के तहत पहली बार किसी इंसान ने चांद पर कदम रखा था। नील आर्मस्ट्रॉन्ग वो पहले एस्ट्रोनॉट थे जिन्होंने चांद पर पहुंचने के साथ ही इतिहास में अपना नाम दर्ज करवा दिया। उनके बाद उनके साथी बज एलड्रिन चांद पर उतरे थे। इस स्पेस मिशन में तब 25 अरब डॉलर, यानी आज के मुताबिक करीब 2 लाख करोड़ रुपए खर्च हुए थे। अमेरिका में 29 जुलाई 1958 को नासा का गठन हुआ था और इसके 11 साल बाद ही स्पेस एजेंसी ने कीर्तिमान रच दिया। इसी के साथ स्पेस वॉर में अमेरिका ने दूसरे सभी देशों को पीछे छोड़ दिया। अपोलो-11 मिशन को मिलाकर अब तक कुल 12 बार लोग चांद पर पहुंच चुके हैं। हालांकि, कई थ्योरीज ऐसी भी हैं, जिनके मुताबिक, नासा का मशहूर अपोलो मिशन एक बहुत बड़ा झूठ था। रूस की रोसकोमोज स्पेस एजेंसी के पूर्व चीफ दिमित्री रोगोजिन ने इसी साल मई में कहा था कि अब तक इस बात के पर्याप्त सबूत मौजूद नहीं हैं कि अमेरिका कभी चांद पर पहुंचा भी था। 1950 के बाद से ही दुनिया की दो ताकतवर शक्तियों अमेरिका और सोवियत संघ के बीच स्पेस वॉर छिड़ चुकी थी। सोवियत संघ ने लूना मिशन के जरिए अंतरिक्ष में अपनी दखलअंदाजी बढ़ानी शुरू की। जनवरी 1966 में लूना-9 ने चांद की सतह पर सफलतापूर्वक लैंड किया। ऐसा करने वाला वो पहला स्पेसक्राफ्ट था। उधर, अमेरिका भी अब तक स्पेस में कई स्पेसक्राफ्ट भेज चुका था। 1962 में अमेरिकी राष्ट्रपति जॉन एफ कैनेडी घोषणा कर चुके थे कि 60 के दशक के अंत तक अमेरिका चांद पर इंसान को भेजेगा। कैनेडी की इस घोषणा के बाद नासा मिशन की तैयारियों में लग गया। एक कठिन ट्रेनिंग के बाद नील आर्मस्ट्रॉन्ग, बज एलड्रिन और माइकल कॉलिंस को इस मिशन के लिए चुना गया। 5 साल बाद टेस्टिंग के लिए 1966 में नासा ने अनमैन्ड स्पेसक्राफ्ट को अंतरिक्ष में भेजा, लेकिन इसके अगले साल ही कैनेडी स्पेस सेंटर में भीषण आग लग गई और 3 एस्ट्रोनॉट की मौत हो गई। इसके बाद भी नासा अपने मिशन में जुटा रहा। आखिरकार 16 जुलाई 1969 में अपोलो-11 स्पेसक्राफ्ट में नील आर्मस्ट्रॉन्ग, बज एलड्रिन और माइकल कॉलिंस को कैनेडी स्पेस सेंटर से चांद के सफर पर भेजा गया। अमेरिकी समयानुसार सुबह 9 बजकर 32 मिनट पर अमेरिका के कैनेडी स्पेस सेंटर से अपोलो-11 ने उड़ान भरी।

व्हाइट हाउस ने कहा- भारत के साथ अमेरिका के संबंध पहले से कहीं अधिक मजबूत

पीएम मोदी की यात्रा महत्वपूर्ण

वाशिंगटन, 20 जुलाई (एजेंसियां)। व्हाइट हाउस ने भारत-अमेरिका के रिश्तों पर अपना पक्ष रखा। व्हाइट हाउस का कहना है कि भारत के साथ अमेरिका के रिश्ते पहले से कहीं अधिक मजबूत हुए हैं। बता दें, व्हाइट हाउस के बयान से करीब एक महीने पहले पीएम नरेंद्र मोदी अमेरिका की आधिकारिक यात्रा पर वाशिंगटन पहुंचे थे। यहां व्हाइट हाउस में राष्ट्रपति जो बाइडन ने उनका स्वागत किया था।

घोषणाओं को क्रियान्वित किया जा रहा है

व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरिन जीन पियरे ने दैनिक समाचार सम्मेलन में कहा कि पिछले महीने पीएम मोदी की यात्रा सफल रही। पीएम मोदी की यात्रा दोनों देशों के लिए महत्वपूर्ण थी। भारत के साथ अमेरिका के संबंधों में पहले से अधिक मजबूती आई है। पीएम मोदी की यात्रा के दौरान हमने कई महत्वपूर्ण लक्ष्यों की घोषणा की थी। उन घोषणाओं में से कुछ को क्रियान्वित किया जा रहा है।

आई2यू2 पर भी बोलीं जीन

जीन का कहना है कि हम बहुत आशावादी हैं। क्योंकि घोषणाएं हमारे दीर्घकालिक भविष्य और भारक के साथ संबंधों से संबंधित है। भारत के संबंधों में मधुरता आगे भी जारी रहेगी। आई2यू2 पर पूछे गए एक सवाल पर उन्होंने कहा कि नए समूह में भारत, अमेरिका, इस्राइल और यूएई शामिल है।

हालांकि चारों देशों के बीच पहले से ही गहरे रिश्ते हैं। चारों देशों के बीच मजबूत साझेदारी है। आई2यू2 के साथ अभी भी एक मजबूत भविष्य है। हम असल में भविष्य की संभावनाओं के बारे में उत्साहित हैं।

अमेरिका ने यूक्रेन के लिए नई सैन्य सहायता की घोषणा की

रूसी आक्रामकता का जवाब देने की तैयारी

वॉशिंगटन, 20 जुलाई (एजेंसियां)। रूस की आक्रामकता का जवाब देने के लिए अमेरिका ने बुधवार को यूक्रेन के लिए 1.3 बिलियन डॉलर के सैन्य सहायता पैकेज की घोषणा की। इसमें वायु रक्षा प्रणाली और हमलावर ड्रोन शामिल हैं। अमेरिकी रक्षा विभाग के अनुसार, सैन्य पैकेज में सतह से हवा में मार करने में समक्ष में चार उन्नत मिसाइल सिस्टम (एनएएसएएमएस), मध्यम दूरी की वायु रक्षा बैटरियां शामिल हैं। इससे यूक्रेन को मिसाइल और ड्रोन हमलों का सामना करने में मदद मिलेगी। इस रक्षा प्रणाली का उपयोग अमेरिका की राजधानी वाशिंगटन डीसी और इसके आसपास के क्षेत्र की सुरक्षा के लिए किया जाता है।

अमेरिका के रक्षा मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि यह यूएसएआई पैकेज यूक्रेन की युद्ध आवश्यकताओं को पूरा करने की अमेरिका की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। साथ ही यूक्रेन के सशस्त्र बलों की अपने क्षेत्र की रक्षा करने और मध्य और दीर्घकालिक अवधि में रूसी आक्रामकता को रोकने की स्थायी क्षमता का निर्माण भी करता है।

नया सैन्य पैकेज के तहत अमेरिका कुल 12 एनएएसएएमएस यूक्रेन को देगा। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, रक्षा सचिव लॉयड ऑस्टिन ने पिछले नवंबर में कहा था कि एनएएसएएमएस के जरिए रूसी हमलों को रोकने में 100 प्रतिशत सफलता मिली है। इससे पहले मंगलवार को, लॉयड ऑस्टिन ने यूक्रेन को सहायता प्रदान करने वाले देशों के साथ बैठक के बाद कहा था कि हम रूस के खिलाफ युद्ध में यूक्रेन की हरसंभव मदद करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने संयुक्त राष्ट्र की मध्यस्थता वाले काला सागर अनाज समझौते का विस्तार करने की मॉस्को की मांगों का अनुपालन करने में विफलता पर पश्चिम की आलोचना की और कहा कि अगर समझौते की सभी शर्तें पूरी होती हैं तो रूस समझौते पर लौटने पर विचार करेगा। पुतिन ने दावा किया कि मॉस्को ने पूर्व में समझौते को लगातार आगे बढ़ाकर धीरज और सहिष्णुता के साथ काम किए उन्होंने कहा कि पश्चिमी देशों ने अनाज समझौते को पटरी से उतारने के लिए सब कुछ किया है, उन्होंने अपने प्रयासों में कोई कसर नहीं छोड़ी है। पुतिन ने आरोप लगाया कि रूस को सबसे गरीब देशों को उर्वरक देने से रोका गया। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन अगले माह दक्षिण अफ्रीका में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से भाग लेंगे। दक्षिण अफ्रीकी राष्ट्रपति सिरिल रामाफोसा ने यह जानकारी दी। उन पर पश्चिमी देशों द्वारा पुतिन की गिरफ्तारी का दबाव था। रूसी कब्जे वाले क्रीमिया पुल पर हमले के बाद से ही रूस की सेना लगातार यूक्रेनी क्षेत्रों को निशाना बना रही है। उसने यूक्रेन के ओडेसा बंदरगाह पर लगातार दूसरी रात कई हवाई हमले किए। यूक्रेनी अधिकारी ने इन हमलों को 'नारकीय' बताया और आतंकी हरकत की संज्ञा दी।

रूस संग नौसेनाभ्यास के लिए चीन ने भेजे युद्धपोत

चीन ने बुधवार को कहा कि उसने रूसी नौसेना के साथ साझा अभ्यास के लिए अपने युद्धपोतों को रवाना किया है। चीन के इस कदम से संकेत मिलता है कि यूक्रेन के खिलाफ मॉस्को के हमले को बीजिंग का समर्थन है।

100 साल के पूर्व अमेरिकी विदेश मंत्री से मिले जिनपिंग

कहा- चीन कभी पुराने दोस्तों को नहीं भूलता ड्रैगन ने किसिंजर को लीजेंड्री डिप्लोमैट बताया

बीजिंग, 20 जुलाई (एजेंसियां)। चीन और अमेरिका के विवाद के बीच 100 साल के पूर्व अमेरिकी विदेश मंत्री हेनरी किसिंजर ने गुरुवार को राष्ट्रपति शी जिनपिंग से मुलाकात की। हेनरी किसिंजर वही अमेरिकी नेता हैं जिन्होंने 1970 के दशक में चीन से बिगड़ते रिश्तों को संभाला था। हालांकि, अभी अमेरिका ने कहा है कि ये किसिंजर की निजी यात्रा है। वो अमेरिका के प्रतिनिधि के तौर पर नहीं गए हैं।

बीबीसी के मुताबिक उनके रुतबे के चलते ये कहना गलत नहीं होगा कि वो दोनों देशों के बीच रिश्ते बेहतर करने में अहम भूमिका निभा सकते हैं। इसका अंदाजा इस बात से भी लगाया जा सकता है कि हाल में अमेरिका की वित्त मंत्री जेनेट येलेन और क्लाइमेट डिप्लोमैट चीन गए थे, लेकिन शी जिनपिंग ने उनसे मुलाकात नहीं की। जबकि वो किसिंजर से मिले और उनका गेस्ट हाउस में उनका वेलकम भी किया।

हेनरी किसिंजर ने कहा- चीन अच्छा दोस्त है

किसिंजर से मुलाकात के बाद शी ने कहा कि चीन के लोग कभी अपने पुराने दोस्तों को नहीं भूलते। अमेरिका और चीन के रिश्ते हमेशा हेनरी किसिंजर के नाम से याद रखे जाएंगे। उन्होंने यह भी कहा है कि वो सही रास्ता अपनाकर अमेरिका के साथ रिश्ते सुधारने के लिए तैयार हैं।

वहीं, किसिंजर ने कहा कि अमेरिका और चीन के रिश्ते दुनिया की शांति और प्रोग्रेस के लिए अहम हैं। एक प्रेस ब्रीफ में चीन ने किसिंजर को एक लीजेंड्री डिप्लोमैट बताया है। किसिंजर ने चीन के टॉप डिप्लोमैट वांग यी और रक्षा मंत्री ली शांगफू से बुधवार को मुलाकात की थी।

इस दौरान किसिंजर ने खुद को चीन का अच्छा दोस्त बताया था। उन्होंने यह भी कहा कि चीन और अमेरिका इस स्थिति में नहीं हैं कि वो एक-दूसरे के साथ दुश्मन जैसा व्यवहार करें। हेनरी किसिंजर से 100 से ज्यादा बार चीन की यात्रा कर चुके हैं।

अमेरिका के साथ मिलकर लंबी दूरी की तोपें

युद्धक वाहन बनाएगा भारत, चीन की बढ़ेगी परेशानी

वॉशिंगटन, 20 जुलाई (एजेंसियां)। पेंटागन के एक शीर्ष अधिकारी ने बताया है कि सीमा पर बढ़ती चीन की चुनौती को देखते हुए भारत, अमेरिका के साथ मिलकर लंबी दूरी की तोपों और युद्धक वाहनों का निर्माण करेगा। बता दें कि बीते तीन सालों से भारत और चीन के सैनिक लद्दाख सीमा पर आमने-सामने हैं। ऐसे में अपनी परिचालन जरूरतों को देखते हुए भारत, अमेरिका के साथ मिलकर लंबी दूरी की तोपों और युद्धक वाहनों के निर्माण की तैयारी कर रहा है।

अमेरिकी संसद में उठा चीन मामला

बता दें कि हिंद प्रशांत मामलों के रक्षा उप-सचिव एली रैटनर ने अमेरिकी संसद को चीन मामले पर जानकारी देते हुए यह जानकारी दी। रैटनर ने कहा कि बाइडन प्रशासन अपने सहयोगियों के साथ मिलकर हिंद प्रशांत क्षेत्र की सुरक्षा को पुख्ता करने में जुटा है। अमेरिकी संसद में चीन को लेकर यह सुनवाई ऐसे समय हो रही है, जब अमेरिका और चीन के संबंधों में ताइवान और मानवाधिकार के मुद्दे पर तनाव गहराया हुआ है।

चीन से निपटने की पूरी तैयारी कर रहा अमेरिका

रैटनर ने कहा कि पेंटागन जापान की हमले का जवाब देने की क्षमता को वापस पाने में मदद कर रहा है। ऑस्ट्रेलिया के साथ मिलकर मिसाइलों और हथियारों की निर्माण क्षमता को विकसित कर रहा है। भारत के साथ मिलकर रक्षा क्षेत्र में सह-विकास और सह-निर्माण कर रहा है। साथ ही दक्षिण एशियाई देशों को चीन के उत्पीड़न के खिलाफ आवाज उठाने के लिए मजबूत कर रहा है। रैटनर ने कहा कि हम अपने भारतीय सहयोगियों के साथ लंबी दूरी की तोपों और युद्धक वाहनों के सह-निर्माण की दिशा में भी काम कर रहे हैं।

भारत और चीन के बीत जून 2020 में लद्दाख की गलवान घाटी में हिंसक झड़प भी हुई थी। इस झड़प में भारत के 20 से ज्यादा सैनिक बलिदान हो गए थे। चीन को भी इसमें भारी नुकसान हुआ था लेकिन उसने सार्वजनिक रूप से इसे स्वीकार नहीं किया है। बीते दो दशकों में दोनों देशों के बीच हुई यह सबसे गंभीर झड़प थी। भारत भी साफ कर चुका है कि सीमा पर शांति हुए बिना चीन से बातचीत नहीं हो सकती।

अमेरिकी सैनिक बॉर्डर पार कर नॉर्थ कोरिया में घुसा

किम जोंग की सेना ने पकड़ा, साउथ कोरिया में भी 2 महीने जेल में रह चुका

सियोल/वॉशिंगटन, 20 जुलाई (एजेंसियां)। साउथ कोरिया में तैनात अमेरिका का एक सैनिक 18 जुलाई को बॉर्डर पार कर नॉर्थ कोरिया चला गया। यहां उसे तानाशाह किम जोंग उन के अधिकारियों ने हिरासत में ले लिया है। बीबीसी की रिपोर्ट के मुताबिक ट्रेविस किंग नाम का ये सैनिक साउथ कोरिया में भी मारपीट के आरोपों के चलते 2 महीने जेल में काट चुका था। उसे जल्द ही अमेरिका वापस भेजा जाना था।

साउथ कोरिया में अमेरिकी फोर्सेस के प्रवक्ता कर्नल इसाक टेलर ने बताया है कि ट्रेविस ने नॉर्थ कोरिया में घुसने का काम अपनी मर्जी से और बिना इजाजत किया है। यूएन कमांड के मुताबिक जब ट्रेविस नॉर्थ कोरिया में घुसा तो वो साउथ कोरिया की एक टीम के साथ जॉइंट सिक्योरिटी एरिया के टूर पर पानमुनजोम गांव में था। ये वहीं गांव है जहां कोरिया में हुई जंग के बाद युद्ध विराम हुआ था। वहीं, अब नॉर्थ कोरिया की सेना ये मामला सुलझाने को लेकर बातचीत की जा रही है।

ट्रेविस पर लगा था 3 लाख का जुर्माना

बीबीसी की रिपोर्ट में बताया गया है कि ट्रेविस किंग ने सितंबर में नाइट क्लब में एक युवक के साथ मारपीट की थी। उसने पुलिस की कार के साथ तोड़-फोड़ की और उनके खिलाफ भद्दे शब्दों का इस्तेमाल किया। इस मामले में उस पर 3,950 डॉलर यानी 3 लाख रुपए का जुर्माना लगा था। दो महीने की सजा के बाद उसे 10 जुलाई को रिहा किया गया था। ट्रेविस को सेना की निगरानी में भी रखा गया था।

रिपोर्ट्स के मुताबिक जब उसे वापस अमेरिका भेजने के लिए एयरपोर्ट ले जाया गया तो उसने कहा कि उसका पासपोर्ट खो गया है। इसके बाद वो उस टीम शामिल हो गया जो साउथ-कोरिया और नॉर्थ कोरिया के बॉर्डर का टूर करने जा रही थी। एक चश्मदीद ने बताया कि वो बॉर्डर क्रॉस करने के बाद जोर-जोर से हंसा था। वहीं, एक दूसरे चश्मदीद ने कहा कि जब उसने ट्रेविस को बॉर्डर क्रॉस करते देखा तो उसे लगा वो कोई टिकटॉक वीडियो बनाने के लिए ऐसी बेतुकी हरकत कर रहा है।

शुक्र है उसे देखते ही गोली नहीं मारी

अमेरिका सेना में कमांडर रह चुके रिटायर्ड जनरल रॉबर्ट अब्राम्स ने बताया कि ये सेना से जुड़ी बड़ी बात है। उन्होंने कहा- मुझे ट्रेविस की चिंता है, लेकिन इस बात की खुशी है कि नॉर्थ कोरिया की सेना ने उसे देखते ही गोली नहीं मारी। ट्रेविस को पता चल रहा होगा की नॉर्थ कोरिया अपने देश में घुसने वाले लोगों को कितना गलत और गैरकानूनी व्यवहार करता है।

हालांकि, अभी तक ये पता नहीं चल पाया है कि 23 साल के अमेरिकी सैनिक ट्रैविस किंग ने बॉर्डर पार क्यों किया। ट्रैविस किंग की मां क्लोडीन गेट्स ने एबीसी न्यूज को बताया है कि वो ये सोच भी नहीं सकती हैं कि उनके बेटा ऐसा कुछ कर सकता है। उन्होंने बताया कि ट्रेविस से उनकी बात कुछ दिन पहले हुई थी। तब उसने कहा था कि वो जल्द टेक्सास में अपने आर्मी बेस पर लौटने वाला है। 1950 से 1953 तक एक-दूसरे के खिलाफ जंग लड़ चुके अमेरिका और नॉर्थ कोरिया के बीच संबंध अच्छे नहीं है। अमेरिका नॉर्थ कोरिया पर कई तरह की पाबंदियां लगा चुका है। ऐसे में किसी अमेरिकी सैनिक का बॉर्डर पार कर नॉर्थ कोरिया जाना बड़ी घटना है।

हालांकि, ये पहला मौका नहीं है जब कोई अमेरिकी भागकर नॉर्थ कोरिया चला गया हो।

भारतीय मूल के 15 लोग गिरफ्तार, 90 लाख डॉलर की संपत्ति बरामद

टोरंटो, 20 जुलाई (एजेंसियां)। कनाडाई पुलिस ने एक बड़े संगठित कार्गो चोरी गिरोह को चलाने के आरोप में भारतीय मूल के 15 लोगों को गिरफ्तार किया है। साथ ही चोरी के सामान के साथ 90 लाख डॉलर से अधिक की संपत्ति बरामद की गई है।

पील्स क्षेत्रीय पुलिस की ओर से जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में बुधवार को कहा गया कि पील क्षेत्रीय नगर पालिका और ग्रेटर टोरंटो एरिया (जीटीए) में ट्रैक्टर-ट्रेलर और कार्गो चोरी की एक श्रृंखला की जांच के लिए मार्च में एक संयुक्त टास्क फोर्स का गठन किया गया था। जांच को प्रोजेक्ट ट्रैक्टर-ट्रेलर नाम दिया गया, जिसने आपराधिक गिरोह को नष्ट कर दिया और जीटीए के विभिन्न शहरों से भारतीय मूल के 15 व्यक्तियों की गिरफ्तारी की। गिरफ्तार किए गए लोगों की उम्र 22 से 45 वर्ष के बीच है और उन पर 73 आरोप लगाए गए हैं।

कैनेडियन ब्रॉडकास्टिंग कॉरपोरेशन (सीबीसी) की रिपोर्ट के अनुसार, जांचकर्ताओं ने कहा कि चोरी किए गए माल में विभिन्न वाणिज्यिक सामान, एटीवी और वाहन शामिल थे, जिन्हें संदिग्धों ने कथित तौर पर विभिन्न कबाड़ी बाजारों और दुकानों में बेच दिया था। प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि कुल 92 लाख कनाडाई डॉलर की संपत्ति बरामद की गई, जिसमें 69 लाख डॉलर की चोरी का माल और 22 लाख डॉलर की चोरी के ट्रैक्टर-ट्रेलर शामिल हैं।

पील क्षेत्रीय पुलिस जासूस मार्क हेवुड ने एक संवाददाता सम्मेलन के दौरान कहा, जांच के दौरान अधिकारियों को पता चला कि संदिग्धों के एक ही समूह ने छह जीटीए स्थानों में विभिन्न आकारों के कार्गो और 28 ट्रैक्टर-ट्रेलरों को निशाना बनाया था, जिसने बाड़ को तोड़कर ट्रकों को लेकर भाग गए या सड़क के किनारे खड़े ट्रकों को चुरा लिया। सीबीसी ने हेवुड के हवाले से कहा, चोरों के समूह ने कई परिसरों को निशाना बनाया, पहले वे बाड़ को काट देते, अंदर जाते, उत्पाद चुराते, आमतौर पर ट्रक चुराते और बाड़ के ऊपर से गाड़ी चला देते थे। उन्होंने कहा, कुछ को ट्रक को स्टॉप से चुराया गया था और कुछ को सड़क के किनारे से उठाया था।

पील पुलिस की जांच और आपातकालीन सेवाओं के उप प्रमुख निक मिलिनोविच ने कहा, गिरफ्तार किए गए लोगों में से कई लोग ऐसे हैं जिन्होंने बार-बार अपराध किया।

पुतिन से बगावत के बाद पहली बार दिखे वैगनर चीफ

मास्को, 20 जुलाई (एजेंसियां)। रूस की प्राइवेट आर्मी वैगनर के चीफ येवगेनी प्रिगोजिन पुतिन के खिलाफ विद्रोह करने के बाद पहली बार नजर आए हैं।

बुधवार को प्रिगोजिन ने एक वीडियो जारी कर अपने लड़ाकों का बेलारूस में स्वागत किया। उन्होंने कहा- वैगनर अब यूक्रेन जंग में हिस्सा नहीं लेगा। उन्होंने अपने लड़ाकों को अफ्रीका के लिए नए सफर की शुरुआत करने

का आदेश दिया। रॉयटर्स के मुताबिक, वीडियो में प्रगोजिन ने कहा- हमने यूक्रेन में सम्मान के साथ लड़ाई लड़ी। आप सबने रूस के लिए बहुत कुछ किया। यूक्रेन में अभी जो कुछ हो रहा है वो शर्मनाक है और हमें उसमें शामिल होने की जरूरत नहीं है। हो सकता है हम इस जंग में वापस लौटें, लेकिन अभी हम कुछ समय तक बेलारूस में ही रहेंगे और तब यहां की आर्मी को दुनिया की दूसरी सबसे ताकतवर सेना बनाएंगे। वैगनर का गठन करने में शामिल रहे दिमित्री उत्किन ने कहा- ये अंत नहीं है। यह दुनिया के सबसे बड़े काम की शुरुआत है जो जल्द ही पूरा किया जाएगा।

गहलोत के मंत्री के भतीजे की दबंगई !

होटल में की तोड़फोड़, शराब के नशे में स्टाफ को भी पीटा-एफआईआर दर्ज

जयपुर, 20 जुलाई (एजेंसियां)। खाद्य मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास के भतीजे हर्षदीप सिंह खाचरियावास ने जयपुर के एक होटल में तोड़फोड़ कर दी। हर्षदीप ने होटल के गेस्ट के साथ कर्मचारियों से साथ भी मारपीट की। घटना जयपुर के पॉश इलाके वैशाली नगर की है। होटल मालिक अभिमन्यु सिंह के पिता भवानी सिंह की शिकायत पर वैशाली नगर थाना पुलिस ने बुधवार को हर्षदीप खाचरियावास के खिलाफ केस दर्ज किया है।

होटल मालिक अभिमन्यु ने पुलिस को बताया कि रात करीब 10.30 बजे हर्षदीप सिंह खाचरियावास अपने कुछ दोस्तों के साथ होटल में आया था। इस दौरान हर्षदीप और उसके साथियों की होटल में आए एक गेस्ट से कहासुनी हो गई। कुछ देर बाद गेस्ट अपने कमरे में चला गया तो हर्षदीप ने होटल स्टाफ से उसके कमरे का नंबर मांगा। होटल स्टाफ ने नंबर देने से मना किया तो हर्षदीप ने तोड़फोड़ करना शुरू कर दी। होटल स्टाफ ने इसकी सूचना पुलिस को दी।

तोड़फोड़ के दौरान हंगामा बढ़ा तो रात करीब 3 बजे होटल के अन्य गेस्ट भी लॉबी में आ गया। इस दौरान पुलिस के सामने हर्षदीप और उसके साथियों ने गेस्ट और स्टाफ के साथ मारपीट की। पुलिस ने गेस्ट और स्टाफ को बचाने की कोशिश की, शराब के नशे में धुत हर्षदीप और उसके दोस्त मारपीट करते रहे। पुलिस गेस्ट को अपने साथ थाने ले जाने लगी तो बाहर आकर उसके साथ मारपीट की गई। आरोप है कि पुलिस पूरे घटनाक्रम को देखती रही और फिर गेस्ट को ले जाकर सुरक्षित स्थान पर छोड़ दिया। इधर, हर्षदीप और उसके साथी होटल के सर्वर रूम में घुसे और सीसीटीवी फुटेज नष्ट करने की कोशिश करने लगे। इस दौरान वहां मौजूद लड़के के साथ भी मारपीट की गई।

होटल मालिक अभिमन्यु सिंह का कहना है कि घटनाक्रम के दौरान हर्षदीप ने होटल स्टाफ से उसका मोबाइल नंबर लेकर कॉल किया था। इस दौरान उसने कहा कि वह करण सिंह खाचरियावास का बेटा है। उनको फोन लगाऊं क्या? इस पर अभिमन्यु ने कहा कि होटल आप का ही है, लेकिन तोड़फोड़ और मारपीट करना सही नहीं है। इसके बाद वह अपने साथियों के साथ होटल से चला गया।

होटल मालिक ने वैशाली नगर थाना पुलिस को गेस्ट से मारपीट और तोड़फोड़ के सीसीटीवी फुटेज भी दिए हैं। होटल मालिक अभिमन्यु के पिता भवानी सिंह ने अपनी शिकायत में पुलिस को बताया कि घटना के बाद से हर्षदीप उन्हें और उनके बेटे अभिमन्यु को जान से मारने की धमकी दे रहा है। उन्होंने बार-बार फोन कॉल को उठाना बंद किया तो दूसरे नंबरों से कॉल कर उसने कहा कि मुख्यमंत्री की भी हिम्मत नहीं है कि उसका फोन नहीं उठाए। इधर, पुलिस का कहना है कि केस दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है। जांच में जो भी सामने आएगा उसके अनुसार कार्रवाई की जाएगी।

गैंगस्टर कुलदीप के परिजनों ने दी धरने की चेतावनी

पुलिस ने आरोपियों पर 50 हजार का इनाम किया घोषित

भरतपुर, 20 जुलाई (एजेंसियां)। भरतपुर में कुलदीप हत्याकांड के 4 फरार आरोपियों पर पुलिस ने 25 हजार से इनाम बढ़ाकर 50 हजार कर दिया गया है। बुधवार देर शाम कुलदीप की मां ने चेतावनी दी थी, जब तक फरार आरोपियों को नहीं पकड़ा जाएगा तब तक वह एसपी ऑफिस के बाहर धरने पर बैठेंगी।

इस चेतावनी के बाद पुलिस एक बार फिर एक्टिव दिखाई दे रही है। हालांकि, हत्या के 7 दिन बाद भी पुलिस मुख्य आरोपियों को नहीं पकड़ पाई है। दरअसल, भरतपुर में 12 जुलाई को आमोली टोल प्लाजा पर हिस्ट्रीशीटर कृपाल की हत्या करने वाले आरोपी कुलदीप जघीना की गोलियों से भूनकर हत्या कर दी गई। पुलिस ने आरोपियों का पीछा किया तो मुठभेड़ में 2 आरोपियों के गोली लगी।

सांसद राज्यवर्धन सिंह की सरकार को दो टूक

एबीवीपी कार्यकर्ताओं पर लाठीचार्ज पर बोले 'हर एक लाठी का हिसाब होगा'

जयपुर, 20 जुलाई (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता और सांसद राज्यवर्धन सिंह ने एबीवीपी पर लाठीचार्ज के विरोध में गहलोत सरकार को निकम्मी और नकारा सरकार बताकर जमकर हमला किया है।

उन्होंने जयपुर में एबीवीपी कार्यकर्ताओं पर राजस्थान पुलिस की ओर से किए गए लाठीचार्ज की कड़ी निंदा की। इसी मसले पर एबीवीपी कार्यकर्ताओं के साथ एक वीडियो ट्विटर पर पोस्ट किया है। इसमें उन्होंने कहा कि जोधपुर में ऐसा घिनौना दुष्कर्म हुआ। जिसे देखकर इंसानियत को भी शर्म आ जाए। लेकिन सरकार महिलाओं और बच्चियों की सुरक्षा करने की अपेक्षा उनकी आवाज उठाने वालों पर डंडे बरसा रही है। भाजपा के युवा कार्यकर्ताओं पर किए गए लाठियों के एक-एक वार का करारा जवाब दिया जाएगा।

जोधपुर में एक नाबालिग के साथ हुए गैंगरेप के मामले में एक आरोपी का एबीवीपी से नाम जोड़ने को लेकर बवाल मचा हुआ है। इसको लेकर जयपुर में राजस्थान यूनिवर्सिटी पर एबीवीपी कार्यकर्ताओं ने जमकर प्रदर्शन किया। इस दौरान पुलिस ने उन पर लाठीचार्ज किया। इस घटना के विरोध में सांसद राज्यवर्धन सिंह राठौड़ जमकर बरसे। उन्होंने ट्विटर पर एक वीडियो पोस्ट कर गहलोत सरकार को जमकर घेरा। उन्होंने कहा कि एबीवीपी कार्यकर्ताओं पर किए गए लाठियों के वार का करारा जवाब दिया जाएगा।

सरकार आवाज उठाने वालों पर बरसा रही है लाठियां

राज्यवर्धन सिंह ने गहलोत सरकार को जमकर आड़े हाथ लेते हुए कहा कि जोधपुर की घटना ने पूरे राज्य को दहला दिया है। सरकार को महिलाओं, बहू और बेटियों की रक्षा करनी चाहिए।

श्रीगंगानगर में भारत-पाक बॉर्डर पर फायरिंग

बीएसएफ ने 45 राउंड फायर कर घुसपैठ कर रहे ड्रोन को मार गिराया

श्रीगंगानगर, 20 जुलाई (एजेंसियां)। श्रीगंगानगर में भारत-पाक बॉर्डर पर एक बार फिर फायरिंग हुई है। पाकिस्तान की ओर से ड्रोन से हेरोइन के तीन पैकेट फेंके गए, ड्रोन की एक्टिविटी देखते ही बीएसएफ जवान अलर्ट हो गए और 45 राउंड फायर कर ड्रोन को गिरा दिया। बीएसएफ ने हेरोइन के पैकेट जब्त कर लिए हैं। बताया जा रहा है कि पाकिस्तानी ड्रोन से फेंकी गई हेराइन की कीमत करीब 12 करोड़ रुपए है।

घटना श्रीगंगानगर के रायसिंहनगर इलाके में आधी रात की है। जोधपुर स्थित बीएसएफ के फ्रंटियर हेडक्वार्टर ने बयान जारी कर बताया कि इलाके के गांव 41 पीएस के पास बीओपी त्रिशूल पर बीएसएफ जवानों को ड्रोन की एक्टिविटी का शक हुआ था। इस पर बीएसएफ जवानों ने मोर्चा संभाल लिया। उन्होंने ड्रोन की दिशा में लगातार 45 राउंड फायर किया। फायरिंग से ड्रोन नीचे बीओपी कैंपस में आकर गिरा।

सर्च ऑपरेशन में मिली हेरोइन

बीएसएफ ने ड्रोन को कब्जे में लेकर सर्च ऑपरेशन शुरू किया। सर्च ऑपरेशन के दौरान इलाके के एक खेत में 3 पैकेट्स में करीब 2 किलो 300 ग्राम हेरोइन बरामद हुई है। जिसकी कीमत अंतर्राष्ट्रीय बाजार में लगभग 12 करोड़ रुपए आंकी गई है। हेरोइन को जांच के लिए संबधित एजेंसी को सौंपा जाएगा।

पहले भी हेरोइन तस्करी के मामले आए सामने

इलाके में पाकिस्तान की ओर से ड्रोन से हेरोइन की तस्करी के मामले पहले भी सामने आ चुके हैं। केसरीसिंहपुर इलाके में इस साल फरवरी में खेतों में 6 किलो हेरोइन बरामद हुई थी। इसे ड्रोन के जरिए यहां डाला गया था। इससे पहले पिछले साल भी तस्करी की कई वारदात हुईं।

बीएसएफ जवान का मिला सुसाइड नोट, ससुराल वालों से था परेशान

लिखा-'मां को नॉमिनी बनाना और दोस्तों को 65 हजार रुपए लौटा देना'

जैसलमेर, 20 जुलाई (एजेंसियां)। भारत-पाक सरहद पर बीएसएफ के जवान संदीप ने घरेलू कलह से परेशान होकर सुसाइड किया था। जवान का सुसाइड नोट मिला है, जिसमें लिखा है कि ' मेरी मां को मेरा नॉमिनी बनाया जाए और दोस्तों से उधार लिया पैसा लौटाया जाए '। परिजन शव को कर्नाटक लेकर गए है, वहां अंतिम संस्कार किया जाएगा। बीएसएफ से मिली जानकारी अनुसार कर्नाटक के रहने वाले जवान संदीप बिरादर (30) पुत्र सुरेश ने सुबह ड्यूटी के दौरान खुद को गोली मार ली थी। जवान ने धनाना पोस्ट पर ड्यूटी के दौरान सुसाइड किया था। गोली की आवाज सुनकर पास में ही ड्यूटी कर रहे जवान आए और जवाहिर हॉस्पिटल लाए जहां डॉक्टरों ने उसको मृत घोषित कर दिया।

बाइक लूटकर भागे 4 बदमाशों को पुलिस ने पकड़ा

एक बदमाश अंधेरे में हो गया फरार, मौके से 3 बाइक की जब्त

धौलपुर, 20 जुलाई (एजेंसियां)। धौलपुर की कोतवाली और सदर थाना पुलिस ने लूट की वारदात का खुलासा कर चंबल के बीहड़ से 4 बदमाशों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इन बदमाशों से 3 बाइक को जब्त किया है। इस दौरान एक बदमाश मौके से फरार हो गया, जिसकी तलाश की जा रही है।

जानकारी के अनुसार बुधवार देर रात कंट्रोल रूम पर सूचना मिली थी कि टोटरी निवासी निरंजन ठाकुर धौलपुर से बाड़ी रोड पर जा रहा था। इस दौरान सदर थाना क्षेत्र में विश्नोदा गांव के पास 2 बाइक पर आए 5 बदमाशों ने उससे बाइक छीन ली और धौलपुर की तरफ भाग गए। इस पर एसपी मनोज कुमार के निर्देशन में सीओ सिटी सुरेश सांखला के नेतृत्व में पुलिस टीमों का गठन कर आरोपियों का पीछ किया गया। इस दौरान आरोपियों के भूराखेड़ा गांव की तरफ चंबल के बीहड़ों में भागने की जानकारी मिली तो पुलिस की टीमों ने आरोपियों का भूराखेड़ा के बीहड़ो में पीछा किया। सघन जांच के दौरान कोतवाली थाने के हेड कॉन्स्टेबल कृष्ण अवतार और पचगांव चौकी प्रभारी जानकीनंदन मीना को बीहड़ में आरोपियों का मूवमेंट दिखा।

इस पर विभिन्न पुलिस की टीमों ने बीहड़ की घेराबंदी कर ली और 4 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। एक आरोपी अंधेरे का फायदा उठाकर मौके से फरार हो गया, जिसकी गिरफ्तारी के लिए एक टीम तलाश में जुटी है। गिरफ्त में आए बदमाशों से लूटी गई एक बाइक के अलावा वारदात में शामिल 2 अन्य बाइकों को भी बरामद किया है। पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर रही है, जिनसे अन्य वारदातों के खुलासे की संभावना है।

नाबालिग बच्ची में प्रेत का डर बताकर तांत्रिक ने कई बार किया रेप

बीकानेर, 20 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान में महिलाओं और बच्चियों के साथ होने वाले अपराध के मामले थमने का नाम ही नहीं ले रहे हैं। प्रदेश के बीकानेर जिले से भी एक सनसनी फैला देने वाली वारदात उजागर हुई है।

यहां तांत्रिक ने परिजनों को प्रेत का डर बताकर नाबालिग बच्ची के साथ कई बार दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया। बताया जा रहा है कि तांत्रिक लड़की के शरीर से प्रेत निकालने के नाम पर कमरे में ले जाकर कई बार रेप किया। बाद में पीड़ित बच्ची के पिता को मामले का पता लगा तो उन्होंने पुलिस में मामले की रिपोर्ट दर्ज करवाई। पुलिस ने आरोपी तांत्रिक की तलाश शुरू कर दी है।

केन्द्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव शीघ्र करेंगे रतलाम-अहमदाबाद वाया बांसवाड़ा डूंगरपुर रेल परियोजना का शिलान्यास

जयपुर, 20 जुलाई (एजेंसियां)। केन्द्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव रतलाम से अहमदाबाद वाया बांसवाड़ा -डूंगरपुर बहुप्रतिक्षित रेल परियोजना का शीघ्र ही शिलान्यास करेंगे। बाँसवाड़ा-डूंगरपुर के सांसद कनक मल कटारा को यह जानकारी नई दिल्ली में बुधवार को केन्द्रीय रेल मंत्री वैष्णव ने उनसे हुई मुलाकात के दौरान दी।

रेल मंत्री वैष्णव ने बताया कि दक्षिणी राजस्थान की इस महत्वाकांक्षी रेल परियोजना का कार्य अतिशीघ्र प्रारंभ करा दिया जायेगा और जल्दी ही इसका शिलान्यास भी किया जायेगा। इस रेल परियोजना से क्षेत्र के विकास के साथ रोजगार के नए नए आयाम , सस्ता और सुलभ परिवहन आमजन को मिल सकेगा तथा यह रेल लाइन वागड़ क्षेत्र के विकास की सबसे बड़ी कड़ी साबित होंगी।

उदयपुर में दो गुटों में विवाद : समुदाय विशेष के आरोपियों ने लोगों को पीटा

उदयपुर, 20 जुलाई (एजेंसियां)। उदयपुर के अंबामाता थाना क्षेत्र में बुधवार रात दो गुटो में जमकर डंडे और तलवारें चली। समुदाय विशेष के लोग गाड़ियों में बैठकर आए और मोहल्ले में आसपास खड़े वाहनों के कांच तोड़ दिए गए। लोगों पर तलवारों से हमला किया और डंडों मारपीट की।

इस विवाद में तीन लोग गंभीर घायल हुए हैं, जिन्हें इलाज के लिए एमबी हॉस्पिटल मे भर्ती कराया गया। इधर, तनाव को देखते हुए पुलिस मौके पर पहुंची और मामला शांत कराने की कोशिश की। घटना के बाद दोनों की गुटों ने एक-दूसरे के खिलाफ अंबामाता थाने में केस दर्ज कराया है।

सफाईकर्मी को थप्पड़ मारने पर हुआ विवाद

दरअसल, 4 दिन पहले 16 जुलाई की रात समुदाय विशेष के बाइक सवार दो युवक ने रास्ते में खड़े एक सफाईकर्मी को थप्पड़ मार दिया था। इसके बाद दोनों आरोपी मौके से फरार हो गए थे। पीड़ित ने अंबामाता थाने में शिकायत देते हुए बताया था कि वह नगर निगम की गाड़ी से क्षेत्र में कचरा लेने गया था। इस दौरान बाइक सवार युवकों ने थप्पड़ मारा और जातिसूचक गालियां दी। अगले दिन 17 जुलाई की सुबह सज्जन नगर कच्ची बस्ती में करीब 10 से 15 लड़के धारदार हथियार लेकर आए। तलवार और सरियों से वाहनों पर तोड़फोड़ कर दी।

जयपुर के बाद कोटा में भी बिना विजा के घूमने वाले नाइजीरियन को पुलिस ने दबोचा

पांच साल से रह रहा है भारत में

कोटा, 20 जुलाई (एजेंसियां)। प्रदेश की राजधानी जयपुर में दो नाइजीरियन नागरिकों को पुलिस ने मादक पदार्थों के साथ गिरफ्तार किया था। गिरफ्तारी के बाद यह भी पता चला कि वो बिना पासपोर्ट के राजस्थान में रह रहे थे। इसी तरह का एक और खुलासा कोटा से बुधवार को हुआ। नई दिल्ली-मुंबई राजधानी ट्रेन (12952) में मंगलवार को एक 33 साल का नाइजीरियन युवक के बिना वीजा के सफर करने का मामला सामने आया है। सूचना मिलने पर उसे कोटा स्टेशन पर उतार लिया। अब इंटेलीजेंस संबंधित व्यक्ति से पूछताछ कर रही है।

2017 में भारत आया नाइजीरियन युवक

इंटेलीजेंस के इंस्पेक्टर चेतन शर्मा ने बताया कि युवक की उम्र 33 साल है। उसने बिज़नेस पर्पज से इंडिया आने की बात कही है। इसके पास कोई वीजा नहीं है। फिलहाल युवक जीआरपी की कस्टडी में है। बताया जा रहा है कि साल 2017 में यह नाइजीरियन युवक इंडिया आया था। पांच साल से बिना वीजा के घूम रहा है। अब इस नाइजीरियन युवक के पासपोर्ट को सर्च किया जा रहा है, जिसे वेरिफाई करने में इंटेलीजेंस जुटी हुई हैं। लेकिन सबसे बड़ा सवाल यह युवक पांच साल से भारत में बिना वीजा के घूम रहा है। खुफिया एजेंसियों के यह क्यों हाथ नहीं लगा। फिलहाल युवक पुलिस कस्टडी में है।

जीआरपी पुलिस ने युवक को कोटा में उतारा

पुलिस ने बताया कि नाइजीरियन युवक का रिजर्वेशन B-3 कोच था। यह दिल्ली से मुंबई के लिए सफर कर रहा था। रास्ते में जांच के दौरान टीटीई ने जब युवक से पूछताछ की और वीजा मांगा तो उसने वीजा ना होने की बात कही। इसके बाद टीटीई ने मामले की सूचना कोटा मंडल रेल अधिकारियों को दी।

सूचना पर मंगलवार रात 9 बजकर 40 मिनट पर कोटा पहुंची राजधानी ट्रेन में आरपीएफ और जीआरपी जवानों ने नाइजीरियन युवक से पूछताछ की। पूछताछ में कोई संतुष्टिपूर्ण जवाब नहीं मिलने पर जीआरपी ने यात्री को कोटा स्टेशन पर उतार लिया। जीआरपी थाना प्रभारी का कहना है कि नाइजीरियन के पास पासपोर्ट मौजूद था, लेकिन वह वीजा के बारे में ठीक से जवाब नहीं दे रहा था। जीआरपी के थाना प्रभारी मनोज सोनी का कहना है कि अभी मामले की जांच की जा रही है।

शव रखकर प्रदर्शन करने पर 5 साल की सजा

डेड बॉडी लेने से मना किया तो जेल जाएंगे परिजन; भाजपा बोली-ये मीसा जैसा कानून

जयपुर, 20 जुलाई (एजेंसियां)।राजस्थान में अब डेड बॉडी रखकर विरोध प्रदर्शन करने वालों को सजा होगी। इसमें परिवार के सदस्यों के साथ नेताओं को भी सजा मिलेगी। दरअसल, राजस्थान सरकार डेड बॉडी के सम्मान वाला बिल लेकर आई है, जिसे गुरुवार को विधानसभा में बहस के बाद पारित कर दिया गया। भाजपा ने इसकी तुलना आपातकाल के मीसा कानून से की है।

इस बिल में डेड बॉडी के साथ विरोध प्रदर्शन करने और समय पर अंतिम संस्कार नहीं करने पर सजा व जुर्माने का प्रावधान किया गया है। राजस्थान मृतक शरीर के सम्मान का विधेयक के प्रावधानों के अनुसार परिजन को मृतक का समय पर अंतिम संस्कार करना होगा।

कोई भी फैमिली मेंबर अगर डेड बॉडी का इस्तेमाल विरोध करने के लिए करता है या किसी नेता को डेड बॉडी का इस्तेमाल विरोध प्रदर्शन में करने देता है या उसकी सहमति देता है तो उसे भी 2 साल तक की सजा हो सकती है। अगर कोई नेता या गैर परिजन किसी डेड बॉडी का इस्तेमाल विरोध प्रदर्शन के लिए करेगा तो उसे पांच साल तक सजा का प्रावधान किया है।

डेड बॉडी नहीं लेने पर भी परिजनों को एक साल की सजा

बिल के अनुसार कोई भी फैमिली मेंबर डेड बॉडी को अपने कब्जे में नहीं लेता तो उसे 1 साल तक की सजा और जुर्माने का प्रावधान किया गया है।

बिल में प्रावधान किया है कि मरने वाले के परिजन को समय पर मृतक का अंतिम संस्कार करना होगा। जब तक जरूरी नहीं हो, जल्द से जल्द अंतिम संस्कार करना होगा। अंतिम संस्कार में देरी तभी की जा सकेगी, जब परिजन बाहर से आने वाले हों या पोस्टमॉर्टम करना हो। डेड बॉडी को विरोध प्रदर्शन के लिए काम में

नहीं लिया जा सकेगा। न तो परिवार के मेंबर्स डेड बॉडी के साथ विरोध प्रदर्शन कर सकेंगे और न ही किसी थर्ड पार्टी को इसकी अनुमति दी जा सकेगी। किसी थानाधिकारी या अफसर को यह लगता है कि डेड बॉडी का इस्तेमाल परिजन या नेता विरोध प्रदर्शन के लिए कर सकते हैं तो वह उसे कब्जे में ले सकेगा। इसके लिए इसकी सूचना एसडीएम को देनी होगी और इसके बाद थाना अधिकारी डेड बॉडी कब्जे में लेगा और जरूरी हुआ तो पोस्टमॉर्टम के लिए भी भेज सकेंगे।

24 घंटे में अंतिम संस्कार करने का नोटिस भेजेंगे

पुलिस से सूचना मिलने के बाद संबंधित मजिस्ट्रेट या एसडीएम डेड बॉडी के अंतिम संस्कार के लिए परिवार के मेंबर्स को नोटिस भेजेगा। मृतक का परिवार अगर डेड बॉडी का अंतिम संस्कार नहीं करता है तो मजिस्ट्रेट 24 घंटे के अंदर अंतिम संस्कार करने के सशर्त आदेश देगा। कोई वैलिड कारण होने पर मजिस्ट्रेट इस समय अवधि को बढ़ा भी सकेगा। इसके बाद भी परिवार के मेंबर अगर अंतिम संस्कार नहीं करते हैं तो प्रशासन अपने स्तर पर अंतिम संस्कार करेगा। अगर मजिस्ट्रेट को यह लगता है कि उसके क्षेत्र में कोई विरोध प्रदर्शन या बिना अनुमति लोग इकट्ठे हो रहे हैं या इसकी कोई संभावना हो तो वह लिखित में आदेश जारी करके धारा 129 और 132 के तहत कार्रवाई कर सकेगा।

लावारिस लाशों को सम्मान से डीप फ्रीजर में रखना होगा

लावारिस मिली डेड बॉडी और बिना दावे वाली डेड बॉडी को डीप फ्रीजर में रख जाएगा। यह भी सुनिश्चित करना होगा कि महिला और पुरुष की डेड बॉडी को अलग-अलग रखा जाए।

श्री जगन्नाथ सेवा समिति का पंचकुंडीय हरिहर महायज्ञ जारी

हैदराबाद, 20 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। श्री जगन्नाथ सेवा समिति द्वारा श्री जगन्नाथ मंदिर, रोड नंबर 12, बंजारा हिल्स में श्री पंचकुण्डीय हरि हर महायज्ञ का आयोजन 25 जुलाई तक किया जाएगा। यहाँ जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में समिति के प्रचार व प्रसार संयोजक मुकुंद लाल अग्रवाल ने जानकारी देते बताया कि यज्ञ के द्वितीय दिवस में मुख्य यजमान बजरंग प्रसाद गुप्ता एवं श्रीमती संतोष गुप्ता के अतिरिक्त अन्य यजमान गण सुरेश कुमार अग्रवाल दिल्लीवाले-श्रीमती विमल दिल्लीवाले, सुनील कुमार गुप्ता - श्रीमती संगीता गुप्ता, महेश कुमार डाकोतिया-श्रीमती सरिता डाकोतिया, अजय गुप्ता-श्रीमती साक्षी गुप्ता, प्रणय गोयल-श्रीमती हर्षा गोयल, विमल सिग्रोडिया-श्रीमती संगीता सिग्रोडिया द्वारा पूजा अर्चना तथा यज्ञ हवन किया ।काशी के यज्ञा चार्य वै. प्र. सुनील लक्ष्मी कांत दीक्षित द्वारा यज्ञ का संचालन उनके 56 पंडितों द्वारा किया जा रहा है। यज्ञ व पूजा अर्चना, मध्याह्न प्रसाद सायं 7 बजे तक हरिहर भगवान को महेश कुमार दिल्लीवाले एवं मुकुंद लाल अग्रवाल द्वारा प्रसाद चढ़ाने के पश्चात् आरती की गई। आज के यज्ञ कार्यक्रम में अध्यक्ष मुकुंद लाल सोन्थलिया, राजेंद्र कुमार अग्रवाल, सुरेंद्र कुमार गोयल, माणिक चंद गुप्ता, पवन कुमार गुप्ता आदि उपस्थित थे यज्ञ की समाप्ति के पश्चात उपस्थित सदस्यों ने प्रसाद ग्रहण किया।

जिले के एसपी ने स्थानांतरण पर जा रहे रिजर्व इंस्पेक्टर को सम्मानित किया

कुमरम भीम आसिफाबाद, 20 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। आसिफाबाद पुलिस मुख्यालय में रिजर्व इंस्पेक्टर (मोटर ट्रांसपोर्ट ऑफिसर) के पद पर कार्यरत मदासु श्रीनिवास स्थानांतरण पर रामागुडम आयुक्तालय जाएंगे। इस अवसर पर आज जिला पुलिस मुख्यालय में जिला एसपी के सुरेश कुमार आईपीएस ने इंस्पेक्टर श्रीनिवास को सम्मानित किया और जिले में उनकी सेवाओं की सराहना की। इस अवसर पर बोलते हुए एसपी ने कहा कि नौकरी के साथ-साथ परिवार को भी समय देना जरूरी है और सरकारी कर्मचारियों के लिए स्थानांतरण स्वाभाविक है। उन्होंने कहा कि जहां भी कार्य करें उसे अनुशासन और जिम्मेदारी के साथ करना जरूरी है।इस अवसर पर जिले के अतिरिक्त एसपी प्रशासन अचेश्वर राव, आसिफाबाद डीएसपी श्रीनिवास, सीआई सुधाकर, राणा प्रताप, पवन कुमार, सुरेश, नरेंद्र, रमेश, आर. आई किरण, पैद्दैया, एसआई राजेश्वर, डी.पी.ओ.ए. ओ श्रीनिवास रेड्डी, ए अधीक्षक इंशाव अली, बी अधीक्षक ए श्रीनिवास, आरएसआई ओडेलु, किरण, राजेश, लवन, गोपी कृष्ण और पुलिस कर्मियों ने भाग लिया।

सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के कर्मचारियों के लिए दंत चिकित्सा शिविर आयोजित

हैदराबाद, 20 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। जेबी ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस की इकाई, श्री बालाजी डेंटल कॉलेज के पेरियोडॉन्टिक्स विभाग ने आज यहां आयुक्तालय कार्यालय में सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के कर्मचारियों के लिए एक डेंटल कैंप का आयोजन किया। शिविर का आयोजन इंडियन सोसाइटी ऑफ पेरियोडोंटोलॉजी द्वारा ग्रीन इनिशिएटिव के हिस्से के रूप में श्री बालाजी डेंटल कॉलेज, मोइनाबाद के पीरियोडॉन्टिक्स के प्रोफेसर और एचओडी डॉ. हरिता अवुला के नेतृत्व में किया गया। इस शिविर का उद्देश्य प्लास्टिक के ब्रश को करना और बांस के ब्रश को बढ़ाना देना था। सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के निदेशक बी. राजमौली ने कहा कि सभी को मौखिक स्वच्छता बनाए रखने और विभिन्न मसूड़ों की बीमारियों से बचाव की जरूरत है। डॉ. हरिता अवुला, प्रोफेसर ने पावर प्वाइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से विस्तार से बताया कि मौखिक स्वच्छता कैसे बनाए रखें, जिसका सीधा परिणाम स्वस्थ शरीर में होता है, ब्रश का उपयोग, फ्लॉसिंग तकनीक, दांतों की समस्याओं के बारे में आम जनता के बीच मिथकों को दूर करना, नियमित रूप से दंत चिकित्सकों के पास जाना है। उन्होंने मौखिक स्वच्छता के बारे में कर्मचारियों के साथ एक विस्तृत इंटरैक्टिव सत्र भी किया। बाद में, श्री बालाजी डेंटल कॉलेज के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. गिरेश्मा सहित डॉक्टरों की टीम ने सभी कर्मचारियों के लिए स्क्रीनिंग शिविर आयोजित किया और उपचार का सुझाव दिया और मुफ्त बांस के टूथ ब्रश और टूथ पेस्ट भी दिए। वी. राधा किशन, मुख्य सूचना अभियंता, एन. वेंकटेश्वर राव, सचिव, तेलंगाना राज्य की मीडिया अकादमी, जयराम मूर्ति, क्षेत्रीय सूचना अभियंता, एस.ए. हाशमी, सी. राजा रेड्डी, जी. प्रसाद राव, उप निदेशक, एम. यामिनी, सहायक निदेशक व अन्य उपस्थित थे।

लोकेश विश्नोई ने हैदराबाद मंडल के नए डीआरएम बने

हैदराबाद, 20 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। लोकेश विश्नोई ने मंडल रेल प्रबंधक, हैदराबाद मंडल, एससीआर के रूप में कार्यभार संभाला लिया। श्री विश्नोई ने गुरुवार को हैदराबाद भवन सिकंदराबाद में दक्षिण मध्य रेलवे के हैदराबाद मंडल के मंडल रेल प्रबंधक के रूप में कार्यभार संभाला। वह भारतीय रेलवे सिग्नल इंजीनियर्स सेवा (आईआरएसएसई) के 1992 बैच के हैं। उनके पास इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग में स्नातक की डिग्री है और वित्तीय प्रबंधन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पीजीडीएफएम) भी है। वर्तमान कार्यभार से पहले लोकेश विश्नोई ने दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के रायपुर मंडल में अतिरिक्त मंडल रेल प्रबंधक के रूप में कार्य किया। उन्होंने मंडल स्तर पर सिग्नल एवं दूरसंचार विभाग में विभिन्न पदों पर कार्य किया है। उन्होंने छत्तीसगढ़ रेलवे कॉर्पोरेशन लिमिटेड में महाप्रबंधक, कॉर्पोरेट समन्वय के रूप में भी काम किया है। श्री विश्नोई को 2017 में सीआईओ-100 पुरस्कार और 2016 और 2017 में शीर्ष 100 चेंज एजेंट पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। उन्होंने इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स, रायपुर द्वारा इंजीनियर ऑफ द ईयर, 2013 का पुरस्कार भी जीता था। वह एक फिटनेस फ्रीक और खेल प्रेमी हैं। वह फुटबॉल और वॉलीबॉल का अच्छा खिलाड़ी है।

अग्रवाल केयर फाउंडेशन ने वर्षगांठ पर डॉक्टरों का किया सम्मान

हैदराबाद, 20 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। अग्रवाल केयर फाउंडेशन ने अपनी प्रथम वर्षगांठ के अवसर पर डॉक्टर्स का सम्मान किया। अग्रवाल केयर फाउंडेशन, जिसकी नींव 20 जुलाई 22 को कुछ अग्रवाल भाइयों द्वारा समाज के आर्थिक रूप से कमजोर बंधुओं को स्वास्थ और शिक्षा के क्षेत्र में सहायता उपलब्ध कराने के उद्देश्य से रखी गई थी। नगर के कई नामी अस्पतालों में जैसे की निम्स, निलोफर, एआईजी गच्चीबोली, केयर बंजारा, हेल्पिंग हैंड फाउंडेशन सेंटर्स, कैलाश आरोग्य हॉस्पिटल आदि में इस संस्था ने अथक प्रयास कर गंभीर से गंभीर बीमारी का इलाज करवाया है। किसी भी आपातकालीन परिस्थिति में यह संस्था के अधिकतर सदस्य तत्पर रहते है शिक्षा के क्षेत्र में कई छात्र छात्राओं को इस संस्था ने फीस प्रदान की है। प्रथम वर्षगांठ के अवसर पर संस्था के सदस्यों संजय पसारी, मनीष अग्रवाल अत्तापुर, विनय तायल, अजय कुमार अग्रवाल, श्रीमती हेमा तायल, गोवर्धन अग्रवाल द्वारा निलोफर अस्पताल में विभिन्न डॉक्टर्स, डॉक्टर उषा रानी सुप्रीटेंडेंट, डॉक्टर राजेश्वरी, डॉक्टर ज्योति, डॉक्टर समीना, डॉक्टर मंदाकिनी एवं डॉक्टर स्वपना का सम्मान किया गया।

विशाख रिफाइनरी का वार्षिक राजभाषा सम्मेलन संपन्न

विशाखापट्टनम, 20 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड विशाख रिफाइनरी का वार्षिक राजभाषा सम्मेलन 2023 कार्यकारी निदेशक(प्रभारी) वी. रतन राज की अध्यक्षता में आयोजित किया गया। इस सम्मेलन में मुख्य महाप्रबंधक, मानव संसाधन विशाख रिफाइनरी जी. किरण कुमार, विशाखा टॉलिक सदस्य सचिव व महाप्रबंधक आरआईएनएल, ललन कुमार, प्रमुख-राजभाषा, एचपीसीएल प्रधान कार्यालय सलीम ए खान एवं वरिष्ठ प्रबंधक, राजभाषा, दक्षिण मध्य अंचल व विशाख रिफाइनरी रिजवान पाशा सहित विशाख रिफाइनरी के विभिन्न विभागों से राजभाषा समन्वयक उपस्थित थे।

मुख्य महाप्रबंधक किरण कुमार ने औपचारित स्वागत किया एवं विशाख रिफाइनरी में राजभाषा गतिविधियों की जानकारी दी। प्रमुख राजभाषा सलीम खान ने सम्मेलन का महत्व बताते हुए राजभाषा कार्यान्वयन को सुचारु रुप से कार्यान्वित करने हेतु मार्गदर्शन दिया। विशाखा टॉलिक सदस्य सचिव ललन कुमार ने राजभाषा कार्यान्वयन में एचपीसीएल द्वारा किए जा रहे प्रयासों की सरहाना करते हुए एचपीसीएल को लगातार टॉलिक पुरस्कार के विजेता होने पर बधाई दी। सम्मेलन के अध्यक्ष व कार्यकारी निदेशक वी. रतन राज ने सभी समन्वयकों से अग्राह को अपना अधिक से अधिक कार्य हिन्दी ई-मेल के माध्यम से करने एवं विभाग के सभी कर्मचारियों को भी अपना अधिकतम कार्य हिन्दी संपादित करने हेतु प्रेरित करने अनुरोध किया। उन्होंने सम्मेलन की सफलता के लिए शुभकामनाएं दी एवं राजभाषा कार्यान्वयन में पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया।

सम्मेलन में प्रमुख राजभाषा द्वारा विशाख रिफाइनरी के विभागवर राजभाषा कार्यान्वयन की समीक्षा की गई एवं आवश्यक सुझाव दिए गए। वर्ष 2023-24 के भावी योजना बनाई गई। वरिष्ठ प्रबंधक, राजभाषा रिजवान पाशा द्वारा तिमाही प्रगति रिपोर्ट, हिन्दी आईटी टूल्स व हिन्दी प्रोत्साहन योजनाओं पर सत्र लिए गए। राजभाषा समन्वयक रंगा सुरश द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ सम्मेलन का समापन हुआ।

श्री कृष्णा कुमावत समाज बडंगपेट की नयी कार्यकारिणी गठित ओमप्रकाश भोबरिया बने अधयक्ष

हैदराबाद, 20 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। बडगपेट स्थित समाज के भवन में श्री कृष्णा कुमावत समाज बन्धुओं के सानिध्य में विशेष मीटिंग आयोजितकर आगमी कार्यकाल के लिए सर्वसहमति से नयी कार्यकारिणी मंडल का गठन किया गया। जिसमे ओमप्रकाश भोबरिया को अध्यक्ष एवं बाबुलाल गुड़िया को सचिव चुना गया। जारी प्रेस विज्ञप्ति मे नवनिर्वाचित सचिव बाबुलाल गुड़िया ने बताया कि समाज बन्धुओं के सानिध्य मे विशेष मीटिंग का आयोजनकर सर्वसहमति से नयी कार्यकारिणी का गठन किया गया। इसमें संरक्षक रुपाराम लिम्बा, अध्यक्ष ओमप्रकाश भोबरिया, सचिव बाबुलाल गुड़िया, सहसचिव पवनकुमार हांगर , उपाध्यक्ष अमराराम बाकरेचा, श्रवणकुमार मावर, माणकलाल गोटवाल, कोषाध्यक्ष ओटाराम बोड़ावड़, उप-कोषाध्यक्ष गौतम पटेल, प्रचार मंत्री बगदाराम बाकरेचा, मांगीलाल गुड़िया, बंसीलाल गुगाण खेल मंत्री जीतेन्द्र बाकरेचा, चेतन लारणा, सलाहकार ओमप्रकाश चांदौरा, जवानराम बोड़ावड़, धर्माराम पिलोदिया, उगमाराम चांदौरा, मदनलाल दूबलदिया, जयराम रेणवाल, सुगनचन्द रेणवाल, लक्ष्मणलाल मोटावत, चुन्नीलाल मानणीया, जयराम पिलोदिया, दौलतराम दूबलदिया, हरिराम बाकरेचा, भाकरराम मावर, नारायणलाल मोटावत को सर्वसहमति से चुना गया। पधारे समाज बन्धुओं ने नवनिर्वाचित पदाधिकारीयों का साफे से सम्मानकर पूर्व कार्यकारिणी को सम्मानपूर्वक विदाई दी। नवनिर्वाचित अध्यक्ष ओमप्रकाश भोबरिया ने अपने सम्बोधन भाषण मे नवनिर्वाचित अध्यक्ष चुने जाने पर समाज बन्धुओं का आभार प्रकट किया। सचिव बाबुलाल गुड़िया के धन्यवाद ज्ञापन से कार्यक्रम का समापन हुआ।

राज्य सरकार के हर गलत काम को उजागर करेगी भाजपा : लाल सिंह

हैदराबाद, 20 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। भाजपा पर केसीआर सरकार का डर दिन-ब-दिन बढ़ता जा रहा है। गोशामहल के पार्षद लाल सिंह को बटासिंगाराम में डबल बेडरूम के खिलाफ जी. किशन रेड्डी के विरोध प्रदर्शन में जाने से रोका गया तथा एहतियात के तौर पर उन्हें घर में नजरबंद कर दिया गया। इस अवसर पर पार्षद लाल सिंह ने कहा कि जनता के सामने आ रहे तथ्यों से राज्य सरकार डरी हुई है। उन्होंने कहा कि बीजेपी राज्य सरकार के हर गलत कामों का उजागर करेगी और धोखा देने वाली राजनीति के लिए आपको शर्मिंदा करने के लिए हर संभव प्रयास करेगी। इस अवसर पर गोशामहल विधानसभा संयोजक भाजयुमो, सोमराज सिंह, प्रदीप सिंह, सुधाकर गौड़, अक्षय साहू, राजा जौहरी एवं अन्य की उपस्थिति रही।

अग्रवाल समाज शालीबंडा महिला शाखा की सावन की सैर 20 अगस्त को

हैदराबाद, 20 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। अग्रवाल समाज शालीबंडा महिला शाखा की सावन की सैर का आयोजन 20 अगस्त को तांडूर स्थित भू कैलाश महादेव मंदिर में किया जाएगा। जारी प्रेस विज्ञप्ति में शाखा की मंत्री शीतल बंसल ने बताया की शाखा द्वारा पहले चिलकुर बालाजी भगवान के दर्शन कर तथ पचात तंदूर स्तिथ भू कैलाश महादेव मंदिर में भगवान भोलेनाथ के दर्शन एवं सभी के लिए मनोरंजन कार्यक्रम का आयोजन रहेगा।

अधिक जानकारी के लिए शाखा के पधाधिकारिओ अध्यक्ष मंजू अग्रवाल, उपाध्यक्ष प्रतिमा अग्रवाल, मंत्री शीतल बंसल, सयुक्त मंत्री पायल अग्रवाल, कोषाध्यक्ष लीना अग्रवाल, केंद्रीय समिति सदस्य प्रियंका डोकानिया से संपर्क कर सकते है

ईसीएचएस पैनल में शामिल अस्पताल के कर्मचारियों के साथ दिग्गजों की बातचीत

हैदराबाद, 20 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। ईसीएचएस (पूर्व सैनिक अंशदायी स्वास्थ्य योजना) के पैनल में शामिल अस्पताल के कर्मचारियों और तेलंगाना और आंध्र प्रदेश राज्यों के दिग्गजों के साथ एक बातचीत आयोजित की गई। निदेशक, क्षेत्रीय केंद्र ईसीएचएस, हैदराबाद ने चर्चा का संचालन किया। मेजर जनरल राकेश मनोचा, जनरल ऑफिसर कमांडिंग, मुख्यालय तेलंगाना और आंध्र सब एरिया (टीएएसए) ने बातचीत की अध्यक्षता की। पैनल में शामिल 20 अस्पतालों के प्रतिनिधियों, दिग्गजों, क्षेत्रीय केंद्र के कर्मचारियों और स्टेशन मुख्यालय में ईसीएचएस सेल ने बातचीत में भाग लिया। दिग्गजों ने अपने सुझाव और उनके सामने आने वाली समस्याएं बताईं और पैनल में शामिल अस्पतालों ने दिग्गजों और ईसीएचएस कर्मचारियों के साथ व्यवहार करते समय अपनी चिंताओं को उठाया। चर्चा किए गए मुद्दे वास्तविक है और ईसीएचएस प्रणाली में सुधार के लिए निश्चित कदम उठाए जाएंगे। जीओसी ने पूर्व सैनिकों को सर्वोत्तम चिकित्सा देखभाल प्रदान करने के लिए ठोस प्रयासों का आश्वासन दिया।

132 वें डूरंड फुटबॉल टूर्नामेंट का ट्रॉफी टूर

हैदराबाद, 20 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। 2023 डूरंड कप टूर्नामेंट का 132वां संस्करण होगा, जो एशिया का सबसे पुराना मौजूदा क्लब फुटबॉल टूर्नामेंट है। यह तीनों सेनाओं की ओर से भारतीय सेना के सहयोग से डूरंड फुटबॉल टूर्नामेंट सोसाइटी द्वारा आयोजित एक वार्षिक कार्यक्रम है। इस वर्ष यह टूर्नामेंट डुरंड फुटबॉल टूर्नामेंट सोसाइटी के तत्वावधान में मुख्यालय पूर्वी कमान द्वारा कोलकाता में आयोजित किया जा रहा है। प्रतिष्ठित डूरंड कप की ट्रॉफी यात्रा 20 जुलाई 2023 को वायु सेना अकादमी डंडीगल, हैदराबाद पहुंची।

ट्रॉफियों का अनावरण एयर मार्शल बी चंद्र शेखर, एवीएसएम, कमांडेंट वायु सेना अकादमी द्वारा किया गया। जनरल अनिल चौहान, पीवीएसएम, यूवाईएसएम, एवीएसएम, एसएम, वीएसएम चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) टूर्नामेंट के अध्यक्ष हैं। तीनों सेनाओं के प्रमुख इसके उपाध्यक्ष हैं। युवा पीढ़ी में उत्साह पैदा करने और उन्हें प्रेरित करने के लिए देश के विभिन्न हिस्सों में ट्रॉफी दौरे की योजना बनाई गई है। 132वां डूरंड कप 03 अगस्त 2023 को कोलकाता में शुरू होगा और फाइनल 03 सितंबर 2023 को होगा।

तेलंगाना भाजपा अध्यक्ष किशन रेड्डी के डबल बैडरूम निरीक्षण के मामले में सुल्तान बाजार पुलिस द्वारा भाजपा नेता गोविंद राठी को उनके निवास स्थान पर हाउस अरेस्ट किया गया। गोविंद राठी ने इसकी घोर निंदा की। तेलंगाना की आम जनता इस बार चंद्रशेखर राव को मुंहतोड जवाब देगी।

राजस्थान मारवाड पाली से पधारे जाट नेता भंवरलाल खरा, भिंयाराम जाट, भागीरथ चौधरी का रामदेवरा दरबार शिवरामपल्ली पर सम्मान करते हुए तेलंगाना जाट एकता मंच के प्रदेश अध्यक्ष धर्माराम ढाका, समाजसेवी प्रताप चौधरी, सुरेश चौधरी, दयानंद भाम्बु, बनवारी महाराज व अन्य।

आगापुरा स्थित कैशरबाग दिगंबर जैन मंदिर में श्री इंद्रपुरी दिगंबर जैन महिला मंडल की बैठक में दिगंबर मुनि की हत्या के खिलाफ मौन रैली आयोजित करने का निर्णय लिया गया। बैठक में उपस्थित हैं अध्यक्ष कमला पाड्या, मंत्राणी शर्मिला पांड्या, गुणमाला, सुशीला पहाड़े, विमला काला, मीना कासनीवाल, कविता छावड़ा व अन्य।

आईसीसी ने जारी की टेस्ट रैंकिंग

रोहित–जडेजा को 3 स्थान का फायदा

आर अश्विन गेंदबाजी रैंकिंग में टॉप पर बरकरार

दुबई, 20 जुलाई (एजेंसियां)। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल ने बुधवार को आईसीसी रैंकिंग जारी की। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले टेस्ट में शतक लगाने के बाद बैटिंग रैंकिंग में टॉप-10 में पहुंच गए हैं।

वहीं टेस्ट डेब्यू करने वाले यशस्वी जायसवाल को भी वेस्टइंडीज के खिलाफ डेब्यू मैच में 171 रन की बड़ी पारी खेलने का फायदा मिला है। वे टॉप-100 में अपनी उपस्थिति दर्ज कराने में सफल हुए हैं। भारतीय स्पिनर रविचंद्रन अश्विन गेंदबाजी रैंकिंग में टॉप पर बरकरार हैं।

रोहित ने 3 स्थान की लगाई छलांग

भारतीय टीम वेस्टइंडीज दौरे पर है। दो टेस्ट मैचों की सीरीज के पहले मुकाबले में टीम इंडिया जीत दर्ज कर चुकी है। वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले मैच में कप्तान रोहित शर्मा ने 103 रन की पारी खेली थी, जिसका फायदा उन्हें बुधवार को जारी टेस्ट बैटिंग रैंकिंग में मिला है।

रोहित 3 स्थानों की छलांग लगाकर 13वें से 10वें स्थान पर पहुंच गए हैं। उनके 750 अंक हैं, जबकि न्यूजीलैंड के खिलाड़ी केन विलियमसन 883 अंकों के साथ टॉप पर बरकरार हैं। वहीं ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज ट्रेविस हेड दूसरे और पाकिस्तानी कप्तान बाबर आजम तीसरे स्थान पर हैं।

डेब्यू मैच के बाद ही 73वें स्थान पर पहुंचे जायसवाल

वहीं डेब्यू मैच खेल रहे दूसरे ओपनर यशस्वी जायसवाल अपने करियर के पहले टेस्ट मैच के बाद 73वीं रैंकिंग पर पहुंच गए हैं। यशस्वी जायसवाल ने 171 रन की पारी खेली थी।

आर अश्विन गेंदबाजी रैंकिंग में टॉप पर बरकरार

टीम इंडिया के स्टार स्पिनर आर अश्विन ICC टेस्ट रैंकिंग में 884 रेटिंग पॉइंट्स के साथ टॉप पर मौजूद हैं। वहीं ऑस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस दूसरे नंबर पर हैं। जबकि साउथ अफ्रीका के तेज गेंदबाज कगिसो रबाडा तीसरे, जेम्स एंडरसन चौथे, पाकिस्तान के गेंदबाज शाहीन अफरीदी पांचवें नंबर पर मौजूद हैं।

जडेजा को भी 3 रैंकिंग का फायदा

वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले टेस्ट मैच में दोनों पारियों को मिलाकर 5 विकेट हासिल करने वाले रवींद्र जडेजा को भी रैंकिंग में फायदा हुआ है। जडेजा 3 स्थान ऊपर पहुंच गए हैं। इस वक्त जडेजा टेस्ट बॉलिंग रैंकिंग में 7वें स्थान पर कुल 779 रेटिंग के साथ मौजूद है।

वहीं, आर अश्विन टेस्ट बॉलिंग रैंकिंग के पहले स्थान पर काबिज हैं। वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले टेस्ट मैच में आर अश्विन ने कुल 12 विकेट अपने नाम किए थे, जिससे उन्हें रेटिंग पॉइंट्स में 24 अंकों का फायदा मिला है।

टेस्ट ऑलराउंडर की सूची में टॉप पर हैं जडेजा

बता दें कि रवींद्र जडेजा टेस्ट ऑलराउंडर्स की रैंकिंग में टॉप पर हैं। जडेजा के पास 449 रेटिंग पॉइंट्स हैं। वहीं आर अश्विन ऑलराउंडर्स की रैंकिंग में दूसरे नंबर पर मौजूद हैं। उनके पास 362 रेटिंग पॉइंट्स हैं।

यौन शोषण मामले में बृजभूषण और विनोद तोमर को मिली जमानत

राउज एवेन्यू कोर्ट ने सुनाया फैसला

नई दिल्ली, 20 जुलाई (एजेंसियां)। अदालत ने गुरुवार को महिला पहलवानों के यौन उत्पीड़न मामले में आरोपी भाजपा सांसद (सांसद) और कुश्ती महासंघ के निवर्तमान प्रमुख बृजभूषण शरण सिंह व सहायक सचिव विनोद तोमर को जमानत प्रदान कर दी। सुनवाई के दौरन अभियोजन पक्ष व शिकायतकर्ता के वकीलों ने जमानत पर आपत्ति नहीं जताई बल्कि जमानत देते हुए शर्तें लगाने का आग्रह किया। राउज़ एवेन्यू कोर्ट के अतिरिक्त मुख्य मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट (एसीएमएम) हरजीत सिंह जसपाल ने आदेश पारित किया।

अदालत ने आरोपी को निर्देश दिया कि वे प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से शिकायतकर्ताओं या गवाहों को प्रभावित नहीं करेगा और न ही उनसे संपर्क करने का प्रयास करेगा। वह अदालत की अनुमति के बिना देश नहीं छोड़ेगा। अदालत ने सभी शर्तों का ईमानदारी से पालन करने को कहा है। इससे पहले एपीपी अतुल श्रीवास्तव ने कहा कि जमानत देते समय शर्तें लगाई जाएंगी। श्रीवास्तव ने कहा वह गवाहों को प्रभावित कर सकते हैं इसलिए यह शर्त लगाई जा सकती है।

अदालत ने उनके उस तर्क को भी रिकॉर्ड पर लिया कि वह न तो जमानत अर्जी का विरोध कर रहे है और न ही समर्थन कर रहे है। उसका कहना है कि अदालत को जमानत अर्जी पर कानून, नियमों, दिशानिर्देशों और सुप्रीम कोर्ट के फैसलों के मुताबिक विचार करना चाहिए। शिकायतकर्ता की और से पेश वकील हर्ष वोहरा ने इसी तर्ज पर कहा यदि अदालत जमानत देने के इच्छुक हैं, तो कड़ी शर्तें लगाई जा सकती हैं।

आरोपियों की और से पेश वकील राजीव मोहन ने कहा कि वे सभी शर्तों का पालन करेंगे। मोहन ने कहा कोई धमकी नहीं है और अगर उन्हें आशंका है तो मैं वचन देता हूं कि ऐसी कोई घटना नहीं होगी।

जानकारी के लिए बता दें कि बीती 18 जुलाई को बृज भूषण सिंह को कोर्ट की ओर से 20 जुलाई तक अंतरिम जमानत दी थी। आरोपी विनोद तोमर को भी अंतरिम जमानत मिल गई थी। साथ ही कहा था कि उनकी नियमित जमानत पर बृहस्पतिवार को सुनवाई होगी।

अंतरिम जमानत पर सुनवाई के दौरान राउज एवेन्यू कोर्ट के अतिरिक्त मुख्य मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट हरजीत सिंह जसपाल के समक्ष अभियोजन पक्ष ने जमानत पर आपत्ति नहीं जताई थी।

दिल्ली पुलिस के अतिरिक्त लोक अभियोजक अतुल श्रीवास्तव ने कहा था कि डब्ल्यूएफआई अध्यक्ष को गिरफ्तार नहीं किया गया। हम उनकी जमानत का विरोध नहीं करेंगे बशर्ते वे गवाहों को प्रभावित नहीं करेंगे। न्यायाधीश जसपाल ने सात जुलाई को सिंह और डब्ल्यूएफआई के निलंबित सहायक सचिव विनोद तोमर को समन जारी किया था।

इसके बाद अदालत ने उसी दिन सिंह के खिलाफ महिला पहलवानों के यौन उत्पीड़न मामले में दिल्ली पुलिस के आरोप पत्र पर भी संज्ञान लिया था। अदालत ने कहा था कि पेश साक्ष्यों व गवाहों के बयानों के आधार पर उनके खिलाफ मुकदमा चलाने के साक्ष्य है। आरोपी सिंह के खिलाफ छह महिला पहलवानों ने यौन उत्पीड़न के आरोप लगाए हैं। उनकी शिकायतों के आधार पर, पुलिस ने एफआईआर दर्ज की थी।

द्रविड़ बोले- 18 महीने में विराट से बहुत कुछ सीखा

वो हर खिलाड़ी के लिए प्रेरणा, 500वां मैच उनकी मेहनत और कोशिशों का नतीजा

त्रिनिदाद, 20 जुलाई (एजेंसियां)। भारत और वेस्टइंडीज के बीच दूसरा टेस्ट मैच त्रिनिदाद में शाम 7:30 बजे से खेला जाएगा। यह विराट कोहली का 500वां टेस्ट मैच होगा। कोहली के इस कीर्तिमान को लेकर कोच राहुल द्रविड़ ने कहा कि पिछले 18 महीने वो विराट के साथ रहे। काफी कुछ सीखने को मिला।

द्रविड़ ने कहा- जब कोई देख नहीं रहा होता, तब विराट मेहनत करते हैं और कोशिशें करते हैं। यह शानदार है। मुझे लगता है कि यही वो बात है, जो उन्हें 500वें मैच तक लेकर आई है।

टेस्ट मैच से पहले द्रविड़ ने विराट की जमकर तारीफ की, कई अन्य मुद्दों पर भी बात की...

1. विराट कोहली का 500वां इंटरनेशनल मैच

'मुझे पता नहीं था कि ये विराट का 500वां मैच रहेगा। विराट टीम में कई खिलाड़ियों के लिए इंस्पिरेशन हैं, वह देश और दुनिया में युवाओं को भी अपने खेल से इंस्पायर करते हैं। आंकड़े और परफॉर्मेंस ही उनके खेल को बयां कर देते हैं।

उनकी फिटनेस जबरदस्त है और वो ज्यादा मजबूत होते जा रहे हैं।12-13 साल तक खेलने के बाद भी विराट जिस तरह की एनर्जी मैदान पर लाते हैं, ये सब आसानी से नहीं आता।

विराट डिसिप्लिन, मेहनत और अपनी फिटनेस से ही इस मुकाम तक पहुंचे हैं। एक कोच के रूप में टीम में इतने एक्सपीरिएंस्ड खिलाड़ी का होना बहुत मददगार रहता है। विराट जब यंग थे, हमने साथ में क्रिकेट खेला। उन्हें लगातार टीम के लिए खेलते हुए देखा, मैंने इसे एंजॉय किया और उम्मीद है, उन्होंने भी इसे बहुत एंजॉय किया होगा।'

2. एशिया कप में भारत-पाक मैच

'पाकिस्तान के खिलाफ 3 बार खेलने के लिए हमें सुपर-4 स्टेज में क्वालिफाई करना होगा। हम एक बार में एक ही मैच पर फोकस करेंगे, हमें शुरुआती 2 मैचों में पाकिस्तान के साथ नेपाल के खिलाफ भी खेलना है। हम

अच्छा क्रिकेट खेल कर इन्हें जीतने पर फोकस करेंगे।

अगर पाकिस्तान के खिलाफ 3 बार खेलते हैं तो ये बहुत ही अच्छा रहेगा। इसके लिए हमें और पाकिस्तान दोनों का फाइनल में पहुंचना भी बहुत जरूरी है। ये हमारे लिए बहुत अच्छा रहेगा, हम एक टीम के रूप में फाइनल खेलने और उसे जीतने पर ज्यादा फोकस करेंगे।'

3. भारत-वेस्टइंडीज के बीच 100वां टेस्ट

'भारत और वेस्टइंडीज के बीच 100वां टेस्ट मैच होना बहुत गर्व की बात है। दोनों ही टीमें अपने समय में बहुत सक्सेसफुल रहीं, इनसे कई ग्रेट प्लेयर्स भी निकले। मेरे लिए वेस्टइंडीज के खिलाफ प्लेयर और कोच के रूप में टेस्ट मैच खेलना बहुत स्पेशल है।'

4. टीम इंडिया की प्लेइंग-11

'पहले टेस्ट में हमने सब कुछ अच्छा किया। हमारे पास 3 पेसर्स और 2 वर्ल्ड क्लास स्पिनर्स थे। टीम में बैटर्स और ऑलराउंडर्स का परफेक्ट बैलेंस है। जब तक इंजरी से कोई फोर्स चेंज न करना पड़े तब तक टीम में बदलाव नहीं होगा।'

5. वेस्टइंडीज क्रिकेट का डाउनफॉल

'वेस्टइंडीज टेस्ट टीम पिछले कुछ सालों से बहुत अच्छा कर रही है। उन्होंने अपने घर में पिछले 6 टेस्ट सीरीज में एक ही गंवाई थी। नई जनरेशन के प्लेयर्स की तुलना 1990 के दिग्गजों से की जाती है, इसीलिए उन्हें और भी ज्यादा दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। क्लाइव लॉयड और रिचर्ड्स (विवियन) की टीमों से तुलना करना प्लेयर्स का कॉन्फिडेंस डाउन करता है।

टीम में आज भी कई टेलेंटेड प्लेयर्स हैं। वनडे वर्ल्ड कप में वेस्टइंडीज का नहीं होना क्रिकेट का नुकसान है। मैंने उन्हें वर्ल्ड कप जीतते हुए देखा है, जब 10 साल का था तब भारत ने पहला वर्ल्ड कप वेस्टइंडीज को हराकर ही जीता था। ब्रायन लारा, ईयन बिशप जैसे दिग्गज प्लेयर्स जानते हैं कि वेस्टइंडीज क्रिकेट को किस तरह फिर से बड़ा बनाना है।

6. शुभमन, ईशान और यशस्वी जायसवाल पर

'इसे घरेलू क्रिकेट की सक्सेस ही कहेंगे कि कई युवा खिलाड़ी इंटरनेशनल मंच पर आकर भी शानदार परफॉर्म करते हैं। टीम का रिलेक्सिंग एटमॉस्फेयर भी यशस्वी, ईशान और शुभमन जैसे युवा खिलाड़ियों को खुलकर परफॉर्म करने का मौका देता है। वेस्टइंडीज भी यशस्वी के खिलाफ नई स्ट्रैटजी के साथ अटैक करेगी। यशस्वी इसमें कैसा परफॉर्म करेंगे ये बहुत इम्पॉर्टेंट है।'

पाकिस्तान में हुआ एशिया कप की ट्रॉफी का अनावरण, पीसीबी चीफ ने दिया बयान

इस्लामाबाद, 20 जुलाई (एजेंसियां)। पीसीबी ने अपने सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें एशिया कप की ट्रॉफी का अनावरण किया जा रहा है।

एशिया कप 2023 का शेड्यूल जारी होने के बाद पाकिस्तान में एशिया कप 2023 की ट्रॉफी का अनावरण कर दिया गया है। बुधवार को एक खास इवेंट के दौरान पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने इस ट्रॉफी का अनावरण किया। पाकिस्तान को एशिया कप की मेजबानी मिली है। इसी के चलते ट्रॉफी का अनावरण भी पाकिस्तान में हुआ। इस मौके पर स्टार खिलाड़ी रे मोहम्मद हफीज और तेज गेंदबाज रहे वहाब रियाज जैसे सुपरस्टार प्लेयर मौजूद रहे।

जका अशरफ ने जताई खुशी

एशिया कप की ट्रॉफी के अनावरण के मौके पर पीसीबी मैनेजमेंट कमेटी के चेयरमैन जका अशरफ खुशी जाहिर की। उन्होंने कहा कि 'फैंस को इसका इंतजार लंबे समय से था और इसे सफल बनाने में कोई कमी नहीं छोड़ी जाएगी। जका अशरफ ने कहा 15 साल बाद पाकिस्तान एशिया कप की मेजबानी कर रहा है जो काफी खुशी की बात है।'

ये छह टीमें ले रही हैं हिस्सा

19 जुलाई को एशिया कप 2023 के शेड्यूल का ऐलान किया गया था। जिसके अनुसार, कुल 6 टीमें हिस्सा लेंगी। 3-3 टीमों के दो ग्रुप बनाए गए हैं। टीम इंडिया, पाकिस्तान और नेपाल को ग्रुप ए में रखा गया है, जबकि ग्रुप बी में बांग्लादेश, श्रीलंका और अफगानिस्तान की टीम है।

पाकिस्तान में कुल 4 मैच खेले जाएंगे

शेड्यूल के अनुसार, 30 अगस्त से एशिया कप की शुरुआत होगी। पहला मैच हाइब्रिड मॉडल के अनुसार मुल्तान में पाकिस्तान और नेपाल के बीच होगा। पाकिस्तान में कुल मिलाकर चार मैच खेले जाएंगे, जिसमें 3 ग्रुप राउंड के होंगे, तो 1 मुकाबला सुपर 4 का खेला जायेगा।

पाकिस्तान ने श्रीलंका को 4 विकेट से हराया

सीरीज में 1-0 की बढ़त; सउद शकील का दोहरा शतक

गॉल, 20 जुलाई (एजेंसियां)। पाकिस्तान ने श्रीलंका को दो टेस्ट मैचों की सीरीज के पहले मुकाबले में 4 विकेट से हरा दिया है। पहला टेस्ट गॉल में खेला गया। मैच के चौथे दिन श्रीलंका दूसरी पारी में 279 रन पर ऑलआउट हो गई और पाकिस्तान को 131 टारगेट दिया। जवाब में पाकिस्तान ने छह विकेट खोकर टारगेट हासिल कर लिया। पाकिस्तान टीम सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली है। दूसरा मैच 24 जुलाई से कोलंबो में खेला जाएगा। पाकिस्तान के सउद शकील ने पहली पारी में नाबाद दोहरा शतक लगाया। उन्होंने दूसरी पारी में 30 रन का योगदान दिया। उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

पांचवें दिन पाकिस्तान 48/3 के स्कोर से आगे खेलना शुरू किया। पांचवें और आखिरी दिन पाकिस्तान को जीत के लिए 83 रन की जरूरत थी

और उसके पास सात विकेट बचे थे। पाक टीम को पांचवें दिन दूसरी पारी में चौथा झटका बाबर आजम के रूप में लगा। बाबर 24 रन बनाकर प्रभात जयसूर्या का शिकार बने। पाकिस्तान के लिए दूसरी पारी में इमाम उल हक 50, सउद शकील 30 और बाबर ने 24 रन की अहम पारी खेली। श्रीलंका की ओर से दूसरी पारी में प्रभात जयसूर्या को चार और रमेश मेंडिस को एक विकेट मिला।

चौथे दिन श्रीलंका 14/0 के स्कोर के आगे खेलना शुरू किया। टीम दूसरी पारी में 279 रन पर ऑलआउट हो गई। धनंजय डी सिल्वा ने 82 रन की अर्धशतकीय पारी खेली। वहीं, अबरार अहमद और नौमान अली को 3-3 विकेट मिले। श्रीलंका ने पाकिस्तान को 131 टारगेट दिया। टीम ने दूसरी पारी में 3 विकेट खोकर 48 रन बना लिए है। अब पाकिस्तान को 83 रन की जरूरत है।

मैच के तीसरे दिन पहली इनिंग्स में पाकिस्तान की टीम 461 रन बना कर ऑलआउट हो गई। टीम ने श्रीलंका पर 149 रन की बढ़त बनाई। 27 वर्षीय पाकिस्तानी बल्लेबाज सऊद शकील ने अपना पहला दोहरा शतक जमाया। शकील ने नाबाद 208 रन की पारी खेली। श्रीलंका ने दूसरी पारी की शुरुआत करते हुए बिना नुकसान के 14 रन बनाए। प्रभात जयसूर्या (8*) और कप्तान दिमुथ करुणारत्ने (6*) नाबाद है। श्रीलंका के रमेश मेंडिस ने तीसरे दिन 5 विकेट लिए।

फीफा महिला विश्व कप: न्यूजीलैंड में ओपनिंग मैच से पहले नॉर्वे टीम के होटल के पास फायरिंग, दो की हुई मौत

ऑकलैंड, 20 जुलाई (एजेंसियां)। नॉर्वे की टीम के होटल के पास फायरिंग ने इलाके में दहशत फैला दी। उद्घाटन मैच से कुछ ही समय पहले यह घटना हुई। इसमें दो लोगों की मौत हुई है। रिपोर्ट के मुताबिक, फायरिंग में छह लोग घायल भी हुए हैं।

ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड की मेजबानी में महिला फुटबॉल विश्व कप का आयोजन हो रहा है। न्यूजीलैंड और नॉर्वे के बीच उद्घाटन मुकाबले से पहले एक घटना ने पूरी दुनिया को चौंका दिया। नॉर्वे की टीम के होटल के पास फायरिंग ने इलाके में दहशत फैला दी। उद्घाटन मैच से कुछ ही समय पहले यह घटना हुई। इसमें दो लोगों की मौत हुई है। रिपोर्ट के मुताबिक, फायरिंग में छह लोग घायल भी हुए हैं। इसमें पुलिसकर्मी भी शामिल हैं।

हालांकि, इस घटना का असर

मैच पर नहीं हुआ। उद्घाटन मुकाबला अपने नियत समय से शुरू हुआ। न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस हिपकिंस ने इस घटना के बारे में सबको जानकारी दी। उन्होंने कहा कि यह आतंकी हमला नहीं है। हिपकिंगस ने कहा, ₹यह राष्ट्रीय सुरक्षा पर किसी तरह के खतरे से जुड़ा मामला नहीं है। टूर्नामेंट अपने समय से शुरू होगा।₹ समाचार एजेंसी रायटर्स ने बताया कि गोलबारी नॉर्वे की खिलाड़ियों के होटल के नजदीक हुई। खिलाड़ियों ने सोशल मीडिया पर अपनी सलामती के बारे में बताया।

अमेरिका की उप-राष्ट्रपति ऑकलैंड में सुरक्षित

शहर में फायरिंग के बाद एक फैन इवेंट को रद्द कर दिया गया। इतना ही नहीं, इटली की टीम का अभ्यास सत्र भी देर से शुरू हुआ। फायरिंग के बाद खिलाड़ियों को होटल से बाहर नहीं जाने के निर्देश दिए गए थे। वहीं, अमेरिकी दूतावास ने अपनी खिलाड़ियों के सुरक्षित होने की जानकारी दी। उद्घाटन समारोह में भाग लेने के लिए अमेरिकी की उप-राष्ट्रपति कमला हैरिस ऑकलैंड में हैं। वह अपने पति डगलस एम्हॉफ के साथ सुरक्षित हैं। इस बारे में फीफा से पूछा गया तो उसे कहा कि संस्था को मामले की जानकारी है और इसका असर टूर्नामेंट पर नहीं पड़ेगा। उद्घाटन मुकाबले अपने समय से ही शुरू होगा।

टूर्नामेंट में होंगे कुल 64 मैच

अमेरिका की टीम गत चैंपियन के रूप में उतरी है। वह चार बार चैंपियन बन चुकी है। यह टूर्नामेंट का नौवां संस्करण है। अमेरिका की टीम खिताबी हैट्रिक लगाने उतरेगी। वह 2015 में भी जीती थी। इस बार ऑस्ट्रेलिया-न्यूजीलैंड के नौ शहरों के 10 मैदानों पर मैच खेले जाएंगे। एक महीने तक चलने वाले इस टूर्नामेंट में कुल 64 मैच खेले जाएंगे।

चौथा एशेज टेस्ट - पहला दिन:लाबुशेन और मार्श के अर्धशतक

वोक्स ने लिए चार विकेट; पहली पारी में ऑस्ट्रेलिया- 299/8

मैनचेस्टर, 20 जुलाई (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच एशेज सीरीज का चौथा टेस्ट मैच मैनचेस्टर में खेला जा रहा है। इंग्लैंड ने टॉस जीत कर पहले गेंदबाजी करने का फैसला लिया। ऑस्ट्रेलिया ने स्टंप्स तक पहली पारी में 8 विकेट पर 299 रन बना लिए हैं। पैट कमिंस (1*) और मिचेल स्टार्क (23*) नॉटआउट रहे।

पहले दिन मार्नस लाबुशेन और मिचेल मार्श ने अर्धशतक लगाए।

वहीं, इंग्लैंड के तेज गेंदबाज क्रिस वोक्स को 4 विकेट मिले।

ऑस्ट्रेलिया ने पहले बल्लेबाजी की। ओपनर डेविड वार्नर और उस्मान ख्वाजा बल्लेबाजी करने उतरे। उस्मान ख्वाजा महज 3 रन बना कर स्टुअर्ट ब्रॉड की बॉल पर आउट हो गए। ब्रॉड ने पांचवें ओवर की आखिरी बॉल फुल लेंथ बॉल फेंकी जो ख्वाजा पैड पर लगी। अंपायर ने एलबीडब्ल्यू आउट दिया। ख्वाजा ने रिव्यू लिया, लेकिन असफल रहे। इसके बाद डेविड वार्नर 32 रन बना कर आउट हुए। उन्हें क्रिस वोक्स ने चलता किया।

मार्नस लाबुशेन और स्टीव स्मिथ ने पारी को संभाला और 59 रन की पार्टनरशिप की। स्मिथ 41 रन बना कर आउट हुए। इसके बाद लाबुशेन और ट्रेविस हेड को बीच 63 रन की पार्टनरशिप हुई। लाबुशेन 51 रन की पारी खेल कर पवेलियन लौटे। ट्रेविस हेड ने 48 रन बनाए।

आईसीसी ने जारी किया ओडीआई वर्ल्ड कप-2023 का कैंपेन वीडियो

शाहरुख खान ने अपनी आवाज में समझाए क्रिकेट के नवरस

दुबई, 20 जुलाई (एजेंसियां)। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल ने अपकमिंग ओडिआई मेंस क्रिकेट वर्ल्ड कप 2023 का 2 मिनट 13 सेकंड का कैंपेन वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किया है। ये टूर्नामेंट 5 अक्टूबर से भारत में खेला जाएगा।

खास बात ये है कि इस वीडियो में बॉलीवुड सुपरस्टार शाहरुख खान ने वॉइस ओवर किया है। साथ ही वीडियो में शाहरुख खान की झलक भी देखने को मिलती है।

इस वीडियो में 1975 से आईसीसी वर्ल्ड कप की शुरुआत से लेकर अब तक के ऐतिहासिक और यादगार पलों को दिखाया गया है। वीडियो में दिनेश कार्तिक, शुभमन गिल, जेमिमा रोड्रिगेज और साउथ अफ्रीका के पूर्व क्रिकेटर और कोच जोंटी रोड्स भी नजर आ रहे हैं।

तेलंगाना में भारी पड़ती जा रही है आसमानी आफत, कई नदियां उफान पर

कई शहरों के निचले इलाकों में जलभराव, श्रमिकों के सामने रोजी-रोटी का संकट * भारी बारिश के बाद भी बिजली आपूर्ति जारी, स्थिति पर अधिकारियों की नजर

हैदराबाद, 20 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना में तीन दिन से जारी आसमानी आफत भारी पड़ रही है। राज्य की कई नदियां उफान पर है। आम जनजीवन प्रभावित हुआ है। गांव से लेकर शहरों के लोग बेहाल है। इससे राज्य के कई हिस्सों में सामान्य जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया, हालांकि अगले कुछ दिनों में और भारी बारिश के पूर्वानुमान के मद्देनजर आधिकारिक मशीनरी ने स्थिति से निपटने के लिए कमर कस ली है। तेलंगाना में जून के दौरान 50 प्रतिशत तक वर्षा की कमी दर्ज की गई, जिसके परिणामस्वरूप फसल की बुआई में देरी हुई। हालांकि, ताजा बारिश से स्थिति में काफी सुधार होने की संभावना है। भारत मौसम विज्ञान विभाग, हैदराबाद ने अपने मौसम पूर्वानुमान में कहा कि शुक्रवार सुबह तक तेलंगाना के अधिकांश स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश या गरज के साथ बौछारें पड़ने की संभावना है। इसके अलावा, अगले 24 घंटों तक आदिलाबाद, कुमराम भीम आसिफाबाद, मंचेरियल, राजन्ना सिरसिला और अन्य जिलों में अलग-अलग स्थानों पर भारी बारिश होने की संभावना है। इस अवधि के दौरान हैदराबाद और इसके आसपास के इलाकों में रुक-रुक कर हल्की से मध्यम बारिश के साथ-साथ कुछ देर के लिए तीव्र बारिश होने की संभावना है।

तेलंगाना में जोरदार दक्षिण-पश्चिम मानसून के कारण, पिछले 48 घंटों में सिद्दीपेट और भद्राद्री कोत्तागुडेम जिलों में कई स्थानों पर भारी से बहुत भारी वर्षा हुई। आदिलाबाद और मुलुगु जिलों में कुछ स्थानों पर और कामारेड्डी, निर्मल, निज़ामाबाद, वारंगल और राज्य के अन्य जिलों में कुछ स्थानों पर भारी वर्षा हुई।

इसे ध्यान में रखते हुए, नगरपालिका प्रशासन मंत्री केटी रामा राव ने अधिकारियों को हैदराबाद में भारी बारिश की स्थिति से निपटने के लिए तैयार रहने का निर्देश दिया है। उन्होंने जोर देकर कहा कि लोगों के जीवन की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। भद्राद्रि-कोत्तागुडेम जिले में, कलेक्टर प्रियंका आला ने निचले इलाकों का दौरा किया और अधिकारियों को एहतियाती कदम उठाने के निर्देश दिए। कालेश्वरम परियोजना और इंद्रावती और तालिपेरु नदियों के बाढ़ के पानी से भद्राचलम शहर में गोदावरी नदी का जल स्तर बुधवार रात तक 35 फीट तक बढ़ सकता है। कालेश्वरम परियोजना से 2.35 लाख क्यूसेक और इंद्रावती से 2.15 लाख क्यूसेक पानी छोड़े जाने के कारण पेरूरू में जल प्रवाह 5.3 लाख क्यूसेक तक पहुंच गया। तालीपेरु परियोजना से लगभग 60,000 क्यूसेक अतिरिक्त पानी छोड़ा गया।

सरकारी अधिकारी व जीएचएमसी की टीम की स्थिति पर पैनी नजर

इन सब के बीच बिजली आपूर्ति जारी है। राज्य सरकार के अधिकारी व जीएचएमसी की टीम स्थिति पर नजर बनाए हुए है। नागरिकों को बारिश से बचाने के लिए पुलिस की टीमें लोगों को लगातार बिजली पोल से दूर रहने की हिदायत दे रही है। हैदराबाद और सिकंदराबाद में कुछ स्थानों पर सड़कों पर पानी भर गया है। अधिकांश सिग्नलों के पास जलभराव के कारण वाहन चालकों को समस्या हो रही है। लगातार वर्षा के कारण सड़कों पर दुकानदारी करने वाले और श्रमिकों के सामने रोजी-रोटी का संकट खड़ा हो गया है। भारत मौसम विज्ञान विभाग-हैदराबाद ने मौसम पूर्वानुमान जारी किया है, जिसमें राजधानी हैदराबाद सहित तेलंगाना के विभिन्न हिस्सों में भारी बारिश की चेतावनी दी गई है। हैदराबाद के लिए ऑरेंज अलर्ट घोषित किया गया है।

हालांकि तेलंगाना में तीन दिनों से लगातार बारिश हो रही है। राज्य के कई शहर के कई हिस्सों में सड़कों और निचले इलाकों में पानी भर गया है। अधिकारियों ने संभावित भारी बारिश के कारण अधिकांश स्थानों पर संभावित यातायात भीड़ के बारे में भी निवासियों को आगाह किया है। गीली और फिसलन भरी सड़कें यात्रा को चुनौतीपूर्ण और खतरनाक बना रही है।

भद्राचलम में तेजी से बढ़ रहा है गोदावरी का जलस्तर, पहली चेतावनी जारी

जिला कलेक्टर डॉ. प्रियंका आला ने किया निचले इलाकों का निरीक्षण

कोत्तागुडेम, 20 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। जिले के भद्राचलम में गोदावरी नदी का जल स्तर तेजी से बढ़ रहा है और गुरुवार दोपहर 3.19 बजे 43 फीट के पहले चेतावनी स्तर को पार कर गया है। शाम 4 बजे जल स्तर 43.30 फीट था और 9,46,412 क्यूसेक पानी छोड़ हुआ था और अधिकारी आगे बढ़ने का अनुमान लगा रहे थे, जिसके परिणामस्वरूप नदी में जल स्तर आधी रात तक 48 फीट के दूसरे चेतावनी स्तर तक पहुंच सकता है। नदी में जल स्तर बढ़ने के साथ, बाढ़ का पानी नाली के पानी के रास्ते मंदिर शहर भद्राचलम में प्रवेश कर गया। अन्नदानम सतराम, धार्मिक वस्तुएं बेचने वाली दुकानें और मंदिर के पास के घर बाढ़ के पानी में डूब गए। अधिकारी उच्च क्षमता वाली मोटरों का उपयोग करके बाढ़ के पानी को बाहर निकाल रहे थे। बाढ़ प्रभावित मंडल डुम्मुगुडेम, भद्राचलम, चेरला, बर्गमपाड, अश्वपुरम और मनुगुर के निचले इलाकों में सड़क संपर्क प्रभावित हुआ। जिला कलेक्टर डॉ. प्रियंका आला ने भद्राचलम में निचले इलाकों का निरीक्षण किया और बाढ़ की स्थिति का जायजा लिया. उन्होंने अधिकारियों को बाढ़ प्रभावित गांवों के निवासियों को राहत केंद्रों में स्थानांतरित करने का निर्देश दिया। उन्होंने ग्रामीणों को सलाह दी कि वे अपने गांवों तक बाढ़ का पानी पहुंचने का इंतजार न करें, बल्कि अधिकारियों के निर्देशों का पालन करते हुए पहले ही राहत केंद्रों में चले जाएं। डॉ. आला ने अधिकारियों से कहा कि वे जर्जर घरों की पहचान करें और निवासियों को पुनर्वास केंद्रों में ले जाएं। भक्तों को भद्राचलम में स्नान घाटों में प्रवेश करने से रोकना होगा और पुलिस गश्त तेज करनी होगी। भद्राचलम, कोठागुडेम आरडीओ कार्यालयों और बाढ़ प्रवण मंडलों के तहसीलदार कार्यालयों में नियंत्रण कक्ष स्थापित किए गए हैं।

कलेक्टर ने कहा कि जनता सहायता के लिए कोठागुडेम कलेक्टर कार्यालय नियंत्रण कक्ष नंबर- 08744-241950, व्हाट्सएप नंबर- 9392919743, कोत्तागुडेम आरडीओ कार्यालय व्हाट्सएप नियंत्रण कक्ष नंबर- 9392919750, भद्राचलम उप-कलेक्टर कार्यालय नियंत्रण कक्ष नंबर- 08743-232444, व्हाट्सएप नंबर 7981219425 पर कॉल कर सकती है।

भारी बारिश के मद्देनजर जिलाधीश इला त्रिपाठी ने निरीक्षण किया

मुलुगु, 20 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। जिला कलेक्टर इला त्रिपाठी ने कम दबाव प्रणाली के कारण होने वाली लगातार बारिश के मद्देनजर कन्नईगुडेम, वाजीडु और वेंकटपुरम मंडलों के निचले इलाकों के निवासियों को सतर्क रहने और सावधानी बरतने को कहा है। कलेक्टर ने अधिकारियों के साथ कन्नैगुएम मंडल में सम्मक्का बैराज (तुपाकुलगुडेम बैराज) का दौरा किया और गुरुवार को वजीडु मंडल, साथ ही प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों (पीएचसी) और बाढ़-प्रवण क्षेत्रों में विभिन्न धाराओं का सर्वेक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों को अगले तीन से चार दिनों तक सतर्क रहने और जरूरत पड़ने पर निचले इलाकों में संभावित निकासी के लिए तैयार रहने की सलाह दी। उन्होंने पुनर्वास केंद्रों की स्थापना की भी सिफारिश की और अधिकारियों को इटुरनगरम में राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ) की दो टीमों को स्टैंडबाय पर रखने का निर्देश दिया। मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा कि बाढ़ से तत्काल कोई खतरा नहीं है क्योंकि जलग्रहण क्षेत्रों, मुख्य रूप से महाराष्ट्र के सिरोंचा में बारिश कम हो रही है। हालाँकि, उन्होंने लोगों से सतर्क रहने को कहा।

तहसीलदारों और मंडल परिषद विकास अधिकारियों (एमपीडीओ) से आग्रह किया गया कि वे स्थिति की बारीकी से निगरानी करें और यह सुनिश्चित करने के लिए निवारक उपाय लागू करें कि बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में सड़कें और गांव निवासियों के लिए सुलभ हों। मुलुगु आरडीओ के सत्यपाल रेड्डी और अन्य लोग उनके साथ थे।

मंजीरा नदी उफान पर, श्री दुर्गा भवानी का मंदिर बंद किया गया

एडुपायला में श्री वन दुर्गा भवानी मंदिर को अस्थायी रूप से बंद कर दिया गया क्योंकि मेडक जिले में घनपुर एनीकट के निचले हिस्से में मंजीरा नदी उफान पर है। संगारेड्डी और मेदक जिलों में पिछले तीन दिनों के दौरान लगातार बारिश होने के कारण गुरुवार को घनपुर बांध पर 10,000 क्यूसेक से अधिक पानी बह रहा था। नदी का पानी एडुपायला मंदिर के गर्भगृह से होकर बह रहा था, जिसके कारण पुजारियों को गुरुवार दोपहर को मंदिर बंद करना पड़ा। पुजारी राजा गोपुरम में जुलूस देवताओं के लिए दैनिक अनुष्ठान कर रहे थे। कार्यकारी अधिकारी सारा श्रीनिवास ने कहा कि नदी में पानी का प्रवाह कम होने पर वे मंदिर खोलेंगे।

राज्य में लगातार बारिश के बीच स्वास्थ्य विभाग हाई अलर्ट पर : हरीश राव

हैदराबाद, 20 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। स्वास्थ्य मंत्री हरीश राव ने गुरुवार को कहा कि पिछले 24 घंटों से पूरे तेलंगाना में लगातार बारिश के बाद स्वास्थ्य विभाग हाई अलर्ट पर है। उन्होंने कहा कि यह सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाए जाएंगे कि सरकारी अस्पतालों, खासकर दूरदराज के इलाकों में चौबीस घंटे स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध हों।

यादगिरिगुट्टा में सड़क दुर्घटना में एक की मौत, दूसरा घायल

यादाद्रि-भोंगीर, 20 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। यादगिरिगुट्टा मंडल के पेद्दा कंदुकुर में एक सड़क दुर्घटना में एक व्यक्ति की मौत हो गई और एक अन्य घायल हो गया। पुलिस के मुताबिक, सड़क दुर्घटना उस वक्त हुई जब वलिगोंडा से नेक्कोंडा जा रहा एक ट्रक नियंत्रण खोने के बाद सड़क किनारे पेड़ से टकरा गया. ट्रक में यात्रा कर रहे वारंगल के नेक्कोंडा मंडल के गुंद्रमपल्ली के बोंता श्रीनिवास (40) की मौके पर ही मौत हो गई। ट्रक का चालक इलियास घायल हो गया। दुर्घटना का कारण लापरवाही से गाड़ी चलाना बताया गया। इलियास को भोंगिर के क्षेत्रीय अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया। यादगिरिगुट्टा पुलिस ने मामला दर्ज किया और जांच जारी है।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

जीएचएमसी की लापरवाही ने पुराने शहर के निवासियों को गंभीर संकट में डाला : कांग्रेस

डीसीसी अध्यक्ष ने बारिश प्रभावित इलाकों का दौरा किया

हैदराबाद, 20 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद डीसीसी के अध्यक्ष समीर वलीउल्लाह ने गुरुवार को बारिश प्रभावित इलाकों का दौरा करने के बाद कहा, "हाल ही में हुई भारी बारिश ने शहर के बुनियादी ढांचे, खासकर पुराने शहर में बुनियादी ढांचे को बनाए रखने में ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम (जीएचएमसी) की लापरवाही को उजागर कर दिया है।" उन्होंने कहा कि भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) से अलर्ट मिलने के बावजूद जीएचएमसी बाढ़ को रोकने के लिए पर्याप्त उपाय करने में विफल रही है। समीर वलीउल्लाह ने कहा, "सड़कें खस्ताहाल हैं और जल निकासी प्रणाली कचरे से भरी हुई है। इससे बड़े पैमाने पर बाढ़ आ गई है, जिससे निवासियों को भारी परेशानी हुई है।" चारमीनार निर्वाचन क्षेत्र प्रभारी मुजीबुल्लाह शरीफ और युवा कांग्रेस नेता असलम शरीफ के साथ, कांग्रेस नेता ने उन निवासियों से भी बातचीत की जिन्होंने स्थिति से निपटने में अपनी चिंताएं और असहायता व्यक्त की। उन्होंने स्थानीय नगरसेवक प्रतिनिधियों की प्रतिक्रिया की कमी पर भी अपना गुस्सा व्यक्त किया है। उन्होंने आरोप लगाया, "पुराने शहर के एमआईएम, बीजेपी और बीआरएस नगरसेवक बारिश से प्रभावित लोगों की मदद करते हुए कहीं नजर नहीं आ रहे हैं। एमआईएम विधायकों ने कई प्रभावित इलाकों का दौरा भी नहीं किया है। उन्होंने कहा कि निवासियों ने शिकायत की है कि हेल्पलाइन अक्सर काम नहीं कर रही हैं, या कॉल का जवाब नहीं दिया जा रहा है। यहां तक कि जब कॉल का उत्तर दिया जाता है, तब भी अक्सर समस्याओं का समाधान नहीं किया जाता है। इससे निवासी असहाय और निराश महसूस कर रहे हैं।

भारी बारिश की संभावना के मद्देनदर वरिष्ठ अधिकारियों व कलेक्टरों को सतर्क रहने का आदेश

मुख्य सचिव ने वरिष्ठ अधिकारियों के साथ अपातकालीन बैठक की

हैदराबाद, 20 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव के निर्देशानुसार, मुख्य सचिव शांति कुमारी ने आज डॉ. बी.आर. अम्बेडकर तेलंगाना राज्य सचिवालय में एक आपातकालीन बैठक बुलाई। राज्य में लगातार भारी बारिश के मद्देनजर उठाए जाने वाले आपातकालीन उपायों पर चर्चा की। विशेष मुख्य सचिव आधार सिन्हा, रजत कुमार, सुनील शर्मा, राजस्व प्रमुख सचिव नवीन मित्तल, सिंगरेनी सीएमडी श्रीधर, आपदा प्रबंधन सचिव राहुल बोज्जा, कृषि सचिव रघुनंदन राव, अग्निशमन और आपदा प्रबंधन डीजी नागिरेड्डी, जीएडी सचिव शेषाद्रि, जीएचएमसी आयुक्त रोनाल्ड रोज़, सूचना विभाग के विशेष आयुक्त अशोक रेड्डी, ई.एन.सी. गणपति रेड्डी, ट्रांसको, सिंचाई, पंचायत राज, सड़क और भवन विभाग ईएनसी ने भाग लिया। इस अवसर पर मुख्य सचिव शांति कुमारी ने कहा कि चूंकि मौसम विभाग ने कहा है कि अगले 48 घंटों में राज्य में मुख्य रूप से उत्तरी तेलंगाना जिलों में भारी बारिश की संभावना है, विभिन्न विभागों के उच्च अधिकारी और कलेक्टर संबंधित जिलों को सतर्क रहने का आदेश दिया गया है. उन्होंने कहा, संयुक्त मेडक, आदिलाबाद, निज़ामाबाद और करीमनगर जिलों में भारी बारिश की उम्मीद है, इसी तरह दक्षिणी तेलंगाना जिलों में भी मध्यम बारिश होगी। सीएस ने कहा कि आपात स्थिति में मदद के लिए एनडीआरएफ की टीमों को वारंगल, मुलुगु और कोत्तागुडेम में रखा गया है और इसी तरह हैदराबाद में भी 40 सदस्यीय टीम तैयार है। उन्होंने बताया कि अभी तक राज्य में कोई नुकसान नहीं हुआ है, खासकर राज्य के तालाबों और झीलों को कोई नुकसान नहीं हुआ है और ग्रामीण इलाकों में सड़कों की स्थिति भी बेहतर है। उन्होंने कहा कि राज्य की सभी परियोजनाओं में भारी बाढ़ की कोई समस्या नहीं है क्योंकि केवल 50 प्रतिशत जल भंडार है। हालाँकि, उन्होंने बताया कि सभी जलाशयों और तालाबों पर पर्याप्त एहतियाती कदम उठाए गए हैं। गोदावरी भद्राचलम में 41.3 फीट पर बह रही है और आज रात खतरे का सूचकांक जारी होने की संभावना है। कहा जा रहा है कि राज्य में बारिश खेती के लिए काफी अनुकूल है।

उन्होंने बताया कि पिछले चार वर्षों में राज्य में किसी भी डायरिया या अन्य बीमारियों का प्रकोप नहीं हुआ है, फिर भी एहतियात के तौर पर प्रत्येक ग्राम पंचायत के मीठे पानी के टैंकों में बड़े पैमाने पर क्लोरीनीकरण किया गया है। नगर पालिका, राजस्व, पुलिस, सिंचाई, पंचायत राज, बिजली और आर एंड बी विभाग समन्वय से काम करें और किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए सभी निवारक उपाय करें। सिंचाई विभाग के अधिकारियों ने सतर्क रहने की बात कही है।

उन्होंने संबंधित मुख्य अभियंता के साथ कालेश्वरम परियोजना की बाढ़ की स्थिति की समीक्षा की। जीएचएमसी आयुक्त रोनाल्ड रोज़ ने कहा कि ग्रेटर हैदराबाद में 426 मानसून आपातकालीन टीमें और 157 स्टेटिक टीमें स्थापित की गई हैं और शहर में 339 जल जमाव बिंदुओं पर विशेष कर्मचारी तैनात किए गए हैं।

75 सालों से ग्रामीणों के लिए पक्की सड़क बनी सपना

हर चुनाव में जनप्रतिनिधि सड़क बनवाने का करते है वादा

मदनूर, 20 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। आजादी के 75 वर्ष बीत जाने के बाद संयुक्त मदनूर मंडल के कई गांवों के ग्रामीणों को पक्की सड़क नसीब नहीं हुई है। राचूर, ईलेगाव, एनबुरा, लीबूर वाडी गांव में सड़क का निर्माण नहीं हो पाया है। ग्रामीणों की माने तो जनप्रतिनिधियों का वादा बारिश के पानी के साथ बह गया। बारिश के कारण ग्रामीणों को आवागमन में कठिनाई हो रही है। आए दिन ट्रैक्टर और दूसरे वाहन कच्ची मिट्टी की सड़क में फंस जाते है। गांवों में जाने वाली मुख्य सड़क से केवल तीन किलोमीटर गांवों तक जनप्रतिनिधि पक्की सड़क ही निर्माण नहीं करा पाए है। इन इलाकों के सांसद, विधायक, एमएलसी, जिला पंचायत अध्यक्ष आदि जनप्रतिनिधि चुनावों के दौरान ग्रामीणों से तमाम वादे करते है।

संयुक्त मदनूर मंडल के ग्रामीणों का कहना है कि तमाम प्रकार के वादे और घोषणा की जा रही है। विकाश के दावे किए जा रहे है, लेकिन अधिकांश दावे सच्चाई से दूर है। जुक्कल विधानसभा क्षेत्र वर्ष 1978 में एसी उम्मीदवार के लिए आरक्षित हुआ। यहा से कांग्रेस पार्टी के चार बार, तेलगुदेशम पार्टी चार और भारत राष्ट्र समिति पार्टी के उम्मीदवार दो बार विधायक के रूप में जुक्कल की जनता ने चुन लिया। इनमें से किसी विधायक ने राचुर, एनबुरा, इलेगाव, लीबूर वाडी गाव में तीन किलोमीटर तक पक्की सड़क निर्माण नही करा पाएं। सड़क के लिए जनप्रतिनिधियों के पास ग्रामीण चक्कर लगाते रहते है। इसके बाद भी आज तक पक्की सड़क निर्माण नही किया गया। ग्रामीणों का कहना है कि चुनाव आने पर विभिन्न पार्टी के नेता झूठे आश्वासन देकर चले जाते है। इसके बाद हर एक बरसात में गांव में पक्की सड़क नही रहने से ग्रामीणों को कई समस्या का सामना करना पड़ रहा है।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.